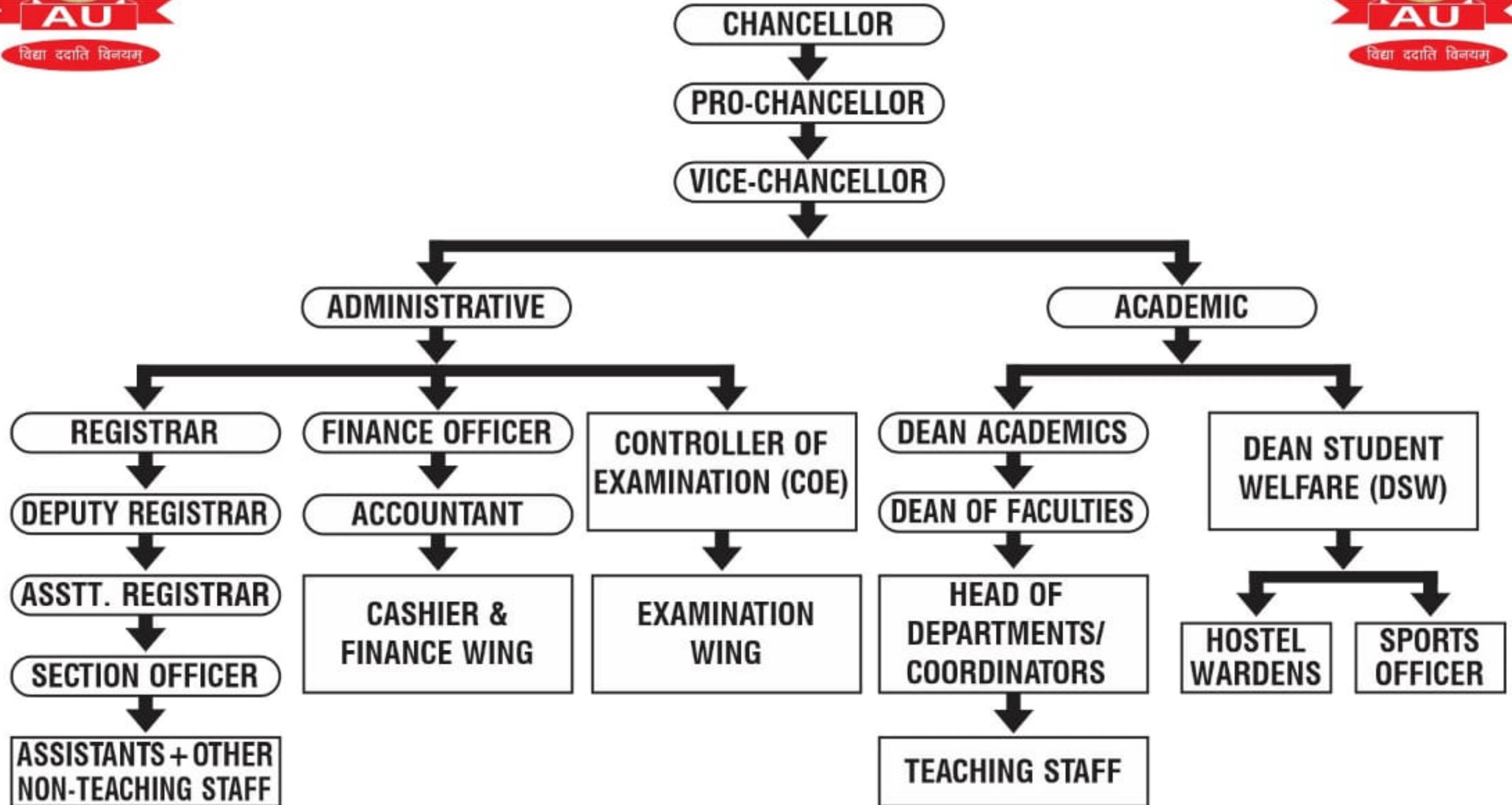




ABHILASHI UNIVERSITY





This is a digitally signed Gazette, to verify click here.

<http://rajpatrahimachal.nic.in>

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शनिवार, 24 जनवरी, 2015/4 माघ, 1936

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 जनवरी, 2015

संख्या: एल0एल0-डी0(6)-19/2014-लेज.—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 22-01-2015 को अनुमोदित अभिलाषी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2014 (2014 का विधेयक संख्यांक 14) को वर्ष 2015 के अधिनियम संख्यांक 8 के रूप में संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके अंग्रेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश ई-राजपत्र में प्रकाशित करती है।

आदेश द्वारा,
(देवेन्द्र कुमार शर्मा),
प्रधान सचिव (विधि)।

धाराओं का क्रम

धारा :

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ ।
2. परिभाषाएं ।
3. विश्वविद्यालय के उद्देश्य ।
4. निगमन ।
5. विश्वविद्यालय की शक्तियां और कृत्य ।
6. विश्वविद्यालय का स्व-वित्तपोषित होना ।
7. सम्बद्धता की शक्ति का न होना ।
8. विन्यास निधि ।
9. साधारण निधि ।
10. साधारण निधि का उपयोजन ।
11. विश्वविद्यालय के अधिकारी ।
12. कुलाधिपति ।
13. कुलपति ।
14. रजिस्ट्रार ।
15. मुख्य वित्त तथा लेखाधिकारी ।
16. अन्य अधिकारी ।
17. विश्वविद्यालय के प्राधिकरण ।
18. शासी निकाय ।
19. प्रबन्ध बोर्ड ।
20. विद्या परिषद् ।
21. विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकरण ।
22. निरर्हताएं ।
23. रिक्तियों से विश्वविद्यालय के किसी भी प्राधिकरण या निकाय की कार्यवाहियों का अविधिमान्य न होना ।
24. आकस्मिक रिक्तियों का भरा जाना ।
25. समितियां ।
26. प्रथम परिनियम ।
27. पश्चात्वर्ती परिनियम ।
28. प्रथम अध्यादेश ।
29. पश्चात्वर्ती अध्यादेश ।
30. विनियम ।
31. प्रवेश ।
32. फीस संरचना ।
33. परीक्षाएं ।
34. परिणामों की घोषणा ।
35. दीक्षांत समारोह ।
36. विश्वविद्यालय का प्रत्यायन ।
37. विश्वविद्यालय द्वारा विनियमन करने वाले निकायों के नियमों, विनियमों, सन्नियमों, आदि का अनुसरण ।
38. वार्षिक रिपोर्ट ।
39. वार्षिक लेखे और लेखा-परीक्षा ।
40. सरकार की विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने की शक्तियां ।
41. प्रायोजक निकाय द्वारा विश्वविद्यालय का विघटन ।

42. कतिपय परिस्थितियों में सरकार की विशेष शक्तियां ।
43. नियम बनाने की शक्ति ।
44. कठिनाईयां दूर करने की शक्ति ।
45. 2014 के हिमाचल प्रदेश अध्यादेश संख्यांक 3 का निरसन और व्यावृत्तियां ।

2015 का अधिनियम संख्यांक 8

अभिलाषी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2014

(राज्यपाल महोदया द्वारा तारीख 22 जनवरी 2015 को यथाअनुमोदित)

उच्चतर शिक्षा के लिए अभिलाषी विश्वविद्यालय चैल चौक, तहसील चच्चोट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश की स्थापना, निगमन और विनियमन करने तथा इसके क्रियाकलापों को विनियमित करने और उससे सम्बन्धित या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबन्ध करने के लिए **अधिनियम** ।

भारत गणराज्य के पैंसठवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम अभिलाषी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2014 है ।

(2) यह 14 अगस्त, 2014 को प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा ।

2. परिभाषाएं.—इस अधिनियम में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "प्रबन्ध बोर्ड" से इस अधिनियम की धारा 19 के अधीन गठित प्रबन्ध बोर्ड अभिप्रेत है;

(ख) "परिसर (कैम्पस)" से विश्वविद्यालय का वह क्षेत्र अभिप्रेत है जिसमें यह स्थापित है;

(ग) "दूरवर्ती शिक्षा" से संचार, अर्थात् प्रसारण, टेलीकास्टिंग, पत्राचार पाठ्यक्रमों, सेमिनारों, सम्पर्क कार्यक्रमों और ऐसी ही किसी अन्य कार्यपद्धति के किन्हीं भी दो या दो से अधिक साधनों के संयोजन द्वारा दी गई शिक्षा अभिप्रेत है;

(घ) "कर्मचारी" से विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त कोई भी व्यक्ति अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय के शिक्षक और अन्य कर्मचारिवृन्द हैं;

(ङ) "फीस" से, यथास्थिति, विश्वविद्यालय या इसके महाविद्यालयों, संस्थाओं अथवा अध्ययन केन्द्रों द्वारा छात्रों से, किसी भी प्रकार के नाम से किया गया धनीय संग्रहण, जो प्रतिदेय नहीं है, अभिप्रेत है;

(च) "सरकार" या "राज्य सरकार" से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है;

(छ) "शासी निकाय" से इस अधिनियम की धारा 18 के अधीन गठित शासी निकाय अभिप्रेत है;

(ज) "उच्चतर शिक्षा" से दस जमा दो स्तर से ऊपर के ज्ञान के अध्ययन के लिए, पाठ्यचर्या या पाठ्यक्रम का अध्ययन अभिप्रेत है;

(झ) "छात्रावास" से विश्वविद्यालय या उसके महाविद्यालयों, संस्थाओं और अध्ययन केन्द्रों के छात्रों के निवास के लिए विश्वविद्यालय द्वारा इस रूप में स्थापित या मान्यता प्राप्त निवास स्थान अभिप्रेत है;

- (अ) "अधिसूचना" से राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना अभिप्रेत है;
- (ट) "बाह्य परिसर (ऑफ कैम्पस)" से विश्वविद्यालय द्वारा मुख्य परिसर (कैम्पस) के बाहर स्थापित, उसकी घटक इकाई के रूप में प्रचालित और अनुरक्षित, कोई परिसर अभिप्रेत है, जिसमें विश्वविद्यालय की सम्पूर्ण सुविधाएं, संकाय और कर्मचारिवृन्द (स्टाफ) हो;
- (ठ) "राजपत्र" से राजपत्र (ई-गज़ट), हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है;
- (ड) "विहित" से इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा विहित अभिप्रेत है;
- (ढ) "विनियमन निकाय" से उच्चतर शिक्षा के शैक्षणिक सन्नियम सुनिश्चित करने के लिए मानदण्ड और शर्तें अधिकथित करने हेतु केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित कोई निकाय, जैसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद्, भारतीय औषधीय परिषद्, राष्ट्रीय निर्धारण और प्रत्यायन परिषद्, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, दूरवर्ती शिक्षा परिषद्, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, हिमाचल प्रदेश प्राइवेट शिक्षा संस्था विनियामक आयोग, आदि अभिप्रेत हैं और इसके अन्तर्गत सरकार है;
- (ण) "धारा" से इस अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;
- (त) "प्रायोजक निकाय" से सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अधीन रजिस्ट्रीकृत अभिलाषी एजुकेशनल सोसाइटी, नेर चौक, तहसील सदर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है;
- (थ) "राज्य" से हिमाचल प्रदेश राज्य अभिप्रेत है;
- (द) "परिनियमों", "अध्यादेशों" और "विनियमों" से इस अधिनियम के अधीन बनाए गए विश्वविद्यालय के क्रमशः परिनियम, अध्यादेश और विनियम अभिप्रेत हैं;
- (ध) "छात्र" से अनुसंधान उपाधि सहित विश्वविद्यालय द्वारा संस्थित किसी उपाधि, डिप्लोमा या अन्य विद्या सम्बन्धी विशेष उपाधि के लिए, पाठ्यक्रमानुसार अध्ययन करने के लिए विश्वविद्यालय में नामांकित व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (न) "अध्ययन केन्द्र" से ऐसा केन्द्र अभिप्रेत है जो छात्रों को दूरवर्ती शिक्षा के सन्दर्भ में सलाह देने, परामर्श देने या उन द्वारा अपेक्षित कोई अन्य सहायता देने के प्रयोजन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित और अनुरक्षित या मान्यता प्राप्त है;
- (प) "शिक्षक" से विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार अध्ययन करने के लिए छात्रों को शिक्षा देने या अनुसंधान में मार्गदर्शन करने या किसी भी अन्य रूप में मार्गदर्शन करने के लिए अपेक्षित कोई आचार्य, उपाचार्य, प्राध्यापक या कोई अन्य व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (फ) "विश्वविद्यालय" से अभिलाषी विश्वविद्यालय, चैल चौक, तहसील चच्योट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है; और
- (ब) "विनियामक आयोग" से हिमाचल प्रदेश प्राइवेट शिक्षा संस्था (विनियामक आयोग) अधिनियम, 2010 (2011 का 15) की धारा 3 के अधीन स्थापित हिमाचल प्रदेश प्राइवेट शिक्षा संस्था विनियामक आयोग अभिप्रेत है।

3. विश्वविद्यालय के उद्देश्य.—विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे,—

- (क) बौद्धिक योग्यताओं के उच्चतर स्तर सृजित करने के दृष्टिगत उच्चतर शिक्षा में शिक्षण, अध्यापन और प्रशिक्षण का उपबन्ध करना;
- (ख) शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए सुविधाएं स्थापित करना;
- (ग) अध्यापन और अनुसंधान को कार्यान्वित करना और सतत् शिक्षा कार्यक्रम प्रस्थापित करना;
- (घ) राज्य की आवश्यकताओं से सुसंगत अनुसंधान और विकास के लिए ज्ञान तथा इसके उपयोजन में सहभागी होने के लिए श्रेष्ठता के केन्द्रों का सृजन करना;
- (ङ) राज्य में परिसर (कैम्पस) स्थापित करना;
- (च) परीक्षा केन्द्र स्थापित करना;
- (छ) परीक्षा या ऐसी किसी अन्य पद्धति के आधार पर उपाधियां, डिप्लोमें, प्रमाण-पत्र और अन्य विद्या सम्बन्धी विशेष उपाधियां संस्थित करना; ऐसा करते समय, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करेगा कि उपाधियों, डिप्लोमों, प्रमाण-पत्रों और अन्य विद्या सम्बन्धी विशेष उपाधियों का स्तर उससे कम नहीं हो, जो विनियमन निकायों द्वारा अधिकथित किया गया है;
- (ज) लागू नियमों या विनियमों के अध्यधीन बाह्य परिसर केन्द्र (ऑफ कैम्पस सेन्टरज) स्थापित करना;
- (झ) विश्वविद्यालय शिक्षा पद्धति के उद्देश्यों में सुभिन्न योगदान, अर्थात् परम्परागत संस्थाओं द्वारा नेमित: प्रस्थापित सामान्य प्रकृति के कार्यक्रमों, जो कला, विज्ञान, ईजीनियरिंग, औषधि, दंत चिकित्सा, भेषजी, प्रबंधन आदि में परम्परागत उपाधियों का मार्ग प्रशस्त करते हैं, से स्पष्टता भिन्न शैक्षणिक विनियोजन करने के लिए सिद्ध योग्यता सहित विशेषज्ञता के क्षेत्रों में लगे रहना;
- (ञ) सुदृढ़ अंतर-विषयक अभिविन्यास और संयोजन सहित विभिन्न विषयों में विस्तृत आधारमुक्त और व्यवहार्य स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और अनुसंधान कार्यक्रम स्थापित करना; और
- (ट) विश्वविद्यालय को इस अधिनियम के प्रारम्भ की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर क्रियाशील करना।

4. निगमन.—(1) विश्वविद्यालय के प्रथम कुलाधिपति और प्रथम कुलपति तथा शासी निकाय, प्रबन्ध बोर्ड और विद्या परिषद् के प्रथम सदस्य तथा ऐसे समस्त व्यक्ति, जो इसके पश्चात् ऐसे अधिकारी या सदस्य हो सकेंगे, जब तक वे ऐसा पद धारण करते रहते हैं या सदस्य बने रहते हैं, मिलकर अभिलाषी विश्वविद्यालय, चैल चौक, तहसील चच्योट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश के नाम से एक निगमित निकाय का गठन करेंगे।

(2) विश्वविद्यालय का शाश्वत् उत्तराधिकार होगा और एक सामान्य मुद्रा होगी तथा उक्त नाम से वह वाद ला सकेगा और उस पर वाद लाया जा सकेगा।

(3) विश्वविद्यालय और इसका मुख्यालय चैल चौक, तहसील चच्योट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश में स्थित होगा।

5. विश्वविद्यालय की शक्तियां और कृत्य.—(1) विश्वविद्यालय की निम्नलिखित शक्तियां और कृत्य होंगे, अर्थात्:—

- (i) विद्या की ऐसी शाखाओं में, जिन्हें विश्वविद्यालय समय-समय पर अवधारित करे, शिक्षण की व्यवस्था करना तथा अनुसंधान और ज्ञान की अभिवृद्धि और प्रसारण के लिए तथा शिक्षा के प्रसार के लिए उपबंध करना;

- (ii) तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में, ऐसी शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के अन्तरराष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने में आधुनिक पद्धतियों और प्रौद्योगिकियों में नई रीति में प्रयोग करना;
- (iii) निवेश—बाह्य अध्यापन और प्रसार सेवाओं की व्यवस्था करना और जिम्मा लेना;
- (iv) किसी विधि के अधीन, किसी कानूनी निकाय द्वारा मान्यता के अध्यक्षीन, यदि अपेक्षित हो, परीक्षाएं लेना और व्यक्तियों को डिप्लोमों और प्रमाण—पत्र प्रदान करना और उपाधियां तथा अन्य विद्या सम्बन्धी विशेष उपाधियां प्रदत्त करना और ऐसे किन्हीं डिप्लोमों, प्रमाण—पत्रों, उपाधियों या अन्य विद्या सम्बन्धी विशेष उपाधियों को समुचित और पर्याप्त हेतुक होने पर वापस लेना;
- (v) अध्यापन, प्रशासनिक और अन्य ऐसे पदों का, जिन्हें विश्वविद्यालय समय—समय पर आवश्यक समझे, सृजन करना और उन पर नियुक्तियां करना;
- (vi) प्रायोजक निकाय/विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय के लिए पूर्णकालिक नियमित कर्मचारियों की नियुक्ति करेगा तथा कर्मचारियों का वेतन प्रत्येक माह कर्मचारियों के बैंक खाते में जमा किया जाएगा;
- (vii) अध्येतावृत्तियां, अध्ययनवृत्तियां और पुरस्कार संस्थित करना और प्रदान करना;
- (viii) हालों सहित छात्रावासों को स्थापित और अनुरक्षित करना; हालों सहित छात्रावासों, जो विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित न हों और छात्रों के निवास के लिए अन्य आवास को मान्यता देना, मार्गदर्शन करना, पर्यवेक्षण करना और नियन्त्रण करना तथा दी गई ऐसी मान्यता वापस लेना;
- (ix) विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों में अनुशासन को विनियमित करना और उसे प्रवर्तित करना तथा ऐसे अनुशासनात्मक उपाय करना जो आवश्यक समझे जाएं;
- (x) विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के छात्रों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सामान्य कल्याण के संवर्धन के लिए व्यवस्था करना;
- (xi) विश्वविद्यालय और इसके महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए मानदण्ड अवधारित करना;
- (xii) किसी संस्था या उसके सदस्यों या छात्रों को किसी भी प्रयोजन के लिए पूर्णतः या भागतः ऐसे निबन्धनों और शर्तों पर, जो समय—समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं, मान्यता देना और ऐसी मान्यता को वापस लेना;
- (xiii) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) और तदधीन बनाए गए विनियमों के अध्यक्षीन, दूरवर्ती शिक्षा सहित उच्चतर शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए विकसित देशों में आधुनिक उच्च प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट केन्द्रों (सेन्टरज ऑफ एक्सिलेंस) के साथ द्वि—युगमी व्यवस्था विकसित करना और बनाए रखना;
- (xiv) विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के समरूप उद्देश्यों और प्रयोजनों वाले किसी अन्य विश्वविद्यालय, प्राधिकरण या संगम या किसी सार्वजनिक निकाय के साथ ऐसे प्रयोजनों के लिए, जैसे करार पाए जाएं, ऐसे निबन्धनों और शर्तों पर, जो समय—समय पर विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, सहकार करना;
- (xv) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) और तदधीन बनाए गए विनियमों के अध्यक्षीन, अनुसंधान और उच्चतर शिक्षा के संचालन में अन्य राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहकार करना;
- (xvi) विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के संवर्धन के लिए विश्वविद्यालय से सम्बन्धित या उसमें निहित सम्पत्ति का किसी भी रीति में, जैसी आवश्यक समझी जाए, संव्यवहार करना;

- (xvii) विश्वविद्यालय में किसी संस्था को निगमित करने और इसके अधिकारों, सम्पत्तियों और दायित्वों को ग्रहण करने और किसी अन्य प्रयोजन के लिए, जो इस अधिनियम के विरुद्ध न हों, करार करना;
- (xviii) ऐसी फीस और अन्य प्रभारों, जो समय-समय पर विनिर्दिष्ट किए जाएं, के संदाय की मांग करना और प्राप्त करना;
- (xix) माता-पिता और छात्रों के सिवाय दान तथा अनुदान प्राप्त करना और विश्वविद्यालय के प्रयोजनों और उद्देश्यों के लिए हिमाचल प्रदेश के भीतर या बाहर न्यास या विन्यस्त सम्पत्ति सहित किसी स्थावर या जंगम सम्पत्ति को, अर्जित करना, धारित करना, उसका प्रबन्ध और व्ययन करना और निधियों का ऐसी रीति, जिसे विश्वविद्यालय उचित समझे, में विनिधान करना;
- (xx) अनुसंधान और सलाहकार सेवाओं का उपबन्ध करने के लिए और उस प्रयोजन के लिए अन्य संस्थाओं या निकायों के साथ ऐसी व्यवस्थाएं करना जैसी विश्वविद्यालय उचित समझे;
- (xxi) अनुसंधान और अन्य कार्य, जिसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा जारी की जाने वाली पुस्तकें भी हैं, के मुद्रण, प्रत्युत्पादन और प्रकाशन की व्यवस्था करना;
- (xxii) विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए संस्थाओं और परीक्षाओं को मान्यता देना;
- (xxiii) ऐसे अन्य समस्त कार्य करना, जो विश्वविद्यालय के सभी या किन्हीं उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक, आनुषंगिक या सहायक हों;
- (xxiv) इस अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए परिनियम, अध्यादेश और विनियम बनाना;
- (xxv) देश के भीतर तथा बाहर, पारस्परिक आधार पर अन्य विश्वविद्यालयों के साथ-साथ ड्यूल-उपाधियां, डिप्लोमें या प्रमाण-पत्रों के लिए उपबन्ध करना;
- (xxvi) विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों के विभिन्न विषयों, (अनुशासनों) में एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए उपबन्ध करना;
- (xxvii) केन्द्रीय सरकार के विनियामक निकायों और केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी मानकों और विनियमों को पूर्ण करने के पश्चात् तथा राज्य सरकार का विनिर्दिष्ट अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् महाविद्यालय, संस्थाएं, ऑफ कैम्पस केन्द्र, ऑफ शोर केन्द्र और अध्ययन केन्द्र स्थापित करना या दूरवर्ती शिक्षा प्रारम्भ करना; और
- (xxviii) पारस्परिक रूप से स्वीकार्य निबन्धनों और शर्तों पर अन्य संस्थाओं से सहयोग (कलैबोरेशन) करना ।

(2) अपने उद्देश्यों के अनुसरण में और अपनी शक्तियों के प्रयोग तथा अपने कृत्यों के अनुपालन में विश्वविद्यालय किसी व्यक्ति, चाहे कोई भी हो, के साथ जाति, वर्ग, रंग, पंथ, लिंग, धर्म या मूलवंश के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करेगा ।

6. विश्वविद्यालय का स्व-वित्तपोषित होना.—विश्वविद्यालय स्व-वित्तपोषित होगा और वह राज्य सरकार से कोई भी अनुदान या अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा ।

7. सम्बद्धता की शक्ति का न होना.—विश्वविद्यालय को किसी भी अन्य संस्था के साथ सम्बद्धता की या अन्यथा अपने विशेषाधिकार में लाने की कोई शक्ति नहीं होगी ।

8. विन्यास निधि.—(1) प्रायोजक निकाय, विश्वविद्यालय के लिए तीन करोड़ रूपए की रकम से एक विन्यास निधि स्थापित करेगा, जो सरकार के पास गिरवी रखी जाएगी ।

(2) इस अधिनियम और तदधीन बनाए गए नियमों, विनियमों, परिनियमों या अध्यादेशों के उपबन्धों की कड़ी अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए, विन्यास निधि को प्रतिभूति-निक्षेप के रूप में रखा जाएगा ।

(3) यदि विश्वविद्यालय या प्रायोजक निकाय, इस अधिनियम या तदधीन बनाए गए नियमों, परिनियमों, अध्यादेशों या विनियमों के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करता है, तो राज्य सरकार को, सम्पूर्ण विन्यास-निधि या उसके भाग को विहित रीति में समपहृत करने की शक्ति होगी ।

(4) विन्यास-निधि से प्राप्त आय का उपयोग, विश्वविद्यालय की अवसंरचना के विकास के लिए किया जाएगा, किन्तु इसका उपयोग विश्वविद्यालय के आवर्ती व्यय की पूर्ति करने में नहीं किया जाएगा ।

(5) विन्यास-निधि की रकम, किसी अधिसूचित बैंक में सावधि जमा लेखों के रूप में, इस शर्त के अधीन कि यह निधि राज्य सरकार की अनुज्ञा के बिना प्रत्याहृत नहीं की जाएगी, विश्वविद्यालय के विघटन तक, विनिहित रखी जाएगी ।

9. साधारण निधि.—विश्वविद्यालय एक निधि स्थापित करेगा, जिसे साधारण निधि कहा जाएगा, जिसमें निम्नलिखित जमा किया जाएगा, अर्थात् :-

- (क) विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त फीस और अन्य प्रभार;
- (ख) प्रायोजक निकाय द्वारा किया गया कोई अभिदाय;
- (ग) परामर्शी-सेवा और विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अन्य कार्यों से प्राप्त कोई आय;
- (घ) वसीयतें, माता-पिता और छात्रों के सिवाय दान, विन्यास और अन्य कोई अनुदान; और
- (ङ) विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त समस्त अन्य राशियां ।

10. साधारण निधि का उपयोजन.—साधारण निधि, निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाई जाएगी, अर्थात्:-

- (क) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और शिक्षण और अनुसंधान स्टाफ के सदस्यों के वेतन और भत्तों के संदाय के लिए और ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों को किसी भविष्य निधि अभिदायों, उपदान और अन्य फायदों के संदाय के लिए;
- (ख) विश्वविद्यालय द्वारा विद्युत, दूरभाष आदि सहित, ली गई सेवाओं के लिए उपगत होने वाले व्ययों के लिए;
- (ग) करों या स्थानीय उद्ग्रहणों, जहां भी लागू हैं, के संदाय के लिए;
- (घ) विश्वविद्यालय की परिसम्पत्तियों के अनुरक्षण के लिए;
- (ङ) विश्वविद्यालय द्वारा उपगत ऋणों, जिसमें उनके ब्याज प्रभार सम्मिलित हैं, के संदाय के लिए;
- (च) शासी निकाय, प्रबन्ध बोर्ड, विद्या परिषद् आदि के सदस्यों के यात्रा और अन्य भत्तों के संदाय के लिए;
- (छ) यथास्थिति, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों या अनुसंधान सहकारियों या प्रशिक्षणार्थियों या इस अधिनियम के अधीन बनाए गए परिनियमों, अध्यादेशों, विनियमों के अधीन

ऐसे पुरस्कार के लिए अन्यथा पात्र किसी भी छात्र को अध्येतावृत्तियों, फीस माफियों, छात्रवृत्तियों, सहायकवृत्तियों और अन्य पुरस्कारों (अर्वाइज) के संदाय के लिए;

- (ज) इस अधिनियम की धारा 8 और 9 के अधीन सृजित निधियों की लेखा-परीक्षा की लागत के संदाय के लिए;
- (झ) किसी वाद या कार्यवाहियों, जिसमें विश्वविद्यालय पक्षकार है, के व्यय की पूर्ति के लिए;
- (ञ) जंगम (चल) और स्थावर (अचल) परिसम्पत्तियों के प्रयोजन के लिए;
- (ट) विश्वविद्यालय द्वारा इस अधिनियम या तद्धीन बनाए गए परिनियमों, अध्यादेशों, विनियमों या नियमों के उपबन्धों को कार्यान्वित करने में उपगत किसी व्यय के संदाय के लिए; और
- (ठ) किसी अन्य व्यय के संदाय के लिए, जो प्रबन्ध बोर्ड द्वारा विश्वविद्यालय के प्रयोजनों के लिए व्यय होने के रूप में अनुमोदित हो:

परन्तु विश्वविद्यालय द्वारा कोई भी व्यय, वर्ष के लिए कुल आवर्ती व्यय और कुल अनावर्ती व्यय की सीमाओं, जो प्रबन्ध बोर्ड द्वारा नियत की जाएं, से अधिक, उसके पूर्व अनुमोदन के बिना, उपगत नहीं किया जाएगा:

परन्तु यह और कि उप-खण्ड (ड) के अधीन विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए साधारण निधि, शासी निकाय के पूर्व अनुमोदन से उपयोजित की जाएगी :

परन्तु यह और कि विश्वविद्यालय की आय और सम्पत्ति का कोई भी भाग, प्रत्यक्षतः या परोक्षतः लाभांश, बोनस या अन्यथा किसी भी तरह के लाभ के रूप में उन व्यक्तियों को, जो किसी समय विश्वविद्यालय के सदस्य थे या हैं या उनमें से किसी को या उनके माध्यम से दावा करने वाले किन्हीं व्यक्तियों को, संदत्त या अंतरित नहीं किया जाएगा :

परन्तु इसमें अन्तर्विष्ट कोई बात विश्वविद्यालय को प्रदान की गई किसी सेवा के प्रतिफलस्वरूप पारिश्रमिक के उसके किसी सदस्य या अन्य व्यक्ति को अथवा यात्रा या अन्य भत्तों तथा ऐसे अन्य प्रभारों के लिए सद्भावपूर्वक संदाय को निवारित नहीं करेगी।

11. विश्वविद्यालय के अधिकारी.—विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अधिकारी होंगे, अर्थात्:—

- (i) कुलाधिपति;
- (ii) कुलपति;
- (iii) रजिस्ट्रार;
- (iv) मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी; और

(v) विश्वविद्यालय की सेवा में ऐसे अन्य व्यक्ति, जो परिनियमों द्वारा विश्वविद्यालय के अधिकारी घोषित किए जाएं।

12. कुलाधिपति.—(1) कुलाधिपति, प्रायोजक निकाय द्वारा, राज्य सरकार के अनुमोदन से, तीन वर्ष की अवधि के लिए, ऐसी रीति में और ऐसे निबन्धनों और शर्तों पर, नियुक्त किया जाएगा जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं।

(2) कुलाधिपति, विश्वविद्यालय का प्रमुख (हैड) होगा।

(3) कुलाधिपति, शासी निकाय की बैठकों की तथा उपाधियां, डिप्लोमों या अन्य विद्या सम्बन्धी विशेष उपाधियां प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेगा।

(4) कुलाधिपति की निम्नलिखित शक्तियां होंगी, अर्थात् :-

(क) कोई सूचना या अभिलेख मंगवाना;

(ख) कुलपति को नियुक्त करना;

(ग) इस अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) के उपबन्धों के अनुसार कुलपति को हटाना; और

(घ) ऐसी अन्य शक्तियां जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं ।

13. कुलपति.—(1) कुलपति की नियुक्ति, शासी निकाय द्वारा संस्तुत तीन व्यक्तियों के पैनल में से, कुलाधिपति द्वारा ऐसे निबन्धनों और शर्तों पर की जाएगी, जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं और वह उपधारा (7) में अन्तर्विष्ट उपबन्धों के अधीन तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारित करेगा :

परन्तु तीन वर्ष की अवधि के अवसान के पश्चात्, व्यक्ति तीन वर्ष की और अवधि के लिए पुनर्नियुक्ति का पात्र होगा :

परन्तु यह और कि कुलपति अपनी अवधि के अवसान के पश्चात् भी, नए कुलपति के पदग्रहण करने तक, पद धारित करता रहेगा, तथापि, किसी भी दशा में यह अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं होगी ।

(2) कुलपति, विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यपालक और शैक्षणिक अधिकारी होगा तथा उसका विश्वविद्यालय के कार्यकलापों पर साधारण अधीक्षण और नियंत्रण होगा तथा वह विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राधिकरणों के विनिश्चयों का निष्पादन करेगा ।

(3) कुलपति, कुलाधिपति की अनुपस्थिति में विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेगा ।

(4) यदि, कुलपति की राय में किसी ऐसे मामले में, जिसके लिए शक्तियां इस अधिनियम के द्वारा या अधीन किसी अन्य प्राधिकरण को प्रदत्त की गई हैं, तुरन्त कार्रवाई करना आवश्यक हो, तो वह ऐसी कार्रवाई कर सकेगा जैसी वह आवश्यक समझे, और तत्पश्चात् अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट, यथासंभव—शीघ्र अवसर पर, ऐसे अधिकारी या प्राधिकरण को करेगा जिसने सामान्य अनुक्रम में मामले को निपटाया होता :

परन्तु यदि सम्बन्धित अधिकारी या प्राधिकरण की राय में, ऐसी कार्रवाई कुलपति द्वारा नहीं की जानी थी, तो ऐसा मामला कुलाधिपति को निर्दिष्ट किया जाएगा, जिस पर उसका विनिश्चय अन्तिम होगा ।

(5) यदि, कुलपति की राय में, विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकरण का कोई भी विनिश्चय, इस अधिनियम या तद्धीन बनाए गए परिनियमों, अध्यादेशों, विनियमों या नियमों द्वारा प्रदत्त शक्तियों के बाहर है या उससे विश्वविद्यालय के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना है, तो वह सम्बद्ध प्राधिकरण से इसके विनिश्चय की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर उसके विनिश्चय का पुनरीक्षण करने का अनुरोध कर सकेगा और यदि प्राधिकरण, ऐसे विनिश्चय का पूर्णतः या भागतः पुनरीक्षण करने से इन्कार करता है या पन्द्रह दिन के भीतर कोई विनिश्चय करने में असफल रहता है, तो ऐसा मामला कुलाधिपति को निर्दिष्ट किया जाएगा और उस पर उसका विनिश्चय अन्तिम होगा ।

(6) कुलपति ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा, जो परिनियमों या अध्यादेशों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं ।

(7) यदि, किसी भी समय किए गए किसी अभ्यावेदन पर या अन्यथा, और ऐसी जांच करने के पश्चात्, जैसी आवश्यक समझी जाए, स्थिति ऐसी हो और यदि कुलपति का बने रहना विश्वविद्यालय के हित में न हो तो, कुलाधिपति, लिखित आदेश द्वारा, उसमें कारणों को कथित करते हुए, कुलपति को, ऐसी तारीख से, जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए, पद छोड़ने के लिए कह सकेगा :

परन्तु इस उपधारा के अधीन कोई कार्रवाई करने से पूर्व, कुलपति को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा ।

14. रजिस्ट्रार.—(1) रजिस्ट्रार की नियुक्ति, ऐसी रीति में और सेवा के ऐसे निबन्धनों और शर्तों पर, जो परिनियमों द्वारा विहित की जाएं, कुलाधिपति द्वारा की जाएगी।

(2) रजिस्ट्रार को विश्वविद्यालय की ओर से करार करने, संविदा करने, दस्तावेज हस्ताक्षरित करने और अभिलेख अधिप्रमाणित करने की शक्ति होगी तथा वह ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा, जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

(3) रजिस्ट्रार शासी निकाय, प्रबन्ध बोर्ड और विद्या परिषद् का सदस्य—सचिव होगा, परन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं होगा।

15. मुख्य वित्त तथा लेखा अधिकारी .—(1) मुख्य वित्त तथा लेखा अधिकारी की नियुक्ति, ऐसी रीति में और सेवा के ऐसे निबन्धनों और शर्तों पर, जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, कुलाधिपति द्वारा की जाएगी।

(2) मुख्य वित्त तथा लेखा अधिकारी, ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा, जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

16. अन्य अधिकारी.—(1) विश्वविद्यालय ऐसे अन्य अधिकारियों की नियुक्ति कर सकेगा, जितने उसके क्रियाकलापों के लिए आवश्यक हों।

(2) विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों की नियुक्ति की रीति और उनकी शक्तियां और कृत्य ऐसे होंगे, जैसे परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

17. विश्वविद्यालय के प्राधिकरण.—विश्वविद्यालय के निम्नलिखित प्राधिकरण होंगे, अर्थात् :—

- (i) शासी निकाय;
- (ii) प्रबन्ध बोर्ड;
- (iii) विद्या परिषद्; और
- (iv) ऐसे अन्य प्राधिकरण जो परिनियमों द्वारा विश्वविद्यालय के प्राधिकरण घोषित किए जाएं।

18. शासी निकाय.—(1) विश्वविद्यालय का शासी निकाय निम्नलिखित से गठित होगा, अर्थात् :—

- (क) कुलाधिपति;
 - (ख) कुलपति;
 - (ग) प्रायोजक निकाय द्वारा नामनिर्दिष्ट पांच व्यक्ति जिनमें से दो विख्यात शिक्षाविद् होंगे;
 - (घ) विश्वविद्यालय के बाहर से, कुलाधिपति द्वारा नामनिर्दिष्ट, प्रबंधन या सूचना प्रौद्योगिकी का एक विशेषज्ञ;
 - (ङ) सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट दो व्यक्ति; और
 - (च) राज्य विधानमण्डल द्वारा निर्वाचित किए जाने वाले राज्य विधान सभा के दो सदस्य।
- (2) शासी निकाय, विश्वविद्यालय का सर्वोच्च प्राधिकरण होगा।
- (3) शासी निकाय की निम्नलिखित शक्तियां होंगी, अर्थात्:—

(क) सामान्य अधीक्षण और निदेशों का उपबन्ध करना और इस अधिनियम या तदधीन बनाए गए परिनियमों, अध्यादेशों, विनियमों या नियमों द्वारा यथा—उपबंधित ऐसी समस्त शक्तियों के प्रयोग द्वारा विश्वविद्यालय के क्रियाकलापों पर नियंत्रण रखना;

- (ख) विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकरणों के विनिश्चयों का पुनर्विलोकन करना, यदि वे इस अधिनियम या तद्धीन बनाए गए परिनियमों, अध्यादेशों, विनियमों या नियमों के उपबन्धों के अनुरूप नहीं हैं;
- (ग) विश्वविद्यालय के बजट और वार्षिक रिपोर्ट का अनुमोदन करना;
- (घ) विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई जाने वाली नीतियां अधिकथित करना;
- (ङ) यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो, जब सभी प्रयासों के बावजूद भी विश्वविद्यालय के कार्यकलापों का सुचारु रूप से चलना संभव नहीं रह जाए, तो विश्वविद्यालय के स्वैच्छिक परिसमापन के बारे में प्रायोजक निकाय को सिफारिश करना; और
- (च) ऐसी अन्य शक्तियां, जो परिनियमों द्वारा विहित की जाएं।
- (4) शासी निकाय, एक कलैण्डर वर्ष में कम से कम तीन बार बैठक करेगा।
- (5) शासी निकाय की बैठकों की गणपूर्ति पांच से होगी।

19. प्रबन्ध बोर्ड.—(1) प्रबन्ध बोर्ड में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्:—

- (क) कुलपति;
- (ख) वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुक्रम द्वारा दो संकायाध्यक्ष;
- (ग) विख्यात शिक्षाविदों में से या प्रबन्धन क्षेत्र से प्रायोजक निकाय द्वारा नामनिर्दिष्ट दो व्यक्ति;
- (घ) विनियामक आयोग के परामर्श से सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाने वाले दो विख्यात शिक्षाविद;
- (ङ) वरिष्ठता के आधार पर आचार्यों और सह-आचार्यों में से चक्रानुक्रम द्वारा दो व्यक्ति; और
- (च) रजिस्ट्रार सदस्य—सचिव होगा।
- (2) कुलपति प्रबन्ध बोर्ड का अध्यक्ष होगा।
- (3) प्रबन्ध बोर्ड की शक्तियां और कृत्य ऐसे होंगे जैसे परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।
- (4) प्रबन्ध बोर्ड की प्रत्येक दो मास में कम से कम एक बार बैठक होगी।
- (5) प्रबन्ध बोर्ड की बैठकों की गणपूर्ति पांच से होगी।

20. विद्या परिषद्.—(1) विद्या परिषद् में कुलपति और ऐसे अन्य सदस्य होंगे, जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

(2) कुलपति विद्या परिषद् का अध्यक्ष होगा।

(3) विद्या परिषद्, विश्वविद्यालय की प्रधान शैक्षणिक निकाय होगी, और इस अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों, परिनियमों और अध्यादेशों के उपबन्धों के अध्याधीन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों का समन्वय करेगी और उन पर सामान्य पर्यवेक्षण रखेगी।

(4) विद्यापरिषद् की बैठकों के लिए गणपूर्ति ऐसी होगी, जैसी परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।

21. विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकरण.—विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकरणों की संरचना, गठन, शक्तियां और कृत्य ऐसे होंगे, जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

22. निरर्हताएं.—कोई व्यक्ति, विश्वविद्यालय के किसी भी प्राधिकरण या निकाय का सदस्य होने के लिए निरर्हित होगा, यदि वह,—

- (क) विकृतचित्त है और सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसा घोषित है; या
- (ख) अनुन्मोचित दिवालिया है; या
- (ग) नैतिक अधमता से अन्तर्वलित किसी अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है; या
- (घ) निजी कोचिंग कक्षाएं संचालित कर रहा है या उसमें स्वयं लगा हुआ है; या
- (ङ) किसी परीक्षा का संचालन करने में किसी भी रूप में, कहीं पर भी अनुचित आचरण में लिप्त रहने या उसको बढ़ावा देने के लिए दण्डित किया गया है।

23. रिक्तियों से विश्वविद्यालय के किसी भी प्राधिकरण या निकाय की कार्यवाहियों का अविधिमान्य न होना.—विश्वविद्यालय के किसी भी प्राधिकरण या निकाय का कोई भी कृत्य या कार्यवाही, उसके गठन में मात्र किसी रिक्ति या त्रुटि के कारण अविधिमान्य नहीं होगी।

24. आकस्मिक रिक्तियों का भरा जाना .—यदि विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकरण या निकाय में कोई आकस्मिक रिक्ति, सदस्य की मृत्यु, पदत्याग या हटाए जाने के कारण होती है, तो उसे उस व्यक्ति या निकाय द्वारा, जो उस सदस्य, जिसका पद रिक्त हुआ है, को नियुक्त या नामनिर्दिष्ट करता है, यथाशक्य—शीघ्र भरा जाएगा और आकस्मिक रिक्ति पर नियुक्त या नामनिर्दिष्ट व्यक्ति ऐसे प्राधिकरण या निकाय का, उस शेष अवधि के लिए सदस्य होगा, जिस के दौरान वह व्यक्ति जिसका स्थान वह भरता है, सदस्य होता।

25. समितियां.—(1) विश्वविद्यालय के प्राधिकारी या अधिकारी निर्देश के ऐसे निबंधनों सहित समितियां गठित कर सकेंगे, जो ऐसी समितियों द्वारा सम्पादित किए जाने वाले विनिर्दिष्ट कार्यों के लिए आवश्यक हों।

(2) ऐसी समितियों का गठन और उनके कर्तव्य ऐसे होंगे, जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

26. प्रथम परिनियम.—(1) इस अधिनियम और तदधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अधधीन विश्वविद्यालय के प्रथम परिनियमों में निम्नलिखित सभी या किन्हीं विषयों के लिए उपबन्ध किया जा सकेगा, अर्थात्:—

- (क) विश्वविद्यालय के प्राधिकरणों और अन्य निकायों, जो समय-समय पर गठित किए जाएं, का गठन, शक्तियां और कृत्य;
- (ख) कुलपति की नियुक्ति के निबन्धन और शर्तें तथा उसकी शक्तियां और कृत्य;
- (ग) रजिस्ट्रार और मुख्य वित्त तथा लेखा अधिकारी की नियुक्ति की रीति और सेवा के निबंधन और शर्तें तथा उनकी शक्तियां और कृत्य;
- (घ) कर्मचारियों की नियुक्ति की रीति और सेवा के निबंधन और शर्तें तथा उनकी शक्तियां और कृत्य;
- (ङ) कर्मचारियों, छात्रों और विश्वविद्यालय के मध्य विवादों के मामले में माध्यस्थम् के लिए प्रक्रिया;

- (च) छात्रों को अध्यापन फीस (ट्यूशन फीस) के संदाय से छूट देने और उन्हें छात्रवृत्तियां तथा अध्येतावृत्तियां प्रदान करने के संबंध में उपबंध;
- (छ) सीटों (स्थानों) के आरक्षण के विनियमन सहित, प्रवेश की नीति से संबंधित उपबंध;
- (ज) छात्रों से प्रभारित की जाने वाली फीस से सम्बन्धित उपबंध; और
- (झ) विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीटों (स्थानों) की संख्या से सम्बन्धित उपबंध।

(2) प्रथम परिनियम, सरकार द्वारा बनाए जाएंगे और राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे तथा उनकी एक प्रति राज्य विधान सभा के समक्ष रखी जाएगी।

27. पश्चात्तर्वती परिनियम.—(1) इस अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अध्याधीन, विश्वविद्यालय के पश्चात्तर्वती परिनियमों में निम्नलिखित सभी या किन्हीं विषयों के लिए उपबंध किया जा सकेगा, अर्थात्:—

- (क) विश्वविद्यालय के नए प्राधिकरणों का सृजन;
- (ख) लेखा नीति और वित्तीय प्रक्रिया;
- (ग) विश्वविद्यालय के प्राधिकरणों में अध्यापकों का प्रतिनिधित्व;
- (घ) नए विभागों का सृजन और विद्यमान विभाग का समापन या पुनः संरचना;
- (ङ) पदक और पुरस्कार संस्थित करना;
- (च) पदों का सृजन और पदों की समाप्ति के लिए प्रक्रिया;
- (छ) फीस का पुनरीक्षण;
- (ज) विभिन्न पाठ्य विवरणों में सीटों (स्थानों) की संख्या का परिवर्तन; और
- (झ) अन्य समस्त विषय, जो इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाने हैं।

(2) प्रथम परिनियम से भिन्न, विश्वविद्यालय के परिनियम, प्रबन्ध बोर्ड द्वारा शासी निकाय के अनुमोदन से बनाए जाएंगे।

(3) प्रबन्ध बोर्ड, समय-समय पर, नए या अतिरिक्त परिनियम बना सकेगा या इस प्रकार बनाए गए परिनियमों का, इस धारा में इसके पश्चात् उपबंधित रीति में, संशोधन या निरसन कर सकेगा:

परन्तु प्रबन्ध बोर्ड, तब तक विश्वविद्यालय के किसी विद्यमान प्राधिकरण की प्रास्थिति, शक्तियों या के गठन को प्रभावित करने वाले परिनियम नहीं बनाएगा या परिनियम में कोई संशोधन नहीं करेगा, जब तक कि ऐसे प्राधिकरण को प्रस्ताव पर राय व्यक्त करने का अवसर प्रदान नहीं किया गया हो और इस प्रकार व्यक्त कोई राय, लिखित रूप में होगी तथा शासी निकाय द्वारा इस पर विचार किया जाएगा।

(4) ऐसा प्रत्येक परिनियम या परिनियमों में परिवर्धन या परिनियमों का संशोधन या निरसन, सरकार के अनुमोदन के अध्याधीन होगा :

परन्तु प्रबंध बोर्ड द्वारा कोई भी परिनियम, जो विद्यार्थियों के अनुशासन और शिक्षण, शिक्षा और परीक्षा के स्तरमानों को प्रभावित करते हों, विद्या परिषद् से परामर्श किए बिना नहीं बनाए जाएंगे।

28. प्रथम अध्यादेश.—(1) इस अधिनियम या तद्धीन बनाए गए नियमों या परिनियमों के उपबंधों के अध्याधीन, प्रबन्ध बोर्ड, शासी निकाय के अनुमोदन से, ऐसे प्रथम अध्यादेश बना सकेगा, जिन्हें वह विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को अग्रसर करने के लिए समुचित समझे और ऐसे अध्यादेशों में निम्नलिखित समस्त या किन्हीं विषयों के संबंध में उपबंध किए जा सकेंगे, अर्थात् :-

- (क) विश्वविद्यालय में छात्रों का प्रवेश और इस रूप में उनका नामांकन;
- (ख) विश्वविद्यालय की उपाधियों, डिप्लोमों और प्रमाण पत्रों के लिए अधिकथित किए जाने वाले पाठ्यक्रम;
- (ग) उपाधियां, डिप्लोमों, प्रमाण-पत्र और अन्य विद्या संबंधी विशेष उपाधियां प्रदान करना, उनके लिए न्यूनतम अर्हताएं तथा उनके प्रदान किए जाने और अभिप्राप्त किए जाने के संबंध में साधन;
- (घ) अध्येतावृत्तियां, छात्रवृत्तियां, वृत्तिकाएं, पदक और पुरस्कार प्रदान किए जाने की शर्तें;
- (ङ) परीक्षा निकायों, परीक्षकों और अनुसूचकों (मॉडरेटरज़) की पदावधि और नियुक्ति की रीति तथा कर्तव्यों सहित परीक्षाओं का संचालन;
- (च) विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों, परीक्षाओं, उपाधियों और डिप्लोमों के लिए प्रभारित की जाने वाली फीस;
- (छ) विश्वविद्यालय के छात्रावासों में छात्रों के निवास की शर्तें;
- (ज) छात्रों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के संबंध में उपबंध;
- (झ) किसी अन्य निकाय का सृजन, संरचना और कृत्य, जो विश्वविद्यालय के शैक्षणिक जीवन के उन्नयन के लिए आवश्यक समझे जाएं;
- (ञ) अन्य विश्वविद्यालयों और उच्चतर शिक्षा संस्थाओं के साथ सहकार और सहयोग की रीति; और
- (ट) ऐसे सभी अन्य विषय, जिनका इस अधिनियम या तद्धीन बनाए गए परिनियमों के अधीन अध्यादेशों द्वारा उपबन्ध किया जाना अपेक्षित है।

(2) प्रबंध बोर्ड, या तो शासी निकाय के सुझाव को सम्मिलित करते हुए अध्यादेशों को उपान्तरित करेगा या शासी निकाय द्वारा दिए गए किसी भी सुझाव को सम्मिलित न करने के कारण देगा और ऐसे कारणों, यदि कोई हों, के साथ अध्यादेशों को शासी निकाय को वापस भेजेगा और उनकी प्राप्ति पर शासी निकाय, प्रबंध बोर्ड की टिप्पणियों पर विचार करेगा तथा विश्वविद्यालय के अध्यादेशों को ऐसे उपान्तरणों सहित या उनके बिना, अनुमोदित करेगा और तत्पश्चात् शासी निकाय द्वारा यथा अनुमोदित अध्यादेश प्रवृत्त होंगे।

29. पश्चात्पूर्वी अध्यादेश.—(1) प्रथम अध्यादेश से अन्यथा (भिन्न) समस्त अध्यादेश, विद्या परिषद् द्वारा बनाए जाएंगे, जिन्हें प्रबंध बोर्ड द्वारा अनुमोदित किए जाने के पश्चात् शासी निकाय को उसके अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) विद्या परिषद्, प्रबंध बोर्ड और शासी निकाय के सुझावों को सम्मिलित करते हुए अध्यादेशों को या तो उपांतरित करेगी या दिए गए सुझावों को सम्मिलित न करने के लिए कारण देगी और ऐसे कारणों सहित, यदि कोई हों, अध्यादेश को वापस भेजेगी तथा प्रबंध बोर्ड और शासी निकाय, विद्या परिषद् की टिप्पणियों पर विचार करेंगे और विश्वविद्यालय के अध्यादेशों को ऐसे उपांतरणों सहित या उनके बिना अनुमोदित करेंगे, और तत्पश्चात् शासी निकाय द्वारा यथा-अनुमोदित अध्यादेश प्रवृत्त होंगे।

30. विनियम.—विश्वविद्यालय के प्राधिकरण, प्रबंध बोर्ड के पूर्व अनुमोदन के अध्याधीन, उनके स्वयं के और उनके द्वारा नियुक्त समितियों के कारबार के संचालन के लिए, इस अधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमों, परिनियमों और अध्यादेशों से संगत विनियम बना सकेंगे।

31. प्रवेश.—(1) विश्वविद्यालय में प्रवेश, सर्वथा योग्यता के आधार पर किया जाएगा ।

(2) विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए योग्यता (मैरिट) या तो प्रवेश के लिए अर्हता परीक्षा में प्राप्त अंकों या ग्रेड और पाठ्यचर्या पाठ्येतर और क्रियाकलापों में उपलब्धियों के आधार पर या राज्य स्तर पर या तो समरूप पाठ्यक्रम संचालित करने वाले विश्वविद्यालयों के संगम द्वारा या राज्य के किसी अभिकरण द्वारा संचालित किसी प्रवेश परीक्षा में अभिप्राप्त अंकों या ग्रेड के आधार पर अवधारित की जा सकेगी :

परन्तु व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश केवल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ही होगा ।

(3) अनुसूचित-जातियों, अनुसूचित-जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के छात्रों और विकलांग छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए सीटें (स्थान), राज्य सरकार की नीति के अनुसार आरक्षित की जाएंगी ।

(4) प्रत्येक कोर्स में प्रवेश के लिए कम से कम पच्चीस प्रतिशत सीटें (स्थान), उन छात्रों के लिए आरक्षित रखी जाएंगी जो हिमाचल के स्थायी निवासी हैं ।

(5) विश्वविद्यालय, पश्चात्तर्वर्ती वर्षों में विद्यमान पाठ्यक्रमों में, नए छात्रों को प्रवेश देने के लिए या नए पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने के लिए, जो प्रयोजन के लिए गठित निरीक्षण समिति की सिफारिश के अध्यक्षीन होंगे, विनियामक आयोग का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करेगा । यह अन्तिम वर्ष के छात्रों के बैच को प्रवेश दिए जाने तक लागू रहेगा ।

32. फीस संरचना.—(1) विश्वविद्यालय समय-समय पर अपनी फीस संरचना को तैयार और पुनरीक्षित करेगा तथा इसे विनियामक आयोग द्वारा प्रदान किए गए पाठ्यक्रमों के अनुमोदन सहित प्रत्येक पूर्ववर्ती शैक्षणिक वर्ष के 31 दिसम्बर से पूर्व सरकार को इसके अनुमोदन के लिए भेजेगा तथा सरकार प्रस्ताव प्राप्ति के तीन मास के भीतर अनुमोदन सूचित (प्रदान) करेगी :

परन्तु प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए फीस संरचना का, प्रॉस्पेक्टस को जारी करने से पूर्व विनिश्चय कर लिया जाएगा और इसे प्रॉस्पेक्टस में दर्शित किया जाएगा :

परन्तु यह और कि शैक्षणिक वर्ष के दौरान फीस संरचना को पुनरीक्षित या उपान्तरित नहीं किया जाएगा ।

(2) विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई फीस संरचना पर, राज्य सरकार द्वारा विहित रीति में गठित की जाने वाली समिति द्वारा विचार किया जाएगा, जो इस पर विचार करने के पश्चात् अपनी सिफारिशें सरकार को प्रस्तुत करेगी, कि क्या प्रस्तावित फीस:-

(क) (i) विश्वविद्यालय के आवर्ती व्यय की पूर्ति के लिए; और

(ii) विश्वविद्यालय के और विकास के लिए अपेक्षित बचतों के लिए, स्रोत जुटाने के लिए पर्याप्त है; और

(ख) अयुक्ति-युक्त रूप से अधिक नहीं है ।

(3) उपधारा (2) के अधीन सिफारिशें प्राप्त होने के पश्चात् यदि सरकार का समाधान हो जाता है, तो वह फीस संरचना को अनुमोदित कर सकेगी ।

(4) उपधारा (3) के अधीन सरकार द्वारा अनुमोदित फीस संरचना, अगले पुनरीक्षण तक विधिमन्य रहेगी ।

33. परीक्षाएं.—प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के प्रारम्भ पर और किसी भी दशा में प्रत्येक कलैण्डर वर्ष के 30 अगस्त तक, न कि उसके पश्चात् (अपश्चात्), विश्वविद्यालय स्वयं द्वारा संचालित प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए परीक्षाओं की अनुसूची, यथास्थिति, समेस्टर-वार या वार्षिक आधार पर तैयार और प्रकाशित करेगा और ऐसी अनुसूची का कड़ाई से पालन करेगा :

परन्तु किसी भी कारण से, यदि विश्वविद्यालय इस अनुसूची का पालन करने में असमर्थ है, तो वह यथासाध्य-शीघ्रता से, एक रिपोर्ट, जिसमें परीक्षा की प्रकाशित अनुसूची का अनुसरण न करने के ब्यौरेवार कारण दिए गए हों, विनियामक आयोग को प्रस्तुत करेगा। विनियामक आयोग उस पर ऐसे निदेश जारी कर सकेगा, जिन्हें वह भविष्य में बेहतर अनुपालन के लिए उचित समझे।

स्पष्टीकरण.—“परीक्षाओं की अनुसूची” से, प्रत्येक प्रश्न-पत्र जो परीक्षाओं की स्कीम का भाग हो, के प्रारम्भ होने का समय, दिन और तारीख के बारे में ब्यौरा देने वाली सारणी अभिप्रेत है और जिसमें व्यावहारिक परीक्षाओं का ब्यौरा भी सम्मिलित होगा।

34. परिणामों की घोषणा.—(1) विश्वविद्यालय अपने द्वारा संचालित प्रत्येक परीक्षा के परिणामों की घोषणा, एक विशिष्ट पाठ्यक्रम की परीक्षा की अंतिम तारीख से तीस दिन के भीतर करने का प्रयास करेगा और किसी भी दशा में उन्हें ऐसी तारीख से ज्यादा से ज्यादा पैंतालीस दिन के भीतर घोषित करेगा :

परन्तु जिस किसी भी कारण से यदि विश्वविद्यालय पैंतालीस दिन की अवधि के भीतर किसी भी परीक्षा के परिणामों की अंतिम रूप से घोषणा करने में असमर्थ है, तो यह एक रिपोर्ट, जिसमें विलम्ब के ब्यौरेवार कारण दिए गए हों, विनियामक आयोग को प्रस्तुत करेगा। विनियामक आयोग उस पर ऐसे निदेश जारी कर सकेगा, जिन्हें वह भविष्य में बेहतर अनुपालना के लिए उचित समझे।

(2) कोई भी परीक्षा या किसी परीक्षा का परिणाम, केवल इस कारण से अविधिमान्य नहीं ठहराया जाएगा कि विश्वविद्यालय ने धारा 33 और इस धारा में यथा नियत परीक्षा की अनुसूची का अनुसरण नहीं किया है।

35. दीक्षांत समारोह.—विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में उपाधियां, डिप्लोमें प्रदान करने या किसी अन्य प्रयोजन के लिए, परिनियमों द्वारा यथाविहित रीति में आयोजित किया जाएगा।

36. विश्वविद्यालय का प्रत्यायन.—विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय निर्धारण और प्रत्यायन परिषद् (एन.ए.ए.सी.), बंगलौर से अपनी स्थापना के तीन वर्ष के भीतर, प्रत्यायन अभिप्राप्त करेगा और सरकार तथा ऐसे अन्य विनियमन निकायों को, जो विश्वविद्यालय द्वारा चलाए गए पाठ्यक्रमों से संबद्ध हैं, राष्ट्रीय निर्धारण और प्रत्यायन परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय को दिए ग्रेड के बारे में सूचित करेगा तथा विश्वविद्यालय तत्पश्चात् प्रत्येक पांच वर्ष के अन्तराल पर ऐसे प्रत्यायन को नवीकृत करवाएगा।

37. विश्वविद्यालय द्वारा विनियमन करने वाले निकायों के नियमों, विनियमों, सन्नियमों, आदि का अनुसरण.—इस अधिनियम में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, विश्वविद्यालय, विनियमन निकायों के समस्त नियमों, विनियमों, सन्नियमों, आदि का अनुपालन करने के लिए आबद्ध होगा और ऐसे निकायों को ऐसी समस्त सुविधाएं और सहायता उपलब्ध करवाएगा, जो उनके द्वारा कृत्यों के निर्वहन और कर्तव्यों का पालन करने के लिए अपेक्षित हों।

38. वार्षिक रिपोर्ट.—(1) विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट, प्रबंध बोर्ड द्वारा तैयार की जाएगी, जिसमें अन्य विषयों के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उठाए गए कदम सम्मिलित होंगे और इसे शासी निकाय द्वारा अनुमोदित किया जाएगा तथा इसकी प्रति प्रायोजक निकाय को प्रस्तुत की जाएगी।

(2) उपधारा (1) के अधीन तैयार की गई वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां विनियामक आयोग और सरकार को भी प्रस्तुत की जाएंगी।

39. वार्षिक लेखे और लेखा परीक्षा.—(1) विश्वविद्यालय के तुलन-पत्र सहित वार्षिक लेखे, प्रबंध बोर्ड के निदेशों के अधीन तैयार किए जाएंगे और वार्षिक लेखे विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त लेखा-परीक्षकों द्वारा प्रत्येक वर्ष में कम से कम एक बार संपरीक्षित किए जाएंगे।

(2) लेखा परीक्षा रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखे की एक प्रति, शासी निकाय को प्रस्तुत की जाएगी।

(3) शासी निकाय के संप्रेक्षणों सहित वार्षिक लेखे और लेखा-परीक्षा रिपोर्ट की एक प्रति, प्रायोजक निकाय को प्रस्तुत की जाएगी।

(4) उपधारा (1) के अधीन तैयार किए गए वार्षिक लेखे और तुलनपत्र की प्रतियां, विनियामक आयोग और सरकार को प्रस्तुत की जाएंगी।

(5) विश्वविद्यालय के लेखों और लेखापरीक्षा रिपोर्ट से उद्भूत विनियामक आयोग और सरकार का परामर्श, यदि कोई हो, शासी निकाय के समक्ष रखा जाएगा और शासी निकाय ऐसे निदेश जारी करेगा, जैसे वह उचित समझे तथा उसकी अनुपालना के बारे में विनियामक आयोग और सरकार को रिपोर्ट की जाएगी।

40. सरकार की विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने की शक्तियां.—(1) अध्यापन, परीक्षा और अनुसंधान या विश्वविद्यालय से सम्बन्धित किसी अन्य विषय के स्तर अभिनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए सरकार या विनियामक आयोग, ऐसी रीति में, जो विहित की जाए, ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों से, जैसा यह उचित समझे, निर्धारण करवाएगी।

(2) यथास्थिति, सरकार या विनियामक आयोग शोधक कार्रवाई के लिए ऐसे निर्धारण के परिणाम के संबंध में अपनी सिफारिशों, विश्वविद्यालय को संसूचित करेगा और विश्वविद्यालय ऐसे शोधक उपाय करेगा, जो सिफारिशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हों।

(3) यदि विश्वविद्यालय उपधारा (2) में दी गई सिफारिशों का युक्तियुक्त समय में अनुपालन करने में असफल रहता है, तो, यथास्थिति, सरकार या विनियामक आयोग, ऐसे निर्देश दे सकेगा, जैसे वह उचित समझे, जो विश्वविद्यालय पर आबद्धकर होंगे।

41. प्रायोजक निकाय द्वारा विश्वविद्यालय का विघटन.—(1) प्रायोजक निकाय, सरकार और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को इस प्रभाव का कम से कम एक वर्ष का अग्रिम नोटिस देकर, विश्वविद्यालय का विघटन कर सकेगा :

परन्तु विश्वविद्यालय का विघटन, नियमित पाठ्यक्रम वाले छात्रों के अंतिम बैच द्वारा अपना पाठ्यक्रम पूर्ण किए जाने और उन्हें, यथास्थिति, उपाधियां, डिप्लोमों या पुरस्कार प्रदान किए जाने के पश्चात् ही प्रभावी होगा।

(2) विश्वविद्यालय के विघटन पर, विश्वविद्यालय की समस्त परिसम्पत्तियां और दायित्व, प्रायोजक निकाय में निहित हो जाएंगे :

परन्तु यदि प्रायोजक निकाय, विश्वविद्यालय को इसकी स्थापना के पचास वर्ष के भीतर विघटित कर देता है, तो विश्वविद्यालय की सभी परिसम्पत्तियां विश्वविद्यालय से सम्बन्धित प्रायोजक निकाय की परिसम्पत्तियों सहित, समस्त विल्लंगमों से रहित, सरकार में निहित हो जाएंगी।

42. कतिपय परिस्थितियों में सरकार की विशेष शक्तियां.—(1) यदि सरकार को यह प्रतीत होता है कि विश्वविद्यालय ने इस अधिनियम या तदधीन बनाए गए नियमों, परिनियमों या अध्यादेशों के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया है या इस अधिनियम के अधीन उसके द्वारा जारी किए गए किसी निर्देश का उल्लंघन किया है या दिए गए किसी परिवचन का पालन करना छोड़ दिया है या विश्वविद्यालय में वित्तीय कुप्रबंध या कुप्रशासन की स्थिति उत्पन्न हो गई है, तो यह, विश्वविद्यालय को, पैंतालीस दिन के भीतर कारण दर्शित करने की अपेक्षा करते हुए, नोटिस जारी करेगी कि उसके समापन का आदेश क्यों नहीं किया जाना चाहिए।

(2) यदि सरकार का, उपधारा (1) के अधीन जारी किए गए नोटिस पर विश्वविद्यालय का उत्तर प्राप्त होने पर, समाधान हो जाता है कि इस अधिनियम या तदधीन बनाए गए नियमों, परिनियमों या अध्यादेशों के समस्त या किन्हीं उपबंधों के उल्लंघन का या इस अधिनियम के अधीन इसके द्वारा जारी किए गए निदेशों के उल्लंघन का, या दिए गए परिवचनों का पालन न करने का या वित्तीय कुप्रबन्ध या कुप्रशासन का प्रथमदृष्ट्या मामला है, तो वह ऐसी जांच का आदेश करेगी, जैसी वह आवश्यक समझे।

(3) सरकार, उपधारा (2) के अधीन किसी भी जांच के प्रयोजन के लिए, किसी भी अभिकथन की जांच करने और उस पर रिपोर्ट देने के लिए, जांच अधिकारी या अधिकारियों को नियुक्त कर सकेगी।

(4) उपधारा (3) के अधीन नियुक्त जांच अधिकारी या अधिकारियों की वही शक्तियां होंगी, जो सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) के अधीन, निम्नलिखित विषयों के संबंध में वाद का विचारण करते समय सिविल न्यायालय में निहित हैं, अर्थात्:—

- (क) किसी व्यक्ति को समन करना और हाजिर कराना और उसकी शपथ पर परीक्षा करना;
- (ख) कोई ऐसा दस्तावेज या कोई अन्य सामग्री, जो साक्ष्य में पोषणीय हो, का प्रकटीकरण और उसे पेश किए जाने की अपेक्षा करना;
- (ग) किसी न्यायालय या कार्यालय से लोक अभिलेख की अपेक्षा करना; और
- (घ) कोई अन्य मामला जो विहित किया जाए।

(5) इस अधिनियम के अधीन जांच कर रहे जांच अधिकारी या अधिकारियों को, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 195 और अध्याय 26 के प्रयोजनों के लिए सिविल न्यायालय समझा जाएगा।

(6) उपधारा (3) के अधीन नियुक्त अधिकारी या अधिकारियों से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर, यदि सरकार का समाधान हो जाता है कि विश्वविद्यालय ने इस अधिनियम या तदधीन बनाए गए नियमों, परिनियमों या अध्यादेशों के समस्त या किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन किया है, या इस अधिनियम के अधीन इसके द्वारा जारी किसी निर्देश का उल्लंघन किया है या इस द्वारा दिए गए परिवचनों का पालन करना छोड़ दिया है या विश्वविद्यालय में वित्तीय कुप्रबंध और कुप्रशासन की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्तर को खतरा है, तो वह विश्वविद्यालय के समापन के आदेश करेगी और कोई प्रशासक नियुक्त करेगी।

(7) उपधारा (6) के अधीन नियुक्त प्रशासक को इस अधिनियम के अधीन, शासी निकाय तथा प्रबंध बोर्ड की सभी शक्तियां होंगी और वह इनके सभी कर्तव्यों के अध्यक्ष होगा और विश्वविद्यालय के कार्यकलापों का प्रशासन करेगा जब तक कि नियमित पाठ्यक्रम के छात्रों का अंतिम बैच अपने पाठ्यक्रम पूरे न कर ले तथा उन्हें, यथास्थिति, उपाधियां, डिप्लोमें या पुरस्कार (अवार्डज़) प्रदान न कर दिए जाएं।

(8) नियमित पाठ्यक्रमों के छात्रों के अंतिम बैचों को, यथास्थिति, उपाधियां, डिप्लोमें या पुरस्कार (अवार्डज़) प्रदान किए जाने के पश्चात् प्रशासक, इस प्रभाव की एक रिपोर्ट सरकार को देगा।

(9) उपधारा (8) के अधीन रिपोर्ट की प्राप्ति पर सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, विश्वविद्यालय को विघटित करने का आदेश जारी करेगी और ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से विश्वविद्यालय विघटित हो जाएगा तथा विघटन की तारीख से विश्वविद्यालय की समस्त परिसम्पत्तियां विश्वविद्यालय से सम्बन्धित प्रायोजक निकाय की परिसम्पत्तियों सहित समस्त विल्लंगमों से रहित, सरकार में निहित हो जाएंगी।

43. नियम बनाने की शक्ति.—(1) सरकार, इस अधिनियम के उपबन्धों को कार्यान्वित करने के लिए राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियम बना सकेगी।

(2) पूर्वगामी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे नियमों में निम्नलिखित समस्त या किसी विषय के लिए उपबंध किया जा सकेगा, अर्थात्:—

(क) धारा 42 की उपधारा (4) के खण्ड (घ) के अधीन विहित किए जाने वाले विषय; और

(ख) अन्य विषय जो इस अधिनियम के अधीन नियमों द्वारा विहित किए जाने अपेक्षित हैं या किए जा सकेंगे।

(3) इस अधिनियम के अधीन बनाए गए समस्त नियम, उनके इस प्रकार बनाए जाने के पश्चात्, यथाशक्य—शीघ्र, राज्य विधान सभा के समक्ष, जब वह सत्र में हो दस दिन से अन्यून अवधि के लिए, जो एक सत्र में या दो या अधिक आनुक्रमिक सत्रों में पूरी हो सकेगी, रखे जाएंगे और यदि, उस सत्र के, जिसमें वे इस प्रकार रखे गए हों या ठीक बाद के सत्र के अवसान से पूर्व, राज्य विधान सभा ऐसे किन्हीं भी नियमों में उपान्तरण करती है या सहमत हो जाती है कि ऐसे कोई नियम नहीं बनाए जाने चाहिए, तो तत्पश्चात्, ऐसे नियम केवल ऐसे उपान्तरित रूप में, यथास्थिति, प्रभावी होंगे या उनका कोई प्रभाव नहीं होगा, तथापि ऐसा कोई भी उपान्तरण या बातिलीकरण उस नियम के अधीन पूर्व में की गई किसी बात की विधिमान्यता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

44. कठिनाइयां दूर करने की शक्ति.—(1) यदि इस अधिनियम के उपबंधों को कार्यान्वित करने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो सरकार, राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा ऐसे उपबंध कर सकेगी, जो इस अधिनियम के उपबंधों से असंगत न हों और जो ऐसी कठिनाई को दूर करने के लिए इसे आवश्यक या समीचीन प्रतीत हों :

परन्तु इस धारा के अधीन ऐसा कोई आदेश, इस अधिनियम के प्रारम्भ की तारीख से दो वर्ष की अवधि के अवसान के पश्चात् नहीं किया जाएगा।

(2) इस धारा के अधीन किया गया प्रत्येक आदेश, उसके इस प्रकार किए जाने के पश्चात्, यथाशक्य—शीघ्र राज्य विधान सभा के समक्ष रखा जाएगा।

45. 2014 के हिमाचल प्रदेश अध्यादेश संख्यांक 3 का निरसन और व्यावृत्तियाँ.—(1) अभिलाषी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अध्यादेश, 2014 का एतद्द्वारा निरसन किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी इस प्रकार निरसित अध्यादेश के अधीन की गई कोई बात या की गई कोई कार्रवाई इस अधिनियम के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन की गई समझी जाएगी।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

**THE ABHILASHI UNIVERSITY (ESTABLISHMENT AND REGULATION)
ACT, 2014**

ARRANGEMENT OF SECTIONS

Sections :

1. Short title and commencement.
2. Definitions.
3. The objects of the University.
4. Incorporation.
5. Powers and functions of the University.
6. University to be self- financed.
7. No power of affiliation.
8. Endowment Fund.

9. General Fund.
10. Application of General Fund.
11. Officers of the University.
12. The Chancellor.
13. The Vice-Chancellor.
14. The Registrar.
15. The Chief Finance and Accounts Officer.
16. Other officers.
17. Authorities of the University.
18. The Governing Body.
19. The Board of Management.
20. The Academic Council.
21. Other authorities of the University.
22. Disqualifications.
23. Vacancies not to invalidate the proceedings of any authority or body of the University.
24. Filling of casual vacancies.
25. Committees.
26. The First statutes.
27. The Subsequent statutes.
28. The First ordinances.
29. The Subsequent ordinances.
30. Regulations.
31. Admissions.
32. Fee structure.
33. Examinations.
34. Declaration of results.
35. Convocation.
36. Accreditation of the University.
37. University to follow rules, regulations, norms etc, of the regulating bodies.
38. Annual report.
39. Annual accounts and audit.
40. Powers of the Government to inspect the University.
41. Dissolution of the University by the sponsoring body.
42. Special powers of the Government in certain circumstances.
43. Power to make rules.
44. Power to remove difficulties.
45. Repeal of Ordinance No. 3 of 2014 and savings.

Act No. 8 of 2015

**THE ABHILASHI UNIVERSITY (ESTABLISHMENT AND REGULATION) ACT,
2014**

(AS ASSENTED TO BY THE GOVERNOR ON 22ND JANUARY, 2015)

AN

ACT

to provide for establishment, incorporation and regulation of the Abhilashi University, Chail Chowk, Tehsil Chachiot, District Mandi, Himachal Pradesh for higher education and to regulate its functioning and for matters connected therewith or incidental thereto.

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Sixty- fifth Year of the Republic of India as follows:—

1. Short title and commencement.—(1) This Act may be called the Abhilashi University (Establishment and Regulation) Act, 2014.

(2) It shall be deemed to have come into force on 14th day of August, 2014.

2. Definitions.—In this Act, unless the context otherwise requires,—

- (a) “Board of Management” means the Board of Management constituted under section 19 of this Act;
- (b) “campus” means the area of University within which it is established;
- (c) “distance education” means education imparted by combination of any two or more means of communication, *viz.* broadcasting, telecasting, correspondence courses, seminars, contact programmes and any other such methodology;
- (d) “employee” means any person appointed by the University and includes teachers and other staff of the University;
- (e) “fee” means monetary collection made by the University or its colleges, institutions or study centers, as the case may be, from the students by whatever name it may be called, which is not refundable;
- (f) “Government” or “State Government” means the Government of Himachal Pradesh;
- (g) “Governing Body” means the Governing Body constituted under section 18 of this Act;
- (h) “higher education” means study of a curriculum or course for the pursuit of knowledge beyond 10+2 level;
- (i) “hostel” means a place of residence for the students of the University, or its colleges, institutions and study centers, established or recognized to be as such by the University;
- (j) “notification” means a notification published in the Official Gazette;
- (k) “off-campus” means a centre of the University established by it outside the main campus operated and maintained as its constituent unit, having the University’s complement of facilities, faculty and staff;
- (l) “Official Gazette” means the Rajpatra (e-Gazette), Himachal Pradesh;
- (m) “prescribed” means prescribed by rules made under this Act;
- (n) “regulating body” means a body established by the Central Government for laying down norms and conditions for ensuring academic standards of higher education, such as University Grants Commission, All India Council of Technical Education, National Council of Teacher Education, Medical Council of India, Pharmaceutical Council of

India, National Council of Assessment and Accreditation, Indian Council of Agriculture Research, Distance Education Council, Council of Scientific and Industrial Research, the Himachal Pradesh Private Educational Institutional Regulatory Commission etc. and includes the Government;

- (o) “section” means a section of this Act;
- (p) “sponsoring body” means the Abhilashi Educational Society, Ner Chowk, Tehsil Sadar, District Mandi, Himachal Pradesh, registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860);
- (q) “State” means State of Himachal Pradesh;
- (r) “statutes”, “ordinances” and “regulations” mean respectively, the statutes, ordinances and regulations of the University made under this Act;
- (s) “student” means a person enrolled in the University for taking a course of study for a degree, diploma or other academic distinction instituted by the University, including a research degree;
- (t) “study centre” means a centre established and maintained or recognized by the University for the purpose of advising, counselling or for rendering any other assistance required by the students in the context of distance education;
- (u) “teacher” means a Professor, Reader, Lecturer or any other person required to impart education or to guide research or to render guidance in any form to the students for pursuing a course of study of the University;
- (v) “University” means the Abhilashi University at Chailchowk, Tehsil Chachiot, District Mandi, Himachal Pradesh; and
- (w) “Regulatory Commission” means the Himachal Pradesh Private Educational Institutions Regulatory Commission established under section 3 of the Himachal Pradesh Private Educational Institutions (Regulatory Commission) Act, 2010.

3. The objects of the University.—The objects of the University shall include,—

- (a) to provide instructions, teaching and training in higher education with a view to create higher levels of intellectual abilities;
- (b) to establish facilities for education and training;
- (c) to carry out teaching, research and offer continuing education programmes;
- (d) to create centres of excellence for research and development relevant to the needs of the State and for sharing knowledge and its application;
- (e) to establish campus in the State;
- (f) to establish examination centres;
- (g) to institute degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions on the basis of examination or any such other method, while doing so, the University shall ensure

that the standards of degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions are not lower than those laid down by the regulating bodies;

- (h) to set up off campus centres, subject to applicable rules or regulations;
- (i) to engage in areas of specialization with proven ability to make distinctive contributions to the objectives of the University education system that is academic engagement clearly distinguishable from programmes of an ordinary nature that lead to conventional degrees in arts, science, engineering, medicine, dental, pharmacy, management etc. routinely offered by conventional institutions;
- (j) to establish broad-based, and viable under graduate, post graduate and research programmes in several disciplines with firm interdisciplinary orientation and linkages; and
- (k) to make the University functional within a period of one year from the date of commencement of this Act.

4. Incorporation.—(1) The first Chancellor and the first Vice-Chancellor of the University and the first members of the Governing body, Board of Management and the Academic Council and all persons who may hereafter become such officers or members, so long as they continue to hold such office or membership, are hereby constituted a body corporate by the name of the Abhilashi University at Chailchowk, Tehsil Chachiot, District Mandi, Himachal Pradesh.

(2) The University shall have perpetual succession and a common seal and shall sue and be sued by the said name.

(3) The University shall be situated and have its head-quarters at Chailchowk, Tehsil Chachiot, District Mandi, Himachal Pradesh.

5. Powers and functions of the University.—(1) The University shall have the following powers and functions, namely:—

- (i) to provide for instructions in such branches of learning as the University may, from time to time, determine, and to make provision for research and for advancement and dissemination of knowledge and for extension of education;
- (ii) to conduct innovative experiments in modern methods and technologies in the field of technical education in order to maintain international standards of such education, training and research;
- (iii) to organize and to undertake extra-mural teaching and extension services;
- (iv) to hold examinations and grant diplomas and certificates to and confer degrees and other academic distinctions on persons, subject to recognition by any statutory body under any law, if required, and to withdraw any such diplomas, certificates, degrees or other academic distinctions for good and sufficient cause;
- (v) to create such teaching, administrative and other posts as the University may deem necessary, from time to time, and make appointments thereto;
- (vi) the sponsoring body/University shall appoint full time regular employees for the University and the salary of the employees shall be deposited in the bank account of the employees every month;

-
- (vii) to institute and award fellowships, studentships and prizes;
- (viii) to establish and maintain hostel including halls, recognise guide, supervise and control hostels including halls not maintained by the University and other accommodation for the residence of the students, and to withdraw any such recognition ;
- (ix) to regulate and enforce discipline among students and employees of the University and to take such disciplinary measures as may be deemed necessary;
- (x) to make arrangements for promoting health and general welfare of the students and the employees of the University and Colleges;
- (xi) to determine the criterion for admission in the University and its Colleges;
- (xii) to recognize for any purpose, either in whole or in part, any institution or members or students thereof on such terms and conditions as may, from time to time, be specified and to withdraw such recognition;
- (xiii) to develop and maintain twinning arrangement with centers of excellence in modern advanced technology in the developed countries for higher education training and research, including distance education subject to the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956) and the regulations made thereunder;
- (xiv) to co-operate with any other University, authority or association or any public body having purposes and objects similar to those of the University for such purposes as may be agreed upon, on such terms and conditions as may, from time to time, be specified by the University;
- (xv) to co-operate with other National and International institutions in the conduct of research and higher education subject to the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956) and the regulations made thereunder;
- (xvi) to deal with property belonging to or vested in the University in any manner which is considered necessary for promoting the objects of the University;
- (xvii) to enter into agreement for the incorporation in the University of any institution and for taking over its rights, properties and liabilities and for any other purpose not repugnant to this Act;
- (xviii) to demand and receive payment of such fees and other charges as may be specified from time to time;
- (xix) to receive donations and grants, except from parents and students, and to acquire, hold, manage and dispose of any property, movable or immovable, including trust or endowed property within or outside Himachal Pradesh for the purposes and objects of the University, and to invest funds in such manner as the University thinks fit;
- (xx) to make provisions for research and advisory services and for that purpose to enter into such arrangements with other institutions or bodies as the University may deem necessary;
- (xxi) to provide for the printing, reproduction and publication of research and other work, including text books, which may be issued by the University;

- (xxii) to accord recognition to institutions and examinations for admission in the University;
- (xxiii) to do all such other things as may be necessary, incidental or conducive to the attainment of all or any of the objects of the University;
- (xxiv) to frame statutes, ordinances and regulations for carrying out the objects of the University in accordance with the provisions of this Act;
- (xxv) to provide for dual degrees, diplomas or certificates vis-à-vis other Universities on reciprocal basis within and outside the country;
- (xxvi) to make provisions for integrated courses in different disciplines in the educational programmes of the University;
- (xxvii) to set-up colleges, institutions, off-campus centres, off-shore campus, study centres or to start distance education, after fulfilling the norms and regulations of the Central Government Regulatory Bodies and Central Government, issued from time to time, and after obtaining the specific approval of the State Government; and
- (xxviii) to seek collaboration with other institutions on mutually acceptable terms and conditions.

(2) In pursuit of its objects and in exercise of its powers and in performing of its functions, the University shall not discriminate between any person, whosoever, on the basis of caste, class, colour, creed, sex, religion or race.

6. University to be self-financed.—The University shall be self-financed and it shall not be entitled to receive any grant or other financial assistance from the Government.

7. No power of affiliation.—The University shall have no power to affiliate or otherwise admit to its privileges any other institution.

8. Endowment Fund.—(1) The sponsoring body shall establish an Endowment Fund for the University with an amount of three crore rupees which shall be pledged to the Government.

(2) The Endowment Fund shall be kept as security deposit to ensure strict compliance of the provisions of this Act, rules, regulations, statutes or ordinances made thereunder.

(3) The Government shall have the powers to forfeit, in the prescribed manner, a part or whole of the Endowment Fund in case the University or the sponsoring body contravenes any of the provisions of this Act, rules, statutes, ordinances or regulations made thereunder.

(4) Income from Endowment Fund shall be utilized for the development of infrastructure of the University but shall not be utilized to meet out the recurring expenditure of the University.

(5) The amount of Endowment Fund shall be kept invested, until the dissolution of the University, by way of Fixed Deposit Accounts in any Scheduled Bank subject to the condition that this fund shall not be withdrawn without the permission of the Government.

9. General Fund.—University shall establish a fund, which shall be called the General Fund to which following shall be credited, namely:—

- (a) fees and other charges received by the University;

- (b) any contribution made by the sponsoring body;
- (c) any income received from consultancy and other works undertaken by the University;
- (d) bequests, donations, except from parents and students, endowments and any other grants; and
- (e) all other sums received by the University.

10. Application of General Fund.—The General Fund shall be utilized for the following purposes, namely:—

- (a) for the payment of salary and allowances of the employees of the University and members of the teaching and research staff, and for payment of any Provident Fund contributions, gratuity and other benefits to such officers and employees;
- (b) for the expenses to be incurred by the University for services availed including services like electricity, telephone etc.;
- (c) for the payment of taxes or local levies wherever applicable;
- (d) for up keeping of the assets of the University;
- (e) for the payment of debts including interest charges thereto incurred by the University;
- (f) for the payment of travelling and other allowances to the members of the Governing Body, the Board of Management and the Academic Council etc.;
- (g) for the payment of fellowships, freeships, scholarships, assistantships and other awards to students belonging to economically weaker sections of the society or research associates or trainees, as the case may be, or to any student otherwise eligible for such awards under the statutes, ordinances, regulations or rules made under this Act;
- (h) for the payment of the cost of audit of the funds created under sections 8 and 9 of this Act;
- (i) for meeting of expenses of any suit or proceedings to which University is a party;
- (j) for the purpose of movable and immovable assets;
- (k) for the payment of any expenses incurred by the University in carrying out the provisions of this Act or the statutes, ordinances, regulations or rules made thereunder; and
- (l) for the payment of any other expenses as approved by the Board of Management to be an expense for the purposes of the University :

Provided that no expenditure shall be incurred by the University in excess of the limits for total recurring expenditure and total non-recurring expenditure for the year, as may be fixed by the Board of Management, without its prior approval :

Provided further that the General Fund shall, for the purpose specified under sub-clause (e), be applied with the prior approval of the Governing Body :

Provided further that no portion of income and property of the University shall be paid or transferred directly or indirectly, by way of dividend, bonus or otherwise, howsoever by way of profit to the persons who were at any time or are members of the University or to any of them or any persons claiming through them, provided that nothing herein contained shall prevent the payment in good faith of remuneration to any member thereof or other person as consideration for any service rendered to the University or for travelling or other allowances and such other charges.

11. Officers of the University.—The following shall be the officers of the University, namely:—

- (i) the Chancellor;
- (ii) the Vice-Chancellor;
- (iii) the Registrar;
- (iv) the Chief Finance and Accounts Officer; and
- (v) such other persons in the service of the University as may be declared by the statutes to be the officers of the University.

12. The Chancellor.—(1) The Chancellor shall be appointed by the sponsoring body for a period of three years, with the approval of the Government in such manner and on such terms and conditions as may be specified by the statutes.

(2) The Chancellor shall be the Head of the University.

(3) The Chancellor shall preside over at the meetings of the Governing Body and convocation of the University for conferring degrees, diplomas or other academic distinctions.

(4) The Chancellor shall have the following powers, namely:-

- (a) to call for any information or record;
- (b) to appoint the Vice-Chancellor;
- (c) to remove the Vice-Chancellor in accordance with the provisions of sub-section (7) of section 13 of this Act; and
- (d) such other powers as may be specified by the statutes.

13. The Vice-Chancellor.—(1) The Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor, on such terms and conditions as may be specified by statutes, from a panel of three persons recommended by the Governing Body and shall, subject to the provisions contained in sub-section (7), hold office for a term of three years:

Provided that after the expiry of the term of three years, a person shall be eligible for re-appointment for another term of three years:

Provided further that Vice-Chancellor shall continue to hold office even after expiry of his term till new Vice-Chancellor joins, however, in any case, this period shall not exceed one year.

(2) The Vice-Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the University and shall have the general superintendence and control over the affairs of the University and shall execute the decisions of various authorities of the University.

(3) The Vice-Chancellor shall preside over at the convocation of the University in the absence of the Chancellor.

(4) If in the opinion of the Vice-Chancellor, it is necessary to take immediate action on any matter for which powers are conferred on any other authority by or under this Act, he may take such action as he deems necessary and shall, at the earliest opportunity thereafter, report his action to such officer or authority as would have in the ordinary course dealt with the matter:

Provided that if in the opinion of the concerned officer or authority such action should not have been taken by the Vice-Chancellor, then such case shall be referred to the Chancellor, whose decision thereon shall be final.

(5) If in the opinion of the Vice-Chancellor, any decision of any authority of the University is outside the powers conferred by this Act or statutes, ordinances, regulations or rules made thereunder or is likely to be prejudicial to the interests of the University, he shall request the concerned authority to revise its decision within fifteen days from the date of decision and in case the authority refuses to revise such decision wholly or partly or fails to take any decision within fifteen days, then such matter shall be referred to the Chancellor and his decision thereon shall be final.

(6) The Vice-Chancellor shall exercise such powers and perform such duties as may be specified by the statutes or the ordinances.

(7) If at any time upon representation made or otherwise and after making such inquiry as may be deemed necessary, the situation so warrants and if the continuance of the Vice-Chancellor is not in the interests of the University, the Chancellor may, by an order in writing stating the reasons therein, ask the Vice-Chancellor to relinquish his office from such date as may be specified in the order :

Provided that before taking action under this sub-section, the Vice-Chancellor shall be given an opportunity of being heard.

14. The Registrar.—(1) The Registrar shall be appointed by the Chancellor in such manner and on such terms and conditions of service as may be specified by the statutes.

(2) The Registrar shall have power to enter into agreement, contract, sign documents and authenticate records on behalf of the University and shall exercise such powers and perform such duties as may be specified by the statutes.

(3) The Registrar shall be the Member-Secretary of the Governing Body, Board of Management and Academic Council, but shall not have the right to vote.

15. The Chief Finance and Accounts Officer.—(1) The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the Chancellor in such manner and on such terms and conditions of service as may be specified by the statutes.

(2) The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise such powers and perform such duties as may be specified by the statutes.

16. Other officers.—(1) The University may appoint such other officers as may be necessary for its functioning.

(2) The manner of appointment of other officers of the University and their powers and functions shall be such as may be specified by the statutes.

17. Authorities of the University.—The following shall be the authorities of the University, namely:—

- (i) the Governing Body;
- (ii) the Board of Management;
- (iii) the Academic Council; and
- (iv) such other authorities as may be declared by the statutes to be the authorities of the University.

18. The Governing Body.—(1) The Governing Body of the University shall consist of the following, namely:—

- (a) the Chancellor;
 - (b) the Vice-Chancellor;
 - (c) five persons, nominated by the sponsoring body out of whom two shall be eminent educationists;
 - (d) one expert of Management or Information Technology from outside the University, nominated by the Chancellor;
 - (e) two persons, nominated by the Government; and
 - (f) two members of the State Legislative Assembly, to be elected by the State Legislature.
- (2) The Governing Body shall be the supreme authority of the University.
- (3) The Governing Body shall have the following powers, namely:—
- (a) to provide general superintendence and directions and to control functioning of the University by using all such powers as are provided by this Act or the statutes, ordinances, regulations or rules made thereunder;
 - (b) to review the decisions of other authorities of the University in case they are not in conformity with the provisions of this Act or the statutes, ordinances, regulations or rules made thereunder;
 - (c) to approve the budget and annual report of the University;
 - (d) to lay down the policies to be followed by the University;
 - (e) to recommend to the sponsoring body about the voluntary liquidation of the University if a situation arises when smooth functioning of the University does not remain possible in spite of all efforts; and
 - (f) such other powers as may be prescribed by the statutes.
- (4) The Governing Body shall meet at least thrice in a calendar year.
- (5) The quorum for meetings of the Governing Body shall be five.

19. The Board of Management.—(1) The Board of Management shall consist of the following members, namely:—

- (a) the Vice-Chancellor;
- (b) two Deans of Faculties by rotation on the basis of seniority;
- (c) two persons nominated by the sponsoring body from amongst eminent educationists or from management field;
- (d) two eminent academicians, to be nominated by the Government in consultation with the Regulatory Commission;
- (e) two persons from amongst Professors and Associate Professors by rotation on the basis of seniority; and
- (f) the Registrar shall be Member-Secretary.

(2) The Vice-Chancellor shall be the Chairperson of the Board of Management.

(3) The powers and functions of the Board of Management shall be such as may be specified by the statutes.

(4) The Board of Management shall meet at least once in every two months.

(5) The quorum for meetings of the Board of Management shall be five.

20. The Academic Council.—(1) The Academic Council shall consist of the Vice-Chancellor and such other members as may be specified by the statutes.

(2) The Vice-Chancellor shall be the Chairperson of the Academic Council.

(3) The Academic Council shall be the principal academic body of the University and shall, subject to the provisions of this Act and the rules, statutes and ordinances made thereunder, co-ordinate and exercise general supervision over the academic policies of the University.

(4) The quorum for meetings of the Academic Council shall be such as may be specified by the statutes.

21. Other authorities of the University.—The composition, constitution, powers and functions of other authorities of the University shall be such as may be specified by the statutes.

22. Disqualifications.—A person shall be disqualified for being a member of any of the authorities or bodies of the University, if he,—

- (a) is of unsound mind and stands so declared by a competent court; or
- (b) is an undischarged insolvent; or
- (c) has been convicted of any offence involving moral turpitude; or
- (d) is conducting or engaging himself in private coaching classes; or

- (e) has been punished for indulging in or promoting unfair practice in the conduct of any examination, in any form, anywhere.

23. Vacancies not to invalidate the proceedings of any authority or body of the University.—No ordinance or proceeding of any authority or body of the University shall be invalid merely by reason of any vacancy or defect in the constitution thereof.

24. Filling of casual vacancies.—In case there occurs any casual vacancy in any authority or body of the University, due to death, resignation or removal of a member, the same shall be filled, as early as possible, by the person or body who appoints or nominates the member whose place become vacant and person appointed or nominated to a casual vacancy shall be a member of such authority or body for the residue of the term for which the person whose place he fills would have been member.

25. Committees.—(1) The authorities or officers of the University may constitute committees with such terms of reference as may be necessary for specific tasks to be performed by such committees.

(2) The constitution of such committees and their duties shall be such as may be specified by the statutes.

26. The First statutes.—(1) Subject to the provisions of this Act, and the rules made thereunder, the First statutes of the University may provide for all or any of the following matters, namely:—

- (a) the constitution, powers and functions of the authorities and other bodies of the University as may be constituted from time to time;
- (b) the terms and conditions of appointment of the Vice-Chancellor and his powers and functions;
- (c) the manner of appointment and terms and conditions of service of the Registrar and Chief Finance and Accounts Officer and their powers and functions;
- (d) the manner of appointment and terms and conditions of service of the employees and their powers and functions;
- (e) the procedure for arbitration in case of disputes between employees, students and the University;
- (f) the provisions regarding exemption of students from payment of tuition fee and for awarding to them scholarships and fellowships;
- (g) provisions regarding the policy of admissions, including regulation of reservation of seats;
- (h) provisions regarding fees to be charged from the students; and
- (i) provisions regarding number of seats in different courses.

(2) The First statutes shall be made by the Government and published in the Official Gazette and a copy thereof shall be laid before the State Legislative Assembly.

27. The Subsequent statutes.—(1) Subject to the provisions of this Act and the rules made thereunder, the Subsequent statutes of the University may provide for all or any of the following matters, namely:—

- (a) creation of new authorities of the University;
- (b) accounting policy and financial procedure;
- (c) representation of teachers in the authorities of the University;
- (d) creation of new departments and abolition or restructuring of existing department;
- (e) institution of medals and prizes;
- (f) creation of posts and procedure for abolition of posts;
- (g) revision of fees;
- (h) alteration of the number of seats in different syllabi; and
- (i) all other matters which under the provisions of this Act are to be specified by the statutes.

(2) The statutes of the University other than the First statutes shall be made by the Board of Management with the approval of the Governing Body.

(3) The Board of Management may, from time to time, make new or additional statutes or may amend or repeal the statutes so made in the manner hereinafter provided in this section:

Provided that Board of Management shall not make any statute or any amendment of the statute affecting the status, powers or constitution of any existing authority of the University until such authority has been given an opportunity of expressing an opinion on the proposal and any opinion so expressed shall be in writing and shall be considered by the Governing Body.

(4) Every such statute or addition to the statutes or any amendment or repeal of the statutes shall be subject to the approval of the Government:

Provided that no statute shall be made by the Board of Management affecting the discipline of students and standards of instructions, education and examination, except in consultation with the Academic Council.

28. The First ordinances.—(1) Subject to the provisions of this Act or the rules or statutes made thereunder, the Board of Management may make such First ordinances with the approval of the Governing Body as it deems appropriate for the furtherance of the objects of the University and such ordinances may provide for all or any of the following matters, namely:—

- (a) the admission of students to the University and their enrolment as such;
- (b) the courses of study to be laid down for the degrees, diplomas and certificates of the University;
- (c) the award of the degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions, the minimum qualifications for the same and the means to be taken relating to the granting and obtaining of the same;

- (d) the conditions for awarding of fellowships, scholarships, stipends, medals and prizes;
- (e) the conduct of examinations, including the terms of office and manner of appointment and the duties of examining bodies, examiners and moderators;
- (f) fees to be charged for the various courses, examinations, degrees and diplomas of the University;
- (g) the conditions of residence of the students in the hostels of the University;
- (h) provision regarding disciplinary action against the students;
- (i) the creation, composition and functions of any other body which is considered necessary for improving the academic life of the University;
- (j) the manner of co-operation and collaboration with other Universities and institutions of higher education; and
- (k) all other matters which by this Act or statutes made thereunder are required to be provided by the ordinances.

(2) The Board of Management shall either modify the ordinances incorporating the suggestion of the Governing Body or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the Governing Body and shall return the ordinances alongwith such reasons, if any, to the Governing Body and on receipt of the same, the Governing Body shall consider the comments of the Board of Management and shall approve the ordinances of the University with or without such modifications and then the ordinances, as approved by the Governing Body shall come into force.

29. The Subsequent ordinances.—(1) All ordinances other than the First ordinances shall be made by the Academic Council which after being approved by the Board of Management shall be submitted to the Governing Body for its approval.

(2) The Academic Council shall either modify the ordinances incorporating the suggestions of the Board of Management and the Governing Body or give reasons for not incorporating the suggestions, and shall return the ordinances alongwith such reasons, if any, the Board of Management and the Governing Body shall consider the comments of the Academic Council and shall approve the ordinances of the University with or without such modification and then the ordinances, as approved by the Governing Body shall come into force.

30. Regulations.—The authorities of the University may, subject to the prior approval of the Board of Management, make regulations, consistent with this Act, the rules, statutes and the ordinances made thereunder, for the conduct of their own business and of the committees appointed by them.

31. Admissions.—(1) Admission in the University shall be made strictly on the basis of merit.

(2) Merit for admission in the University may be determined either on the basis of marks or grade obtained in the qualifying examination for admission and achievements in co-curricular and extra-curricular activities or on the basis of marks or grade obtained in the entrance test conducted at State level either by an association of the Universities conducting similar courses or by any agency of the State :

Provided that admission in professional and technical courses shall be made only through entrance test.

(3) Seats for admission in the University, for the students belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes and handicapped students, shall be reserved as per the policy of the State Government.

(4) At least 25 percent seats for admission to each course shall be reserved for students who are Bonafide Himachalis.

(5) The University shall seek prior approval of the Regulatory Commission for admitting new students in subsequent years in the existing courses or for starting new courses which shall be subject to recommendation of the inspection committee set up for the purpose. This shall be applicable till the first batch of final year students are admitted.

32. Fee structure.—(1) The University may, from time to time, prepare and revise, its fee structure and send it to the Government for its approval before 31st December of every preceding academic year alongwith the approval of courses granted by the Regulatory Commission and the Government shall convey the approval within three months from the receipt of the proposal:

Provided that the fee structure for each course shall be decided before the issue of prospectus and shall be reflected in the prospectus :

Provided further that the fee structure shall not be revised or modified during the academic year.

(2) The fee structure prepared by the University shall be considered by a committee to be constituted by the State Government, in the manner as may be prescribed, which shall submit its recommendations to the Government after taking into consideration whether the proposed fee is,—

(a) sufficient for generating.—

(i) resources for meeting the recurring expenditure of the University; and

(ii) the savings required for the further development of the University; and

(b) not unreasonably excessive.

(3) After receipt of the recommendations under sub-section (2), if the Government is satisfied, it may approve the fee structure.

(4) The fee structure approved by the Government under sub-section (3) shall remain valid until next revision.

33. Examinations.—At the beginning of each academic session and in any case not later than 30th of August of every calendar year, the University shall prepare and publish a semester-wise or annual, as the case may be, Schedule of Examinations for each and every course conducted by it and shall strictly adhere to such Schedule :

Provided that if, for any reason whatsoever, University is unable to follow this Schedule, it shall, as soon as practicable, submit a report to the Regulatory Commission giving the detailed

reasons for making a departure from the published Schedule of Examination. The Regulatory Commission may, thereon, issue such directions as it may deem fit for better compliance in future.

Explanation.—‘Schedule of Examination’ means a table giving details about the time, day and date of the commencement of each paper which is a part of a Scheme of Examinations and shall also include the details about the practical examinations.

34. Declaration of results.—(1) The University shall strive to declare the results of every examination conducted by it within thirty days from the last date of the examination for a particular course and shall in any case declare the results latest within forty-five days from such date :

Provided that if, for any reason whatsoever, the University is unable to finally declare the results of any examination within the period of forty-five days, it shall submit a report incorporating the detailed reasons for such delay to the Regulatory Commission. The Regulatory Commission may, thereon, issue such directions as it may deem fit for better compliance in future.

(2) No examination or the results of an examination shall be held invalid only for the reasons that the University has not followed the Schedule of Examination as stipulated in section 33 and in this section.

35. Convocation.—The convocation of the University shall be held in every academic year in the manner as may be specified by the statutes for conferring degrees, diplomas or for any other purpose.

36. Accreditation of the University.—The University shall obtain accreditation from the National Council of Assessment and Accreditation (NAAC), Bangalore, within three years of its establishment and inform the Government and such other regulating bodies which are connected with the courses taken up by the University about the grade provided by NAAC to the University and the University shall get renewed such accreditation at an interval of every five years thereafter.

37. University to follow rules, regulations, norms etc. of the regulating bodies.—Notwithstanding anything contained in this Act, the University shall be bound to comply with all the rules, regulations, norms etc. of the regulating bodies and provide all such facilities and assistance to such bodies as are required by them to discharge their duties and carry out their functions.

38. Annual report.—(1) The annual report of the University shall be prepared by the Board of Management which shall include among other matters, the steps taken by the University towards the fulfillment of its objects and shall be approved by the Governing Body and copy of the same shall be submitted to the sponsoring body.

(2) Copies of the annual report prepared under sub-section (1) shall also be presented to the Regulatory Commission and the Government.

39. Annual accounts and audit.—(1) The annual accounts including balance sheet of the University shall be prepared under the directions of the Board of Management and the annual accounts shall be audited at least once in every year by the auditors appointed by the University for this purpose.

(2) A copy of the annual accounts together with the audit report shall be submitted to the Governing Body.

(3) A copy of the annual accounts and audit report alongwith the observations of the Governing Body shall be submitted to the sponsoring body.

(4) Copies of annual accounts and balance sheet prepared under sub-section (1) shall be presented to the Regulatory Commission and the Government.

(5) The advice of the Regulatory Commission and the Government, if any, arising out of the accounts and audit report of the University shall be placed before the Governing Body and the Governing Body shall issue such directions, as it may deem fit and compliance thereof shall be reported to the Regulatory Commission and the Government.

40. Powers of the Government to inspect the University.—(1) For the purpose of ascertaining the standards of teaching, examination and research or any other matter relating to the University, the Government or the Regulatory Commission may, cause an assessment to be made in such manner as may be prescribed, by such person or persons as it may deem fit.

(2) The Government or the Regulatory Commission as the case may be, shall communicate to the University its recommendations in regard to the result of such assessment for corrective action and the University shall take such corrective measures as are necessary so as to ensure the compliance of the recommendations.

(3) If the University fails to comply with the recommendations made under sub-section (2) within a reasonable time, the Government or the Regulatory Commission, as the case may be, may give such directions as it may deem fit which shall be binding on the University.

41. Dissolution of the University by the sponsoring body.—(1) The sponsoring body may dissolve the University by giving a notice to this effect to the Government, the employees and the students of the University at least one year in advance :

Provided that dissolution of the University shall have effect only after the last batches of students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded degrees, diplomas or awards, as the case may be.

(2) On the dissolution of the University all the assets and liabilities of the University shall vest in the sponsoring body:

Provided that in case the sponsoring body dissolves the University before fifty years of its establishment, all the assets of the University including assets of the sponsoring body pertaining to the University shall vest in the Government free from all encumbrances.

42. Special powers of the Government in certain circumstances.—(1) If it appears to the Government that the University has contravened any of the provisions of this Act or the rules, statutes or ordinances made thereunder or has contravened any of the directions issued by it under this Act or has ceased to carry out any of the undertakings given or a situation of financial mismanagement or mal-administration has arisen in the University, it shall issue notice requiring the University to show cause within forty five days as to why an order of its liquidation should not be made.

(2) If the Government, on receipt of reply of the University on the notice issued under sub-section (1), is satisfied that there is a prima-facie case of contravening all or any of the provisions of this Act or the rules, statutes or ordinances made thereunder or of contravening directions issued by it under this Act or of ceasing to carry out the undertaking given or of financial mismanagement or mal-administration, it shall make an order of such enquiry as it may consider necessary.

(3) The Government shall, for the purpose of any enquiry under sub-section (2), appoint an inquiry officer or officers to inquire into any of the allegations and to make report thereon.

(4) The inquiry officer or officers appointed under sub-section (3) shall have the same powers as are vested in a Civil Court under the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908) while trying a suit in respect of the following matters, namely:—

- (a) summoning and enforcing the attendance of any person and examining him on oath;
- (b) requiring the discovery and production of any such document or any other material as may be predicable in evidence;
- (c) requisitioning any public record from any court or office; and
- (d) any other matter which may be prescribed.

(5) The inquiry officer or officers inquiring under this Act, shall be deemed to be a Civil Court for the purposes of section 195 and Chapter 26 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974).

(6) On receipt of the enquiry report from the officer or officers appointed under sub-section(3), if the Government is satisfied that the University has contravened all or any of the provisions of this Act or the rules, statutes, or ordinances made thereunder or has violated any of the directions issued by it under this Act or has ceased to carry out the undertakings given by it or a situation of financial mis-management and mal-administration has arisen in the University which threatens the academic standard of the University, it shall issue orders for the liquidation of the University and appoint an administrator.

(7) The administrator appointed under sub-section (6) shall have all the powers and be subject to all the duties of the Governing Body and the Board of Management under this Act and shall administer the affairs of the University until the last batch of the students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded degrees, diplomas or awards, as the case may be.

(8) After having awarded the degrees, diplomas or awards, as the case may be, to the last batches of the students of the regular courses, the administrator shall make a report to this effect to the Government.

(9) On receipt of the report under sub-section (8), the Government shall, by notification in the Official Gazette, issue an order dissolving the University and from the date of publication of such notification, the University shall stand dissolved and all the assets of the University including assets of the sponsoring body pertaining to the University shall vest in the Government free from all encumbrances from the date of dissolution.

43. Power to make rules.—(1) The Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the provisions of this Act.

(2) Without prejudice to the generality of the foregoing power, such rules may provide for all or any of the following matters, namely:-

- (a) matter to be prescribed under clause (d) of sub-section (4) of section 42; and
- (b) any other matters which are required to be, or may be, prescribed by rules under this Act.

(3) All the rules made under this Act shall be laid, as soon as may be after they are so made, before the State Legislative Assembly, while it is in session, for a period of not less than ten days which may be comprised in one session or in two or more successive sessions and if before the expiry of the session in which it is so laid or the successive sessions aforesaid, the Legislative Assembly agrees in making modification in any of such rules or agrees that any such rule should not be made, such rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be, so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.

44. Power to remove difficulties.—(1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the Government may, by order published in the Official Gazette, make provisions, not inconsistent with the provisions of this Act, as appear to it to be necessary or expedient for removing the difficulty:

Provided that no such order shall be made under this section after the expiry of a period of two years from the date of commencement of this Act.

(2) Every order made under this section shall, as soon as may be after it is made, be laid before the State Legislative Assembly.

45. Repeal of H.P. Ordinance No. 3 of 2014 and savings.—(1) The Abhilashi University (Establishment and Regulation) Ordinance, 2014 is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal anything done or any action taken under the Ordinance so repealed shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Act.

Academic Regulations

(to be effective from academic session 2020-21)



**ABHILASHI UNIVERSITY,
CHAILCHOWK, TEHSIL CHACHYOT,
DISTRICT MANDI, H.P. 175028**

2020

Contents

Chapter No.	Description	Page no	
		From	To
Chapter 1	Admission and Registration	03	13
Chapter 2	Attendance	14	16
Chapter 3	Course Structure and Credit System	17	18
Chapter 4	Faculty of Agriculture	18	22
Chapter 5	Faculty of Ayurveda & Health Sciences	22	26
Chapter 6	Faculty of Engineering & Management	27	27
Chapter 7	Faculty of Pharmacy	27	30
Chapter 8	Faculty of Education, Basic Sciences & Humanities	30	30
Chapter 9	Examination System	31	39
Chapter 10	Conduct, Discipline and Punishment	39	41
Chapter 11	Award of Degrees, Certificates and Medals	41	46
Chapter 12	Award of Gold Medals	46	47
Chapter 13	Hostel Rules	47	53
Chapter 14	Grievance Redressal Cell and Ragging	53	56
Chapter 15	Maintenance of Academic Records	56	57
Chapter 16	Master of Philosophy (M.Phil.) and Doctor of Philosophy (Ph.D.).	57	61

CHAPTER- I

Admission, Registration and Attendance

1.1 Academic Programme:

Abhilashi University situated at Chailchowk provides education in different academic programmes to the students belonging to wide range of backgrounds. The programmes offered by the University are presently classified as undergraduate and postgraduate programmes.

This classification is based primarily on entry/admission/qualification of students rather than the level of degree offered. For all undergraduate programmes, students are admitted after 10+2 whereas for a postgraduate programme, students shall be admitted after they have obtained at least a Bachelor degree.

The curriculum provides broad based knowledge and simultaneously builds a temper for life long process of learning. At undergraduate level, a student needs to qualify compulsory foundation courses in basic sciences, humanities, social sciences and engineering sciences besides departmental requirements.

At the postgraduate level, student needs to qualify compulsory undergraduate course.

The University awards degree in the following programmes and other programmes to be approved by the authority/state government / regulatory commission /any other regulatory body:

i) UNDERGRADUATE PROGRAMMES

- Bachelor of Science (Honours) in Agriculture.
- Bachelor of Ayurveda, Medicine & Surgery
- Bachelor of Technology
- Bachelor of Business Administration (BBA)
- Bachelor of Computer Application (BCA)
- Bachelor of Pharmacy (Allopathy)
- Bachelor of Physiotherapy
- Bachelor of Science (B.Sc.)
- Bachelor of Law integrated course (B.A.LL.B.)
- Bachelor of Commerce (B.Com.)
- Bachelor of Science (Medical Laboratory Technology)
- Bachelor of Science/ Arts cum Bachelor of Education

ii) Postgraduate Programmes

- Master of Computer Application
- Master of Technology
- Master of Pharmacy.
- Master of Business Administration (MBA)
- M.Sc. Chemistry
- Master of Science
- Master of Arts
- M. Phil (Zoology & Chemistry)
- Master of Science (Agriculture)

iii) Research Programmes

Ph.D. (Zoology, Chemistry, Education, Management, Engineering & Pharmacy)

iv) Diploma Programme

Diploma in Pharmacy (Allopathy)

Diploma in Pharmacy (Ayurveda)

Diploma in Veterinary Pharmacy course.

Diploma in Agriculture

Diploma in Art & Crafts

v) Certificate Programmes

Many other undergraduate, postgraduate, research programmes & certificate courses will be added in future.

1.2 Student Roll Numbers: Students will be given Registration Numbers and the Roll Numbers. Tables below give the format for the Registration & Roll No's.

i) Table 1 – Central Student Registration Numbers

Every Student of the University will be issued a unique registration number which will remain same for his stay in University during his whole study or unless the student leaves/ migrates from the university

4 Digit Year	Abhilashi University Initials	3 Digit Serial Number starting from 001	Example for Central registration number
2020 & so on	AU	001 & so on	2020AU001, 2020AU002 & so on

ii) Table 2 - Course Codes & Departmental Roll Numbers

Course	Code
B.Sc. (Hons.) Agriculture	BSA
BAMS	BAM
Bachelor of Physiotherapy	BPT
B. Tech Civil Engineering	BCE
B. Tech Computer Science & Engineering	BCS
B. Tech Mechanical Engineering	BME
BBA	BBA
BHM	BHM
BCA	BCA
BALLB	BLB
B.Sc. Medical	BSM
B.Sc. Non-Medical	BSN
B.Com.	BCM
Diploma in Pharmacy	DPA
B. Pharmacy	BPA

M. Tech. Civil Engineering	MCE
M. Tech. Computer Science & Engineering	MCS
M. Tech Mechanical Engineering	MME
MCA	MCA
MBA	MBA
M. Pharmacy	MPA
M.A. Education	MAE
M.Sc. Chemistry	MSC
M.Sc. Zoology	MSZ
M.A. / M.Sc. Mathematics	MSM/MAM
M. Phil.	M Ph
Ph. D.	PhD
Veterinary Pharmacist Training Course	DVP

Examples of Roll No:

- (a) **14RSABSA001** denotes, Year 2014, Regular Student, School of Agriculture, B.Sc. (Hon's) Agriculture of Serial No. 001 respectively.
- (b) **14RACBAM001** denotes, Year 2014, Regular Student, Ayurvedic College & Research Institute, Bachelor of Ayurveda Medicine & Surgery Serial No. 001 respectively.
- (c) **14RSEBCE001** denotes, Year 2014, Regular Student, School of Engineering & Technology, Bachelor of Civil Engineering, Serial No. 001 respectively.
- (d) **14LSEBCE001** denotes, Year 2014, Lateral Entry Student, School of Engineering & Technology, Bachelor of Civil Engineering, Serial No. 001 respectively.
- (e) **15RSPDPA001** denotes, Year 2015, Regular Student, School of Pharmacy, Diploma of Pharmacy, Serial No. 001 respectively.
- (f) **14RSPBPA001** denotes, Year 2014, Regular Student, School of Pharmacy, Bachelor of Pharmacy, Serial No. 001 respectively.
- (g) **14LSPBPA001** denotes, Year 2014, Lateral Entry Student, School of Pharmacy, Bachelor of Pharmacy, Serial No. 001 respectively.
- (h) **15RXXMPh001** denotes Year 2015, Regular Student, School of XX, Master of Philosophy, Serial No.001 respectively.
- (i) **15RYYPPhD** denotes Year 2015, Regular Student, School of YY, Doctor of Philosophy, Serial No.001 respectively.

Note: R , L & M denote Regular, Lateral Entry and Migrated students respectively.

Similar pattern may be followed for different courses/ schools mentioned above or to be added in future in the university.

1.3 Minimum Eligibility for Admission:

The minimum qualification for admission to various programmes shall be as laid down by the Academic Council from time to time which shall be reflected in the prospectus. However, admission to various programmes shall be guided by the following provisions:

- i) Prescribed minimum marks in all programmes shall be relaxed by 5% in case of SC/ ST or as per govt./regulatory bodies)
- ii) The candidate would be deemed to have passed the qualifying examination on or before the date of admission and duly supported by Provisional Degree Certificate (PDC) issued by the competent authority.
- iii) A candidate having passed his qualifying examination from a foreign university with 'B' grade or its equivalent shall be eligible for admission subject to recognition of his degree by the Academic Council.
- iv) The CGPA will be converted into percentage of marks by multiplying it by ten.
- v) The CGPA of other universities following scale other than 10-point will be converted on Percentage basis by using appropriate conversion formula.

1.4 Mode of Admission:

- i) The mode of admission for various programmes will be laid down by the Academic Council from time to time.
- ii) Admission will be on the basis of Entrance Test or merit in the qualifying examination if there is no entrance test for the course.
- iii) While determining merit of eligible candidates, marks to the following extent shall be added to the result of the candidates who have distinguished themselves in sports and games recognized by the Indian Olympic Association/ NCC and other co-curricular activities like declamation, debate, quiz, essay competition, science seminars, and youth festival.
- iv) In case two or more candidates obtain the same percentage of marks/ CGPA, the merit shall be decided as under:
 - a) Merit of previous examination.If the merit cannot be decided on the basis of (a) above, the candidate, who is younger in age, shall be considered first. Any direction by the regulatory bodies (national/state) will be complied.

1.5 Age Limit for Admission:

The maximum age limit shall be as on 31st August of the year concerned. The Vice-Chancellor shall have the power to permit age relaxation for reasons recorded in writing. Provided further that age bar shall not apply in case of in-service candidates, nominees of the government/institutes and industries.

1.6. Number of Seats: The number of students to be admitted in various programmes shall be fixed by the **Academic Council** subject to the approval of the Regulatory Commission, wherever necessary, and will be declared from time to time in the prospectus.

1.7. Provisional Admission: A candidate whose result has not been declared by the Board/University can seek provisional admission provided he/she has appeared in the Entrance Test for the course as applicable from time to time. The provisional admission of such candidate

stands automatically cancelled if he/she fails to submit his/her mark sheet or provisional certificate etc. of the qualifying examination and/or meeting the percentage of marks as fixed for the admission by the University by the last date for such admission.

1.8. Eligibility Criteria for Admission: Eligibility criteria shall be notified in the prospectus of each current year.

1.9. Time of Admission:

Admission to all the programmes will be made at the commencement of academic year.

1.10. Application Procedure:

The application for admission shall be made to the **Registrar** on a prescribed form to be obtained on payment of stipulated fee. Application form complete in all respects and filled in by the applicant in his/ her own hand writing should reach the **Registrar** on or before the last date for submission of application.

1.11 Academic Session:

- i) The academic session will counted from July current year to June next year and shall comprise of two registered semesters. First registered semester of the year is from July to December and second from January to June. For annual system the session will be July to June.
- ii) The dates for advertisement, registration, commencement of classes and other details for the academic session shall be notified by the **Registrar**.

1.12. Reservation of Seats:

Admission to various programmes shall be open to all eligible persons subject to the reservation of seats as per Abhilashi University Act.

1.13. Selection Procedure:

To conduct the counseling and draw the merit for selection of the candidates for admission in various programmes of the University, the committee(s) shall be constituted by the **Registrar** with the prior approval of the **Vice-Chancellor**.

1.14. Verification of Antecedents:

Each applicant shall be required to submit a character certificate from the Head of the Institution last attended.

1.15. Migration Certificate:

The student passing his qualifying examination from other than this University shall have to submit the migration certificate in original within one year of his admission, failing which his admission shall be cancelled.

1.16. Refusal of Admission

The past record of a candidate as to his/ her conduct shall also be considered for deciding admission. If it is found that the candidate has been indulging in acts of indiscipline or is guilty of having organized unlawful demonstration etc., he/she may be refused admission by the admission committee. The candidates who have been expelled/ rusticated/ debarred shall not be admitted during the period of disqualification.

1.17. Normal Duration & Syllabus:

(A) The normal duration of different programmes shall be in-accordance with University Grants Commission, New Delhi and other Regulatory Bodies.

i) Undergraduate

a)	B.Sc. (Hons.) Agriculture	8 Semesters
b)	BAMS	5 $\frac{1}{2}$ Years (Annual System) Including one-year rotatory internship
c)	B Tech	8 Semesters
d)	BBA	6 Semesters
e)	BCA	6 Semesters
f)	B. Pharmacy	8 Semesters
g)	Dip. Pharmacy	Two Years
h)	Diploma in Veterinary Pharmacy	Two Years
i)	BPT	Four Years
j)	B.Sc.	Three Years
k)	B.Com.	Three Years
l)	B.A./B.Sc. B. Ed.	8 Semesters

ii) Postgraduate

a)	MCA	6 Semesters
b)	M. Tech.	4 Semesters
c)	M. Pharmacy	4 Semesters
d)	MBA	4 Semesters
e)	M.A.	4 Semesters
f)	M.Sc.	4 Semesters
g)	M. Phil.	2 Semesters
h)	Ph.D.	3 Years

Note:-

If a student does not complete a course in the normal duration he/she may be permitted to complete the programme in maximum of four semesters beyond the normal duration with the permission of **Vice-Chancellor**.

(B) Syllabus:

The subjects of study and the syllabi for different programmes will be as prescribed from time to time by the **Academic Council**.

1.18. Transfer of Students/ Exemption from Course:

- i) A student may be granted permission for transfer from a University to Abhilashi University up to fifth semester only following a comparable system of education to Abhilashi University with the consent of the Host University and the **Vice Chancellor** of this University on the recommendation of the concerned **Dean of Faculty** provided the seat is available and the student is academically on 'Good Standing'. Further, the student is not seeking transfer in the final year of a programme and fulfils the minimum educational

requirements for enrolment in the programme at the University. The student shall be required to produce the transcript of courses from his/her previous University. No outward migration will be allowed. An Equivalence Committee constituted by the **Dean of Studies** shall examine the courses/ subjects already studied by the student, the syllabi thereof (minimum 80% syllabi should be same), the examination passed, and may also, if considered necessary, conduct a proficiency test to determine the transfer of credits and course(s) from which the student may be exempted. In such a case, the credits shall be transferred. The cumulative grade point average (CGPA) of the student shall be determined entirely on the basis of the courses studied by him in the University.

- ii) An undergraduate student of this University may be transferred from one constituent school to another up to the 1st semester only with the consent of **Dean of Studies** and the **Vice Chancellor**.

In case where a student admitted to particular programme of the University is transferred to another constituent school before completing the former degree programme to which he was initially admitted, the grades earned shall also be transferred if the courses are identical. Where the courses are not identical but comparable, the credits earned thereof shall be accounted towards the degree requirement but the grades of such courses shall not be transferred.

- ii) A student may join another degree programme after completing the requirements for a degree. On the request of the student and recommendation of the course coordinator/ head/ Dean of the faculty, such a student will be exempted from studying course(s) by the **Dean of Studies** provided he has already cleared such course(s) in the qualifying examination.

1.19. Registration:

Registration is an important procedural part of the academic system. The registration procedure ensures that the student's name is on the roll list of each course that he/she wants to study. No credit is given if the student attends a course for which he has not been registered. Registration for courses to be taken in a particular semester will be done according to a specified schedule before the end of the previous semester. Each student is required to complete the registration form.

Various activities related to registration, the relevant dates are included in the semester schedule that is available before the start of the semester.

Registration shall consist of the following steps:

- i) Meeting with the course coordinator.
- ii) Enrolment of students in different courses with the concerned teacher.
- iii) Payment of University fee and other dues.
- iv) Depositing the prescribed registration forms duly filled in and signed by the course coordinator, teachers concerned and Dean of Faculty in the office of the Registrar.

1.20. Registration and student status:

Registration for the first semester of a programme is part of admission procedure and shall be governed by the admission rules. Registration of the students in the prescribed manner is compulsory and failure to do so by the prescribed dates shall lead to cancellation of selection. The seats so fallen vacant shall be offered to the candidates next in the list.

Every enrolled student shall be required to register in the last days of previous semester for each coming semester till the completion of degree requirements failing which his/her enrollment shall be cancelled. Readmission in such cases shall be by petition and not as a matter of right.

Registration by a student confirms his status as student at the University. Failure to do so will imply that the student has discontinued studies and his/her name will be struck-off the rolls.

No fees will be charged for the registration, but for re-registration, late registration, adding/dropping of courses, fees will be charged which will be notified from time to time by the University.

1.21. Registration validation:

Before the first day of classes, every student is required to be present on campus and validate his registration by consulting HOD/Dean of Faculty office. The updated **registration record will be available on the website** and the **hard copy** will be available with the **HOD/ Dean of Faculty**. Students who do not register validation will not be permitted to add/drop courses.

1.22. Addition, Deletion, Audit and Withdrawal from Courses:

- i) **Add/Drop:** A student has the option to add a course(s) that he has not registered for, or drop a course(s) for which he has already registered. This facility is restricted in the **first week** of the semester. **Fees will be charged** for every addition and every dropping. Fees will be notified from time to time by the University.
- ii) **Withdrawal:** A student who wants to withdraw from a course should apply within **First week** of the semester.
- iii) **Subsequent to the registration**, a student may add or withdraw course(s) in the manner prescribed below:
 - a) Application for addition or withdrawal shall be made in the prescribed '**Change of Course Form**' obtainable from the office of the Dean of Faculty.
 - b) The course coordinator of the student and the teacher of the course shall give their recommendations.
 - c) After completing above, the student shall obtain the approval of the Dean of Faculty and then **Dean of Studies** for the change.
 - d) In the event of permission for the change being granted by the **Dean of Studies**, the student will deposit prescribed **fee**.
 - e) After the **fee** has been deposited, the student will deposit the 'Change of Course Form' in the office of the **Registrar**. The **Dean of Faculty** shall inform within three days, the teacher about the addition or withdrawal of the course(s) by the student and also forward copy of the 'Change of Course Form' to the **Registrar**.
 - f) The change will become effective only when all the requirements mentioned above have been completed.
- iv) The student, normally, **will not be permitted** to withdraw from course(s) beyond a specified period.

1.23. Minimum student registration in a course:

A course will run if minimum of 20% students register for the course. Under special circumstances course may be allowed to run with the permission of **Vice Chancellor**.

1.24. Late Registration:

Late registration is permitted under the following conditions:

- i) A student, who was not in the campus during the period of registration in the previous semester, needs to complete the registration process on or before the **first day** of the semester before commencement of classes.
- ii) For reasons beyond his control, if a student is not able to register or send an authorized representative with a medical certificate, he may apply to the **Dean of Faculty** for late registration. Concerned **Dean** will consider and may **approve late registration** in genuine cases on payment of fee.

1.25. Registration and fees payment:

Every registered student must pay the stipulated fees as notified before the specified deadlines. In case a student does not make these payments, his/her name will be struck-off the rolls.

1.26. Registration record:

Entries related to registration are entered on the registration record. Queries related to registration will be considered only when accompanied by the original registration record. This record must be preserved until the semester grade card is received by the student.

1.27. Continuous absence and registration status:

If a student remains absent from the University for more than **two weeks** without permission of the Head of Department/Dean of Faculty, his/her registration will be cancelled.

1.28. Cancellation of Registration/ Admission:

The **Vice-Chancellor**, on the recommendation of the **Dean of Faculty & Dean of Studies**, may cancel the registration/ admission of any student who indulges in gross act of indiscipline, absents himself from classes without permission or without any valid reason or submits forged/ false documents or in whose case the **Vice-Chancellor** has reasons to believe that his/her continuance would not be in the interest of the University.

1.29. Withdrawal from the University:

Any student who wants to withdraw from the University should obtain 'No Dues Certificate' on prescribed proforma from all sections and concerned Heads of Departments/ Dean of Faculty and deposit it in the office of the Dean of Studies. A student not following this procedure shall be liable to pay the University fee and other charges until '**No Dues Certificate**' has been duly submitted by him.

Permission to withdraw from the school for a semester shall be granted by the **Dean of Studies** on the recommendation of the Course **Coordinator / HOD / Dean of Faculty** on the following grounds:

- i) Student's confinement or his getting employment.

- ii) Provided further that no application for withdrawal shall be entertained from the day of commencement of major examination.

1.30. Re-admission of student

A student who withdraws from the University under regulation of registration or who has been dropped from the University may apply to the **Dean of Studies** for re-admission after the recommendation by Dean of Faculty. However, on re-admission such a student shall be treated as continuing student for meeting the academic requirements and shall not be required to **pay fee** for the discontinued period.

1.31. Procedure for Leaving the University

- i) A student shall leave the University on completion of his studies.
- ii) '**No Dues Certificate**' shall be obtained by a student after completion of the degree or at the time of being permitted to leave the University.
- iii) After successful completion of all the requirements for the award of degree, the **Dean of Studies** shall send the report to the **Registrar** for notification of result. The **Registrar** shall subsequently issue the provisional certificate and transcript record to the student.

Provided the issue of documents shall not be held up beyond three weeks from the date of submission of 'Clearance Certificate' in the office of the Registrar.

1.32. Refund of Security:

The refund of security shall be made only after the student has obtained a 'No Dues Certificate' from the **Dean of Studies**. The refund of security shall be permitted within one year from the date the student leaves the University, where after it shall stand credited to the amalgamated fund of the University.

CHAPTER -2

Attendance

1. 33. Attendance rule:

- i) A student is required to attend all the lectures, tutorials, guest lectures, practical's and presentations as per the time table and notices from time to time by the respective faculties and must have a minimum attendance of 75 percent (80 % in case of Pharmacy Course).
- ii) Each student will be required to attend at least 75% same as above for pharmacy of delivered lectures and practicals conducted in each course separately. The attendance of the student will be counted from the date of commencement of classes. The student whose attendance is falling short will not be eligible for appearing in End Term Examination.

Five marks are reserved for attendance in each course as given below:

Table-4:- Reservation of marks for attendance

Sr. No.	Attendance	Marks
1.	95 % and above	5 marks
2.	90% -94.9%	4 marks
3.	85%- 89.9%	3 marks
4.	80% -84.9%	2 marks
5.	75% -79.9%	1 mark

- iii) A relaxation of up to 15% by **Vice Chancellor** on the recommendation of Dean of Faculty and Dean of Studies. The Deans must specify the reason for waiver.
- iv) Benefit of scholarship / fee waiver concession will be withdrawn if the students are not fulfilling 75% (80 % in case of Pharmacy Course) attendance in any subject /course registered.
- v) If a student remains continuously absent from the University for more than **two weeks** without proper permission of the **Dean of Faculty**, his name will be removed from University rolls.
- vi) Dean of the Faculty will ensure the punctuality & regularity of teachers and students in the classes.
- vii) Mass absence, above 50% of class strength, shall be deemed as an **act of indiscipline** and will entail a fine specified by the authorities.



CHAPTER -3

Course Structure and Credit System

3.1 Course numbering scheme

At the beginning of the semester, a student registers for courses that he/she wants to study and at the end of the semester a grade is awarded. On obtaining a pass grade, the student earns all the credits associated with the course while a fail grade does not get any credit.

The nature of the course with course code is given in Table: 5

Table 5 - Codes for the nature of courses

Code	Description
L	Lecture courses (other than lecture hours, these courses can have Tutorial and Practical hours, e.g. L-T-P structures 3-0-0, 3-1-2-, 3-0-2, 2-0-0, etc.)
P	Laboratory based courses (Where performance is evaluated primarily on the basis of practical or laboratory work with LTP structures like 0-0-3, 0-0-4, 1-0-3, 0-1-3, etc.)
D	Project based courses leading to dissertation (e.g. Major, Minor, Mini Projects)
T	Training

3.2. Credit System

Education in the University is organized around the semester-based credit system of study. Annual system courses are percentage based. The prominent features of the credit system are a **process of continuous evaluation** of a student's performance/progress and flexibility to allow a student to progress at an optimum pace suited to his/her ability or convenience, subject to fulfilling minimum requirements for continuation. A student is allowed to attend classes in a course and earn credit for it, only if he/she has registered for that course.

A student's performance/progress is measured by the number of credits that he/she has earned, i.e. completed satisfactorily. Based on the course credits obtained by the student, grade point average is calculated. A minimum grade point average is required to be maintained for satisfactory progress and continuation in the programme. Also a minimum number of earned credits and a minimum grade point average should be acquired in order to qualify for the degree.

All programmes of semester system are defined by the total credit requirement and pattern of credit distribution over courses of different categories displayed on the result card.

Annual system courses are percentage based and norms of the regulatory bodies are followed in the curriculum and examination.

Course credits assignment

- a) Each course has a certain number of credits assigned to it depending upon its lecture, tutorial and laboratory contact hours in a week and all over the semester.
- b) Lectures and Tutorials: One lecture or tutorial hour per week per semester is assigned one credit.
- c) Practical/Laboratory Work: One laboratory hour per week per semester is assigned half credit.

Earning credits

- a) At the end of every course for which a student has registered, a letter grade is awarded in each course. On obtaining a pass grade, the student accumulates the course credits as earned credits. A student's performance is measured by the number of credits that he/she earned and by the weighted grade point average.
- b) The credit requirement for students admitted through lateral entry in B Tech/ Pharmacy programmes will be counted from 3rd semester onward.

3.3. Registration for Award of Grades

- i. To get the awards in each course it shall be essential to register the course in the beginning of a semester in the prescribed registration form or at the time of addition of course within prescribed period as given in academic calendar.
- ii. In case a student studies a course without registration in the prescribed manner, he/she will not be awarded any grade in that course.

3.4. Semester Withdrawal

- i) Semester withdrawal and absence for a semester under different conditions viz.;
 - a) medical and personal grounds
 - b) industrial internship
 - c) exchange / deputation to another academic institution in India or abroad, &
 - d) disciplinary action for students should be clearly identified.
- ii) Semester Withdrawal (SW) is proposed to reflect the condition in which a student is forced to withdraw from all courses in the semester on medical grounds. A student can apply for semester withdrawal if he has missed four weeks on this ground.
- iii) Semester Leave (SL) is proposed to indicate the situation in which a student is permitted to take one or more semester off for industrial internship or any other assignment with prior approval and planning. The application is to be routed through his course coordinator and HOD, Dean and the final authority will be Vice-Chancellor. All such applications must be processed before the beginning of the semester in which the leave will be taken.
- iv) When a student is suspended for one or more semesters on disciplinary grounds, the student status should be called disciplinary withdrawal period (DWP). Time spent in DWP status will be counted towards the total period permitted for completion of the degree.
- v) Normally, permission shall not be granted to a student to withdraw from the School of the University for more than one semester.
- vi) In special circumstances, on the recommendation of the course coordinator, Dean of faculty and Dean of Studies for reasons to be recorded **in writing**, the Vice-Chancellor may permit

temporary discontinuance of studies for a longer period within the provisions of academic regulations. However, the withdrawn semester shall be counted towards meeting the academic requirements as laid in the academic regulations.

- vii) No student shall be permitted to withdraw from the University for more than two semesters during the degree programme. If a student remains unregistered for a total period of more than two semesters, he shall stand automatically dropped from the University.

3.5. Dropping from the University

A student shall be required to earn his degree within specified limit of admission of registered semesters. A student, who fails to obtain his degree within the above stipulated period, be dropped from the University and have no right to petition,

3.6. Maximum duration for completing degree requirements

- i) The maximum permitted duration of each programme will be determined in terms of number of registered regular semesters, hereinafter called registered semesters. Any semester in which a student has registered for a course will be called a registered semester subject to the following:
- The semester when a student has been granted semester withdrawal (SW) or granted semester leave (SL) will not be considered as a registered semester.
 - The semester when a student is suspended from the University on disciplinary grounds will not be counted towards the number of registered semesters.
- ii) The maximum permissible number of registered semesters for completing all degree requirements is given in Table 6.

Table 6 - Maximum permissible duration for completing degree requirements

Programme Name	Maximum number of registered semesters permitted for completing degree requirement
B.Sc. (Hons.) Agriculture	12
BAMS	7 $\frac{1}{2}$ years (Annual System)
B. Tech	12
BBA	10
BCA	10
B. Pharmacy	12
MCA	10
M. Tech.(CE)	8
M. Tech.(ME)	8
M. Pharmacy	8
M.Sc.	8
M.A.	8
Diploma	8 (4 Years in Annual System)
BPT	12 (6 Years in Annual System)

CHAPTER-4

Faculty of Science

Bachelor of Science (Hons.) in Agriculture

4.1. B. Sc. (Hons.) Agriculture is four-year programme spread over eight semesters.

4.2. Eligibility for Admission: –

Candidates having passed (10+2) Examination/ Equivalent Examination conducted by the recognized Education Board/ University/ Council with English, Chemistry, Physics, Biology/Math/Agriculture/ Horticulture or equivalent. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H. P.

Note: 25% of seats are reserved for the Himachali Bonafide candidates and remaining seats are open for all.

4.3. Scheme of Examination: -The syllabus consists of

1. Theory Courses.
2. Practical Courses.

Detail of various courses is given in the syllabus.

4.4. Structure of the programme: -

Semester	Credits
I	21
II	21

The credits for the remaining semesters are given in the syllabus.

Postgraduate and Research programmes will be started in future.

B.Sc. (Medical/Non-Medical)

4.5. B. Sc. is three years programme spread over six semesters.

4.6. Eligibility for Admission

Candidates having passed (10+2) Examination/ Equivalent Examination conducted by the recognized Education Board/ University/ Council with English, Chemistry, Physics, Biology/Math/Agriculture/ Horticulture or equivalent. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H. P.

Note: 25% of seats are reserved for the Himachali Bonafide candidates and remaining seats are open for all.

Master of Science (M.Sc.) Agriculture

4.7. M. Sc. is two years programme spread over four semesters.

4.8. Eligibility for Admission :-

Candidates having passed B.Sc. Agriculture/ horticulture/ Forestry with 50% marks (45% for SC/ST) from any recognized university. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H. P.

Note: 25% of seats are reserved for the Himachali Bonafide candidates and remaining seats are open for all.

CHAPTER- 5

Faculty of Ayurveda & Health Sciences

Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery (BAMS) Programme

5.1. Eligibility for Admission

- i) Candidates having passed (10+2) Examination/ Equivalent Examination conducted by the recognized Education Board/ University/ Council with English, Chemistry, Physics and Biology. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H. P.
- ii) Note: 25% of seats are reserved for the Himachali Bonafide candidates and remaining seats are open for all.
- iii) Duration of programme :
 - a. Degree programme 5-1/2 years. Comprising
 - i. I Professional -12 months
 - ii. II Professional -12 months
 - iii. III Professional -12 months
 - iv. Final Professional -18 months
 - v. Compulsory Rotatory Internship -12 months
- iv) Degree to be awarded
 - a. Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery – BAMS).
 - b. The candidate shall be awarded Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery – BAMS) degree after passing the final examination, after completion of the prescribed programme of study extending over prescribed period there and after satisfactorily completion of the prescribed compulsory rotatory internship extending over twelve months.
- v) Medium of instruction
 - i. Sanskrit, Hindi or English.

5.2. First professional examination

- i. The first professional examination shall be at the end of one of academic year of first professional session, the first professional session will start in July.
- ii. The first professional examination shall be held in the following subjects: -
 - a. Padarth Vigyan avam Ayurved Itihas
 - b. Sanskrit
 - c. Kriya Sharir (Physiology)
 - d. Rachna Sharir (Anatomy)

- e. Maulik Siddhant avam Ashtang Hridaya (Sutra Sthan).
- iii. A student failed in not more than two subjects shall be held eligible to keep the terms for the second professional course, however he/she will not be allowed to appear for second professional examination unless he/she passed in all the subjects of the first professional examination.

5.3. Second professional examination

- i). The Second professional session shall start every year in the month of July following completion of first professional examination.

The second professional examination shall be ordinarily held and completed by the end of month June every year after completion of one year of second professional session.

- ii). The second professional examination shall be held in the following subjects:-
 - a. Dravyaguna Vigyan (Pharmacology and Materia Medica)
 - b. Rasashastra-Bhaishajya Kalpana (Pharmaceutical Science)
 - c. Agad tantra Vyavhar Ayurved Avam Vidhi Vidhayaka (Toxicology and Medical Jurisprudence)
 - d. Charak-Pruvardh
- iii). A student failed in not more than two subjects shall be held eligible to keep the terms for the third professional examination, however he/she will not to be allowed to appear for third professional examination unless he/she passes in all the subjects of third professional examination.

5.4. Third professional examination

- i). The third professional session shall start every year in the month of July following completion of second professional examination.

The third professional examination shall be ordinarily held and completed by the end of month of May/June every year after completion of one year of third professional session.

- ii) The third professional examination shall be held in the following subjects:-
 - a. Roga Nidhan & Vikriti Vigyan (Pathology & Microbiology)
 - b. Charak Samitha-Uttradhan
 - c. Swastha Vritta & Yoga (Preventive and Social Medicine and Yoga)
 - d. Prasuti & Striroga (Gynaecology & Obstetrics)
 - e. Bai Roga (Paediatrics)

- iii). A student failed in not more than two subjects shall be held eligible to keep the terms for the final professional examination, however he/she will not to be allowed to appear for final professional examination unless he/she passes in all the subjects of third professional examination

5.5. Final professional examination

- i.) Final professional session will be of 1 and ½ year duration and shall start every year in the month of July following completion of third professional examination.

The final professional examination shall be ordinarily held and completed by the end of month of Nov./ Dec. every year after completion of one and half year of final professional session.

- ii). the final professional examination shall be held in the following subjects: -

- a) Shalya Tantra (General Surgery)
- b) Shalakya Tantra (Diseases of Head & Neck including Ophthalmology, ENT and Dentistry)
- c) Kayachikitsa (Internal Medicine-Including Manes Roga, Rasayan & Vajikarana).
- d) Panchkarma
- e) Research Methodology & Medical-Statistics.

5.6. Curriculum and syllabus: Syllabus will be followed as per Central Council of Indian Medicine prescribed from time to time.

5.7 Compulsory internship

- i) Duration of internship: 1 year
- ii) The student will join the compulsory internship programme after passing the final professional examination. The internship programme will start after the declaration of the result of final professional examination. The period of internship will be of one year.
- iii) Internship programme and time distribution will be as follows: -
 - a) The interns will receive an orientation regarding programme details of internship programme alongwith the rules and regulation, in an orientation workshop, which will be organized during the first three days of the beginning of internship programme. A workbook will be given to each intern. The intern will enter date wise details of activities undertaken by him/her during his/her training.
 - b) Every intern will provisionally register himself with the concerned state board/council and obtain a certificate to this effect before joining the internship programme.
 - c) Daily working hours of intern will not be less than eight hours.
 - d) Normally one-year internship programme will be divided in to clinical training of six months in the Ayurvedic hospital attached to the college and six months in PHC / CHC / Rural Hospital/ District Hospital/Civil Hospital or any Govt. Hospital of modern medicine. But where there is no provision /permission of the State Government for allowing the graduates of Ayurveda in the hospital/dispensary of modern medicine, the one-year internship will be completed in the hospital of School of Ayurveda of the University.
 - iv) Clinical Training of six/twelve months as case may be in the Ayurvedic hospital attached to the college will be conducted as follows: -

Sr.No.	Departments	Distribution of six months	Distribution of twelve months
1	Kayachikitsa	2 Months	4 Months
2	Shalya	1 Months	2 Months
3	Shalakya	1 Months	2 Months
4	Prasuti & Striroga	1 Months	2 Months
5	Kaumarbhritya	15 Day	1 Month
6	Panchkarma	15 Day	1 Month

- v) Six months training of intern will be carried out with an object to orient and acquaint the intern with National Health Programme. The intern will have to join in one of the following institutes for undertaking such training.
 - a). Primary Health Centre
 - b).Community Health Centre/District Hospital
 - c). Any Hospital Of Modern Medicine
 - d). Any Ayurved Hospital Or Dispensary

All the above centers (a, b, c and d) will have to be recognized by the concerned university and concerned Govt. designated authority for taking such a training.

5.8 Assessment

After completing the assignment in various sections, they have to obtain a certificate from the head of the section in respect of their devoted work in the section concerned and finally submitted to Principal/Dean of Faculty of the University so that completion of successful internship can be granted.

5.9 Examination: Annual system is followed and conducted by the Controller of Examinations. The house tests will be conducted under the supervision of Dean of Ayurveda. The paper setting and the evaluation for annual examination will be external / internal whereas for house tests it is internal. CCIM Examination pattern will be followed.

Bachelor of Physiotherapy (BPT)

5.10. BPT is four years (8 semesters) course.

5.11. Eligibility for Admission

- i) Candidates having passed (10+2) Examination/ Equivalent Examination conducted by the recognized Education Board/ University/ Council with English, Chemistry, Physics and Biology. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H. P.
- ii) Note: 25% of seats are reserved for the Himachali Bonafide candidates and remaining seats are open for all.

5.12. Syllabi

The course contents and other materials as specified by regulatory body/Physiotherapy Council of India is strictly complied with.

Bachelor of Science (Medical Laboratory Technology)

CHAPTER-5

Faculty of Engineering and Management

Bachelor of Technology (B. Tech.)

5.1. B. Tech is a four year programme spread over eight semesters.

5.2. Eligibility for Admission:-

- iii) Candidates having passed (10+2) Examination/ Equivalent Examination conducted by the recognized Education Board/ University/ Council with English, Chemistry, Physics and Mathematics. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H. P.

Note: 25% of seats are reserved for the Himachali bonafide candidates and remaining seats are open for all.

5.3. Lateral Entry:- Student who has passed Polytechnic Diploma programme from a recognized institute is eligible for admission in Lateral Entry Scheme in the 2nd year of the B. Tech programme .

5.4. Scheme of Examination:-

The syllabus of B. tech programme consists of

- i. Theory courses
- ii. Practical courses

The detail of various courses is given in the syllabus

5.5. Structure of the programme :-

Semester	Credit
1	23
2	26

The credits for the remaining semesters are given in the syllabus.

Master of Technology (M. Tech.)

5.6 The M. Tech programme is four semester course.

5.7. Eligibility for Admission:-

The candidate should have passed B. Tech. examination in the respective branch of Engineering with minimum entry level qualification prescribed by AICTE. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the university or the Govt. of H. P.

Note: 25% of the seats reserved for the Himachali bonafide candidates and remaining seats are open for all.

5.8 Structure of the programme

Semester	Credit
1	22
2	22

The detail of various courses is given in the syllabus.

The credits for the remaining semesters are given in the syllabus

Bachelor of Computer Applications (BCA)

5.9. Bachelor of Computer Applications Programme is a three years undergraduate programme spread over six semesters

5.10. Eligibility for Admission:-

The candidate must have passed 10+2 standard examination. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H. P.

Note: 25% of the seats reserved for the Himachali bonafide candidates and remaining seats are open for all.

5.11. Scheme of Examination:-

- i. The BCA programme consists of
 - a) Theory courses
 - b) Laboratory courses
 - c) Project work
- ii. Detail of the above is given in the syllabus.
- iii. Structure of the programme

Semester	Credit
1	24
2	24

The credits for the remaining semesters are given in the syllabus

Bachelor of Business Administration (BBA)

5.12. The normal duration of the BBA programme is three years spread over six semesters.

5.13. Eligibility for Admission:-

The candidate must have passed 10+2 standard examination. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H.P.

Note: 25% of seats are reserved for the Himachali bonafide candidates and remaining seats are open for all India.

5.14. Structure of BBA programme:-

Semester	Credits
I	20
II	18

The credits for remaining semesters are given in the syllabus.

Theory as well as Practical examinations are External/Internal whereas project evaluation is External

The detail of various courses is given in the syllabus.

Bachelor of Hotel Management (BHM)

5.15. The normal duration of the BHM Programme is four years spread over eight semesters.

5.16. Eligibility for Admission:-

- i) The candidate must have passed (10+2) standard Examination. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H.P.

Note: 25% of seats are reserved for the Himachali bonafide candidates and remaining seats are open for all.

5.17. Structure of BHM programme:-

The credits for the semesters are given in the syllabus.

Theory as well as Practical examinations are External/Internal whereas project evaluation is External.

The detail of various courses is given in the syllabus.

Bachelor of Commerce (B.Com.)

5.18.. B.Com. is three years programme spread over six semesters.

5.19. Eligibility for Admission

Candidates having passed (10+2) Examination/ Equivalent Examination conducted by the recognized Education Board/ University/ Council. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H. P.

Note: 25% of seats are reserved for the Himachali Bonafide candidates and remaining seats are open for all.

Master of Computer Applications (MCA)

5.20. Master of Computer Application is three years postgraduate course spread over six semesters.

5.21. Eligibility for Admission:- The candidate must have passed any recognized bachelor degree of minimum three years duration with Mathematics as one of the subjects and fulfill minimum entry level qualification prescribed by AICTE. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H.P.

Note: 25% of seats are reserved for Himachali bonafide candidates and remaining seats are open for all.

5.22. Scheme of Examination:-

- i. The MCA programme consists of
 - a. Theory courses
 - b. Laboratory course
 - c. Project work
- ii. Detail of various courses are given in the syllabus.

5.23. Structure of the Programme:-

Semester	Subject (theory + Lab)	Credits
I	15+4	19
II	15+4	19

The credits for the remaining semesters are given in the syllabus.

5.24. Project Work

- i. A student is permitted to register for the project work after satisfying the attendance requirement of all the courses (Theory and Practical courses). The candidate has to submit, in consultation with his/her project supervisor, the title, objective and plan of action of his/her project to Department Project Review Committee (DPRC) for its approval. Only after obtaining approval of DPRC the student can initiate the Project Work. The DPRC is constituted by the University with HOD as Chairman with two senior Faculties as members of the committee.
- ii. Three copies of project report certified by the supervisor shall be submitted to the University.
- iii. The project report shall be examined by the External Examiner.

- iv. The viva-voce examination of the project shall be conducted by the Board consisting of External Examiner, HOD and Supervisor. The Board shall jointly report the student's work

A	Excellent
B	Good
C	Satisfactory

HOD/ Dean of Faculty will co-ordinate and make arrangements for conduction of viva-voce examination. If the work is not satisfactory, the student will revise and resubmit the Project Report after three months. If he/she fails to get a satisfactory report again, the project will be reconsidered.

Masters of Business Administration (MBA)

5.25 Master of Business Administration is two years course spread over four semesters.

5.26. Eligibility for Admission:-The candidate must have passed any recognized bachelor degree of minimum three years duration. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H.P.

Note: 25% of seats are reserved for Himachali bonafide candidates and remaining seats are open for all.

CHAPTER- 7

Faculty of Pharmacy

Bachelor of Pharmacy Course (B. Pharma.) Allopathy

7.1. Rules and regulations for conducting Bachelor of Pharmacy (B. Pharm.) course and examination by Abhilashi University as per the New Education Regulations, 2014 of the Pharmacy Council of India constituted under the Pharmacy Act 1948.

7.2. Duration of the course

The duration of B. Pharm. course shall be four academic years (08 semesters) full time with each semester spread over a period of not less than hundred working days.

7.3. Short title and commencement

A. These regulations may be called the Bachelor of Pharmacy (B. Pharm.) Course Regulations, 2014.

B. B. Pharm shall consist of a certificate, having passed the course of study and examination as prescribed in these regulations, for the purpose of registration as a pharmacist to practice the profession under the Pharmacy Act, 1948.

7.4. Minimum qualification for admission

A. First year B. Pharm: Pass in any of the following examinations-

- a) Candidate shall have passed 10+2 examination conducted by the respective state/central government authorities recognized as equivalent to 10+2 examination by the Association of Indian Universities (AIU) with English as one of the subjects and Physics, Chemistry, Mathematics/Biology as optional subjects individually. "However, the students possessing 10+2 qualification from non-formal and non-class rooms based schooling such as National Institute of Open Schooling, Open School Systems of States etc. shall not be eligible for admission to B. Pharm Course."
- b) Any other qualification approved by the Pharmacy Council of India as equivalent to any of the above examinations.
- c) Student should complete the age of 17th years on or before 31 December of the year of admission to the course.

B. B. Pharm. lateral entry (to second year/third semester) -

Pass in D. Pharm. course from an institution approved by the Pharmacy Council of India under section 12 of the Pharmacy Act.

7.5. Course of study

The course of study for B. Pharm shall include the subjects, number of hours in a week devoted to each subject for its teaching in theory, practical and tutorial as prescribed in the course curriculum as per guidelines of Pharmacy Council of India.

7.6. Practical Training

The student is required to undergo practical training of 150 hrs which should spread over a period of not less than one month during the course of study after second year, either in -

A. Pharmacy Practice (Hospital/Community pharmacy)

B. Pharmaceutical and allied Industries

i. Examination

A. There shall be an examination at the end of each semester of B. Pharm.

B. Each examination may be held twice every year namely regular and supplementary examination.

C. The examinations shall be of written and practical (including oral nature) carrying maximum marks for each part as prescribed by the Pharmacy Council of India from time to time.

ii. Eligibility for appearing Examination

Only such students who produce certificate from the Head of the Institution in which he or she has undergone the course of study by attending not less than 80% of the classes held both in theory and practical's separately in each subject shall be eligible for appearing at examination.

iii. Mode of examinations

A. Theory examination shall be of three hours and practical examination shall be of four hours duration.

B. A candidate who fails in theory or practical examination of a subject shall re-appear in theory or practical as the case may be.

C. Practical examination shall also consist of a viva –voce (Oral) examination.

iv. Award of sessional (mid term) marks and maintenance of records

A. A regular record of both theory and practical class work and examinations conducted in an institution imparting training for B. Pharm course, shall be maintained for each student in the institution and 25 marks for each theory and 25 marks for each practical subject shall be allotted as sessional marks.

B. There shall be at least two periodic sessional examinations during each semester and the best performances shall form the basis of calculating sessional marks.

C. The sessional marks in practicals shall be allotted on the following basis:-

a) Actual performance in the sessional examination (15 marks)

b) Day to day assessment in the practical class work, promptness, viva-voce, record maintenance, etc. (10 marks)

v. Minimum marks for passing examination

A student shall not be declared to have passed examination unless he or she secures at least 50% marks in each of the subjects separately in the theory and practical examinations, including sessional marks. The students securing 60% marks or above in aggregate in all subjects in a single attempt at B. Pharm shall be declared to have passed in the First Class. Students securing 75% marks or above in any subject or subjects shall be declared to have passed with distinction in the subject or those subjects provided he / she passes in all the subjects in a single attempt.

vi. Eligibility for the promotion to the next year

All the students who have appeared for all the subjects and passed the first year Annual Examination are eligible for promotion to the second year and so on. However, failure in more than two subjects shall debar him /her from promotion to the next year classes.

vii. Approval of examinations

Examinations mentioned in regulations shall be held by the examining authority which shall be approved by the Pharmacy Council of India under sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948. Such approval shall be granted only if the examining authority concerned fulfills the conditions as specified in Appendix–(B) to these regulations.

viii. Certificate of passing examination

Every student who has passed the examinations for the B. Pharm shall be granted a certificate by the examining authority.

Master of Pharmacy (M.Pharm.)

7.7. M.Pharm is two years or four semesters programme.

7.8. Eligibility for Admission.

Any candidate having passed B. Pharmacy degree examination from an institution approved by Pharmacy Council of India is eligible for admission. Admission will be made as per guidelines prescribed by the University , Govt. of H.P. and PCI.

7.9. Scheme of Examination

The syllabus of M.Pharm consists of theory and practical courses. The scheme of attendance, internal/external examinations of university/regulatory body to be followed.

NOTE: 25% seats reserved for Himachali bonafide candidates and remaining seats are open to all. Details of courses given in syllabus.

Diploma in Pharmacy (D.Pharm.)

7.7. D.Pharm is two academic years programme. Each academic year is spread over a period of 12 months.

7.8. Eligibility for Admission.

Any candidate having passed 10+2 examination or its equivalent approved by Pharmacy Council of India is eligible for admission. Admission will be made as per guidelines prescribed by the University or Govt. of H.P.

7.9. Scheme of Examination

The syllabus of D.Pharm consists of theory and practical courses. The scheme of attendance, internal/external examinations of university/regulatory body to be followed. Details of courses given in syllabus.

Veterinary Pharmacist Training Course

7.10. Veterinary Pharmacist Training Course is two academic years programme. Each academic year is spread over a period of 12 months.

7.11. Eligibility for Admission.

Any candidate having passed 10+2 examination or its equivalent approved by Pharmacy Council of India is eligible for admission. Admission will be made as per guidelines prescribed by the University or Govt. of H.P.

7.12. Scheme of Examination

The syllabus of Veterinary Pharmacist Training Course consists of theory and practical courses. The scheme of attendance, internal/external examinations of university/regulatory body to be followed. Details of courses given in syllabus.

CHAPTER-08
Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)

3.8. Master of Arts (M.A.)

3.9. M.A. is two years programme spread over four semesters.

3.10. Eligibility for Admission:–

Candidates having passed three years programme of B.A./B.Sc./B.Com or relevant degree from any recognized university. Admission to the course will be in accordance with the eligibility criteria prescribed by the University or the Govt. of H. P.

Note: 25% of seats are reserved for the Himachali Bonafide candidates and remaining seats are open for all.

CHAPTER - 9

Examination System

9.1. In assessing the students' in studies, the system of continuous assessment is adopted by the University. In conformity with this practice, following modes of assessment will be followed:

- i. The examination system will comprise of Class Tests, Assignments/Quizzes, Ist Term, IInd Term, End Term Examinations, Practical, Project Work, Seminar etc.
- ii. In all there will be two class tests, two assignments/quizzes in a semester (except BAMS programme where annual system is followed, two house tests will be conducted). These will be of one hour each within the class period. Students will be given three days for submission of assignment and the same be returned after checking and evaluation to the students within three days of submission.
- iii. Ist Term and IInd Term Examinations will be conducted by the Deans of the Faculties in consultation with COE for stationery and use of examination facilities of his/her branch for secrecy point of view. The Deans of Faculties will submit the award lists to COE after evaluation.
- iv. End Term Examination will be conducted completely by the Controller of Examination (paper setting, preparation of date sheet, preparation of duty chart and evaluation etc.)
- v. Students who fail in a particular paper/ practical will re-appear only in the corresponding odd/even semester.

9.2. Evaluation / Assessment of Performance

There will be continuous assessment of student's performance throughout the semester on the following basis:

- i. In case of theoretical subjects, the evaluation will be based on attendance, quizzes, assignments, term examinations. For End Term Examination it is External/ Internal system.
- ii. For Laboratory/ Design / Drawings / Studio/ Workshop/Seminars etc. the evaluation will be on the basis of attendance, assessment of the task assigned and end semester test/viva voce etc. The system will be internal.
- iii. The evaluation of the project work will be based on work assigned by the supervisor, project report and project evaluation committee (to be constituted by Dean of Faculty).
- iv. The breakup of marks for assessment of performance of a student will be:

a) Class Tests, Attitude & discussion, Quizzes.	5%+3%+3% =11%
b) Assignment	4%
c) First Mid Term Examination	10%
d) Second Mid Term Examination	10%

e) Attendance	5%
f) End Term Theory Examination	60%

The evaluation of Practical/ Laboratory work will be based on the following.

- a) Day to day Practicals 15%
- b) Assignments 5%
- c) Attendance 5%
- d) Attitude & Discussion 5%
- e) Note Book 10%
- f) Viva voce Examination 10%
- g) Practical End Term examination 50%

The examination will be External/Internal.

9.3. Pass percentage and result declaration of courses.

The pass percentage in theory as well as in practical is given below: -

- i. Pass percentage in theory is 40%
Pass percentage in practical is 50%.
- ii. Result declaration
 - a) Less than 40% Course Incomplete
 - b) 40% and above Course Complete
 - c) System of SGPA, CGPA will be followed in the MARKS SHEET.

9.4. CCIM Examination pattern for BAMS Course

For BAMS Course the CCIM Examination pattern will be followed in which the pass percentage is 50% in theory & practical separately in each paper. For Diploma in Pharmacy and Master of Pharmacy courses the PCI Examination pattern will be followed.

9.5. PCI examination pattern

Examination pattern for B. Pharmacy and other courses in the School of Pharmacy will be in-accordance with the PHARMACY COUNCIL OF INDIA guidelines/directions.

9.6. Attendance Eligibility for Examination: -

A student who has attended 75 % or more of the lectures and practicals delivered in a semester becomes eligible for appearing in the end semester examinations.

A relaxation of up to 15% by **Vice Chancellor** on the recommendation of Dean of Faculty and Dean of Studies on the following grounds:

- i. Any serious illness up to one week by Dean of Faculty / two weeks by Dean of Studies / four weeks by Vice Chancellor supported by a proper medical certificate.
- ii. The student being deputed to represent the University with the prior approval of the Dean of Faculty/Dean Students Welfare.
- iii. Any special genuine reason such (a) Demise of close blood relation (b) Natural calamity at home/ village /town supported by documentary proof (c) Own marriage (d) Maternity case.

The attendance relaxation by the Vice Chancellor is subject to the condition that student has to submit four assignments up to the satisfaction of the course instructor. There will be no relaxation of attendance to students with less than 60%.

9.7. Evaluation of Projects (major/minor) or Industrial Training

Students are required to register for the minor/major projects or industrial training as per the approved curriculum. The following evaluation scheme shall be followed for awarding marks:

Sr. No.	Items	Marks
i	Day to day work	35 % awarded by Instructor
ii	Mid-Term Seminars at least for 20 minutes	15% awarded by Panel of three members Committee Constituted by Dean Faculty
iii	Project Report	15 % awarded by Instructor
iv	Final Viva-Voce on Project Report/Industrial training.	35% awarded by a panel of three teachers including Instructor appointed by Dean Faculty.

The project will be evaluated by external/internal examiner.

9.8. End-Term Examination

The end semester examination shall be conducted by Controller of Examination in consultation with Dean of Faculty. The Dean of Faculty shall recommend the names of External/Internal examiners along with their addresses and phone number to Controller of Examinations for paper setting and evaluation. COE will submit the names of paper setter for the approval of Vice Chancellor. The evaluation of answer sheets shall be done by the external/internal examiners on the spot in the University.

The setting of question papers and their evaluation for Class Tests and Mid Term Examinations will be Internal. The results of all the examinations will be submitted to the Controller of Examinations

9.9. Examination Schedule

The schedule for End Term Examination shall be prepared by the Controller of Examinations in consultation with Dean of Faculty concerned. The date sheet and Invigilation duty chart will be notified by Controller of Examinations after getting the approval from Vice Chancellor at least 20 days before the commencement of End Term Examination. However, if the conditions so warrant, the Controller of Examinations may change the date of examination on short notice after getting the approval from Hon'ble Vice Chancellor.

The dates for End Term Examinations will be announced in the Academic Calendar and the Controller of Examination will fix the examination during that period.

9.10. Conduct of End Term Examination

For the conduct of End Term and Annual Examinations a Centre Superintendent and invigilators will be appointed by the Controller of Examination after the approval of the Vice-Chancellor for conducting the Examination. The Controller of Examinations will get the papers set and printed for each course from the list of examiners as approved by Vice Chancellor. Strict secrecy shall be maintained in the receiving, printing and supply of question papers by Controller of Examination. Evaluation of answer books will be External / Internal The final result will be compiled and finalized in the office of Controller of Examination.

A. Question Papers:

Opening of the question paper – envelopes

The envelope containing question papers shall be opened at least 30 minutes before the commencement of the examination by the Centre Superintendent in the presence of at least two invigilators and clerk on duty after carefully examining the conditions and joints of envelope and seals and verifying the subject by a reference to the date sheet. Centre Superintendent should confirm before distributing them that it is the right question paper as per the date-sheet.

If a wrong paper is found in the envelope it should be sealed immediately without reading the question paper. The Controller of Examinations should be approached immediately for further instruction.

Insufficient copies of Question Papers

In case insufficient copies of question papers are supplied by the Controller of Examinations, Centre Superintendent either dictates the question paper or gets the photocopies of the question paper. The candidates shall be given extra time equal to the time spent in dictation/Photostat. The matter be brought into the notice of Controller of Examinations.

Seating Arrangement

One day before the commencement of the examination, the Centre Superintendent shall make satisfactory arrangements of seats according to the roll numbers supplied by the Controller of Examinations. The candidates should keep reasonable distance between the vertical and horizontal rows so that all communications between the candidates are impossible. The Centre Superintendent shall get plans of seating arrangement typed showing the order of seats allotted to candidates and the directions they face. It should be pasted on a right place outside the on hall/room at least one hour before the commencement of examination.

Admission on Production of Roll Number Slip

- a) The students shall be issued roll numbers by the Controller of Examinations through his office at least 15 days before the commencement of examination who fulfills minimum requirements for appearing in the examination.
- b) Each registered student shall carry Roll Number Slip and Identity Card regularly during the examination.
- c) Any student who is unable to produce his or her roll number slip or identity card on demand, but his/her name exists in the list of candidates appearing in the examination duly supplied by the Controller of Examinations, the Centre Superintendent may allow the student to appear in the examination with a penalty decided from time to time by Academic Council .
- d) If a candidate is in possession of roll number slip but his/her name does not exist in the list supplied by Controller of Examinations, the Centre Superintendent should allow the candidate in the paper and inform the authority concerned on the same day.

Discrepancy in the Subject Offered

No candidate can appear in subject examination not originally registered by him/her at the time of registration in the beginning of the semester.

Late Arrival

No candidate will be allowed to appear in the End Term Examination if he/she is late by more than 20 minutes. Examinee so admitted (late arrival) shall have no claim for extra time in lieu of late arrival.

Attendance Sheets

- a) Examinees present shall sign the attendance sheet against their roll numbers.
- b) Centre Superintendent shall compare it with the cut list supplied by Controller of Examinations. In case, there is some discrepancy it should be settled before the candidate is allowed to leave the examination hall/room and the matter should be informed to the Controller of Examinations for rectification.

Appointment of Amanuensis

- a) An amanuensis will be appointed for the examinee under the following cases:
 - Blind candidate (permanently)
 - Candidate completely disabled from writing with his own hand
 - Temporary disablement such as fracture of writing hand, fore arm, shoulder, elbow, wrist, etc.

In all the above-mentioned conditions, medical certificate from the University Doctor/CMO of the district hospital has to be submitted by the examinee.

- b). Controller of Examinations will appoint an amanuensis and inform the Centre Superintendent
- The appointment of amanuensis should be the student of lower class.
 - Controller of Examinations can also authorize Centre Superintendent for appointment of amanuensis.

B. Disciplinary Control of Examination Centre

A candidate shall be under the disciplinary control of Centre Superintendent and he shall obey his instructions. If a candidate disobeys his instructions or misbehaves with any member of supervisory staff or any other examinee at that centre, he may be expelled from the examination of that session.

C. Use of Unfair Means

Any use of unfair material etc. is not allowed in any examination. Any student found using any kind of unfair means will be punished as per the recommendation of the committee constituted for the purpose.

D. Medium of Examination

The medium of examination is English in all the courses for all kinds of examination unless specified by any regulatory body.

E. Tabulation of Result and Issue of Transcript

All the results will be finally tabulated by the Office of the Controller of Examinations for individual student and copy of this transcript will be sent to the Registrar.

F. Course Credit System

A course is a part of subject-matter to be covered in a semester. Each course has definite credit hours, one credit hour represents one-hour lecture in theory or two hours practical in laboratory/ field during a week and extended to the period of the semester. A student will attend classes in a course and earn credit for it, only if he/she has registered for that course.

G. Registration of Courses

Following is the procedure for Registration of courses:

- i. The Dean of Faculty should notify the courses to be offered in the ensuing semester along with the teachers' name.
- ii. The Dean of Faculty should constitute a team of teachers for guidance of registration procedure to the students.

- iii. The faculty must ensure that the registration is done by the student within a stipulated period. After the due date, as notified by Registrar, registration is allowed with fine as decided by University from time to time
- iv. Any student who has not been registered for the course should not be allowed to sit in the class. Only registered students be permitted. Teachers should prepare the list of students as they register the course.
- v. Each course will have periodical examinations consisting of 1st Term. IInd Term, Practical and End Term etc. The course shall also have Quiz / Class Tests/ Assignment(s). Evaluation will be done for each of these components and marks so obtained will be added and converted to percentage of marks for further conversion to 10.0 scale system proportionally

H. Grading System and Grade Point Average

- i. Grade point in a course shall be on a ten-point scale. The grade point in a course multiplied by credit hours of that course of the student shall be the credit point of the course. Total marks and marks obtained in each paper and maximum marks will be put on the detailed marks card.
- ii. The cumulative credit points by a student in all the courses during a semester divided by total credit hours of those courses shall be credit point average in a semester and should be expressed to two decimal places. It is known as Semester Grade Point Average (SGPA).
- iii. The cumulative credit point average in all the courses for all the semesters divided by cumulative credit hours in those courses studied shall be Cumulative Grade Point Average (CGPA) and should be expressed up to two decimal places. No rounding off shall be done.
- iv. Letter grading system of UGC, New Delhi Shall be followed.

Grading System

A student is required to complete the academic requirement as per the curriculum components.

A student is awarded with Grade points and Credit points in each course registered indicating the performance of that course. The grade point structure with corresponding grade is as shown in table below:

Grade Point	10	9	8	7	6	5	0
Awards percentage	=100 & ≥90	<90 & ≥80	<80 & ≥70	<70 & ≥60	<60 & ≥50	<50 & ≥40	<40

The SGPA (Semester Grade Point Average) is an indicator of the overall academic performance of a student in the semester registered. For example, if the grade points awarded to a student are G₁, G₂..., G_m in courses (say, 1, 2,...m) with corresponding credits C₁, C₂..., C_m, the SGPA is given by

$$SGPA = \frac{C_1 G_1 + C_2 G_2 + \dots + C_m G_m}{C_1 + C_2 + \dots + C_m}$$

Similarly, the CGPA (Cumulative Grade Point Average) indicates the overall academic performance of a student in all the courses registered up to and including the latest completed semester/supplementary term. It is computed in the same manner as the SGPA, considering all the courses (say, n), and is given by

n

$$CGPA = \frac{\sum_{i=1}^n C_i G_i}{\sum_{i=1}^n C_i}$$

The non credit courses of respective semester is not accounted for SGPA or CGPA conversion and marked either satisfactory or Un satisfactory.

Promotion and Progression:

A student is required to complete all prescribed courses successfully in scheme & syllabi of concerned programme and attain a minimum SGPA/CGPA of 5.0.

An undergraduate student securing a grade point less than 5.0 shall be declared Lack of Success (LS) in that course. A student with LS in a course is permitted to reappear in the end semester examination of that course offered next. The minimum pass requirement thus obtained after reappearance is represented with symbol □ along with grade point in the score card. The score card would be issued to student only after scoring the minimum pass requirement in all the prescribed courses of that respective semester.

Significance of Letters,		
S -Satisfactory	W-Withdrawn	LS-Lack of Success
US-Unsatisfactory	I -Incomplete	IG- incomplete Grade
NC - Non-Credit Course	R -Repeat	
Overall grades ,CGPA points and CLASS		
10	O	Outstanding
9	A+	Excellent
8	A	Very Good
7	B+	Good
6	B	Above Average
5	C	Average
0	F	Fail
0	Ab	Absent

I. Rechecking of End Term Examination

- i. Teachers to show the answer sheets of Class Tests, First and Second Mid Term Examinations conducted by them to the students and to make corrections, if any, to the satisfaction of the students. Rechecking will be only for End Term Examination of the students on payment decided by the University time to time.
- ii. In case a candidate feels that in End Term Examination, one or more of the answer(s) in his answer sheet has/ have not been evaluated or that there is an error in totaling the marks awarded to him by the examiner, he within 21 days of the issue of detailed semester mark sheet/ semester report, will apply along with the fee of Rs. 500/-per paper to the Controller of Examinations for rechecking of his/her answer sheets. If on rechecking an error is discovered, the same shall be rectified. The rechecking fee once deposited with the university will not be refunded.

J. Announcement of results

Result will be declared in marks obtained while on the backside of DMC towards the lower part the CGPA will be placed. The DMC will give the details of the minimum and maximum marks and the marks obtained by the candidate for each subject/ paper. The result of the candidate will be displayed towards the lower part of DMC.

Distinction (75%) CGPA 7.5 or above
First Class (60% to 75%) CGPA 6.0 to 7.5
Second Class (50% to 60%) CGPA 5.0 to 6.0

K. Unfair Means Cases (UMC)

The UMC cases found during the Examinations will be forwarded to the UMC committee set up by the Hon'ble Vice-Chancellor of the university. The Committee will fix a date for hearing the part of the student and will take a decision as per the UMC policy. The decision of the committee will be communicated to students after the approval of the Vice Chancellor.

L. Special Examination:

The Vice-Chancellor of the University will have a discretion for directing the COE with the approval of the Chancellor of the University to conduct Special Examination for the students who apply for the same in certain circumstances which may be affecting their carrier or future growth. The said may be held in Sept/Oct.

M. Grace Marks Policy:

The student can be awarded grace marks as per the policy of the University in case the students are failing in the class or remaining short for securing 1st or 2nd division.

N. Improvement in Division /class

Keeping the interests of students who have completed their Bachelor's / Master's Degree programme, but falling short of for securing 1st and 2nd Division, the University has made a provision for allowing such students to improve their performance. The improvement is permissible only in theory papers and the students will have to apply for improvement of their performance on the prescribed format to the Controller of Examination within 2 years of their completion of course.

O. Nomenclature of Degree/Diploma

The nomenclature of degree/diploma will be in-accordance with Gazette of India notification of July 05-11, 2014 for specification of degrees and amended from time to time.

9.11 Record of Examination

After the conduct of End Term and Annual Examinations the record of the Examinations conducted will be preserved for the period as per the under stated policy and will be destroyed afterword with the prior sanction of the competent authority by

the COE office under the supervision of a responsible officer of the level of AR/DR either by burning or auctioning the same.

- 1) Attendance sheets: After one year of completion of examination.
- 2) Award lists of theory /Internal/External: After two year of examination.
- 3) Answer sheets: After 1 year of completion of examination except for BAMS Course where it will be 1 year of completion of Internship by the students.

9.12: Appointment of Superintendent/ Deputy Superintendent to Conduct End Term Examination

To conduct the end term examinations, the Superintendent/ Deputy Superintendent appointed should be either minimum at the level of Associate Professor or Assistant Professor with Ph.D. or minimum having an experience of not less than five years.

CHAPTER –10

Conduct, Discipline and Punishment

10.1 All students will abide by the rules made by the University with regard to their conduct within and outside the University. The student will not indulge in any undesirable activity and act of indiscipline during his/ her entire stay in the University.

10.2 Following activities will be considered as an act of indiscipline:

- i)** Possessing, use or threat of use of any weapon.
- ii)** Keeping or using intoxicants in any form.
- iii)** Gambling in any form.
- iv)** Strike of any kind.
- v)** Boycotting of University function, programmes or activity.
- vi)** Using intemperate language.
- vii)** Recourse to violence, assault, intimidation, rioting.
- viii)** Showing any disrespect to any staff member of the University inside or outside the campus.
- ix)** Incitement to commit any act of indiscipline.
- x)** Any breach of Law of the Country/State or the Statutes/ Regulations/Rules of the University or Orders of Vice Chancellor.
- xi)** Disturbing other students in their studies in the class room/ hostel.
- xii)** Damaging any University/ Public/Private property.
- xiii)** Disorderly behavior in any form.
- xiv)** Attending, organizing meetings other than those authorized by the competent authority and participation in such meetings.
- xv)** Any other act intended or calculated to cause inconvenience, annoyance, injury or damage to any other inmate of the hostel, employee of the University or a resident of the campus, or guest and visitors to the University or member of the faculty of the University.
- xvi)** Adoption of unfair means in an examination.
- xvii)** Molestation/ eve-teasing/ abusing.
- xviii)** Hostility towards University employees.
- xix)** Misconduct inside or outside the campus of the University
- xx)** Instigation/ organization/ demonstration or disturbance of any kind including *gheraos*, lock-outs which may disrupt the convocation, examination, workshops, conferences and other functions of the University.
- xxi)** Any violation of the provisions of the Civil Rights Protection Act 1976.

10.3 For a breach of discipline, a student may be awarded one or more of the following punishments, depending on the nature and gravity of crime, by the competent authority.

- i) The University Discipline Committee will have the power to withdraw free ship or any other concession and/or impose a fine up to Rs. 10,000/- on a student. The Discipline Committee comprises of
- (a) Dean of Studies (Chairman)
 - (b) Dean of Student Welfare (Member)
 - (c) Dean of Faculty (Member by rotation for two years).
 - (d) Any person nominated by Vice-Chancellor.
- ii) A group fine, up to ten times of the prevalent market rate of the value of the damage caused or Rs.20,000/- whichever is higher, to the University property by a group of students' may be imposed, when the Discipline Committee is of the opinion that it is not possible to fix the responsibility on an individual student. Provided that this fine may be imposed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Discipline Committee when members of the group are from different Faculties of the University.
- iii) An official warning to the student not to repeat any act of indiscipline shall be imposed by the Discipline Committee. This will be kept in the student's personal file but not on outgoing 'Transcript'. Third official warning to a student not to repeat act of indiscipline shall automatically place the student on 'Conduct Probation'.
- iv) A student involved in the violation of the rules and regulations of the University or in an act of indiscipline may be placed on 'Conduct Probation' by the Discipline Committee for a specified period. During the period of 'Conduct Probation' the student shall stand debarred from representing the University in academic, sports and cultural competition etc. He will also remain suspended from any office that he may be holding and will not be entitled to receive any financial assistance. Another act of indiscipline during the pendency of 'Conduct Probation' may lead to 'Rustication' to be effected by the Vice-Chancellor. The act of placing a student on 'Conduct Probation' shall be recorded in the personal file and incorporated in the semester report so long as he is on 'Conduct Probation'.
- v) A student involved in any act of gross indiscipline or any other act likely to bring disrepute to the University may be expelled from the University by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Discipline Committee and shall be debarred from re-admission to the University. This punishment shall be entered in the 'Record File' and 'Transcript of Academic Record' of the student and shall be notified by the Registrar to all the Faculties of the University and also to other Universities in India.
- vi) Before awarding the punishment as laid down above, the student shall be given an opportunity to be heard in person and to explain his conduct in writing. During the pendency of enquiry, the student may be suspended from attending the classes and appearing in the examination by the Discipline Committee. In case the student does not co-operate in the conduct of the inquiry, a notice of ten days effective from the date of its issue shall be treated as sufficient opportunity given to him/ her. If the student fails to respond to this notice, ex-parte decision shall be taken.
- vii) A copy of the order imposing any of the above punishment shall be sent to the parents of the student.

CHAPTER- 11

Award of Degrees, Certificates and Medals

11.1 Admission to Degree Certificate and Medals

The University will award degrees under the seal of the University to the students who have successfully completed their requirements.

11.2 Approval of Degree

- i)** The Vice-Chancellor shall approve the final results of the students and the Registrar shall issue PDC and Transcript of academic record on the prescribed format. It shall be open to the Vice-Chancellor to withhold the result of a student on any ground that may appeal to him.
- ii)** The transcript of academic record shall contain all the courses studied and the grades secured by the student. A recently taken passport size photograph shall be affixed and embossed on the transcript of academic record.
- iii)** The register for PDC and transcript of academic record shall be maintained by the Registrar on the prescribed format before issuing to a student.

The Registrar shall, after the approval of the Vice-Chancellor, report to the Academic Council the names of all students who have passed the various examinations, qualifying for admission to the degrees of the University. When the academic council has sanctioned the admission of the student to such degree, he/she shall be entitled to be admitted to that degree. The date of admission to a degree shall be the date on which the academic council has sanctioned the admission of any such student to such degree.

11.3 Admission to Degree

- i)** The University convocation for the purpose of conferring degrees shall be held by the University.
- ii)** In case the University is not able to hold the convocation in a particular year or the student is unable to collect the degree at the time of convocation, the degree *in absentia* will be supplied on application on the prescribed format along with the prescribed fee.
- iii)** In exceptional circumstances, the Vice-Chancellor may allow to issue degree to an individual student on his request. The names of such candidates will be included in the list of candidates on whom degrees are conferred *in absentia* in the University convocation.
- iv)** The University convocation shall consist of the body corporate of the University. Ordinarily, not less than three week's notice shall be given by the Registrar for all meetings of the University convocation. The Registrar shall issue a notice to each member of the convocation intimating the programme and procedure to be observed there at. The

procedure to be observed at the University convocation shall be prescribed by the board of management, on the recommendation of the Academic Council.

v) Academic robes

The academic dress of the convocation shall be as follows:

Academic robes

A	CHANCELLOR	Gown	Blue heavy silk golden lace (3“) with green silk stripes (1.5“) - two on front three on sleeves, emblem on both sides \\
		Cap	Velvet Blue with golden tassel and golden lace
B	PRO- CHANCELLOR	Gown	Blue heavy silk golden lace (3“) with green silk stripes (1.5“) - two on front three on sleeves, emblem on both sides
		Cap	Velvet Blue with golden tassel and golden lace
C	VICE- CHANCELLOR	Gown	Blue heavy silk golden lace (2“) with green silk stripe (1.5“) - two on front and three on sleeves emblem on both sides
		Cap	Velvet Blue with golden tassel and golden lace
D	CHIEF GUEST	Gown	Blue heavy silk golden lace (3“)
		Cap	Velvet Blue with golden tassel and golden lace
E	CHIEF MINISTER/ MINISTERS	Gown	Blue heavy silk with 2“ golden lace on the front folds, round the neck and on bottom of sleeves without any University monogram
		Cap	Velvet Blue mortar band with 1“ golden lace and with golden tassel
F	MEMBERS OF GOVERNING BODY	Gown	Blue silk with green facing two stripes (3”)green silk on sleeve, with one emblem
		Hood	Blue velvet with green silk band and golden silk tassel
G	REGISTRAR, MEMBERS OF ACADEMIC COUNCIL & BOARD OF MANAGEMENT	Gown	Blue heavy silk (2“) silver lace with green silk stripes (0.5“) - two on front and two on sleeves, emblem on both sides
		Cap	Blue velvet with silver tassel and silver lace
H	FACULTY MEMBERS	Gown	Blue
		Cap	Blue with golden tassel
I		Gown	Blue

DEGREE RECIPIENT	Mortar Cap	Blue with blue tassel
	Hood	Blue with yellow lining

The degree shall be issued under the signatures of the Vice-Chancellor and Registrar only.

11.4 Procedure to be observed at the University Convocation

- i) Degree recipient must appear *in person* and in the prescribed academic dress at the convocation. The degree recipient must reach at the prescribed place well in time notified by the Registrar and must attend the rehearsal, which shall be arranged on or before the day of convocation. The degree recipient shall be seated at the specified places and during the course of ceremony shall maintain the dignity and decorum of the ceremony.
- ii) The members who are to form the academic procession will assemble in the robing compartment at the time fixed for the purpose. The members of the academic procession will wear their academic robes and attend the rehearsal at the specified time and place. The Chancellor along with the Chief Guest will be received by the Vice Chancellor and the Registrar. In case of the inability of the Chancellor to attend the convocation, the Vice-Chancellor and the Chief Guest shall be received by the Dean of Studies and the Registrar. The Chancellor and the Chief Guest will move to the robing compartment and be enrobed.
- iii) The Vice Chancellor will introduce the members forming the academic procession to the Chancellor and the Chief Guest.
- iv) The academic procession will walk in rows of two led by the Registrar. The procession will be in the following order:
 - a) Registrar
 - b) Professors (Junior to Senior in rows of two.
 - c) Deans –Alphabetically reverse.
 - d) Members of Academic Council.
 - e) Members of Board of Management.
 - f) Members of Governing Body and Member of Private Education Regulatory Commission.
 - g) Vice Chancellor
 - h) Guest of Honour
 - i) Chancellor and Chief Guest
 - j) ADC (if any)
- v) On the procession entering the hall, the assembly shall rise and remain standing till the academic procession is seated. The Chancellor, the Vice-Chancellor and the Chief Guest/ Dignitaries shall be seated in the front row on the dais. The Chancellor shall be seated in the centre of the front row and on his left will be seated the Vice-Chancellor and on his right the Chief Guest. Any other Dignitary present shall sit on the side of Chief Guest. Professors will sit in the last row on the dais followed by members of the academic council, board of management and governing body. ADC and the Registrar shall sit just behind the Chancellor and the Vice-Chancellor respectively.

- vi)** The proceedings of the convocation will commence with ‘Saraswati Vandana’. During Saraswati Vandana, the assembly shall rise, remain standing and sit only when Vandana is over.
- vii)** The Chancellor, if present, will declare the convocation open. In the absence of the Chancellor, the Vice Chancellor will declare the convocation open. The Vice-Chancellor/ Registrar will say, “Mr Chancellor, I request you to declare the Convocation Open”.
The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “I declare the Convocation Open”.
- viii)** The Vice-Chancellor will read out his report.
- ix)** The Registrar will then request the degree recipients to rise on their places to receive the exhortation.
The Vice-Chancellor will then give his exhortation to the degree recipients. After receiving the exhortation from the Vice-Chancellor, the degree recipients will resume their seats.
- x)** The Chancellor/ Vice-Chancellor will then say, “Let the candidates be presented”.
The Chancellor/ Vice-Chancellor will then confer the degrees upon the candidates in accordance with prescribed procedure in the following order:
- a)** Doctor of Philosophy
 - b)** Master of Philosophy
 - c)** Postgraduate
 - d)** Undergraduate
- xi)** Each category of degree shall be awarded school-wise in alphabetical order. The Dean of Faculty, or in his absence, the senior-most member of the faculty will present the candidates. All the presentees will stand when the concerned Dean presents him/her/them to the Chancellor/ Vice-Chancellor for the degree and will remain standing at his/her/their places till he/her/their they are admitted to the degree.
- xii)** The Dean of Faculty will say, “Hon’ble Chancellor/ Vice-Chancellor, I present to you (Names *in person* of degree recipients) who has/ have successfully completed the requirements for the degree of.....to which degree, I pray, he/she/they may be admitted”.
- xiii)** The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “By virtue of the authority vested in me as Chancellor/Vice-Chancellor of this University, I admit you to the degree of....., authorize you to wear the robes ordained as the insignia of this degree, and charge you to prove worthy of the same”.
- xiv)** The Dean of Faculty will say, “Hon’ble Chancellor/ Vice-Chancellor, (Names *in absentia* of degree recipients) has/ have successfully completed the requirements for the degree ofto which degree I pray, he /she/ they may be admitted *in absentia*”.
- xv)** The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “By virtue of the authority vested in me as Chancellor/ Vice-Chancellor of this University, I admit these candidates to the degree of.....*in absentia* and authorize him/ her/ them to wear the robes ordained as insignia of this degree, and charge him/ her/ them to prove worthy of the same”.
- xvi)** After the conferment of the degrees, the recipients of degrees will receive their degrees *in person* from the Chancellor/ Vice-Chancellor. They will proceed to the *dais*, will stay one step below the Chancellor/ Vice-Chancellor, receive the degree, bow and resume their seats.

xvii) The Dean of the Faculty shall then call the recipients of certificate of merit. He/she/they shall stand before the *dais* and the Dean will say to the Chancellor/ Vice Chancellor.

“Sir, I seek permission to present Certificate of Merit recipient(s).”

The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “Let him/ her/ them be presented”.

xviii) The candidates will then proceed to the *dais*, will stay one step below the Chancellor/ Vice-Chancellor, receive the certificates of merit, bow and resume his/her/ their seats.

xix) The Registrar shall then call the recipient(s) of University Gold Medal(s). He/she/they shall stand before the *dais* and the Registrar will say to the Chancellor/Vice-Chancellor.

“Sir, I seek permission to present the Medalist(s).”

The Chancellor/ Vice Chancellor will say, “Let him/ her/ them be presented”.

xx) The name(s) of the Medalist(s) and Medal(s) will be read out by the Registrar. The candidates will proceed to the *dais*, will stay one step below the Chancellor/ Vice-Chancellor, receive the medals, bow and resume his/her/ their seats.

xxi) The Chancellor/ Vice-Chancellor will introduce the Chief Guest and request him/her to deliver the convocation address.

Chief Guest will address the convocation.

xxii) The Vice-Chancellor/ The Dean of Studies will then offer thanks on behalf of the University.

The Vice-Chancellor/ Dean of Studies will then say, “Mr Chancellor/ Mr Vice-Chancellor, I request you to declare the Convocation Closed”.

The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “I declare the Convocation Closed”.

xxiii) The assembly shall rise and the proceedings of the convocation will end with the singing of “National Anthem”. The assembly shall remain standing till the academic procession led by the Registrar has taken departure in the following order:-

Registrar
Chancellor Chief guest
ADC
Guest of Honour
Vice-Chancellor
Members of governing body
Members of board of management
Members of academic council
Teachers

11.5 Honorary Degrees

Abhilashi University (“the University”) may award honorary degrees i.e. (Ph.D, D.Lit & D.Sc.) on a selective basis to distinguished individuals (“Candidates”) who merit special recognition for outstanding achievement or leadership in a field or purposes of the University. This policy sets forth the following standards and procedures for granting honorary degrees.

11.6 Equivalence of Degree of other Universities/ Institutions/ Deemed Universities

- i)** The equivalence of an examination of any board or institution deemed university or university established by law in India or of a foreign university or of any other examination with corresponding examination of our University, with or without any condition, shall be determined by the academic council on the advice of the Board of Studies.
- ii)** The Registrar shall from time to time initiate action to have the degrees of our University recognized from the other universities.
- iii)** All cases for ascertaining equivalence of degree of our University with the corresponding degree of other university or vice-versa shall be recommended by the following committee before its approval by the Vice Chancellor of the University:
 - a)** Dean of studies – Chairman
 - b)** Dean of Faculty – Member
 - c)** Head of the concerned Department – Member

CHAPTER- 12

Award of Gold Medals

12.1. Gold Medal

The Gold Medals shall be decided every year and awarded in Academics in the annual convocation of the University.

12.2 Criteria for deciding Gold Medal in Academics

Any student securing the highest CGPA but not less than 8.00 (or 80% in Ayurveda) within the prescribed normal duration. The student must have passed each course of the programme in the first attempt. The Gold Medals are awarded in each programme (discipline).

12.3 Process for Selection of Students

The process of selection of students for the award of Gold Medals shall be initiated by the Dean of Faculty/Registrar of the University.

12.4 Academic Year for Gold Medal

The medal shall be awarded batch-wise on the successful completion of the programme within the prescribed normal duration.

12.5 Bracketed Cases

In case two or more candidates obtain the same highest CGPA (%age in Ayurveda), the candidate with the highest number of grades earned amongst them shall be entitled for Gold Medal. If more than one person have earned the same overall grade point as also the same number of credits, the youngest of them shall be awarded the gold medal.

12.6 Conduct for Gold Medal

A student who has been on 'Conduct Probation', 'Rusticated' or 'Expelled' shall not be considered for the award of the Gold Medal. A student who has indulged in an act of indiscipline throughout the stay in the University, shall not be eligible for the award of the gold medal.

12.7 Description of the Gold Medal

The Gold Medal shall be made of 9 carat gold weighing 15 to 20 grams. On its one side the insignia of the University and on the other the name of the student, programme and year of completion shall be inscribed.

CHAPTER- 13

Hostel Rules

13.1 Hostel Administration

Every hostel will have a Warden, who will be responsible for the administration of hostel and for enforcement of the hostel rules. The Warden will be appointed by the Vice Chancellor on the recommendation of the Dean Students Welfare from amongst the teachers, normally for a term of 2 years or a full time warden may be appointed.

The Warden will be entitled to honorarium as prescribed from time to time by the University. The Warden will have the following responsibilities:

- i) He /She will be responsible for the allotment of hostel rooms in accordance with the hostel rules and for the maintenance of discipline in the hostel.
- ii) He /She will be responsible for administration of the staff placed under him/ her . He will report to the Dean Students Welfare for disciplinary action, for dereliction of duty or negligence or misbehavior on the part of his/her staff.
- iii) He/ She will report to the Medical Officer all cases of illness or accidents and ensure that the students concerned get proper medical care. He/She will also inform the Dean Students Welfare of all such cases.
- iv) He/She will inspect the kitchen, dining room, common room and other facilities, etc. regularly and when any defect is noticed, he will get it set right by his/her staff. If the defect is such as cannot be remedied by his/her staff, he/she will report to the Estate Officer (Site Incharge) under intimation to the Dean Student Welfare;
- v) He/She will appoint the prefect of the hostel as prescribed in the relevant rules and supervise their work;
- vi) He/She will ensure that no un-authorized person stays in the hostel and will issue permits for the stay of guests;
- vii) He/She will, with the help of staff, check the un-authorized use of electrical appliances.
- viii) He/She will be responsible for the proper organization and conduct of hostel functions, festivals, etc.
- ix) Within the hostel, the Warden will report to the Dean Students Welfare for the maintenance of discipline and good behavior and will keep the Dean informed of all acts of indiscipline and misbehavior and the action taken by him/her. Where the Warden is of the view that a punishment should be imposed heavier than that what he/she is competent to award, he/she will report the case to the Dean Students Welfare with his/her recommendations and the Dean Students Welfare may then pass an order as he/she may deem fit.

13.2 Warden's Powers of Disciplinary Action

- i) The Warden will have the authority to enter the room of any student and also make a search of the room, when necessary. He/She will also have the authority, when the need arises, to break-open the lock of any room and also to shift the belongings of a student to any other place.

- ii) The Warden will have the authority to confiscate any un-authorized electric or other appliances or gadgets being used by a student and also to impose or recommend the imposition of a fine for such un-authorized use.
- iii) Subject to the instructions that may be issued from time to time by the Dean Students Welfare, the Warden will make allotment/ re-allotment of rooms in his/her hostel and such allotment shall be final.

13.3 Dean Students Welfare's Powers of Disciplinary Action

- i) The powers for taking disciplinary action against the hostel students by the Dean Students Welfare will be as under, the punishment depending on the nature and severity of the offence:
 - ii) Warning
 - iii) Fine.
 - iv) Expulsion from the hostel on gross negligence/ indiscipline
 - v) Removal/ debarring from part-time employment
 - vi) To recover the cost of the damaged property of hostels from defaulters.
 - vii) Imposition of a security deposit which might be confiscated at the discretion of Dean in the event of the student being found guilty of indiscipline, which will include misbehavior.
 - viii) Rustication from the School of the University (subject to the procedure laid down in the academic regulation)
 - ix) Expulsion from the School of the University (subject to the procedure laid down in the academic regulation)

13.4 Students Residences

The admission and allotment of rooms in the hostel shall be on the basis of merit subject to availability of rooms. At the time of admission/ registration, all students who wish to reside in the university hostel shall apply in the prescribed form, to the Dean Students Welfare, for admission to a hostel. After allotment of the hostel, student shall deposit the requisite fee in the office of concerned Dean Students Welfare immediately; otherwise the allotment shall be cancelled. However, an in-service student after joining the duty will not be entitled to hostel accommodation.

13.5. Allotment of rooms

- i) Primarily the merit will be taken into consideration for the allotment of rooms.
- ii) Allotment of rooms will be made on a date to be announced by the Warden. Students must be personally present at the time of allotment;
- iii) Dormitories will normally be allotted to the students of the same class.
- iv) No hostel resident will change his room without the permission of the Warden. Normally, no change of room will be permitted after the general allotment. In case seat(s) falling vacant during the semester, the desirous students may apply for admission to the hostel according to the procedure laid down above.

- v) After the allotment of room at the beginning of each subsequent semester, the Warden will send to the Dean Students Welfare, a list of the students staying in his hostel, mentioning room number against each name, indicating category of the room.
- vi) The Dean Students Welfare reserves the right of refusing admission to any student, whose admission in his opinion, is not in the interest of hostel discipline.

13.6. Hostel Committee

- i) Every hostel will have hostel committee consisting of the Warden, who will be the Chairman, prefect(s), common room secretary and mess manager(s).
- ii) The hostel committee will meet atleast once every month or often if necessary on dates to be approved by the Warden.
- iii) The Warden will consult this committee on all matters relating to the welfare of the hostel residents, maintenance and management of the common room, kitchen, canteen, purchase of news-papers and magazines, organization of functions, etc.
- iv) The Warden will communicate to the Dean Students Welfare the proceedings of all the meetings, drawing his/her attention to the grievances or difficulties experienced by the students and to their complaint or suggestions so that these may be attended to promptly.

13.7. Conduct and Discipline

- i) Students will maintain perfect discipline, harmony and a peaceful atmosphere in the hostel.
- ii) A student may be fined or expelled from the hostel or rusticated or expelled from the University or subject to other suitable punishment, depending on the circumstances, by the authority competent to impose such penalty for the following reasons:
 - a) Misbehavior of any kind, including disrespectful conduct towards the officials and fellow residents;
 - b) Testing, maltreating or indulging in any sort of ragging of newly admitted student;
 - c) Stealing or pilfering hostel property or the property of other students;
 - d) Unruly conduct or rowdism.
 - e) Writing on the walls or other parts of the hostel buildings or sticking of posters or distribution of un-authorized handbills or notices;
 - f) Making noise and/ or creating other disturbances, including the use of electronic gadgets etc., in such manner as to disturb others;
 - g) Participating or causing others to participate in strikes, demonstrations or disturbances of any kind or behaving or causing others to behave in such a way so as to bring the hostel/ school/ University into disrepute;
 - h) Convene/ organize/ attend unauthorized meeting within the hostel;
 - i) Indulging in political and communal activities;
 - j) Non-payment of hostel/ mess dues in time;
 - k) Gambling in the hostel premises;
 - l) Keeping lethal weapons or poison;
 - m) Keeping or consumption of intoxicating drinks or drugs;
 - n) Entertaining unauthorized guests;
 - o) Breach of any of the hostel rules.

- p) Provided that where a student has been found guilty of having grossly misbehaved with a member of the faculty or other employee of the University, the minimum, punishment shall be expulsion from the University.
- iii) No student will keep gold or costly jewelry in his/ her room.
- iv) No meeting other than those authorized by the Warden shall be held in the hostel premises.
- v) While visiting the common room, dining hall and the canteen, the students shall be in proper dress.
- vi) Students will use or handle with care all belongings of the hostel. When a student is found guilty of damaging the hostel property, the Warden may recover the cost of repair or replacement and in addition, also impose a fine or recommend the imposition of a fine depending on the circumstances. The amount, thus, realized shall be credited to the hostel maintenance fund.
- vii) All rooms in the hostel will be opened for inspection by the Warden/ Dean Students Welfare at any time during the day or night.
- viii) Students shall not abuse, maltreat or assault hostel employees.
- ix) All dealings of students with fellow students and others should be courteous. Quarrels or disputes with fellow-students should be avoided. Students shall not, under any circumstances, take the law in their own hands but report such cases in writing to the Warden.

13.8 Electricity charges/ Gadgets

- i) Electricity bulbs are not supplied by the University. Students should bring their own bulbs.
- ii) The use of electric rods, kettles, heaters and other appliances without the prior permission of the Warden is strictly prohibited. Unauthorized use is punishable by confiscating the appliances/ gadgets and/ or a fine.
- iii) Tempering with the electric installations shall be treated as a serious offence. When there is need for carrying out repair, the electrician should be called in.
- iv) Students must switch off light when not in use.

13.9. Furniture and Equipment

- i) Students will keep their rooms neat and tidy and shall be responsible, jointly and individually, for the furniture issued to them and for the fittings present in their rooms at the time of occupation. If a student observes any damage or defect in the furniture issued to him or in the permanent fittings in his room or finds anything missing at the time he occupies the room, it will be his duty to bring it to the notice of the Warden, failing which it will be presumed that everything was in order at the time of his occupation.
- ii) Furniture shall not be removed from one room to another. The furniture belonging to the common room, the dining hall, the hostel office or the hostel guest room shall not be taken out or brought into the living rooms.
- iii) When the student vacates his room before the summer break or after withdrawal or expulsion, he /she shall return to the Warden all hostel furniture or other property.

13.10. Roll-Call

- i) The roll-call will be taken by the warden at the time notified by the authorities. Every student must be present in his/her room to avoid inconvenience to the prefect at the time of roll-call.
- ii) A student found absent at the time of roll-call, without making an entry in the register, shall be liable to a fine of Rs.100/- per absence. The fine list shall be put up on the notice board at the end of each month.
- iii) No hostel resident shall stay outside the hostel for the night without the written permission of the Warden. The student who wishes to go out of the hostel must make the following entries in the register kept for the purpose with the chowkidar.
 - a) Date
 - b) Name
 - c) Room number
 - d) Time of leaving the hostel
 - e) Reason for leaving the hostel and
 - f) Probable time of return
- iv) Absence from the hostel during the night without prior permission of the Warden will be deemed to be an act of indiscipline and punished accordingly. Where a student is found to be guilty of such an offence too often, the Warden may recommend his/her expulsion from the hostel.

13.11. Leave rules

- i) Leave for the absence from the School of the University shall not automatically entitle a student to leave the hostel without the prior permission of the Warden. When a student wishes to leave the hostel for one or more days or nights, he/she may apply to the Warden in writing and get his /her permission.
- ii) Leave should be got sanctioned before it is availed of.
- iii) A student absenting himself/herself from the hostel, without getting his/her leave sanctioned may be subjected to a fine of Rs. 200/-minimum per day or other disciplinary action.

13.12. Guests

- i) No student shall keep a guest in his/ her room.
- ii) Normally, parents or close relatives coming from far off places will be permitted to stay as guests in the University guest house on payment of charges subject to availability of accommodation which will be provided on the recommendation of the concerned Hostel Warden/ Dean Students Welfare.
- iii) Names of the guests visiting the hostel will be entered in the guest register maintained in the hostel for this purpose.
- iv) No lady shall be allowed to stay as a guest in the boys' hostels and no gentleman shall be allowed to stay as a guest in the girls' hostels.
- v) A student keeping a guest in the hostel without permission shall be liable to disciplinary action.
- vi) In every hostel, there shall be a visitor's room where all the residents can meet their guests/ visitors.

vii) No visitor will be allowed to see the girl residents before and after the notified visiting hours. However, in case of emergency, the parents /guardians of girl residents can visit wards with the permission of the Hostel Warden.

13.13. Withdrawal/removal from hostel & vacation of Hostel room before break

- i) A resident desiring to withdraw from the hostel, shall submit an application on the prescribed form to the Warden after having cleared all hostel dues.
- ii) Before permitting a student to withdraw from the hostel the Warden shall ensure that he/she has:
 - a) cleared all his/ her hostel dues;
 - b) returned all hostel property issued to him/ her in good condition; and
 - c) cleared all his/ her dues including fines, to the mess of which he/she is a member.
- iii) Even though a student might have actually vacated his/ her room, he/she will be liable to pay all hostel and mess dues and fines standing against his/ her name upto the date he/she continues to be on the rolls of the hostel and until his/ her name is formally withdrawn with the permission of the Hostel Warden.
- iv) No student shall be allowed to stay in the hostel if his/ her hostel and mess dues are in arrears for more than a month.
- v) Where a student has left the hostel, whatsoever reason without clearing his/ her dues to the hostel, the Dean Students Welfare may effect the recovery of the outstanding dues from the security deposits. In case the outstanding amount exceeds the amount of deposit the matter shall be reported by the Dean Students Welfare to the Registrar, who will withhold the result or issue of a provisional degree certificate, transcript or degree till the balance is paid by the student.
- vi) All students shall ordinarily vacate their rooms before the commencement of each break and hand over to the Hostel Warden, furniture and other property issued to them.
- vii) The competent authority shall have the power to add to these rules or delete or amend any of the existing rules from time to time.

13.14. Mess Rules

- i) Messes are run to cater to the needs of the boarders of the hostels.
- ii) Timings for meals will be announced by the Hostel Warden/ mess manager from time to time in consultation with the students' mess committee and a notice in this respect will be put on the hostel notice board and dining hall.
- iii) No boarder except the member of mess committee will enter the kitchen.
- iv) In case of a special cooking, permission of the Hostel Warden is necessary. All the students should take their meals in the dining hall.
- v) Room service is prohibited, except in genuine cases with the permission of the Hostel Warden.
- vi) No one is allowed to take the mess crockery and utensils etc., out of the kitchen and dining hall. Defaulters will be liable to be fined.
- vii) Cooking in the rooms is strictly prohibited. Non-observance of this rule will entail heavy punishment.

- viii)** All the complaints and suggestions regarding the mess must be made to the Warden direct or through the mess manager/ prefect.
- ix)** The Vice Chancellor shall have the power to add or delete or amend any of the existing rules from time to time.

CHAPTER- 14

Grievance Redressal Cell and Ragging

14.1 Grievance Redressal Cell

A following committee shall be constituted for taking stock of any grievance and redressal thereof

- Nominee of VC – Chairman
- Dean of Studies – Member
- Dean Students Welfare – Member
- Dean of the concerned faculty – Member

Problems of the students may be put forward either individually or collectively.

14.2 Ragging

- i) Any conduct by any student or students whether by words spoken or written or by an act which has the effect of teasing, treating or handling with rudeness a fresher or any other fellow student, or indulging in rowdy or indiscipline activities by any student or students which causes or is likely to cause annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear of apprehension thereof to any fresher or any other fellow student or asking any student to do an act which the student will not in the ordinary course do and which has the effect of causing or generating a sense of shame, or torment to embarrassment so as to adversely affect the physique or psyche of such fresher or any student, with or without an intent to derive a sadistic pleasure or showing off power, authority or superiority by a student over any junior or any other fellow student, in the University in accordance with the UGC guidelines and the Himachal Pradesh Educational Institutions (Prohibition of Ragging) Act, 2009 brings forth with the academic regulations for curbing the menace of ragging and for the healthy development, physical and psychological, of all students of the University.
- ii) Ragging means any act, conduct or practice by which dominant power of senior students, former students or outsiders, is brought to bear on students freshly enrolled or students who are in any way considered junior by other students and includes individual or collective acts or practices which:-
 - a) Involve physical or psychological assault or threat or use of force or wrongful confinement or restraint; or
 - b) Violate the status, dignity and honor of such students; or
 - c) Expose students to ridicule and contempt and affect their self-respect; or
 - d) Entail verbal abuse and aggression, indecent gestures and obscene behavior.
- iii) No person will practise ragging in any form, within or outside the premises of the University.
- iv) Any person, who contravenes the above provision, will, on conviction, be punished as per the law in force.
- v) Every offence of ragging will be non-bailable and non-compoundable with the permission of the Court.

- vi)** The anti-ragging committee of the University will take an appropriate decision with regard to punishment or otherwise, depending on the facts of each incident of ragging, and nature and gravity of the incident of ragging established in the recommendations of the anti-ragging squad.
- vii)** The anti-ragging committee may, depending on the nature and gravity of the guilt established by the anti-ragging squad, award, to those found guilty, one or more of the following punishments:
- a)** Cancellation of admission;
 - b)** Suspension from attending classes
 - c)** Withholding/withdrawing scholarship/ fellowship and other benefits
 - d)** Debarring from appearing in any test/examination or other evaluation process
 - e)** Withholding results
 - f)** Debarring from representing the University in any regional, national or international meet, tournament and youth festival, etc.
 - g)** Suspension/ expulsion from the hostel
 - h)** Expulsion from the University and consequent debarring from admission to any other institution.
 - i)** Fine up to of Rs. 50,000/-
 - j)** Collective punishment: When a group of students committing or abetting the crime of ragging are not identified, the University will resort to collective punishment as a deterrent to ensure community pressure on the potential raggars.
- viii)** On receipt of any information concerning any reported incident of ragging, the Vice-Chancellor shall immediately determine if a case under the penal laws is made out and if so, either he or through a member of the anti-ragging committee authorized by him on his behalf, proceed to file a first information report (FIR), within twenty four hours of receipt of such information or recommendation, with the police and local authorities, under the appropriate penal provisions relating to one or more of the following:-
- a)** Abetment to ragging
 - b)** Criminal conspiracy to rag
 - c)** Unlawful assembly and rioting while ragging
 - d)** Public nuisance created during ragging
 - e)** Violation of decency and morals through ragging
 - f)** Injury to body, causing hurt or grievous hurt
 - g)** Wrongful restraint
 - h)** Wrongful confinement
 - i)** Use of criminal force
 - j)** Assault as well as sexual offences .
 - k)** Extortion
 - l)** Criminal trespass
 - m)** Offences against property
 - n)** Criminal intimidation
 - o)** Attempts to commit any or all of the above mentioned offences against the victim(s)
 - p)** Threat to commit any or all of the above mentioned offences against the victim(s)

- q) Physical or psychological humiliation
- r) All other offences following from the definition of “Ragging”

Provided further that the University will also continue with its own enquiry initiated under the regulation and other measures without waiting for action on the part of the police/ local authorities and such remedial action shall be initiated and completed immediately and in no case later than a period of seven days of the reported occurrence of the incident of ragging.

In case FIR is lodged, on conviction, the student/ students can be punished with imprisonment for a term which may extend to three years or with fine which may extend to fifty thousand rupees or both.

ix) Mechanism for Prevention and Enforcement

- a) Sensitization Programme: The sensitization programme intends to monitor and facilitate personal growth of students and create awareness on the part of parents and teachers for the overall development of the student.
- b) The parents of the senior students should be made aware that the ragging is a non-bailable, non-compoundable offence and in case their ward is found indulged in ragging there is a provision of punishment such as fine, rustication from the hostel/ University, lodging FIR and also rigorous imprisonment from one year to three years or a fine which may extend to rupees fifty thousand or both, keeping in view the severity of offence.
- c) In the beginning of the academic session, pamphlets/ posters indicating instructions/ punishment of ragging must be displayed in the students’ hostels, schools, library and other vulnerable places.
- d) All the students will fill the online anti-ragging form.
- x) The Vice-Chancellor shall constitute an anti-ragging committee and anti-ragging squad consisting of teaching, non-teaching and senior students at University level in the beginning of the academic session. The committee and squad will meet in the beginning of the academic session and work out the modus operandi to sensitize the students to prevent ragging. They will be answerable to the Vice-Chancellor for any ragging in the University.
- xi) The orientation of fresher, senior students, teaching and non-teaching staff be arranged in the University in which the Vice-Chancellor and Dean Students Welfare will address the students to sensitize them about what constitute ragging, measures to prevent ragging and punishments as per provisions of the academic regulations.
- xii) Whenever any student or, as the case may be, the parents or guardian or a teacher of the University or an officer-in-charge makes a complaint, in writing, of ragging to the Vice-Chancellor, the Vice-Chancellor shall, without prejudice to the foregoing provisions, within twenty four hours of the receipt of the complaint, enquire into it and, if, prima facie, it is found true, suspend the student found guilty.
- xiii) Where, on enquiry by the Vice-Chancellor, it is proved that prima facie there is no substance in the complaint; he shall intimate the fact, in writing, to the complainant.
- xiv) Any student convicted of an offence of ragging shall be expelled from the University.

CHAPTER- 15

Maintenance of Academic Records

15.1 Procedure for Maintenance of Academic Records

The following procedure shall be adopted both by the Deans of Faculties and the Registrar for the maintenance of student record

- i) The 'Live' and 'Closed' filing system shall be introduced for student record. With the first registration of a student, a file shall be made and maintained in the name of the student the Dean concerned. As long as a student continues in a programme, the file of the student shall be treated as 'Live'. After he has completed the programme or dropped or left the University, his file will be 'Closed'. If a student leaves the University in the middle of a programme, the file will be 'Closed' temporarily. The files 'Closed' and 'Closed Temporarily' shall be deposited in the record room and maintained separately.
- ii) When a student with 'Closed Temporarily' file rejoins the University, the said file shall be treated as 'Live' again.
- iii) All 'Live' student files should be checked regularly and required formalities should be completed without waiting for the student to come and remind.
- iv) The student who has completed his programme successfully shall apply to the Registrar, through the Dean, for PDC. It should be ensured that result-sheets or semester reports are sent to all concerned in time. If there is any delay in sending the result sheets or semester reports, responsibility should be fixed and necessary action taken.
- v) Complete information as to how many students have registered and graduated semester-wise should be readily available.
- vi) All relevant papers of a student must be in his file.
- vii) Dean must intimate the academic branch of the university about the status of any student admitted.

15.2 Governing Body/Board of Management/ Board of Studies /Academic Council

All the agenda items, proceedings of GB/BOM/BOS/AC and action taken thereof shall be readily available in the office of Registrar and preserved in the hard bound copies for future reference by the concerned offices.

15.3 Examination Records

A record of examination such as question papers, answer books and award sheets pertaining to minor/major/practical examinations shall be maintained in the office of the COE.

15.4 Retention of Attendance Registers

The attendance registers of the students shall be retained for a period of two years in the office of the Dean and thereafter they can be destroyed with proper procedure and prior approval of the authorities.

CHAPTER- 16

MASTER OF PHILOSOPHY (M.Phil.) & DOCTOR OF PHILOSOPHY (Ph.D.)

MASTER OF PHILOSOPHY (M. Phil.)

- 16.1. A candidate seeking admission to M. Phil. Course must have secured at least 55 % marks (50% for SC/ST/OBC) or 6.0 in CGPA at the Master level in the concerned subject. He/She must pay a fee for the course as notified from time to time.
- 16.2. Admission to M.Phil. course will be on the basis of an Entrance test.
- 16.3. M.Phil. is a regular course of two semesters or one year. However, maximum duration to complete the course will be allowed up to three years with the permission of the Vice-Chancellor under special circumstances. Women candidates and PWD candidates may be allowed a relaxation of one year.
- 16.4. M.Phil. course will be of 26 credits and constitute:
(a) Theory Course.
(b) Dissertation and Viva-Voce.
Theory course will be of three papers in the first semester, each theory paper will be of:
Credits – 4 (Four).
Continuous assessment= 40 %.
End-Semester Exam = 60%.
Each Theory paper will be of 100 Marks.
Dissertation = 150 Marks 12 Credits
Viva-Voce = 50 Marks 2 Credits
Of the Three papers: one will be of Research Methodology, 2nd paper about interdisciplinary topics of the subject concerned and the 3rd paper will be Advances in the concerned specialization related to dissertation. Pass marks will be 50% of Mid-term and end semester examination combined. For the end semester theory examination the paper setter will be external and the evaluation will be done by internal/external examiner appointed by the Vice-Chancellor. The supervisor and topic of dissertation will be allotted by the department council in the beginning of semester. The candidate will give a seminar on the topic of dissertation before the submission of dissertation. The seminar will be evaluated as satisfactory/ unsatisfactory by a committee of 3 teachers of the department including the supervisor of the candidate. The candidate will be asked questions/given suggestions for the refinement of dissertation by the committee. If unsatisfactory the candidate will deliver revised seminar within fortnight. M.Phil Scholar will present at least one research paper in a conference/seminar.
- 16.5. Four copies of the dissertation with requisite fee will be submitted to Secrecy wing of Examination branch for evaluation.
- 16.6. Medium of examination shall be the concerned language in case of language subjects otherwise English for all other subjects.
- 16.7. The dissertation will be of 150 marks followed by Viva-Voce of 50 marks. The dissertation will be evaluated by external examiner from outside the University who will submit a report on the dissertation and shall either approve/disapprove or recommend revision. If the dissertation is approved Viva-Voce will be conducted by examiners. If the examiner report mentions revision of dissertation then the candidate will submit the revised form of dissertation for evaluation. In case dissertation is

- rejected, it shall be sent to another examiner for evaluation. If it is rejected by the second examiner also, the candidature of the candidate stands cancelled. Viva-Voce will be conducted by the board of examiners consisting of the External Examiner, Supervisor of the candidate and the Chairperson of the department. The external examiner for evaluation of dissertation will be appointed by Vice-Chancellor of a panel of three examiners submitted by department council in consultation with the supervisor.
- 16.8. Pass percentage in course work, dissertation and the Viva-Voce shall be 55% or equivalent in grade point. Candidate scoring CGPA 7.0 will be placed in First Division and with CGPA 8.0 and above in first division with distinction.

DOCTOR OF PHILOSOPHY (Ph.D.)

- 16.9. The procedure for the award of Ph.D. degree is in conformity with the UGC (Minimum Standard and Procedure for the award of Ph.D. degree) Regulation, 2016.
- 16.10. A candidate seeking admission to Ph.D. must have secured at least 55% marks (50% for SC/ST) at Master level in the concerned subject. He / She will pay the required fee.
- 16.11. Admission to Ph.D. programme shall be through Entrance Test except to those who have qualified UGC-NET/CSIR(JRF,NET)/SLET/GATE/ direct awardees of DST/ICMR/DRDO/INSPIRE/Rajiv Gandhi National fellowship. Candidates who have completed their M.Phil./ M.Tech./ M.Pharma./ LL.M through entrance examination and course work will also be eligible for admission to Ph.D. programme.
- 16.12. All candidates will have to go through an interaction/ interview conducted by the concerned departmental council.
- 16.13. Ph.D. programme shall not be conducted through distance education mode.
- 16.14. The supervisor for a selected candidate will be allotted by the Standing Committee according to the research interest of the candidate indicated during interaction and the consent of the supervisor.
- 16.15. The Standing Committee is constituted of:
1. Dean of Faculty – Chairman.
2. Chairperson of Department.
3. All Professors in the Department.
4. One Associate Professor by seniority for 2 years.
5. One Assistant Professor by seniority for 2 years.
Standing Committee will permit the enrolment of the candidate for Ph.D.
- 16.16. A teacher of the University holding Ph.D. degree will only be eligible to be Supervisor. A Research Supervisor/Co-Supervisor who is a Professor at any given point of time, cannot guide more than three (3) M.Phil. and Eight (8) Ph.D. scholars. An Associate Professor as Supervisor can guide upto a maximum of two M.Phil. and six Ph.D. scholars and an Assistant Professor as Supervisor can guide upto one M.Phil. and four Ph.D. scholars. For interdisciplinary research there may be Supervisor from the department and Co-Supervisor of the other department of the University in which a

part of research work is carried. A teacher up to the age of 70 years can be allotted students for Ph.D. programme.

- 16.17. After joining Ph.D. programme the candidate shall undertake a course work for a minimum period of one semester. The course work will include Three papers, one on research methodology, second in the subject concerned and third in the discipline of concerned research work as also given under 16.4 for M.Phil. Programme
- 16.18. Students will have to qualify in the course with 55% marks or equivalent in grade point.
- 16.19. The students who have already done equivalent course work during M.Phil./ M.Tech./ M.Pharma/LL.M. need not do the same again.
- 16.20. The Research Degree Committee (RDC) for each subject shall consist of:
1. Dean of faculty – Chairman.
 2. Chairperson and all Professors of the department.
 3. Up to three subject experts nominated by Vice-Chancellor.
 4. Supervisor of the candidate concerned.
- 16.21. With in one and half years of enrollment the candidate through the Supervisor and Chairperson of the department will submit his/her plan of research work in the form of synopsis to RDC at an open seminar in the department. If synopsis is approved the candidate is registered and the Title of Ph.D. Thesis is approved. If required Research Degree Committee may ask the candidate to submit the revised synopsis with modifications or require another plan to be submitted.
- 16.22. Ph.D. scholar shall submit a six monthly progress report (through Supervisor and Chairperson) to Research Degree Committee. Approval of RDC is required for continued registration of the candidate to Ph.D. programme.
- 16.23. A candidate may submit the Ph.D. Thesis after three years from the date of enrollment (two years in case of scholars who have previously obtained M.Phil./M.Tech./M.Pharma./LL.M.). Maximum time limit will be eight years. After three years extension on year basis will be given by Vice-Chancellor only on the recommendation of Supervisor and Chairperson. Women candidates and PWD candidates may be allowed a relaxation of one year.
- 16.24. Prior to submission of thesis, the candidate shall make a pre-Ph.D. presentation in the department that may be open to all faculty members and students.
- 19.25. Ph.D. candidate shall publish one research paper in the referred journal and make two paper presentations in conferences/seminars before the submission of thesis and produce evidence for the same in the form of reprints or acceptance letter and paper presentation certificate.
- 16.26. A candidate is required to submit four hardcopies of the thesis along with softcopy of the thesis in CD as PDF file to the examination branch (Thesis Section).
- 16.27. Thesis must accompany a certificate from the supervisor that the research work is original and is worthy of consideration for the award of Ph.D. degree of Abhilashi University. The candidate having done dissertation in M.Phil./ M.Tech./M.Pharma./LL.M. may extend/continue with the same research problem during Ph.D.
- 16.28. The Thesis submitted by a candidate shall be evaluated by at least two examiners, out of which at least one shall be from outside Himachal Pradesh or country. The panel of

at least six examiners of Professor Level is submitted by Research Degree Committee in consultation with the Supervisor of the candidate and the Vice-Chancellor will appoint the two examiners out of the panel submitted.

- 16.29. Each examiner shall separately evaluate the Thesis and recommend that either the thesis be accepted in its present form or candidate required to re-submit his/her thesis in a revised and improved form or thesis be rejected.
- 16.30. The report of the examiner shall be placed before a committee consisting of Vice-Chancellor, Chairperson of the department and Supervisor of the candidate. If it is found that both the examiners have recommended that the thesis be accepted for the award of Ph.D. degree, the candidate shall be called for an oral test (Public Viva-Voce) by two examiners one of whom shall be the supervisor of the candidate and the other the examiner appointed by the Vice-Chancellor to defend the thesis. On satisfactory completion of Viva-Voce the degree may be awarded.
- 16.31. If one of the examiners recommends for re-submission of thesis with necessary changes, then the candidate shall be asked to do the needful and on receiving the corrected thesis the same shall be submitted to the concerned examiner.
- 16.32. If one of the examiners recommends that the thesis be rejected then the thesis shall be referred to the third examiner whose recommendation shall be final and further action be taken accordingly.
- 16.33. A candidate whose thesis is rejected shall not be registered again for the Ph.D. degree with the same research specialization.
- 16.34. The report of the oral examination shall be placed before the Board of Management only when the thesis is recommended for the award of Ph.D. degree.
- 16.35. Controller of Examination shall notify the result after the formal approval of Board of Management.
- 16.36. Every candidate shall give an undertaking that he/she will not, without the permission of the University, publish the thesis except in parts to be published in scholarly journals.
- 16.37. Following the successful completion of evaluation process and before the announcement of award an electronic copy of the thesis be submitted to INFLIBNET for hosting.
- 16.38. Prior to the actual award of degree the University shall issue a provisional certificate to the effect that the degree has been awarded in accordance with the provisions of UGC Regulations, 2016.
- 16.39. All the UGC regulations published in the Gazette of India No. 28 dated July 11 – July 17, 2009, part – III section – 4 and No. 2781 dated July 5, 2016 as amended from time to time shall be applicable for the award of Ph.D. degree after issuing necessary notification by the University in this regard.



ABHILASHI UNIVERSITY

THE FIRST ORDINANCES OF ABHILASHI UNIVERSITY



CHAILCHOWK, TEHSIL CHACHYOT, DISTT. MANDI (H.P.) - 175028

Website: abhilashiuniversity.in Email: regabilashi@gmail.com

CONTENTS

Ordinance No.	Title of Ordinance
1.	Faculties, Courses and Minimum Qualification
2.	Admission, Registration and Attendance
3.	Course Structure and Credit System
4.	Medium of Instruction and Examinations
5.	Examination System
6.	Appointment of Examiners
7.	Equivalence Committee for recognition of Examinations/Degrees
8.	Transfer of Credits
9.	Advisory System for Students
10.	Conduct, Discipline and Punishment
11.	Award of Fellowship, Scholarships, Studentships and Prizes
12.	Award of Degrees, Certificates and Medals
13.	Award of Gold Medals
14.	Hostel Rules
15.	Ragging
16.	Employees and Students' Grievances Redressal Committee
17.	Sensitization, prevention and Redressal of sexual harassment
18.	Maintenance of Academic Records
19.	Research Programmes
20.	Conditions of Service of Teachers
21.	Procedure / Norms for appointment to the posts of Professor, Associate Professor, and Assistant Professor and Academic Staff
22.	Manner of appointment and emoluments of employees other than teachers and other academic staff
23.	Fees payable by students of the University
24.	Norms/regulations for promotion through career advancement of assistant professors, associate professors, professors and academic staff
25.	The Chancellor
26.	Emoluments, terms and conditions of service and powers and functions of the Vice Chancellor

27.	Emoluments, terms and conditions of service and powers and functions of the Registrar
28.	Emoluments, terms and conditions of service of the Finance Officer
29.	Emoluments, terms and conditions of service of the Controller of Examinations
30.	Emoluments, terms and conditions of service of the Librarian
31.	Constitution, Terms of Office and Responsibilities of the Board of Studies and term of Office of its Members
32.	University Building Committee
33.	Purchase Committee
34.	Schools BOARD
35.	Board of Research Studies
36.	Functions and duties of the Departments in the School
37.	Deans' Committee
38.	Emoluments, terms and conditions of service and powers and functions of the Dean of Studies
39.	Emoluments, terms and conditions of service and powers and functions of the Dean Students' Welfare
40.	Powers and functions of the Deans of Schools
41.	Duties of Coordinators/ Heads of Departments
42.	Appointment of adjunct faculty members & scholars in residence
43.	Floating Posts
44.	Reservation of seats and other special provisions for Admission
45.	Visiting Professors
46.	Games and Sports Committee

ORDINANCE - I

FACULTIES, COURSES & MINIMUM QUALIFICATION

As stipulated under Statues 26&42 of the Abhilashi University

- 1.1** Abhilashi University consists of the following Faculties:
1. Faculty of Ayurveda and Health Sciences
 2. Faculty of Pharmacy
 3. Faculty of Agriculture
 4. Faculty of Engineering & Management
 5. Faculty of Education, Basic Sciences and Humanities
- 1.2** For proper functioning the Faculties, they are further divided into various Schools where required. Various Certificates, Diploma, Graduate, Post Graduate and Ph.D. programs are running under different Faculties. The minimum qualifications prescribed for Admission to qualification courses and examinations leading to degrees and diplomas as prescribed for certificates of the University Qualifications shall be as under:

1.2.1 FACULTY OF AYURVEDA AND HEALTH SCIENCES

1.2.1.1 Diploma in Pharmacy (Ayurveda)

Duration: 2 Years.

Eligibility: A candidate who has passed 10+2.

Admission: The admission will be made on the basis of marks in the qualifying examination

Syllabus: As per state government and AU norms.

1.2.1.2 Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery, B.A.M.S.

Abhilashi Ayurvedic College and Research Institute is running Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery (BAMS) programme on the annual system of teaching and evaluation.

Duration: Five and half years including Compulsory Rotatory internship of one year.

Eligibility & Admission Criteria:

Admission in BAMS Course will be done on the basis of merit in NEET and qualifying examination with minimum 50% in 10+2 (Medical) with valid NEET score 05% relaxation for SC/ST or time to time relaxation of competent authority.

Syllabus: As per state government and CCI norms.

1.2.1.3 Bachelor in Physiotherapy, B.P.T

Duration: 4 Years teaching and 6 months internship.

Eligibility: A candidate who has passed (10+2) examination (PCB) or equivalent from a recognized board of education with 50% marks (45% for SC/ST).

Admission: The eligible candidates have to appear in the Entrance Test conducted by Abhilashi University (AUCET). The admission will be made on the merit basis of the Entrance test.

Syllabus: As per state government and Physiotherapy Council of India norms.

1.2.1.4 Bachelor of Science, M.L.T

Duration: 3Years

Eligibility: A candidate who has passed (10+2) examination (PCB) or equivalent from a recognized board of education with 50% marks (45% for SC/ST).

Admission: The eligible candidates have to appear in the Entrance Test conducted by Abhilashi University (AUCET). The admission will be made on the merit basis of the Entrance test.

Syllabus: As per state government and UGC/AU norms.

1.2.2 FACULTY OF PHARMACY

1.2.2.1 Diploma in Pharmacy (Allopathy)

Duration: 2 years.

Eligibility: Candidates having passed (10+2) with science examination/equivalent examination conducted by the recognized education Board/University. The eligible candidate should fulfil the minimum entry-level qualifications prescribed by PCI or any other qualification approved by the PCI.

Syllabus: As per state government and PCI norms.

1.2.2.2 Bachelor of Pharmacy, B. Pharm.

Duration: 4 Years

Eligibility: Admission in the course will done based on merit of HPCET/ AUCET or 45% in 10+2 (Science) for Gen. and 40% in 10+2 (Science) for SC/ST.

Lateral Entry: Passed Diploma in Pharmacy (Allopathy) examination from PCI approved institution with 45% marks for General and 40% for SC/ST category candidates.

Syllabus: As per state government and PCI norms.

1.2.2.3 Master in Pharmacy (Pharmaceutics, Pharmaceutical Chemistry & Pharmacognosy)

Duration: 2 years (4 semesters).

Eligibility: The admission to M Pharmacy degree course shall be made on the basis of merit of valid GPAT score. In case the seats remain vacant after exhausting the merit of GPAT, the vacant seats will be filled up on the basis of merit of HPCET/AUCET. In case the seats still remain vacant after exhausting the merit of National level test and HPCET/AUCET, the seats will be filled up on the basis of merit of B. Pharmacy degree awarded by the recognized University having minimum 55% for Gen and 50% for (SC/ST).

Syllabus: As per state government and PCI norms.

1.2.2.4 Ph.D. in Pharmacy (Pharmaceutical Sciences)

Eligibility: A candidate with 55% marks (50% for ST/SC) at Master level in concern specialization. The admission shall be through AUCET except those who have qualified UGC-NET/CSIR (JRF, NET)/SLET/GPAT/direct awardees of DST/ICMR/DRDO/INSPIRE and other state or central level fellowship.

Syllabus: As per state government and PCI norms.

1.2.3 FACULTY OF AGRICULTURE

1.2.3.1 SCHOOL OF AGRICULTURE

1.2.3.1.1 Diploma course in Agriculture

Duration: One year

Eligibility: Candidates having passed (10+2)/ equivalent examination in any stream conducted by recognized Education Board/University/Council.

Syllabus: As per ICAR.

1.2.3.1.2 B.Sc. (Hons.) Agriculture

Duration: Four years (8 semesters)

Eligibility: Candidates having passed 10+2 with science and secured not less than 50 % marks in aggregate for general category and 45 % for SC/ST who have qualified AUCET. Candidates securing 50% marks in aggregate for general category (40% for SC/ST categories) who have appeared in state level entrance test conducted by CSK Himachal Pradesh University,

Palampur or Dr.Y.S. Parmar University of Horticulture and Forestry, Nauni (Solan) or ICAR also eligible for admission.

Admission: Admission will be made on the basis of merit of entrance examination conducted by Abhilashi University (AUCET) or CSKHPKV Palampur or Dr. Y. S. Parmar UHF Nauni (Solan), Himachal Pradesh or ICAR.

Syllabus: As per ICAR.

1.2.3.1.3 M.Sc. Agriculture

Duration: Two years (4 semesters)

Eligibility: B.Sc. (Hons.)Agriculture/ Horticulture/ Forestry/ Sericulture/ B.Sc. Agriculture/ Horticulture/Forestry/ Sericulture (4/5/6 years programmers only) with minimum 50% marks.

Admission: Admission will be made on the basis of merit of entrance examination conducted by Abhilashi University (AUCET) or CSKHPKV Palampur or Dr.Y.S. Parmar UHF Nauni (Solan)or ICAR

Syllabus: As per ICAR.

1.2.3.2 SCHOOL OF VETERINARY SCIENCE

1.2.3.2.1 Two Years Veterinary Pharmacist Training Course

Duration: 2 Years

Eligibility& Admission: Candidates having passed 10+2/equivalent examination in any stream conducted by recognized education board /university / council.12% seats of the total seats shall be filled up from amongst the Class-IV employees sponsored by Animal Husbandry Department of H.P., 78% seats shall be filled up on competitive basis in transparent manner based on the merit of 10+2 examination and the 10% Management quota seats be filled up from amongst the candidates having obtained at least 60% marks in the 10+2 examination.

Syllabus: As per CSKHPKV, Palampur.

1.2.4 FACULTY OF ENGINEERING AND MANAGEMENT

1.2.4.1 SCHOOL OF ENGINEERING

1.2.4.1.1 PGDCA (Post Graduate Diploma in Computer Application)

Duration: 1 Year (2 Semesters)

Eligibility and Admission for PGDCA:

The candidate must have passed Graduate Degree from a recognized University/ College in any stream.

Syllabus: As per state government and AU norms.

1.2.4.1.2 Bachelor of Technology (B. Tech.) in Computer Science & Engineering

Duration: 4 Years (8 Semesters)

Eligibility and Admission for Undergraduate Programmes:

The candidate must have passed 10+2 (Non-Med) examination with JEE/HPCET or 45% marks for general category and 40% marks for SC/ST category (w/o HPCET) from a recognized Board of Education.

Lateral Entry:

For the candidates seeking admission in B. Tech. second year through Lateral Entry, they must have passed Diploma course in appropriate branch of Engineering with 45% marks for general category, 40%marks for SC/ST category. Alternatively, they have completed B.Sc. with 45% marks for general category, 40%marks for SC/ST category, having passed 10+2 examination with Mathematics as one of the subjects will be admitted on merit basis.

Syllabus: As per AICTE.

1.2.4.1.3 Bachelor of Technology (B. Tech.) in Civil Engineering

Duration: 4 Years (8 Semesters)

Eligibility and Admission for Undergraduate Programmes:

The candidate must have passed 10+2 (Non-Med) examination with JEE/HPCET or 45% marks for general category and 40% marks for SC/ST category (w/o HPCET) from a recognized Board of Education.

Lateral Entry:

For the candidates seeking admission in B. Tech. second year through Lateral Entry, they must have passed Diploma course in appropriate branch of Engineering with 45% marks for general category, 40%marks for SC/ST category. Alternatively, they have completed B.Sc. with 45% marks for general category, 40%marks for SC/ST category, having passed 10+2 examination with Mathematics as one of the subjects will be admitted on merit basis.

Syllabus: As per AICTE.

1.2.4.1.4 Bachelor of Technology (B. Tech.) in Mechanical Engineering

Duration: 4 Years (8 Semesters)

Eligibility and Admission for Undergraduate Programmes:

The candidate must have passed 10+2 (Non-Med) examination with JEE/HPCET or 45% marks for general category and 40% marks for SC/ST category (w/o HPCET) from a recognized Board of Education.

Lateral Entry:

For the candidates seeking admission in B. Tech. second year through Lateral Entry, they must have passed Diploma course in appropriate branch of Engineering with 45% marks for general category, 40%marks for SC/ST category. Alternatively, they have completed B.Sc. with 45% marks for general category, 40%marks for SC/ST category, having passed 10+2 examination with Mathematics as one of the subjects will be admitted on merit basis.

Syllabus: As per AICTE.

1.2.4.1.5 Bachelor of Technology (B. Tech.) in Electrical/ Electrical & Electronics Engineering

Duration: 4 Years (8 Semesters)

Eligibility and Admission for Undergraduate Programmes:

The candidate must have passed 10+2 (Non-Med) examination with JEE/HPCET or 45% marks for general category and 40% marks for SC/ST category (w/o HPCET) from a recognized Board of Education.

Lateral Entry:

For the candidates seeking admission in B. Tech. second year through Lateral Entry, they must have passed Diploma course in appropriate branch of Engineering with 45% marks for general category, 40%marks for SC/ST category. Alternatively, they have completed B.Sc. with 45% marks for general category, 40%marks for SC/ST category, having passed 10+2 examination with Mathematics as one of the subjects will be admitted on merit basis.

Syllabus: As per AICTE.

1.2.4.1.6 Master of Technology (M. Tech.) in Computer Science (Regular/ Part-Time)

Duration: 2 Years (4 Semesters)/3 Years (6 Semesters)

Eligibility and Admission Criteria for Postgraduate Programs:

The candidate should have passed B. Tech. examination in the respective branch of engineering with minimum entry level qualification prescribed by AICTE.

Admission: Admission will be made on the basis of merit of GATE/Entrance Examination.

Syllabus: As per AICTE.

1.2.4.1.7 Master of Technology (M. Tech.) in Civil Engineering (Regular/ Part-Time)

Duration: 2 Years (4 Semesters)

Eligibility and Admission Criteria for Postgraduate Programs:

The candidate should have passed B. Tech. examination in the respective branch of engineering with minimum entry level qualification prescribed by AICTE. For part time courses the eligibility is minimum 2 years work experience

Admission: Admission will be made on the basis of merit of GATE/Entrance Examination.

Syllabus: As per AICTE.

1.2.4.1.8 Master of Technology (M. Tech.) in Mechanical Engineering (Regular/ Part-Time)

Duration: 2 Years (4 Semesters)

Eligibility: The candidate should have passed B. Tech. examination in the respective branch of engineering with minimum entry level qualification prescribed by AICTE. For part time courses the eligibility is minimum 2 years work experience

Admission: Admission will be made on the basis of merit of GATE/Entrance Examination.

Syllabus: As per AICTE.

1.2.4.1.9 Master of Technology (M. Tech.) in Mechanical Engineering (Regular/ Part-Time)

Duration: 2 Years (4 Semesters)

Eligibility: The candidate should have passed B. Tech. examination in the respective branch of engineering with minimum entry level qualification prescribed by AICTE. For part time courses the eligibility is minimum 2 years work experience

Admission: Admission will be made on the basis of merit of GATE/Entrance Examination.

Syllabus: As per AICTE.

1.2.4.1.10 Doctor of Philosophy (Ph.D) in Engineering

Duration: Minimum 3 Years

Eligibility and Admission Criteria: Ph.D. is a full time regular course of study pursued by regular attendance in classes and seminars. A candidate seeking admission to the Ph. D. course must have at least 55% marks in the subject concerned at Master's level.

Syllabus: As per UGC.

1.2.4.2 SCHOOL OF MANAGEMENT

1.2.4.2.1 Master of Business Administration (MBA) (Regular/ Part –Time)

Duration: 2 years (4 semesters)/3 years (6 semesters)

Eligibility and Admission: The candidate must have passed graduation level examination in any discipline from a recognized University. The admission to the course shall be made on the basis of merit of National/State level entrance examination (HPCET) CAT, CMAT, MAT or 60% marks for general category (55% marks for SC/ST category) in the Bachelor Degree of examination conducted by the recognized University. For part time courses the eligibility is minimum 2 years work experience

Syllabus: As per UGC.

1.2.4.2.2 Doctor of Philosophy (Ph.D) in Management

Duration: Three Years (6 Semesters)

Eligibility and Admission: The candidate must have passed MBA/M.Com. Examination from a recognized University with 55% marks for general category (50% marks for SC/ST category).

Syllabus: As per UGC.

1.2.5 FACULTY OF EDUCATION, BASIC SCIENCES AND HUMANITIES

1.2.5.1 SCHOOL OF EDUCATION

1.2.5.1.1. Four Years Integrated B.A. B.Ed.

Duration: 4 Years

Eligibility: 10+2 any stream

Admission: Merit in the AUCET and as per the marks in qualifying examinations.

Syllabus: As per NCTE.

1.2.5.1.2 Four Years Integrated B.Sc. B.Ed.

Duration: 4 Years

Eligibility: 10+2 (Science)

Admission: Merit in the AUCET and as per the marks in qualifying examinations.

Syllabus: As per NCTE.

1.2.5.1.3 Master of Arts in Education

Duration: 2 Years

Eligibility: Graduation or equivalent in respective field

Admission: Merit in the AUCET and as per the marks in qualifying examinations.

Syllabus: As per UGC.

1.2.5.1.4 Doctor of Philosophy (Ph.D) in Education

Duration: 3-5 Years

Eligibility: A candidate who has passed Master degree/ M.Phil. in Education from a recognized university with 55% marks (50% for SC/ST) or NET.

Admission: Merit in the AUCET.

Syllabus: As per UGC.

1.2.5.2 SCHOOL OF BASIC SCIENCES

1.2.5.2.1 Master of Science in Zoology

Duration: 2 years (Four semesters)

Eligibility: A candidate who has passed Bachelor degree of a recognized university with Zoology as one of the subjects of study with 50% marks (45% for SC/ST)

Admission: Merit in the AUCET.

Syllabus: As per UGC.

1.2.5.2.2 Master of Science in Mathematics/Master of Arts in Mathematics

Duration: 2 years (Four semesters)

Eligibility: A candidate who has passed Bachelor degree of a recognized university with Mathematics as one of the subjects of study with 50% marks (45% for SC/ST)

Admission: Merit in the AUCET.

Syllabus: As per UGC.

1.2.5.2.3 Doctor of Philosophy (Ph.D) in Zoology

Duration: 3 years

Eligibility: A candidate who has passed Master degree/M.Phil. in Zoology from a recognized university with 55% marks (50% for SC/ST) or NET/ SLET.

Admission: Merit in the AUCET/ NET.

Syllabus: As per UGC.

1.2.5.3 SCHOOL OF HUMANITIES

1.2.5.3.1 Diploma in Arts & Craft (Drawing Master)

Duration: 2 Years

Eligibility: 10+2 any stream

Admission: Merit in the AUCET and as per the marks in qualifying examinations.

Syllabus: As per state government/ AU.

1.2.5.3.2 Master of Arts

Duration: 2 Years

Eligibility: Graduate any stream

Admission: Merit in the AUCET and as per the marks in qualifying examinations.

Syllabus: As per UGC/AU.

ORDINANCE 02

ADMISSION, REGISTRATION AND ATTENDANCE

As stipulated under Statue 40 of the Abhilashi University

2.1. Admission Committee

There shall be **Admission Committee** for all the Programmes in each Faculty/School/ Department for regulating the admissions to all Courses/Programmes offered in the University comprising the following:

- i. The Dean of the Faculty concerned / Head of the Department- Chairman
- ii. One faculty member, not below the rank of an Associate Professor to be nominated by the Dean - Member
- iii. Three teachers, one each from Members amongst the Professors, Associate Professors and Assistant Professor by rotation
- iv. One person each representing Members SC / ST / OBC/ women and Minority candidates from the teaching community preferably if not already represented by the above members

2.1.1 The Committee shall

- i. Scrutinize the Application Forms for admission of the candidates in accordance with the conditions of admission as approved by the Academic Council from time to time;
- ii. Conduct the Admission Test(s) and/or Interview; or as otherwise provided.
- iii. However in case of Common Entrance test, the performance in such test will form the basis for subsequent admission process.
- iv. After the evaluation of the Admission test(s), a reasonable number of candidates from each category will be called, on the basis of merit, for admission to the course/Programme concerned subject to their scoring the minimum cut-off marks in the entrance test for admission to different courses as prescribed by the Academic Council:
- v. Prepare the merit list based on the marks obtained by the candidates in the Admission Test and/or Interview;
- vi. Prepare a list of the candidates selected for admission to be submitted by the Chairman of the Committee to the Dean of the School concerned;
- vii. Suggest methods to improve reliability and standard of the entrance test(s).

2.1.2 The members of the Committee other than ex-officio members shall hold office for a term of one academic year.

2.1.3 In case of non-availability of any teacher from any of the aforesaid categories, the Head of the Department may appoint another teacher from the remaining categories of the teachers by rotation.

2.1.4 The Chairman of Admission Committee may co-opt not more than three members of the Department/Centre representing different areas of specialization under intimation to the Vice-Chancellor.

2.1.5 Not less than 50% of total number of members of the Committee shall form the quorum.

2.2 Admission criterion and other information:

2.2.1 Minimum Eligibility for Admission:

The minimum qualification for admission to various programmes shall be as laid down by the Academic Council from time to time which shall be reflected in the prospectus. However, admission to various programmes shall be guided by the following provisions:

- i)** Prescribed minimum marks in all programmes shall be relaxed by 5% in case of SC/ ST or as per govt./regulatory bodies)
- ii)** The candidate would be deemed to have passed the qualifying examination on or before the date of admission and duly supported by Provisional Degree Certificate (PDC) issued by the competent authority.
- iii)** A candidate having passed his qualifying examination from a foreign university with 'B' grade or its equivalent shall be eligible for admission subject to recognition of his degree by the Academic Council.
- iv)** The CGPA will be converted into percentage of marks by multiplying it by ten.
- v)** The CGPA of other universities following scale other than 10-point will be converted on percentage basis by using appropriate conversion formula.

2.2.2 Mode of Admission:

- i)** The mode of admission for various programmes will be laid down by the Academic Council from time to time.
- ii)** Admission will be on the basis of Entrance Test conducted by Examination Branch of the University or merit in the qualifying examination if there is no entrance test for the course.
- iii)** While determining merit of eligible candidates, marks to the following extent shall be added to the result of the candidates who have distinguished themselves in sports and games recognized by the Indian Olympic Association/ NCC and any position/ prize won in other co-curricular activities like declamation, debate, quiz, essay competition, science seminars, at State/ National level programmes and youth festival.
- iv)** In case two or more candidates obtain the same percentage of marks/ CGPA, the merit shall be decided as under:
 - a)** Merit of previous examination.

If the merit cannot be decided on the basis of (a) above, the candidate, who is younger in age, shall be considered first. Any direction by the regulatory bodies (national/state) will be complied.

2.2.3 Number of Seats: The number of students to be admitted in various programmes shall be fixed by the **Academic Council** as per the provision of the Abhilashi University Statute section 42 from time to time.

2.2.4 Provisional Admission: A candidate whose result has not been declared by the Board/University can seek provisional admission provided he/she has appeared in the Entrance Test for the course as applicable from time to time. The provisional admission of such candidate stands automatically cancelled if he/she fails to submit his/her mark sheet or provisional certificate etc. of the qualifying examination and/or meeting the percentage of marks as fixed for the admission by the University within 2 months for last date of admission.

2.2.5 Eligibility Criteria for Admission: Eligibility criteria shall be notified in the prospectus of each current year.

2.2.6 Time of Admission: Admission to all the programmes will be made at the commencement of academic year.

2.2.7 Application Procedure: The application for admission shall be made to the **Registrar** on a prescribed form to be obtained on payment of stipulated fee. Application form complete in all respects and filled in by the applicant in his/ her own hand writing should reach the **Registrar** on or before the last date for submission of application.

2.2.8 Academic Session:

- i) The academic session will counted from July current year to June next year and shall comprise of two registered semesters. First registered semester of the year is from July to December and second from January to June. For annual system the session will be July to June or as per the last date fixed by Regulatory body (completion of 12 months).
- ii) The dates for advertisement, registration, commencement of classes and other details for the academic session shall be notified by the **Registrar**.

2.2.9 Reservation of Seats:

Admission to various programmes shall be open to all eligible persons subject to the reservation of seats as per Abhilashi University statute, section 40.

2.2.10 Selection Procedure:

To conduct the counseling and draw the merit for selection of the candidates for admission in various programmes of the University, the committee(s) shall be constituted by the **Registrar** with the prior approval of the **Vice-Chancellor**.

2.2.11 Verification of Antecedents:

Each applicant shall be required to submit a character certificate from the Head of the Institution last attended.

2.2.12 Migration Certificate:

The student passing his qualifying examination from other than this University shall have to submit the migration certificate in original within one year of his admission, failing which his admission shall be cancelled.

2.2.13 Refusal of Admission:

The past record of a candidate as to his/ her conduct shall also be considered for deciding admission. If it is found that the candidate has been indulging in acts of indiscipline or is guilty of having organized unlawful demonstration etc., he/she may be refused admission by the admission committee. The candidates who have been expelled/ rusticated/ debarred shall not be admitted during the period of disqualification.

2.3 Student Central Registration Numbers: Tables below give the format for the Student Central Registration Number.

4 Digit Year	Abhilashi University initials	3 Digit Serial Number starting from 001	Example for Central registration number
2020	AU	001	2020AU001
And so on		003	2020AU003

2.4 Normal Duration & Syllabus:

(A) The normal duration of different programmes shall be in accordance with University Grants Commission, New Delhi and other Regulatory Bodies.

i) Undergraduate

a)	B.Sc. (Hons.) Agriculture	8 Semesters/ 4 Years
	BAMS Including one-year rotatory internship	5 $\frac{1}{2}$ Years (Annual System)
c)	B Tech	8 Semesters/ 4 Years
d)	BBA	6 Semesters/ 3 Years
e)	BCA	6 Semesters/ 3 Years
f)	B. Pharmacy	8 Semesters/ 4 Years
g)	Dip. Pharmacy	Two Years
h)	Diploma in Veterinary Pharmacy	Two Years
i)	BPT	Four Years
j)	B.Sc.	Three Years
k)	B.Com.	Three Years
l)	B.A./B.Sc. B. Ed.	8 Semesters/ 4 Years

ii) Postgraduate

a)	MCA	6 Semesters/ 3 Years
b)	M. Tech.	4 Semesters/ 2 Years
c)	M. Pharmacy	4 Semesters/ 2 Years
d)	MBA	4 Semesters/ 2 Years
e)	M.A.	4 Semesters/ 2 Years
f)	M.Sc.	4 Semesters/ 2 Years
g)	Ph.D.	3 Years

Note:- If a student does not complete a course in the normal duration he/she may be permitted to complete the programme in maximum of four semesters beyond the normal duration with the permission of Vice-Chancellor.

(B) Syllabus:

The subjects of study and the syllabi for different programmes will be as prescribed from time to time by the **Academic Council**.

2.5 Transfer of Students/ Exemption from Course:

- i) A student may be granted permission for transfer from a University to Abhilashi University up to fifth semester only following a comparable system of education to Abhilashi University with the consent of the Host University and the **Vice Chancellor** of this University on the recommendation of the concerned **Dean of Faculty** provided the seat is available and the student is academically on 'Good Standing'. Further, the student is not seeking transfer in the final year of a programme and fulfils the minimum educational requirements for enrolment in the programme at the University. The student shall be required to produce the transcript of courses from his/her previous University. No outward migration will be allowed. An Equivalence Committee constituted by the **Dean of Studies** shall examine the courses/ subjects already studied by the student, the syllabi thereof (minimum 80% syllabi should be same), the examination passed, and may also, if considered necessary, conduct a proficiency test to determine the transfer of credits and course(s) from which the student may be exempted. In such

a case, the credits shall be transferred. The cumulative grade point average (CGPA) of the student shall be determined entirely on the basis of the courses studied by him in the University.

- ii) A student of this University may be transferred from one constituent school to another up to the 1st semester only with the consent of **Dean of Studies** and the **Vice-Chancellor** within one month of the last date of admission.

In case where a student admitted to particular programme of the University is transferred to another constituent school before completing the former degree programme to which he was initially admitted, the grades earned shall also be transferred if the courses are identical. Where the courses are not identical but comparable, the credits earned thereof shall be accounted towards the degree requirement but the grades of such courses shall not be transferred.

- iii) The student of one branch of Engineering is allowed to change the stream to another only in the third semester subject to the availability of seats in the new branch.

2.6 Registration:

Registration is an important procedural part of the academic system. The registration procedure ensures that the student's name is on the roll list of each course that he/she wants to study. No credit is given if the student attends a course for which he has not been registered. Registration for courses to be taken in a particular semester will be done according to a specified schedule before the end of the previous semester. Each student is required to complete the registration form.

Various activities related to registration, the relevant dates are included in the semester schedule that is available before the start of the semester.

Registration shall consist of the following steps:

- i) Meeting with the course coordinator.
- ii) Enrolment of students in different courses with the concerned teacher.
- iii) Payment of University fee and other dues.
- iv) Depositing the prescribed registration forms duly filled in and signed by the course coordinator, teachers concerned and Dean of Faculty in the office of the Registrar.

2.7 Registration and student status:

Registration for the first semester of a programme is part of admission procedure and shall be governed by the admission rules. Registration of the students in the prescribed manner is compulsory and failure to do so by the prescribed dates shall lead to cancellation of selection. The seats so fallen vacant shall be offered to the candidates next in the list.

Every enrolled student shall be required to register in the last days of previous semester for each coming semester till the completion of degree requirements failing which his/her enrollment shall be cancelled. Readmission in such cases shall be by petition and not as a matter of right.

Registration by a student confirms his status as student at the University. Failure to do so will imply that the student has discontinued studies and his/her name will be struck-off the rolls.

No fees will be charged for the registration, but for re-registration, late registration, adding/dropping of courses, fees will be charged which will be notified from time to time by the University.

2.8 Registration validation:

Before the first day of classes, every student is required to be present on campus and validate his registration by consulting HOD/Dean of Faculty office. The updated **registration record will be available on the website** and the **hard copy** will be available with the **HOD/Dean of Faculty**. Students who do not register validation will not be permitted to add/drop courses.

2.9 Addition, Deletion, Audit and Withdrawal from Courses:

- i) **Add/Drop:** A student has the option to add a course(s) that he has not registered for, or drop a course(s) for which he has already registered. This facility is restricted in the **first week** of the semester. **Fees will be charged** for every addition and every dropping. The University will notify fees from time to time.
- ii) **Withdrawal:** A student who wants to withdraw from a course should apply before the last date of admission otherwise the refund will not be given within **First week** of the semester.
- iii) **Subsequent to the registration**, a student may add or withdraw course(s) in the manner prescribed below:
 - a) Application for addition or withdrawal shall be made in the prescribed '**Change of Course Form**' obtainable from the office of the Dean of Faculty.
 - b) The course coordinator of the student and the teacher of the course shall give their recommendations.
 - c) After completing above, the student shall obtain the approval of the Dean of Faculty and then **Dean of Studies** for the change.
 - d) In the event of permission for the change being granted by the **Dean of Studies**, the student will deposit prescribed **fee**.
 - e) After the **fee** has been deposited, the student will deposit the 'Change of Course Form' in the office of the **Registrar**. The **Dean of Faculty** shall inform within three days, the teacher about the addition or withdrawal of the course(s) by the student and also forward copy of the 'Change of Course Form' to the **Registrar**.
 - f) The change will become effective only when all the requirements mentioned above have been completed.
- iv) The student, normally, **will not be permitted** to withdraw from course(s) beyond a specified period.

2.10 Minimum student registration in a course:

A course will run if minimum of 20% students register for the course. Under special circumstances course may be allowed to run with the permission of **Vice Chancellor**.

2.11 Late Registration:

Late registration is permitted under the following conditions:

- i) A student, who was not in the campus during the period of registration in the previous semester, needs to complete the registration process on or before the **first day** of the semester before commencement of classes.
- ii) For reasons beyond his control, if a student is not able to register or send an authorized representative with a medical certificate, he may apply to the **Dean of Faculty** for late registration. Concerned **Dean** will consider and may **approve late registration** in genuine cases on payment of fee.

2.12 Registration and fees payment:

Every registered student must pay the stipulated fees as notified before the specified deadlines. In case a student does not make these payments, his/her name will be struck-off the rolls.

2.13 Registration record:

Entries related to registration are entered on the registration record. Queries related to registration will be considered only when accompanied by the original registration record. This record must be preserved until the semester grade card is received by the student.

2.14 Continuous absence and registration status:

If a student remains absent from the University for more than **two weeks** without permission of the Head of Department/Dean of Faculty, his/her registration will be cancelled.

2.15 Cancellation of Registration/ Admission:

The **Vice-Chancellor**, on the recommendation of the **Dean of Faculty & Dean of Studies**, may cancel the registration/ admission of any student who indulges in gross act of indiscipline, absents himself from classes without permission or without any valid reason or submits forged/ false documents or in whose case the **Vice-Chancellor** has reasons to believe that his/her continuance would not be in the interest of the University.

2.16 Withdrawal from the University:

Any student who wants to withdraw from the University should obtain 'No Dues Certificate' on prescribed proforma from all sections and concerned Heads of Departments/ Dean of Faculty and deposit it in the office of the Dean of Studies. A student not following this procedure shall be liable to pay the University fee and other charges until '**No Dues Certificate**' has been duly submitted by him.

Permission to withdraw from the school for a semester shall be granted by the **Dean of Studies** on the recommendation of the Course **Coordinator / HOD / Dean of Faculty** on the following grounds:

- i. Student's confinement or his getting employment.
- ii. Provided further that no application for withdrawal shall be entertained from the day of commencement of major examination.

2.17 Re-admission of student:

A student who withdraws from the University under regulation of registration or who has been dropped from the University may apply to the **Dean of Studies** for re-admission after the recommendation by Dean of Faculty. However, on re-admission such a student shall be treated as continuing student for meeting the academic requirements and shall not be required to **pay fee** for the discontinued period.

2.18 Procedure for Leaving the University:

- i) A student shall leave the University on completion of his studies.
- ii) '**No Dues Certificate**' shall be obtained by a student after completion of the degree or at the time of being permitted to leave the University.
- iii) After successful completion of all the requirements for the award of degree, the **Dean of Studies** shall send the report to the **Registrar** for notification of result. The **Registrar** shall subsequently issue the provisional certificate and transcript record to the student.

Provided the issue of documents shall not be held up beyond three weeks from the date of submission of 'Clearance Certificate' in the office of the Registrar.

2.19 Refund of Security:

The refund of security shall be made only after the student has obtained a 'No Dues Certificate' from the **Dean of Studies** if applicable. The refund of security shall be permitted within one year from the date the student leaves the University, where after it shall stand credited to the amalgamated fund of the University.

2.20 Attendance rule:

- i) A student is required to attend all the lectures, tutorials, guest lectures, practical's and presentations as per the time table and notices from time to time by the respective faculties and must have a minimum attendance of 75 percent (80 % in case of Pharmacy Course).
- ii) Each student will be required to attend at least 75% same as above for pharmacy of delivered lectures and practical's conducted in each course separately. The attendance of the student will be counted from the date of commencement of classes. The student whose attendance is falling short will not be eligible for appearing in End Term Examination.

Five marks are reserved for attendance in each course as given below:

Table-4:- Reservation of marks for attendance

Sr. No.	Attendance	Marks
1.	95 % and above	5 marks
2.	90% -94.9%	4 marks
3.	85%- 89.9%	3 marks
4.	80% -84.9%	2 marks
5.	75% -79.9%	1 mark

- iii) A relaxation of up to 15% by **Vice Chancellor** on the recommendation of Dean of Faculty and Dean of Studies. The Deans must specify the reason for waiver.
- iv) Benefit of scholarship / fee waiver concession will be withdrawn if the students are not fulfilling 75% (80 % in case of Pharmacy Course) attendance in any subject /course registered.
- v) If a student remains continuously absent from the University for more than **two weeks** without proper permission of the **Dean of Faculty**, his name will be removed from University rolls.
- vi) Dean of the Faculty will ensure the punctuality & regularity of teachers and students in the classes.
- vii) Mass absence, above 50% of class strength, shall be deemed as an **act of indiscipline** and will entail a fine specified by the authorities

ORDINANCE 03

COURSE STRUCTURE AND CREDIT SYSTEM

3.1 Course numbering scheme:

At the beginning of the semester, a student registers for courses that he/she wants to study and at the end of the semester a grade is awarded. On obtaining a pass grade, the student earns all the credits associated with the course while a fail grade does not get any credit.

Codes for the nature of courses

Code	Description
L	Lecture courses (other than lecture hours, these courses can have Tutorial and Practical hours, e.g. L-T-P structures 3-0-0, 3-1-2-, 3-0-2, 2-0-0, etc.)
P	Laboratory based courses (Where performance is evaluated primarily on the basis of practical or laboratory work with LTP structures like 0-0-3, 0-0-4, 1-0-3, 0-1-3, etc.)
D	Project based courses leading to dissertation (e.g. Major, Minor, Mini Projects)
T	Training

3.2. Credit System:

Education in the University is organized around the semester-based credit system of study. Annual system courses are percentage based. The prominent features of the credit system are a **process of continuous evaluation** of a student's performance/progress and flexibility to allow a student to progress at an optimum pace suited to his/her ability or convenience, subject to fulfilling minimum requirements for continuation. A student is allowed to attend classes in a course and earn credit for it, only if he/she has registered for that course.

A student's performance/progress is measured by the number of credits that he/she has earned, i.e. completed satisfactorily. Based on the course credits obtained by the student, grade point average is calculated. A minimum grade point average is required to be maintained for satisfactory progress and continuation in the programme. Also a minimum number of earned credits and a minimum grade point average should be acquired in order to qualify for the degree.

All programmes of semester system are defined by the total credit requirement and pattern of credit distribution over courses of different categories displayed on the result card.

Annual system courses are percentage based and norms of the regulatory bodies are followed in the curriculum and examination.

Course credits assignment

- a) Each course has a certain number of credits assigned to it depending upon its lecture, tutorial and laboratory contact hours in a week and all over the semester.
- b) Lectures and Tutorials: One lecture or tutorial hour per week per semester is assigned one credit.
- c) Practical/Laboratory Work: One laboratory hour per week per semester is assigned half credit.

Earning credits

- a) At the end of every course for which a student has registered, a letter grade is awarded in each course. On obtaining a pass grade, the student accumulates the course credits as earned credits. A student's performance is measured by the number of credits that he/she earned and by the weighted grade point average.

- b) The credit requirement for students admitted through lateral entry in B Tech/Pharmacy programmes will be counted from 3rd semester onward.

3.3. Registration for Award of Grades:

- i. To get the awards in each course it shall be essential to register the course in the beginning of a semester in the prescribed registration form or at the time of addition of course within prescribed period as given in academic calendar.
- ii. In case a student studies a course without registration in the prescribed manner, he/she will not be awarded any grade in that course.

3.4. Semester Withdrawal

- i) Semester withdrawal and absence for a semester under different conditions viz. ;
 - a) medical and personal grounds
 - b) industrial internship
 - c) exchange / deputation to another academic institution in India or abroad, &
 - d) disciplinary action for students should be clearly identified.
- ii) Semester Withdrawal (SW) is proposed to reflect the condition in which a student is forced to withdraw from all courses in the semester on medical grounds. A student can apply for semester withdrawal if he has missed four weeks on this ground.
- iii) Semester Leave (SL) is proposed to indicate the situation in which a student is permitted to take one or more semester off for industrial internship or any other assignment with prior approval and planning. The application is to be routed through his course coordinator and HOD, Dean and the final authority will be Vice-Chancellor. All such applications must be processed before the beginning of the semester in which the leave will be taken.
- iv) When a student is suspended for one or more semesters on disciplinary grounds, the student status should be called disciplinary withdrawal period (DWP). Time spent in DWP status will be counted towards the total period permitted for completion of the degree.
- v) Normally, permission shall not be granted to a student to withdraw from the School of the University for more than one semester.
- vi) In special circumstances, on the recommendation of the course coordinator, Dean of faculty and Dean of Studies for reasons to be recorded **in writing**, the Vice-Chancellor may permit temporary discontinuance of studies for a longer period within the provisions of academic regulations. However, the withdrawn semester shall be counted towards meeting the academic requirements as laid in the academic regulations.
- vii) No student shall be permitted to withdraw from the University for more than two semesters during the degree programme. If a student remains unregistered for a total period of more than two semesters, he shall stand automatically dropped from the University.

3.5. Dropping from the University

A student shall be required to earn his degree within specified limit of admission of registered semesters. A student, who fails to obtain his degree within the above stipulated period, be dropped from the University and have no right to petition.

3.6. Maximum duration for completing degree requirements

- i) The maximum permitted duration of each programme will be determined in terms of number of registered regular semesters, hereinafter called registered semesters. Any semester in which a student has registered for a course will be called a registered semester subject to the following:
 - a) The semester when a student has been granted semester withdrawal (SW) or granted semester leave (SL) will not be considered as a registered semester.

- b) The semester when a student is suspended from the University on disciplinary grounds will not be counted towards the number of registered semesters.
- iii) The maximum permissible number of registered semesters for completing all degree requirements are given in Table below:

Programme Name	Maximum number of registered semesters permitted for completing degree requirement
B.Sc. (Hons.) Agriculture	12
BAMS	7 $\frac{1}{2}$ years (Annual System)
B. Tech	12
BBA	10
BCA	10
B. Pharmacy	12
MCA	10
M. Tech.(CE)	8
M. Tech.(ME)	8
M. Pharmacy	8
M.Sc.	8
M.A.	8
Diploma	8 (4 Years in Annual System)
BPT	12 (6 Years in Annual System)
Ph.D.	12

ORDINANCE 04

MEDIUM OF INSTRUCTION AND EXAMINATIONS

- 4.1** The medium of instruction in respect of all courses conducted in the Schools, Centres and Departments admitted to the privileges of the University shall be English, except in courses/Research where other languages can be used as per their regulations.

ORDINANCE 05 EXAMINATION SYSTEM

- 5.1.** In assessing the students' in studies, the system of continuous assessment is adopted by the University. In conformity with this practice, following modes of assessment will be followed:
- i. The examination system will comprise of Class Tests, Assignments/Quizzes, Ist Term, IInd Term, End Term Examinations, Practical, Project Work, Seminar etc.
 - ii. In all there will be two class tests, one-two assignments/quizzes in a semester (except BAMS programme where annual system is followed, two house tests will be conducted). These will be of one hour each within the class period. Students will be given three days for submission of assignment and the same be returned after checking and evaluation to the students within three days of submission.
 - iii. Ist Term and IInd Term Examinations will be conducted by the Deans of the Faculties in consultation with COE for stationery and use of examination facilities of his/her branch for secrecy point of view. The Deans of Faculties will submit the award lists to COE after evaluation.
 - iv. End Term Examination will be conducted completely by the Controller of Examination (paper setting, preparation of date sheet, preparation of duty chart and evaluation process etc.)
 - v. Students who fail in a particular paper/ practical will re-appear only in the corresponding odd/even semester.

5.2. Evaluation / Assessment of Performance

There will be continuous assessment of student's performance throughout the semester on the following basis:

- i. In case of theoretical subjects, the evaluation will be based on attendance, quizzes, assignments, term examinations. For End Term Examination it is External/ Internal system.
- ii. For Laboratory/ Design / Drawings / Studio/ Workshop/Seminars etc. the evaluation will be on the basis of attendance, assessment of the task assigned and end semester test/viva voce etc. The system will be internal.
- iii. The evaluation of the project work will be based on work assigned by the supervisor, project report and project evaluation committee (to be constituted by Dean of Faculty).
- iv. The breakup of marks for assessment of performance of a student will be:

a)	Class Tests, Attitude & discussion, Quizzes	5%+3%+3% =11%
b)	Assignment	4%
c)	First Mid Term Examination	10%
d)	Second Mid Term Examination	10%
e)	Attendance	5%
f)	End Term Theory Examination	60%

The evaluation of Practical/ Laboratory work will be based on the following.

a)	Day to day Practicals	15%
b)	Assignments	5%
c)	Attendance	5%
d)	Attitude & Discussion	5%
e)	Note Book	10%
f)	Viva voce Examination	10%
g)	Practical End Term examination	50%

The examination will be External/Internal.

Note: The above scheme may vary for other Programmes and courses as per their affiliating body norms.

5.3. Pass percentage and result declaration of courses.

The pass percentage in theory as well as in practical is given below:

- i. Pass percentage in theory is 40%
Pass percentage in practical is 50%.
- ii Result declaration
 - a) Less than 40% Course Incomplete
 - b) 40% and above Course Complete
 - c) System of SGPA, CGPA will be followed in the MARKS SHEET.

5.4. CCIM Examination pattern for BAMS Course

For BAMS Course the CCIM Examination pattern will be followed in which the pass percentage is 50% in theory & practical separately in each paper. For Diploma in Pharmacy and Master of Pharmacy courses the PCI Examination pattern will be followed.

5.5. PCI examination pattern

Examination pattern for B. Pharmacy and other courses in the School of Pharmacy will be in accordance with the PHARMACY COUNCIL OF INDIA guidelines/directions.

5.6 Agriculture Examination Pattern:

Examination pattern for BSc. Agriculture and other courses in the School of Agriculture will be in accordance with the concerned affiliating body guidelines/directions.

Note: The above scheme may vary for other Programmes and courses as per their regulatory body norms.

5.7. Attendance Eligibility for Examination: -

A student who has attended 75 % or more of the lectures and practical's delivered in a semester becomes eligible for appearing in the end semester examinations.

A relaxation of up to 15% by **Vice Chancellor** on the recommendation of Dean of Faculty and Dean of Studies on the following grounds:

- i. Any serious illness up to one week by Dean of Faculty / two weeks by Dean of Studies / four weeks by Vice Chancellor supported by a proper medical certificate.
- ii. The student being deputed to represent the University with the prior approval of the Dean of Faculty/Dean Students Welfare.
- iii. Any special genuine reason such (a) Demise of close blood relation (b) Natural calamity at home/ village /town supported by documentary proof (c) Own marriage (d) Maternity case.

The attendance relaxation by the Vice Chancellor is subject to the condition that student has to submit four assignments up to the satisfaction of the course instructor. There will be no relaxation of attendance to students with less than 60%.

5.8. Evaluation of Projects (major/minor) or Industrial Training

Students are required to register for the minor/major projects or industrial training as per the approved curriculum. The following evaluation scheme shall be followed for awarding marks:

Sr. No.	Items	Marks
i	Day to day work	35 % awarded by Instructor
ii	Mid-Term Seminars at least for 20 minutes	15% awarded by Panel of three members Committee Constituted by Dean Faculty
iii	Project Report	15 % awarded by Instructor
iv	Final Viva-Voce on Project Report/Industrial training.	35% awarded by a panel of three teachers including Instructor appointed by Dean Faculty.

The project will be evaluated by external/internal examiner.

5.9. End-Term Examination

The end semester examination shall be conducted by Controller of Examination in consultation with Dean of Faculty. The Dean of Faculty shall recommend the names of External/Internal examiners along with their addresses and phone number to Controller of Examinations for paper setting and evaluation. COE will submit the names of paper setter for the approval of Vice Chancellor. The evaluation of answer sheets shall be done by the external/internal examiners on the spot in the University. The setting of question papers and their evaluation for Class Tests and Mid Term Examinations will be Internal. The results of all the examinations will be submitted to the Controller of Examinations

5.10. Examination Schedule

The schedule for End Term Examination shall be prepared by the Controller of Examinations in consultation with Dean of Faculty concerned. The date sheet and Invigilation duty chart will be notified by Controller of Examinations after getting the approval from Vice Chancellor at least 20 days before the commencement of End Term Examination. However, if the conditions so warrant, the Controller of Examinations may change the date of examination on short notice after getting the approval from Hon'ble Vice Chancellor.

The dates for End Term Examinations will be announced in the Academic Calendar and the Controller of Examination will fix the examination during that period.

5.11. Conduct of End Term Examination

For the conduct of End Term and Annual Examinations, a Centre Superintendent and Deputy Superintendent will be appointed by the Controller of Examination after the approval of the Vice-Chancellor for conducting the Examination. The Superintendent will appoint the Invigilators to conduct the examinations after consultation with the Dean of Faculty if necessary. The Controller of Examinations will get the papers set and printed for each course from the list of examiners as approved by Vice Chancellor. Strict secrecy shall be maintained in the receiving, printing and supply of question papers by Controller of Examination. Evaluation of answer books will be External / Internal The final result will be compiled and finalized in the office of Controller of Examination.

A. Question Papers: Opening of the question paper – envelopes

The envelope containing question papers shall be opened at least 30 minutes before the commencement of the examination by the Centre Superintendent in the presence of at least two invigilators and clerk on duty after carefully examining the conditions and joints of envelope and seals and verifying the subject by a reference to the date sheet. Centre Superintendent should confirm before distributing them that it is the right question paper as per the date-sheet.

If a wrong paper is found in the envelope it should be sealed immediately without reading the question paper. The Controller of Examinations should be approached immediately for further instruction.

Insufficient copies of Question Papers

In case insufficient copies of question papers are supplied by the Controller of Examinations, Centre Superintendent either dictates the question paper or gets the photocopies of the question paper. The candidates shall be given extra time equal to the time spent in dictation/Photostat. The matter be brought into the notice of Controller of Examinations.

Seating Arrangement

One day before the commencement of the examination, the Centre Superintendent shall make satisfactory arrangements of seats according to the roll numbers supplied by the Controller of Examinations. The candidates should keep reasonable distance between the vertical and

horizontal rows so that all communications between the candidates are impossible. The Centre Superintendent shall get plans of seating arrangement typed showing the order of seats allotted to candidates and the directions they face. It should be pasted on a right place outside the on hall/room at least one hour before the commencement of examination.

Admission on Production of Roll Number Slip

- a) The students shall be issued roll numbers by the Controller of Examinations through his office at least 15 days before the commencement of examination who fulfills minimum requirements for appearing in the examination.
- b) Each registered student shall carry Roll Number Slip and Identity Card regularly during the examination.
- c) Any student who is unable to produce his or her roll number slip or identity card on demand, but his/her name exists in the list of candidates appearing in the examination duly supplied by the Controller of Examinations, the Centre Superintendent may allow the student to appear in the examination with a penalty decided from time to time by Academic Council .
- d) If a candidate is in possession of roll number slip but his/her name does not exist in the list supplied by Controller of Examinations, the Centre Superintendent should allow the candidate in the paper and inform the authority concerned on the same day.

Discrepancy in the Subject Offered

No candidate can appear in subject examination not originally registered by him/her at the time of registration in the beginning of the semester.

Late Arrival

No candidate will be allowed to appear in the End Term Examination if he/she is late by more than 20 minutes. Examinee so admitted (late arrival) shall have no claim for extra time in lieu of late arrival.

Attendance Sheets

- a) Examinees present shall sign the attendance sheet against their roll numbers.
- b) Centre Superintendent shall compare it with the cut list supplied by Controller of Examinations. In case, there is some discrepancy it should be settled before the candidate is allowed to leave the examination hall/room and the matter should be informed to the Controller of Examinations for rectification.

Appointment of Amanuensis

- a) An amanuensis will be appointed for the examinee under the following cases:
 - Blind candidate (permanently)
 - Candidate completely disabled from writing with his own hand
 - Temporary disablement such as fracture of writing hand, fore arm, shoulder, elbow, wrist, etc.

In all the above-mentioned conditions, medical certificate from the University Doctor/CMO of the district hospital has to be submitted by the examinee.

- b) Controller of Examinations will appoint an amanuensis and inform the Centre Superintendent
 - The appointment of amanuensis should be the student of lower class.
 - Controller of Examinations can also authorize Centre Superintendent for appointment of amanuensis.

B. Disciplinary Control of Examination Centre

A candidate shall be under the disciplinary control of Centre Superintendent and he shall obey his instructions. If a candidate disobeys his instructions or misbehaves with any member of supervisory staff or any other examinee at that centre, he may be expelled from the examination of that session.

C. Use of Unfair Means

Any use of unfair material etc. is not allowed in any examination. Any student found using any kind of unfair means will be punished as per the recommendation of the committee constituted for the purpose.

D. Medium of Examination

The medium of examination is English in all the courses for all kinds of examination unless specified by any regulatory body.

E. Tabulation of Result and Issue of Transcript

All the results will be finally tabulated by the Office of the Controller of Examinations for individual student and copy of this transcript will be sent to the Registrar.

F. Course Credit System

A course is a part of subject-matter to be covered in a semester. Each course has definite credit hours; one credit hour represents one-hour lecture in theory or two hours practical in laboratory/ field during a week and extended to the period of the semester. A student will attend classes in a course and earn credit for it, only if he/she has registered for that course.

G. Registration of Courses

Following is the procedure for Registration of courses:

- i. The Dean of Faculty should notify the courses to be offered in the ensuing semester along with the teachers' name.
- ii. The Dean of Faculty should constitute a team of teachers for guidance of registration procedure to the students.
- iii. The faculty must ensure that the registration is done by the student within a stipulated period. After the due date, as notified by Registrar, registration is allowed with fine as decided by University from time to time
- iv. Any student who has not been registered for the course should not be allowed to sit in the class. Only registered students be permitted. Teachers should prepare the list of students as they register the course.
- v. Each course will have periodical examinations consisting of 1st Term, IInd Term, Practical and End Term etc. The course shall also have Quiz / Class Tests/ Assignment(s). Evaluation will be done for each of these components and marks so obtained will be added and converted to percentage of marks for further conversion to 10.0 scale system proportionally

H. Grading System and Grade Point Average

- i. Grade point in a course shall be on a ten-point scale. The grade point in a course multiplied by credit hours of that course of the student shall be the credit point of the course. Total marks and marks obtained in each paper and maximum marks will be put on the detailed marks card.
- ii. The cumulative credit points by a student in all the courses during a semester divided by total credit hours of those courses shall be credit point average in a semester and should be expressed to two decimal places. It is known as Semester Grade Point Average (SGPA).
- iii. The cumulative credit point average in all the courses for all the semesters divided by cumulative credit hours in those courses studied shall be Cumulative Grade Point Average (CGPA) and should be expressed up to two decimal places. No rounding off shall be done.
- iv. Letter grading system of UGC, New Delhi Shall be followed.

Grading System

A student is required to complete the academic requirement as per the curriculum components.

A student is awarded with Grade points and Credit points in each course registered indicating the performance of that course. The grade point structure with corresponding grade is as shown in table below:

GradePoint	10	9	8	7	6	5	0
Awards percentage	=100 & ≥90	<90 & ≥80	<80 & ≥70	<70 & ≥60	<60 & ≥50	<50 & ≥40	<40

Note: The above scheme may vary for other Programmes and courses as per their affiliating body norms.

The SGPA (Semester Grade Point Average) is an indicator of the overall academic performance of a student in the semester registered. For example, if the grade points awarded to a student are G₁, G₂..., G_m in courses (say, 1, 2, ..., m) with corresponding credits C₁, C₂, ..., C_m, the SGPA is given by

$$SGPA = \frac{C_1 G_1 + C_2 G_2 + \dots + C_m G_m}{C_1 + C_2 + \dots + C_m}$$

Similarly, the CGPA (Cumulative Grade Point Average) indicates the overall academic performance of a student in all the courses registered up to and including the latest completed semester/supplementary term. It is computed in the same manner as the SGPA, considering all the courses (say, n), and is given by

$$CGPA = \frac{\sum_{i=1}^n C_i G_i}{\sum_{i=1}^n C_i}$$

The non credit courses of respective semester is not accounted for SGPA or CGPA conversion and marked either satisfactory or Unsatisfactory.

Promotion and Progression:

A student is required to complete all prescribed courses successfully in scheme & syllabi of concerned programme and attain a minimum SGPA/CGPA of 5.0. An undergraduate student securing a grade point less than 5.0 shall be declared Lack of Success (LS) in that course. A student with LS in a course is permitted to reappear in the end semester examination of that course offered next. The minimum pass requirement thus obtained after reappearance is represented with symbol □ along with grade point in the score card. The score card would be issued to student only after scoring the minimum pass requirement in all the prescribed courses of that respective semester.

Significance of Letters		
S -Satisfactory	W-Withdrawn	LS-Lack of Success
US-Unsatisfactory	I -Incomplete	IG- incomplete Grade
NC - Non-Credit Course	R -Repeat	
Overall grades ,CGPA points and CLASS		
10	O	Outstanding
9	A+	Excellent
8	A	Very Good
7	B+	Good
6	B	Above Average
5	C	Average
0	F	Fail
0	Ab	Absent

I. Rechecking of End Term Examination

- i. Teachers to show the answer sheets of Class Tests, First and Second Mid Term Examinations conducted by them to the students and to make corrections, if any, to the satisfaction of the students. Rechecking will be only for End Term Examination of the students on payment decided by the University time to time.
- ii. In case a candidate feels that in End Term Examination, one or more of the answer(s) in his answer sheet has/ have not been evaluated or that there is an error in totaling the marks awarded to him by the examiner, he within 21 days of the issue of detailed semester mark sheet/ semester report, will apply along with the fee of Rs. 500/-per paper to the Controller of Examinations for rechecking of his/her answer sheets. If on rechecking an error is discovered, the same shall be rectified. The rechecking fee once deposited with the university will not be refunded.

J. Announcement of results

Result will be declared in marks obtained while on the backside of DMC towards the lower part the CGPA will be placed. The DMC will give the details of the minimum and maximum marks and the marks obtained by the candidate for each subject/ paper. The result of the candidate will be displayed towards the lower part of DMC.

Distinction	(75%)	CGPA 7.5 or above
First Class	(60% to 75%)	CGPA 6.0 to 7.5
Second Class	(50% to 60%)	CGPA 5.0 to 6.0

K. Unfair Means Cases (UMC)

The UMC cases found during the Examinations will be forwarded to the UMC committee set up by the Hon'ble Vice-Chancellor of the university. The Committee will fix a date for hearing the part of the student and will take a decision as per the UMC policy. The decision of the committee will be communicated to students after the approval of the Vice Chancellor.

L. Special Examination:

The Vice-Chancellor of the University will have a discretion for directing the COE with the approval of the Chancellor of the University to conduct Special Examination for the students who apply for the same in certain circumstances which may be affecting their carrier or future growth. The said may be held in Sept/Oct.

M. Grace Marks Policy:

The student can be awarded grace marks as per the policy of the University in case the students are failing in the class or remaining short for securing 1st or 2nd division.

N. Improvement in Division /class

Keeping the interests of students who have completed their Bachelor's / Master's Degree programme, but falling short of for securing 1st and 2nd Division, the University has made a provision for allowing such students to improve their performance. The improvement is permissible only in theory papers and the students will have to apply for improvement of their performance on the prescribed format to the Controller of Examination within 2 years of their completion of course.

O. Nomenclature of Degree/Diploma

The nomenclature of degree/diploma will be in-accordance with Gazette of India notification of July 05-11, 2014 for specification of degrees and amended from time to time.

5.12. Record of Examination

After the conduct of End Term and Annual Examinations the record of the Examinations conducted will be preserved for the period as per the under stated policy and will be destroyed afterward with the prior sanction of the competent authority by the COE office under the supervision of a responsible officer of the level of AR/DR either by burning or auctioning the same.

- 1) Attendance sheets: After one year of completion of examination.
- 2) Award lists of theory /Internal/External: After two year of examination.
- 3) Answer sheets: After 1 year of completion of examination except for BAMS Course where it will be 1 year of completion of Internship by the students

5.13. Appointment of Superintendent/ Deputy Superintendent to Conduct End Term Examination

To conduct the end term examinations, the Superintendent/ Deputy Superintendent appointed should be either minimum at the level of Associate Professor or Assistant Professor with Ph.D. having an experience of not less than three years.

ORDINANCE 06
APPOINTMENT OF EXAMINERS

6.1 For University Continuous And End Semester Examinations

The University continuous and end semester examinations shall be conducted by the faculty member concerned who will also decide the format of the examination after consultation and approval of the Head of the Department / Dean of School concerned.

6.2 For Award of M.Phil. and Ph.D. Degree

Examiners for M.Phil. and Ph.D. shall be appointed by the Vice-Chancellor from amongst a panel of names recommended by the School Board and considered and approved by the Academic and Board of Managements.

6.3 For University Entrance Examinations

The examiners for entrance examinations (if conducted by the University) for admission to various Programmes of the University shall be appointed by the Vice-Chancellor on the basis of the recommendations of the Deans of the Schools concerned who will also recommend the syllabus and format for the same.

However, wherever common entrance exam is conducted, the participating Universities will decide the norms of evaluation.

ORDINANCE 07
EQUIVALENCE COMMITTEE FOR RECOGNITION OF
EXAMINATIONS/DEGREES

7.1 Composition

There shall be an Equivalence Committee consisting of the following members:

- (1) Pro-Vice-Chancellor or senior most Dean - Chairman
- (2) Deans of the Schools Members
- (3) One person nominated by the Academic Council from amongst its members for a period of three years Member
- (4) Controller of Examinations - Member
- (5) Registrar - Secretary/Member

The Committee may invite a domain expert, wherever necessary to assist it in its functioning.

7.2 Functions

The functions of this Committee shall be:

1. To examine and recommend to the Academic Council equivalence of such examinations/degrees as may be referred to it from time to time including those of foreign Universities.
2. To examine and recommend to the Academic Council the withholding, suspension or cancellation/ recognition to any examination/degree for such reasons and such time as it may deem fit.
3. To report to the Academic Council on all matters, which are referred to it;
4. To consider requests for recognition of Examinations received from other Universities and Institutions and submit its recommendations to the Academic Council; and
5. to prepare a case of moving application for seeking recognition of Degrees/Diplomas and Certificates awarded by the University equivalent to the corresponding Degrees, Diplomas and Certificates of Universities and other institutions within and outside the country.

Not less than half the total number of members of the Committee shall constitute the quorum for a meeting of the Committee.

Rules of Business

The Committee shall frame the Rules of Business and lay down guidelines for consideration and approval of the Academic Council. The Academic Council may delegate any of its powers, in this behalf, to the Equivalence Committee.

ORDINANCE 8

TRANSFER OF CREDIT

This Ordinance aim at providing a framework for promoting and facilitating the Inter- university transfer and mobility of students across different Universities of India and abroad can work well. A fully evolved credit transfer scheme involves (a) transfer of credits by students of the University to other Universities/ educational institutions; and (b) acceptance of credits earned by a students from other Universities.

In the absence of a national qualification framework and credit transfer scheme, Abhilashi University can create a facilitative mechanism for transfer of credit to other Universities/educational institution by prescribing a procedure for the issue of transcript to students seeking transfer of credit.

As regards acceptance of credit transfer from other Universities, an individual University can, even in the absence of a national policy, put in place a framework and procedure for accepting transfer of credits earned by their students from other Universities. However, due safeguards will have to be put in place to ensure that the credit transfer does not lead to dilution in the quality.

This Ordinance is aimed at prescribing:

- (a) Procedure for facilitating and promoting transfer of credits earned by the students of the University to other Universities/educational institutions; and
- (b) Policy framework, procedure and conditions for accepting transfer of credits earned by a student from other Universities/educational institutions.

Facilitation for Transfer of Credits to other Universities/educational institutions

1. The University shall facilitate transfer of credits earned by its students to other Universities/educational institutions.
2. A student of the University seeking transfer of credit to other Universities/educational institutions shall submit a written request, along with the fee as prescribed by the Academic Council from time to time, to the Controller of Examination.
3. The Controller of Examination, upon receipt of such request, shall issue a complete transcript of the Courses taken by the student in the University and shall forward the application of the students to the University/educational institution concerned.

Policy and Procedure for accepting Credit Transfer from other Universities

4. The University shall have a policy of accepting transfer of credits earned by a student from the following Universities/educational institutions/research institutions:
 - a) Universities recognized under Section 12(b) of the UGC Act.
 - b) Universities that are members of the Association of Indian Universities.
 - c) Such foreign University, the Courses/Programmes of which are recognized as equivalent to those of Indian Universities by the Association of Indian Universities.
 - d) Indian Institutes of Technology (IIT)
 - e) Indian Institutes of Management (IIM)
 - i) National Institutes of Technology (NIT)
 - f) Indian Institutes of Science Education and Research (IISER)
 - g) Indian Institutes of Information Technology (IIIT)
 - h) Schools of Planning and Architecture (SPA)
 - i) All India Institute of Medical Sciences (AIIMS)
 - j) Such Indian or Foreign University/educational institution/research institution with which the University has signed an MOU for students and faculty exchange.
 - k) Any other University/ educational institution/ research institution that have been recognized and approved for the purpose of credit transfer by the Academic Council of the University.

5. Request for acceptance of transfer of credits shall:
 - a) be entertained only if received from such candidates who have been duly selected for admission in a Programme of study, as per the Rules and regulations governing admission in a the University;
 - b) have to be made by the student concerned within 10 days from the date of his/her admission in the University.
 - c) have to made in the prescribed format and along with the fees as prescribed by the Academic Council of the University from time to time.
 - d) have to be supported by such documents as may be prescribed by the Academic Council.
6. Dean of the School concerned shall be the Nodal Office for receiving and processing the request for accepting the transfer of credits. To facilitate and expedite the process, the Dean may constitute a comprising a senior faculty as chairman and two to three faculty members to process and finalise the request for acceptance of credit.
7. The maximum credits that can be accepted for transfer shall not exceed 20% of the total credits required for the completion of the Programme of study in which a student has been admitted. Only such Courses may be considered for acceptance of credit transfer, in which the student has secured at least B grade or GPA of 2 or 50% marks, as the case may be. In case if a student has earned more credits from other Universities/educational institutions/research institutions, the student may indicate his/her preference for credit transfer. However, the decision of the Dean of the School concerned in this regard shall be considered as final.
8. The credit equivalence for accepting credit transfer shall be determined as under:
 - a) for credit earned by students from Universities that have the credit system in place, a Course work requiring 10 hours of contact hours shall be considered as equivalent to 1 credit of the University; and
 - b) for Courses completed from Universities/educational institutions/research institutions that do not follow credit system but have semester system in place, a course work requiring a minimum 30 lecture hours per semester shall be considered as equivalent to 3 credits of the University; and
 - c) for Courses completed from Universities/educational institutions/research institutions that neither follow the credit system nor have the semester system, a Course work requiring formal classroom instruction/lab work of at least 3 hours per week it shall be considered as equivalent to 3 credits of the University.
9. The University may also permit its students to accumulate certain credits from other Universities/educational institutions/research institutions in full or partial fulfilment of the required Course work. In such cases:
 - a) the student shall be required to obtain prior approval of the Dean of the School;
 - b) the Courses can be undertaken only in the institutions specified in para 4 above; and
 - c) the maximum number of credits that can be accumulated by a student from other institutions shall not exceed 20% of the total credits prescribed for the successful completion of the programme of study.

ORDINANCE 09

ADVISORY SYSTEM FOR STUDENTS

- 9.1.** At the time of admission, the Dean of the Faculty of Abhilashi University shall assign an Advisor/ Mentor to each student.
- 9.2.** The Advisor/ Mentor shall help the student in planning the programme of his study and in the choice of courses. He shall also help the student in determining the load, which he can safely carry and advise him in the matter of addition or withdrawal of courses, wherever necessary.
- 9.3.** Every student shall be expected to keep constantly in touch with his Advisor/ Mentor, particularly so during the early days of session and after the announcement of the result of the mid-term/mid-trimester examinations.
- 9.4.** If an Advisor/ Mentor finds that the student is not making satisfactory progress in any course, it shall be his/ her duty to advise the student in consultation with the teacher teaching the course concerned. On the lines the student should work to make up the deficiency and if that be not possible, to advise the student to withdraw from that particular course.
- 9.5.** The Advisor/ Mentor from time to time, inform the parent/guardian about the conduct, the progress or otherwise of the student in his programme of studies and the interest taken by the student in other activities in which he may be participating.

ORDINANCE 10
CONDUCT, DISCIPLINE AND PUNISHMENT

As stipulated under Statue 37 of the Abhilashi University

10.1 All students will abide by the rules made by the University with regard to their conduct within and outside the University. The student will not indulge in any undesirable activity and act of indiscipline during his/ her entire stay in the University.

10.2 Following activities will be considered as an act of indiscipline:

- i)** Possessing, use or threat of use of any weapon.
- ii)** Keeping or using intoxicants in any form.
- iii)** Gambling in any form.
- iv)** Strike of any kind.
- v)** Boycotting of University function, programmes or activity.
- vi)** Using intemperate language.
- vii)** Recourse to violence, assault, intimidation, rioting.
- viii)** Showing any disrespect to any staff member of the University inside or outside the campus.
- ix)** Incitement to commit any act of indiscipline.
- x)** Any breach of Law of the Country/State or the Statutes/ Regulations/Rules of the University or Orders of Vice Chancellor.
- xi)** Disturbing other students in their studies in the class room/ hostel.
- xii)** Damaging any University/ Public/Private property.
- xiii)** Disorderly behavior in any form.
- xiv)** Attending, organizing meetings other than those authorized by the competent authority and participation in such meetings.
- xv)** Any other act intended or calculated to cause inconvenience, annoyance, injury or damage to any other inmate of the hostel, employee of the University or a resident of the campus, or guest and visitors to the University or member of the faculty of the University.
- xvi)** Adoption of unfair means in an examination.
- xvii)** Molestation/ eve-teasing/ abusing.
- xviii)** Hostility towards University employees.
- xix)** Misconduct inside or outside the campus of the University
- xx)** Instigation/ organization/ demonstration or disturbance of any kind including *gheraos*, lock-outs which may disrupt the convocation, examination, workshops, conferences and other functions of the University.
- xxi)** Any violation of the provisions of the Civil Rights Protection Act 1976.

10.3 For a breach of discipline, a student may be awarded one or more of the following punishments, depending on the nature and gravity of crime, by the competent authority.

- i)** The University Discipline Committee will have the power to withdraw free ship or any other concession and/or impose a fine up to Rs. 10,000/- on a student. The Discipline Committee comprises of
 - (a) Dean of Studies (Chairman)
 - (b) Dean of Student Welfare (Member)
 - (c) Dean of Faculty (Member by rotation for two years).
 - (d) Any person nominated by Vice-Chancellor.
- ii)** A group fine, up to ten times of the prevalent market rate of the value of the damage caused or Rs.20,000/- whichever is higher, to the University property by a group of students' may

- be imposed, when the Discipline Committee is of the opinion that it is not possible to fix the responsibility on an individual student. Provided that this fine may be imposed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Discipline Committee when members of the group are from different Faculties of the University.
- iii)** An official warning to the student not to repeat any act of indiscipline shall be imposed by the Discipline Committee. This will be kept in the student's personal file but not on outgoing 'Transcript'. Third official warning to a student not to repeat act of indiscipline shall automatically place the student on 'Conduct Probation'.
 - iv)** A student involved in the violation of the rules and regulations of the University or in an act of indiscipline may be placed on 'Conduct Probation' by the Discipline Committee for a specified period. During the period of 'Conduct Probation' the student shall stand debarred from representing the University in academic, sports and cultural competition etc. He will also remain suspended from any office that he/she may be holding and will not be entitled to receive any financial assistance. Another act of indiscipline during the pendency of 'Conduct Probation' may lead to 'Rustication' to be effected by the Vice-Chancellor. The act of placing a student on 'Conduct Probation' shall be recorded in the personal file and incorporated in the semester report so long as he is on 'Conduct Probation'.
 - v)** A student involved in any act of gross indiscipline or any other act likely to bring disrepute to the University may be expelled from the University by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Discipline Committee and shall be debarred from re-admission to the University. This punishment shall be entered in the 'Record File' and 'Transcript of Academic Record' of the student and shall be notified by the Registrar to all the Faculties of the University and other universities depending upon the seriousness of the matter.
 - vi)** Before awarding the punishment as laid down above, the student shall be given an opportunity to be heard in person and to explain his conduct in writing. During the pendency of enquiry, the student may be suspended from attending the classes and appearing in the examination by the Discipline Committee. In case the student does not cooperate in the conduct of the inquiry, a notice of ten days effective from the date of its issue shall be treated as sufficient opportunity given to him/ her. If the student fails to respond to this notice, expert decision shall be taken.
 - vii)** A copy of the order imposing any of the above punishment shall be sent to the parents of the student.

ORDINANCE 11

AWARD OF FELLOWSHIP, SCHOLARSHIPS, STUDENTSHIPS AND PRIZES

As stipulated under Statue 39 of the Abhilashi University

- 11.1 In order to encourage meritorious and deserving students to pursue Courses/ Programmes of studies and research in the University without great financial strain, the University shall strive to provide for adequate number of Scholarships, Fellowships, Studentships and Free-ships, for financial help, and also provide for award of Medals and Prizes.
- 11.2 There shall be instituted Scholarships in every subject to be awarded to the students of the University subject to availability of funds. Rules for award of the same will be laid down in the Academic Regulations.
- 11.3 There shall be fee concession in the form of half and full Free-ships of tuition fee in each School and teaching Departments and the same will be laid down in the Academic Regulations.
- 11.4 There shall also be a scheme of merit Scholarship, subject to availability of funds, where the first and second rank holders in every subject will be awarded Scholarship the quantum of which shall be decided by the University from time to time.
- 11.5 All types of Scholarships and Free ships shall be administered at the University level by a Committee to be constituted by the Vice-Chancellor.
- 11.6 There shall be Fellowships instituted in the University, subject to availability of funds, for studies or research as approved under the norms of UGC or other funding agencies from time to time.
- 11.7 There shall be a scheme to award medals/prizes to the meritorious students of the University and Affiliated Colleges/Institutions (wherever applicable) for their best performance in various University Examinations.
- 11.8 The University shall have power to institute endowments from time to time in accordance with the Abhilashi University Act 2014.
- 11.9 There shall also be a Committee constituted by the Vice Chancellor for administration of each endowment and to implement the objects of the endowment.
- 11.10 Detailed guidelines shall be framed from time to time by the Board of Management/ Board of Management governing the administration of Scholarships, Free-ships, Fellowships and other such endowments created in the University.

ORDINANCE 12

AWARD OF DEGREES, CERTIFICATES AND MEDALS

As stipulated under Statue 39 of the Abhilashi University

12.1 Admission to Degree Certificate and Medals

The University will award degrees under the seal of the University to the students who have successfully completed their requirements.

12.2 Approval of Degree

- i) The Vice-Chancellor shall approve the final results of the students and the Registrar shall issue PDC and Transcript of academic record on the prescribed format. It shall be open to the Vice-Chancellor to withhold the result of a student on any ground that may appeal to him.
- ii) The transcript of academic record shall contain all the courses studied and the grades secured by the student. A recently taken passport size photograph shall be affixed and embossed on the transcript of academic record.
- iii) The register for PDC and transcript of academic record shall be maintained by the Registrar on the prescribed format before issuing to a student.

The Registrar shall, after the approval of the Vice-Chancellor, report to the Academic Council the names of all students who have passed the various examinations, qualifying for admission to the degrees of the University. When the academic council has sanctioned the admission of the student to such degree, he/she shall be entitled to be admitted to that degree. The date of admission to a degree shall be the date on which the academic council has sanctioned the admission of any such student to such degree.

12.3 Admission to Degree

- i) The University convocation for the purpose of conferring degrees shall be held by the University.
- ii) In case the University is not able to hold the convocation in a particular year or the student is unable to collect the degree at the time of convocation, the degree *in absentia* will be supplied on application on the prescribed format along with the prescribed fee.
- iii) In exceptional circumstances, the Vice-Chancellor may allow to issue degree to an individual student on his request. The names of such candidates will be included in the list of candidates on whom degrees are conferred *in absentia* in the University convocation.
- iv) The University convocation shall consist of the body corporate of the University. Ordinarily, not less than three week's notice shall be given by the Registrar for all meetings of the University convocation. The Registrar shall issue a notice to each member of the convocation intimating the programme and procedure to be observed there at. The procedure to be observed at the University convocation shall be prescribed by the board of management, on the recommendation of the Academic Council.
- v) **Academic robes**

The academic dress of the convocation shall be as follows:

ACADEMIC ROBES

A	Chancellor	Gown	Blue heavy silk golden lace (3") with green silk stripes (1.5") - two on front three on sleeves, emblem on both sides
		Cap	Velvet Blue with golden tassel and golden lace
B	Pro- Chancellor	Gown	Blue heavy silk golden lace (3") with green silk stripes (1.5") - two on front three on sleeves, emblem on both sides

		Cap	Velvet Blue with golden tassel and golden lace
C	Vice-Chancellor	Gown	Blue heavy silk golden lace (2“) with green silk stripe (1.5“) - two on front and three on sleeves emblem on both sides
		Cap	Velvet Blue with golden tassel and golden lace
D	Chief Guest	Gown	Blue heavy silk golden lace (3“)
		Cap	Velvet Blue with golden tassel and golden lace
E	Chief Minister/ Ministers	Gown	Blue heavy silk with 2“ golden lace on the front folds, round the neck and on bottom of sleeves without any University monogram
		Cap	Velvet Blue mortar band with 1“ golden lace and with golden tassel
F	Members of Governing Body	Gown	Blue silk with green facing two stripes (3”)green silk on sleeve, with one emblem
		Hood	Blue velvet with green silk band and golden silk tassel
G	Registrar, Members of Academic Council & Board of Management	Gown	Blue heavy silk (2“) silver lace with green silk stripes (0.5“) - two on front and two on sleeves, emblem on both sides
		Cap	Blue velvet with silver tassel and silver lace
H	Faculty Members	Gown	Blue
		Cap	Blue with golden tassel
I	Degree Recipient	Gown	Blue
		Mortar	Blue with blue tassel
		Cap	
		Hood	Blue with yellow lining

The degree shall be issued under the signatures of the Vice-Chancellor and Registrar only.

12.4 Procedure to be observed at the University Convocation

- i) Degree recipient must appear *in person* and in the prescribed academic dress at the convocation. The degree recipient must reach at the prescribed place well in time notified by the Registrar and must attend the rehearsal, which shall be arranged on or before the day of convocation. The degree recipient shall be seated at the specified places and during the course of ceremony shall maintain the dignity and decorum of the ceremony.
- ii) The members who are to form the academic procession will assemble in the robing compartment at the time fixed for the purpose. The members of the academic procession will wear their academic robes and attend the rehearsal at the specified time and place. The Chancellor along with the Chief Guest will be received by the Vice Chancellor and the Registrar. In case of the inability of the Chancellor to attend the convocation, the Vice-Chancellor and the Chief Guest shall be received by the Dean of Studies and the Registrar. The Chancellor and the Chief Guest will move to the robing compartment and be enrobed.
- iii) The Vice Chancellor will introduce the members forming the academic procession to the Chancellor and the Chief Guest.
- iv) The academic procession will walk in rows of two led by the Registrar. The procession will be in the following order:
 - a) Registrar
 - b) Professors (Junior to Senior in rows of two.
 - c) Deans –Alphabetically reverse.
 - d) Members of Academic Council.
 - e) Members of Board of Management.
 - f) Members of Governing Body and Member of Private Education Regulatory Commission.

- g) Vice Chancellor
 - h) Guest of Honour
 - i) Chancellor and Chief Guest
 - j) ADC (if any)
- v) On the procession entering the hall, the assembly shall rise and remain standing till the academic procession is seated. The Chancellor, the Vice-Chancellor and the Chief Guest/ Dignitaries shall be seated in the front row on the dais. The Chancellor shall be seated in the centre of the front row and on his left will be seated the Vice-Chancellor and on his right the Chief Guest. Any other Dignitary present shall sit on the side of Chief Guest. Professors will sit in the last row on the dais followed by members of the academic council, board of management and governing body. ADC and the Registrar shall sit just behind the Chancellor and the Vice-Chancellor respectively.
- vi) The proceedings of the convocation will commence with ‘Saraswati Vandana’. During Saraswati Vandana, the assembly shall rise, remain standing and sit only when Vandana is over.
- vii) The Chancellor, if present, will declare the convocation open. In the absence of the Chancellor, the Vice Chancellor will declare the convocation open. The Vice-Chancellor/ Registrar will say, “Mr Chancellor, I request you to declare the Convocation Open”.
The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “I declare the Convocation Open”.
- viii) The Vice-Chancellor will read out his report.
- ix) The Registrar will then request the degree recipients to rise on their places to receive the exhortation.
The Vice-Chancellor will then give his exhortation to the degree recipients. After receiving the exhortation from the Vice-Chancellor, the degree recipients will resume their seats.
- x) The Chancellor/ Vice-Chancellor will then say, “Let the candidates be presented”.
The Chancellor/ Vice-Chancellor will then confer the degrees upon the candidates in accordance with prescribed procedure in the following order:
- a) Doctor of Philosophy
 - b) Master of Philosophy
 - c) Postgraduate
 - d) Undergraduate
- xi) Each category of degree shall be awarded school-wise in alphabetical order. The Dean of Faculty, or in his absence, the senior-most member of the faculty will present the candidates. All the presentees will stand when the concerned Dean presents him/her/them to the Chancellor/ Vice-Chancellor for the degree and will remain standing at his/her/their places till he/her/they are admitted to the degree.
- xii) The Dean of Faculty will say, “Hon’ble Chancellor/ Vice-Chancellor, I present to you (Names *in person* of degree recipients) who has/ have successfully completed the requirements for the degree of.....to which degree, I pray, he/she/they may be admitted”.
- xiii) The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “By virtue of the authority vested in me as Chancellor/Vice-Chancellor of this University, I admit you to the degree of....., authorize you to wear the robes ordained as the insignia of this degree, and charge you to prove worthy of the same”.
- xiv) The Dean of Faculty will say, “Hon’ble Chancellor/ Vice-Chancellor, (Names *in absentia* of degree recipients) has/ have successfully completed the requirements for the degree ofto which degree I pray, he /she/ they may be admitted *in absentia*”.
- xv) The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “By virtue of the authority vested in me as Chancellor/ Vice-Chancellor of this University, I admit these candidates to the degree

of.....*in absentia* and authorize him/ her/ them to wear the robes ordained as insignia of this degree, and charge him/ her/ them to prove worthy of the same”.

- xvi) After the conferment of the degrees, the recipients of degrees will receive their degrees *in person* from the Chancellor/ Vice-Chancellor. They will proceed to the *dais*, will stay one step below the Chancellor/ Vice-Chancellor, receive the degree, bow and resume their seats.
- xvii) The Dean of the Faculty shall then call the recipients of certificate of merit. He/she/they shall stand before the *dais* and the Dean will say to the Chancellor/ Vice Chancellor.

“*Sir, I seek permission to present Certificate of Merit recipient(s).*”

The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “Let him/ her/ them be presented”.

- xviii) The candidates will then proceed to the *dais*, will stay one step below the Chancellor/ Vice-Chancellor, receive the certificates of merit, bow and resume his/her/ their seats.
- xix) The Registrar shall then call the recipient(s) of University Gold Medal(s). He/she/they shall stand before the *dais* and the Registrar will say to the Chancellor/Vice-Chancellor.

“*Sir, I seek permission to present the Medalist(s).*”

The Chancellor/ Vice Chancellor will say, “Let him/ her/ them be presented”.

- xx) The name(s) of the Medalist(s) and Medal(s) will be read out by the Registrar. The candidates will proceed to the *dais*, will stay one step below the Chancellor/ Vice-Chancellor, receive the medals, bow and resume his/her/ their seats.

- xxi) The Chancellor/ Vice-Chancellor will introduce the Chief Guest and request him/her to deliver the convocation address.

Chief Guest will address the convocation.

- xxii) The Vice-Chancellor/ The Dean of Studies will then offer thanks on behalf of the University. The Vice-Chancellor/ Dean of Studies will then say, “Mr Chancellor/ Mr. Vice-Chancellor, I request you to declare the Convocation Closed”.

The Chancellor/ Vice-Chancellor will say, “I declare the Convocation Closed”.

- xxiii) The assembly shall rise and the proceedings of the convocation will end with the singing of “National Anthem”. The assembly shall remain standing till the academic procession led by the Registrar has taken departure in the following order:-

Registrar

Chancellor
ADC
Guest of Honour
Vice-Chancellor
Members of governing body
Members of board of management
Members of academic council
Teachers

12.5 Honorary Degrees

Abhilashi University (“the University”) may award honorary degrees i.e. (Ph.D, D.Lit& D.Sc.) on a selective basis to distinguished individuals (“Candidates”) who merit special recognition for outstanding achievement or leadership in a field or purposes of the University. This policy sets forth the following standards and procedures for granting honorary degrees.

12.6 Equivalence of Degree of other Universities/ Institutions/ Deemed Universities

- i. The equivalence of an examination of any board or institution deemed university or university established by law in India or of a foreign university or of any other examination with corresponding examination of our University, with or without any condition, shall be determined by the academic council on the advice of the Board of Studies.
- ii. The Registrar shall from time to time initiate action to have the degrees of our University recognized from the other universities.
- iii. All cases for ascertaining equivalence of degree of our University with the corresponding degree of other university or vice-versa shall be recommended by the following committee before its approval by the Vice Chancellor of the University:
 - a) Dean of studies – Chairman
 - b) Dean of Faculty – Member
 - c) Head of the concerned Department – Member

ORDINANCE 13

AWARD OF GOLD MEDALS

13.1. Gold Medal

The Gold Medals shall be decided every year and awarded in Academics in the annual convocation of the University.

13.2 Criteria for deciding Gold Medal in Academics

Any student securing the highest CGPA but not less than 8.00 (or 80% in Ayurveda) within the prescribed normal duration. The student must have passed each course of the programme in the first attempt. The Gold Medals are awarded in each programme (discipline).

13.3 Process for Selection of Students

The process of selection of students for the award of Gold Medals shall be initiated by the Dean of Faculty/Registrar of the University.

13.4 Academic Year for Gold Medal

The medal shall be awarded batch-wise on the successful completion of the programme within the prescribed normal duration.

13.5 Bracketed Cases

In case two or more candidates obtain the same highest CGPA (%age in Ayurveda), the candidate with the highest number of grades earned amongst them shall be entitled for Gold Medal. If more than one person have earned the same overall grade point as also the same number of credits, the youngest of them shall be awarded the gold medal.

13.6 Conduct for Gold Medal

A student who has been on 'Conduct Probation', 'Rusticated' or 'Expelled' shall not be considered for the award of the Gold Medal. A student who has indulged in an act of indiscipline throughout the stay in the University, shall not be eligible for the award of the gold medal.

13.7 Description of the Gold Medal

The Gold Medal shall be made of 9 carat gold weighing 15 to 20 grams. On its one side the insignia of the University and on the other the name of the student, programme and year of completion shall be inscribed.

ORDINANCE 14 HOSTEL RULES

14.1 Hostel Administration

Every hostel will have a Warden, who will be responsible for the administration of hostel and for enforcement of the hostel rules. The Warden will be appointed by the Vice Chancellor on the recommendation of the Dean Students Welfare from amongst the teachers, normally for a term of 2 years or a full time warden/ Hostel Staff may be appointed.

The Warden will be entitled to honorarium as prescribed from time to time by the University. The Warden will have the following responsibilities:

- i. He/ She will be responsible for the allotment of hostel rooms in accordance with the hostel rules and for the maintenance of discipline in the hostel.
- ii. He /She will be responsible for administration of the staff placed under him/ her. He will report to the Dean Students Welfare for disciplinary action, for dereliction of duty or negligence or misbehavior on the part of his/her staff.
- iii. He/ She will report to the Medical Officer all cases of illness or accidents and ensure that the students concerned get proper medical care. He/ She will also inform the Dean Students Welfare of all such cases.
- iv. He/ She will inspect the kitchen, dining room, common room and other facilities, etc. regularly and when any defect is noticed, he will get it set right by his/her staff. If the defect is such as cannot be remedied by his/her staff, he/she will report to the Estate Officer (Site Incharge) under intimation to the Dean Student Welfare;
- v. He/ She will appoint the prefect of the hostel as prescribed in the relevant rules and supervise their work;
- vi. He/ She will ensure that no un-authorized person stays in the hostel and will issue permits for the stay of guests;
- vii. He/ She will, with the help of staff, check the un-authorized use of electrical appliances.
- viii. He/ She will be responsible for the proper organization and conduct of hostel functions, festivals, etc.
- ix. Within the hostel, the Warden will report to the Dean Students Welfare for the maintenance of discipline and good behavior and will keep the Dean informed of all acts of indiscipline and misbehavior and the action taken by him/her. Where the Warden is of the view that a punishment should be imposed heavier than that what he/she is competent to award, he/she will report the case to the Dean Students Welfare with his/her recommendations and the Dean Students Welfare may then pass an order as he/she may deem fit.

14.2 Warden's Powers of Disciplinary Action

- i. The Warden will have the authority to enter the room of any student and also make a search of the room, when necessary. He/ She will also have the authority, when the need arises, to break-open the lock of any room and also to shift the belongings of a student to any other place.
- ii. The Warden will have the authority to confiscate any un-authorized electric or other appliances or gadgets being used by a student and also to impose or recommend the imposition of a fine for such un-authorized use.
- iii. Subject to the instructions that may be issued from time to time by the Dean Students Welfare, the Warden will make allotment/ re-allotment of rooms in his/her hostel and such allotment shall be final.

14.3 Dean Students Welfare's Powers of Disciplinary Action

- i. The powers for taking disciplinary action against the hostel students by the Dean Students Welfare will be as under, the punishment depending on the nature and severity of the offence:
- ii. Warning
- iii. Fine.
- iv. Expulsion from the hostel on gross negligence/ indiscipline
- v. Removal/ debarring from part-time employment
- vi. To recover the cost of the damaged property of hostels from defaulters.
- vii. Imposition of a security deposit which might be confiscated at the discretion of Dean in the event of the student being found guilty of indiscipline, which will include misbehavior.
- viii. Rustication from the School of the University (subject to the procedure laid down in the academic regulation)
- ix. Expulsion from the School of the University (subject to the procedure laid down in the academic regulation)

14.4 Students Residences

The admission and allotment of rooms in the hostel shall be on the basis of merit subject to availability of rooms. At the time of admission/ registration, all students who wish to reside in the university hostel shall apply in the prescribed form, to the Dean Students Welfare, for admission to a hostel. After allotment of the hostel, student shall deposit the requisite fee in the office of concerned Dean Students Welfare immediately; otherwise the allotment shall be cancelled. However, an in-service student after joining the duty will not be entitled to hostel accommodation.

14.5. Allotment of rooms

- i. Primarily the merit will be taken into consideration for the allotment of rooms.
- ii. Allotment of rooms will be made on a date to be announced by the Warden. Students must be personally present at the time of allotment;
- iii. Dormitories will normally be allotted to the students of the same class.
- iv. No hostel resident will change his room without the permission of the Warden. Normally, no change of room will be permitted after the general allotment. In case seat(s) falling vacant during the semester, the desirous students may apply for admission to the hostel according to the procedure laid down above.
- v. After the allotment of room at the beginning of each subsequent semester, the Warden will send to the Dean Students Welfare, a list of the students staying in his hostel, mentioning room number against each name, indicating category of the room.
- vi. The Dean Students Welfare reserves the right of refusing admission to any student, whose admission in his opinion, is not in the interest of hostel discipline.

14.6. Hostel Committee

- i. Every hostel will have hostel committee consisting of the Warden, who will be the Chairman, prefect(s), common room secretary and mess manager(s).
- ii. The hostel committee will meet atleast once every month or often if necessary on dates to be approved by the Warden.
- iii. The Warden will consult this committee on all matters relating to the welfare of the hostel residents, maintenance and management of the common room, kitchen, canteen, purchase of news-papers and magazines, organization of functions, etc.

- iv. The Warden will communicate to the Dean Students Welfare the proceedings of all the meetings, drawing his/her attention to the grievances or difficulties experienced by the students and to their complaint or suggestions so that these may be attended to promptly.

14.7. Conduct and Discipline

- i. Students will maintain perfect discipline, harmony and a peaceful atmosphere in the hostel.
- ii. A student may be fined or expelled from the hostel or rusticated or expelled from the University or subject to other suitable punishment, depending on the circumstances, by the authority competent to impose such penalty for the following reasons:
 - a) Misbehavior of any kind, including disrespectful conduct towards the officials and fellow residents;
 - b) Testing, maltreating or indulging in any sort of ragging of newly admitted student;
 - c) Stealing or pilfering hostel property or the property of other students;
 - d) Unruly conduct or rowdism.
 - e) Writing on the walls or other parts of the hostel buildings or sticking of posters or distribution of un-authorized handbills or notices;
 - f) Making noise and/ or creating other disturbances, including the use of electronic gadgets etc., in such manner as to disturb others;
 - g) Participating or causing others to participate in strikes, demonstrations or disturbances of any kind or behaving or causing others to behave in such a way so as to bring the hostel/ school/ University into disrepute;
 - h) Convene/ organize/ attend unauthorized meeting within the hostel;
 - i) Indulging in political and communal activities;
 - j) Non-payment of hostel/ mess dues in time;
 - k) Gambling in the hostel premises;
 - l) Keeping lethal weapons or poison;
 - m) Keeping or consumption of intoxicating drinks or drugs;
 - n) Entertaining unauthorized guests;
 - o) Breach of any of the hostel rules.
 - p) Provided that where a student has been found guilty of having grossly misbehaved with a member of the faculty or other employee of the University, the minimum, punishment shall be expulsion from the University.
- iii) No student will keep gold or costly jewelry in his/ her room.
- iv) No meeting other than those authorized by the Warden shall be held in the hostel premises.
- v) While visiting the common room, dining hall and the canteen, the students shall be in proper dress.
- vi) Students will use or handle with care all belongings of the hostel. When a student is found guilty of damaging the hostel property, the Warden may recover the cost of repair or replacement and in addition, also impose a fine or recommend the imposition of a fine depending on the circumstances. The amount, thus, realized shall be credited to the hostel maintenance fund.
- vii) All rooms in the hostel will be opened for inspection by the Warden/ Dean Students Welfare at any time during the day or night.
- viii) Students shall not abuse, maltreat or assault hostel employees.
- ix) All dealings of students with fellow students and others should be courteous. Quarrels or disputes with fellow-students should be avoided. Students shall not, under any circumstances, take the law in their own hands but report such cases in writing to the Warden.

14.8 Electricity charges/ Gadgets

- i. Electricity bulbs are not supplied by the University. Students should bring their own bulbs.
- ii. The use of electric rods, kettles, heaters and other appliances without the prior permission of the Warden is strictly prohibited. Unauthorized use is punishable by confiscating the appliances/ gadgets and/ or a fine.
- iii. Tempering with the electric installations shall be treated as a serious offence. When there is need for carrying out repair, the electrician should be called in.
- iv. Students must switch off light when not in use.

14.9. Furniture and Equipment

- i. Students will keep their rooms neat and tidy and shall be responsible, jointly and individually, for the furniture issued to them and for the fittings present in their rooms at the time of occupation. If a student observes any damage or defect in the furniture issued to him or in the permanent fittings in his room or finds anything missing at the time he occupies the room, it will be his duty to bring it to the notice of the Warden, failing which it will be presumed that everything was in order at the time of his occupation.
- ii. Furniture shall not be removed from one room to another. The furniture belonging to the common room, the dining hall, the hostel office or the hostel guest room shall not be taken out or brought into the living rooms.
- iii. When the student vacates his room before the summer break or after withdrawal or expulsion, he /she shall return to the Warden all hostel furniture or other property.

14.10. Roll-Call

- i. The roll-call will be taken by the warden at the time notified by the authorities. Every student must be present in his/her room to avoid inconvenience to the prefect at the time of roll-call.
- ii. A student found absent at the time of roll-call, without making an entry in the register, shall be liable to a fine of Rs.100/- per absence. The fine list shall be put up on the notice board at the end of each month.
- iii. No hostel resident shall stay outside the hostel for the night without the written permission of the Warden. The student who wishes to go out of the hostel must make the following entries in the register kept for the purpose with the chowkidar.
 - a) Date
 - b) Name
 - c) Room number
 - d) Time of leaving the hostel
 - e) Reason for leaving the hostel and
 - f) Probable time of return
- iv. Absence from the hostel during the night without prior permission of the Warden will be deemed to be an act of indiscipline and punished accordingly. Where a student is found to be guilty of such an offence too often, the Warden may recommend his/her expulsion from the hostel.

14.11. Leave rules

- i. Leave for the absence from the School of the University shall not automatically entitle a student to leave the hostel without the prior permission of the Warden. When a student wishes to leave the hostel for one or more days or nights, he/she may apply to the Warden in writing and get his /her permission.
- ii. Leave should be got sanctioned before it is availed of.
- iii. A student absenting himself/herself from the hostel, without getting his/her leave sanctioned may be subjected to a fine of Rs. 200/-minimum per day or other disciplinary action.

14.12. Guests

- i. No student shall keep a guest in his/ her room.
- ii. Normally, parents or close relatives coming from far off places will be permitted to stay as guests in the University guest house on payment of charges subject to availability of accommodation which will be provided on the recommendation of the concerned Hostel Warden/ Dean Students Welfare.
- iii. Names of the guests visiting the hostel will be entered in the guest register maintained in the hostel for this purpose.
- iv. No lady shall be allowed to stay as a guest in the boys' hostels and no gentleman shall be allowed to stay as a guest in the girls' hostels.
- v. A student keeping a guest in the hostel without permission shall be liable to disciplinary action.
- vi. In every hostel, there shall be a visitor's room where all the residents can meet their guests/ visitors.
- vii. No visitor will be allowed to see the girl residents before and after the notified visiting hours. However, in case of emergency, the parents /guardians of girl residents can visit wards with the permission of the Hostel Warden.

14.13. Withdrawal/removal from hostel & vacation of Hostel room before break

- i. A resident desiring to withdraw from the hostel, shall submit an application on the prescribed form to the Warden after having cleared all hostel dues.
- ii. Before permitting a student to withdraw from the hostel the Warden shall ensure that he/she has:
 - a) cleared all his/ her hostel dues;
 - b) returned all hostel property issued to him/ her in good condition; and
 - c) cleared all his/ her dues including fines, to the mess of which he/she is a member.
- iii) Even though a student might have actually vacated his/ her room, he/she will be liable to pay all hostel and mess dues and fines standing against his/ her name upto the date he/she continues to be on the rolls of the hostel and until his/ her name is formally withdrawn with the permission of the Hostel Warden.
- iv) No student shall be allowed to stay in the hostel if his/ her hostel and mess dues are in arrears for more than a month.
- v) Where a student has left the hostel, whatsoever reason without clearing his/ her dues to the hostel, the Dean Students Welfare may effect the recovery of the outstanding dues from the security deposits. In case the outstanding amount exceeds the amount of deposit the matter shall be reported by the Dean Students Welfare to the Registrar, who will withhold the result or issue of a provisional degree certificate, transcript or degree till the balance is paid by the student.
- vi) All students shall ordinarily vacate their rooms before the commencement of each break and hand over to the Hostel Warden, furniture and other property issued to them.
- vii) The competent authority shall have the power to add to these rules or delete or amend any of the existing rules from time to time.

14.14. Mess Rules

- i. Messes are run to cater to the needs of the boarders of the hostels.
- ii. Timings for meals will be announced by the Hostel Warden/ mess manager from time to time in consultation with the students' mess committee and a notice in this respect will be put on the hostel notice board and dining hall.
- iii. No boarder except the member of mess committee will enter the kitchen.

- iv. In case of a special cooking, permission of the Hostel Warden is necessary. All the students should take their meals in the dining hall.
- v. Room service is prohibited, except in genuine cases with the permission of the Hostel Warden.
- vi. No one is allowed to take the mess crockery and utensils etc., out of the kitchen and dining hall. Defaulters will be liable to be fined.
- vii. Cooking in the rooms is strictly prohibited. Non-observance of this rule will entail heavy punishment.
- viii. All the complaints and suggestions regarding the mess must be made to the Warden direct or through the mess manager/ prefect.
- ix. The Vice Chancellor shall have the power to add or delete or amend any of the existing rules from time to time.

ORDINANCE 15

RAGGING

As stipulated under Statue 38 of the Abhilashi University

15.1 Ragging

- i) Any conduct by any student or students whether by words spoken or written or by an act which has the effect of teasing, treating or handling with rudeness a fresher or any other fellow student, or indulging in rowdy or indiscipline activities by any student or students which causes or is likely to cause annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear of apprehension thereof to any fresher or any other fellow student or asking any student to do an act which the student will not in the ordinary course do and which has the effect of causing or generating a sense of shame, or torment to embarrassment so as to adversely affect the physique or psyche of such fresher or any student, with or without an intent to derive a sadistic pleasure or showing off power, authority or superiority by a student over any junior or any other fellow student, in the University in accordance with the UGC guidelines and the Himachal Pradesh Educational Institutions (Prohibition of Ragging) Act, 2009 brings forth with the academic regulations for curbing the menace of ragging and for the healthy development, physical and psychological, of all students of the University.
- ii) Ragging means any act, conduct or practice by which dominant power of senior students, former students or outsiders, is brought to bear on students freshly enrolled or students who are in any way considered junior by other students and includes individual or collective acts or practices which:-
 - a) Involve physical or psychological assault or threat or use of force or wrongful confinement or restraint; or
 - b) Violate the status, dignity and honor of such students; or
 - c) Expose students to ridicule and contempt and affect their self-respect; or
 - d) Entail verbal abuse and aggression, indecent gestures and obscene behavior.
- iii) No person will practice ragging in any form, within or outside the premises of the University.
- iv) Any person, who contravenes the above provision, will, on conviction, be punished as per the law in force.
- v) Every offence of ragging will be non-bailable and non-compoundable with the permission of the Court.
- vi) The anti-ragging committee of the University will take an appropriate decision with regard to punishment or otherwise, depending on the facts of each incident of ragging, and nature and gravity of the incident of ragging established in the recommendations of the anti-ragging squad.
- vii) The anti-ragging committee may, depending on the nature and gravity of the guilt established by the anti-ragging squad, award, to those found guilty, one or more of the following punishments:
 - a) Cancellation of admission;
 - b) Suspension from attending classes
 - c) Withholding/withdrawing scholarship/ fellowship and other benefits
 - d) Debarring from appearing in any test/examination or other evaluation process
 - e) Withholding results
 - f) Debarring from representing the University in any regional, national or international meet, tournament and youth festival, etc.
 - g) Suspension/ expulsion from the hostel
 - h) Expulsion from the University and consequent debarring from admission to any other institution.

- i) Fine up to of Rs. 50,000/-
 - j) Collective punishment: When a group of students committing or abetting the crime of ragging are not identified, the University will resort to collective punishment as a deterrent to ensure community pressure on the potential raggers.
- viii) On receipt of any information concerning any reported incident of ragging, the Vice-Chancellor shall immediately determine if a case under the penal laws is made out and if so, either he or through a member of the anti-ragging committee authorized by him on his behalf, proceed to file a first information report (FIR), within twenty four hours of receipt of such information or recommendation, with the police and local authorities, under the appropriate penal provisions relating to one or more of the following:-
- a) Abetment to ragging
 - b) Criminal conspiracy to rag
 - c) Unlawful assembly and rioting while ragging
 - d) Public nuisance created during ragging
 - e) Violation of decency and morals through ragging
 - f) Injury to body, causing hurt or grievous hurt
 - g) Wrongful restraint
 - h) Wrongful confinement
 - i) Use of criminal force
 - j) Assault as well as sexual offences .
 - k) Extortion
 - l) Criminal trespass
 - m) Offences against property
 - n) Criminal intimidation
 - o) Attempts to commit any or all of the above mentioned offences against the victim(s)
 - p) Threat to commit any or all of the above mentioned offences against the victim(s)
 - q) Physical or psychological humiliation
 - r) All other offences following from the definition of “Ragging”
- Provided further that the University will also continue with its own enquiry initiated under the regulation and other measures without waiting for action on the part of the police/ local authorities and such remedial action shall be initiated and completed immediately and in no case later than a period of seven days of the reported occurrence of the incident of ragging.
- In case FIR is lodged, on conviction, the student/ students can be punished with imprisonment for a term which may extend to three years or with fine which may extend to fifty thousand rupees or both.
- ix) Mechanism for Prevention and Enforcement
- a) Sensitization Programme: The sensitization programme intends to monitor and facilitate personal growth of students and create awareness on the part of parents and teachers for the overall development of the student.
 - b) The parents of the senior students should be made aware that the ragging is a non-bailable, non-compoundable offence and in case their ward is found indulged in ragging there is a provision of punishment such as fine, rustication from the hostel/ University, lodging FIR and also rigorous imprisonment from one year to three years or a fine which may extend to rupees fifty thousand or both, keeping in view the severity of offence.
 - c) In the beginning of the academic session, pamphlets/ posters indicating instructions/ punishment of ragging must be displayed in the students’ hostels, schools, library and other vulnerable places.
 - d) All the students will fill the online anti-ragging form.

- x) The Vice-Chancellor shall constitute an anti-ragging committee and anti-ragging squad consisting of teaching, non-teaching and senior students at University level in the beginning of the academic session. The committee and squad will meet in the beginning of the academic session and work out the modus operandi to sensitize the students to prevent ragging. They will be answerable to the Vice-Chancellor for any ragging in the University.
- xi) The orientation of fresher, senior students, teaching and non-teaching staff be arranged in the University in which the Vice-Chancellor and Dean Students Welfare will address the students to sensitize them about what constitute ragging, measures to prevent ragging and punishments as per provisions of the academic regulations.
- xii) Whenever any student or, as the case may be, the parents or guardian or a teacher of the University or an officer-in-charge makes a complaint, in writing, of ragging to the Vice-Chancellor, the Vice-Chancellor shall, without prejudice to the foregoing provisions, within twenty four hours of the receipt of the complaint, enquire into it and, if, prima facie, it is found true, suspend the student found guilty.
- xiii) Where, on enquiry by the Vice-Chancellor, it is proved that prima facie there is no substance in the complaint; he shall intimate the fact, in writing, to the complainant.
- xiv) Any student convicted of an offence of ragging shall be expelled from the University.

ORDINANCE 16

EMPLOYEES AND STUDENTS' GRIEVANCES REDRESSAL COMMITTEE

There shall be constituted a Mechanism for the redressal of the grievances of Employees and Students of the University.

1) Unless otherwise mentioned:

- a) Student means all students who are registered for a Programme of study in any Faculty/ School / Centre / Department / College or Campus maintained by the University.
- b) Employee means any person appointed by the University and includes teachers and other staff of the University.

2) The Grievances Committee shall observe the following general principles:

- a) The Campus Community should be made fully aware of the grievance redressal mechanism;
- b) Every grievance from the student/staff should be registered and acknowledged;
- c) If a final decision is not possible within a fortnight, an acknowledgement should be sent to the applicant along with an indication as to when he/she can expect a final reply;
- d) As a matter of general rule no grievances should be pending beyond the limit of three months;
- e) The officer nominated by the Vice Chancellor and the person responsible for addressing grievances should make himself/herself freely available to hear the grievances personally, at least once a week at fixed timings; and
- f) He/she will take decisions on grievances which are pending for more than three months. Aggrieved parties who are not satisfied with redressal in subordinate/attached formation can approach the Vice Chancellor for a decision.

3) Students Grievance Redressal Committee

- a) Chairman: The Pro Vice-Chancellor or such other person to be nominated by the Vice-Chancellor.
- b) Members: 3 Representatives of Students' Council. 3 Nominees of the Vice Chancellor. Dean of Students' welfare, Member-Secretary. Dean of the School concerned (special invitee)

4) Powers and Functions

- a) To entertain written and signed complaints and petitions of students in respect of matters directly affecting them individually or as a group;
- b) to enquire into the grievances, and make recommendations and report to the concerned authorities Academic Council and Board of Management for redressal or suitable action; and
- c) to recommend appropriate action against complainant, if allegations made in the documents are found to be baseless.

5) Teachers' Grievances Committee

There shall be constituted a Committee by the **BOM** consisting of the following:

- a) A representative of the Vice Chancellor as Chairman
- b) Five representatives from the teacher's community representing gender, minority, SC, ST, OBC.
- c) Vice Chancellor's nominee shall be the Secretary to the Committee.

6) Powers and Functions

- a) to entertain written and signed complaints and petitions of teachers in respect of matters directly affecting them individually or as group;

- b) to enquire into the grievances, and make recommendations and report to the concerned authorities-Academic Council and Board of Management for redressal or suitable action; and
- c) to recommend appropriate action against complainant, if allegations made in the documents found to be baseless.

7) Non-Teaching Staff Grievances Committee

This committee consists of the following:

- a) The Chairman - to be nominated by the Vice Chancellor.
- b) Five representatives from the non-teaching community representing gender, minority, SC, ST, OBC.
- c) The Registrar or his nominee shall be the Member- Secretary of the Committee.

8) Powers and Functions

- a) to accept and consider written and signed complaints and petitions of staff (Non- Teaching) in respect of matters directly affecting them individually or as a group;
- b) to enquire into the grievances, and make recommendations and report to the concerned authorities-Academic Council and Board of Management for redressal or suitable action; and
- c) to recommend appropriate action against complaints, if allegations made in the documents found to be baseless.

ORDINANCE 17

SENSITIZATION, PREVENTION AND REDRESSAL OF SEXUAL HARASSMENT

Gender equity, including protection from sexual harassment and right to work with dignity is universally recognized basic human right. Eradication of social evils has been the prime aim of Constitution of India. Article 15 of the Constitution of India prohibits discrimination on grounds of religion, race caste, sex, or place of birth. Article 42 makes provision for securing just and human conditions of work. Article 51-A(e) makes it incumbent on every citizen to promote harmony and spirit of the common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic, and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women. India is also a signatory to the convention on the “Elimination forms of discrimination against women.” Resultantly, the Abhilashi University hereby introduces and enforces Ordinance titled “Sensitization, Prevention and Redressal of Sexual Harassment.”

1) Bodies of SPARSH:

SPARSH shall include the Apex Body of SPARSH (ABS) and the University Complaints Committee (UCC). The ABS shall aim to sensitize and work to prevent sexual harassment in the University. The UCC shall consider complaints regarding sexual harassment, and will conduct enquiries, suggesting suitable action.

2) Functions, Powers and Duties of ABS:

- a) To uphold the commitment of the Abhilashi University to provide campus environment free of gender-based discrimination, sexual harassment and other acts of gender-based violence.
- b) To promote a social and psychological environment which will raise awareness about gender based discrimination and prevent sexual harassment and other acts of gender- based violence.
- c) To generate awareness about gender-based discrimination, sexual harassment and other acts of gender based violence.

3) Functions, powers and Duties of UCC:

- a) To fulfill the directives of the Supreme Court enjoining all employees to develop and implement a policy against sexual harassment at the workplace.
- b) To evolve a permanent mechanism for prevention and redressal of gender based discrimination, sexual harassment and other acts of gender based violence.
- c) To ensure that the provisions of the ordinance are implemented in letter and spirit through proper reporting and redressal of the complaints.

4) Operational Definitions:

- a) **Sexual harassment:** This shall include such unwelcome sexual behaviour (whether directly or by implication) as:
 - Unwanted physical contact and advances
 - A demand or request for sexual favours
 - Sexually coloured remarks
 - Displaying pornography
 - Any other unwelcome physical, verbal or non-verbal conduct of sexual nature
- b) **Academic staff:** This shall include any person on the staff of the University who is appointed to a teaching and/or research post, whether full time, temporary, ad-hoc, part time, visiting, honorary, or on special duty, or employees on a casual or project basis.

- c) **Campus:** This includes all the places vested, controlled and/or administered by the Abhilashi University.
- d) **Non-governmental Organization (NGO):** This shall include any NGO registered under the Societies Registration Act or is a Public Charitable Trust. Such an NGO should be engaged in work connected with gender equality.
- e) **Counsellor:** This shall include any women from among the staff, who has expertise in social and personal counseling on matters arising out of incidents of sexual harassment.
- f) **Non-teaching staff:** This shall include any person on the staff of the university who is not appointed to a teaching and/or research post, whether full time, temporary, ad-hoc, part time, on daily wages, on honorary or on special duty, or deputation, and shall include employees on a casual or project basis.
- g) **Resident:** This shall include any person who is a temporary or a permanent resident occupying any accommodation or premises managed and/or allotted by the Abhilashi University.
- h) **Service provider:** This shall include any person who runs or manages commercial enterprises, or provides services on the campus.

5) Constitution of ABS:

The ABS committee shall consist of the following members, who will be nominated by the Vice-Chancellor:

- a) The chairperson, a women nominated by the Vice-Chancellor, Abhilashi University from amongst the faculty members.
- b) Five members representing various Schools/Departments/Centers of the University, of which at least three shall be women.
- c) Two students representatives of which at least one be girl student (names to be proposed by Dean, Student Welfare for Vice-Chancellor's approval).
- d) Two members from the non-teaching staff, of which at least one should be women.
- e) One woman NGO representative.
- f) One woman counselor.

6) Constitution of UCC:

The Vice-Chancellor shall nominate the members of UCC from among the members of the Apex Committee. It shall comprise of the following.

- a) Five (at least three women) teacher representatives.
- b) One non-teaching staff representative of the University.
- c) One person, with known contribution to women's issues, to be co-opted from outside the University, who could be an NGO representative.
- d) The Chairperson shall be elected from amongst the above-mentioned members who are full time employees of the University.
- e) One Member-Secretary shall also be elected from amongst the above-mentioned members who are full time employees of the University.

7) Term of Office of Chairperson and Members of ABS and UCC:

- a) The chairperson and members shall hold office, as such, for a term of two years from the date on which they assume office.
- b) Provided that no chairperson or any member shall hold office for more than two terms.

8) Vacancy of the Office of Chairperson or Members of ABS/UCC:

If the office of the chairperson or any other members becomes vacant, or if either of them remains absent without written intimation for three consecutive meetings, or for two months, whichever is

more, another member may be appointed to fill in the vacancy. The new chairperson/member shall be nominated by the Vice-Chancellor.

9) Procedures for Transaction of Business of ABS:

- a) The ABS will hold at least five meetings/programmes in an academic year, with not more than 2 months gap between the two meetings.
- b) Proceedings of all the meetings shall be recorded, confirmed and adopted by ABS members.
- c) Any member may request the chairperson to call an emergent meeting of the ABS for which at least 24 hours advance notice shall be given. The quorum for the meeting shall be one-third members of the ABS.

10) Procedure for Filing Complaints with the UCC:

- a) Wide publicity to be given for filing complaints.
- b) Complaints to be registered in strict confidentiality.
- c) Taking cognizance of complaints about sexual harassment, the UCC shall conduct enquiries, provide assistance and redressal to the victims and recommend penalties and other action to be taken.
- d) Any student resident, service provider, outsider, faculty member or non-teaching staff may file a complaint of sexual harassment against a student, resident, service provider, outsiders, faculty members or non-teaching-staff.
- e) The party may lodge a complaint directly to the Vice-Chancellor, or to any member of the UCC.
- f) The complaint may be oral or in writing. If it is oral, it shall be put into writing by the UCC.
- g) The UCC may hear both the parties (complainant and the accused) in a manner as it may deem appropriate, and determine the course of action that the situation merits.
- h) The UCC will be responsible for conducting a formal enquiry against the student/teacher/non-teaching staff member/service provider allegedly involved in a case on the basis of its findings during the preliminary enquiry.
- i) The inquiry shall be conducted under the rules and procedure already laid down by the University and will be in conformity with the principles of natural justice.
- j) The formal inquiry shall commence within a week and shall be completed within two months from the date of its reference. If the UCC finds it impractical to dispose the case within the given time, it will be recorded in writing, and the period may be extended by the Vice-Chancellor.

11) Penalties:

These shall be awarded as per University rules for employees. In case of students/service providers, they could include

- Warning
- Debarring entry into hostel/campus
- Withholding results
- Expulsion from the University
- Denial of re-admission
- Written apology
- Bond of good behavior

Note: In case of harassment by an outsider, that is, a person unconnected with the University, the university authorities shall initiate action by making a complaint with the appropriate authorities.

ORDINANCE 18

RETENTION AND DESTRUCTION OF RECORDS

18.1 Procedure for Maintenance of Academic Records

Abhilashi University, Mandi was established by Govt. of Himachal Pradesh vide “Abhilashi University (Establishment & Regulation) Act, 2014” and recognized by UGC under section 2 (f) and 22 (1) of the UGC Act, 1956. Therefore, formal official communication is taking place within the University as well as with multiple external Organizations from time to time. Being formal and in hard copies, this communication causes accumulation of records in the form of files, folders, registers and receipts etc. Down the line, Abhilashi University, Mandi has adopted various digitization methods and online portals for admissions, recruitment, fee deposit and other important information. With the ongoing time and the development of University, this stack is increasing in due course of time. Hence to save the office space and to better manage the office communications, it becomes necessary to weed out the obsolete records which are no longer required in the Abhilashi University. Abhilashi University is thus desired to have a simplified policy on records retention schedule, periodicity of destruction and a convenient procedure of weeding out the obsolete records. The details of this document cover the need of individual sections, mandate to constitute intra section committees for verification and certification of destructions of obsolete records of the University. A policy for retention and destruction of records should be framed as per the guidelines and procedure for Section/School/Faculty stated in this ordinance.

CONTENTS

Sl No.	Description	Annexure
1.	Instructions and guidelines	-
2.	Format of destruction Certificate	A
3.	Format of Register of weed out records	B
4.	General Schedule	C
5.	Academics Section	D
6.	Establishment & Recruitment Section	E
7.	Directorate	F
8.	Registrar's Office	G
9.	Finance and Accounts & Internal Audit	H
10.	Construction Wing	I
11.	Library	J
12.	Medical Unit	K
13.	Store & Purchase Section	L
14.	Security Section	M
15.	SRIC & IR	N
16.	Students' Office	O
17.	School Office	P

Instructions on Process of Records Retention and Destruction

To weed out the obsolete records, the following guidelines shall be adhered to:

- Every year, each segment should list out the obsolete records up to 31st December under its custody and weed them out before 31st January of the following year.
- A certificate in connection with such weeding out of records must be submitted to the Registrar before 15th February of every following year.
- In case no destruction has been carried out by any section, a certificate of “Nil Destruction” must be submitted.
- The Section/School/Faculty/Head will be responsible for the constitution of Obsolete Records Destruction Committee under his/her chairmanship. The committee should consist of at least 03 members to examine the details of obsolete records being proposed for destruction. Out of these 03 members, at least 01 member must be co-opted from other Section/School/Faculty.
- Section Head will be responsible to get the list prepared for records being proposed for destruction/retention.
- After segregation and examination by the committee, the Section/School/Faculty/ Head will ensure for destruction/retention of the records and submit a certificate to the Registrar certifying that the records have been destroyed/ retained as per Record Retention Policy of the University. A sample format of the certificate is attached at **Annexure “A”**.
- Registrar’s Office will be authorized and responsible to keep a record of such destruction certificates.
- In each section, a ‘Register of Records Destruction/Retention’ should be maintained showing the date and method of destruction. A sample format of the Register is attached at **Annexure “B”**.
- The records should be weeded out by way of shredding/burning in each section. As far as possible shredding of obsolete records should be adopted instead of burning as being eco- friendly without causing any harm to the environment. Destruction by burning may be adopted only if records are of highly sensitive.
- In case no specific schedule has been maintained by any Section, a general schedule as placed at **Annexure “C”** will be applicable.
- As far as possible, records of permanent nature should be digitized and preserved in duplicate. Keeping one copy in the custody of Section Head, the second copy must be preserved at the different geographic located repository.
- After certification by the Section Head on preserving copies in duplicate as above, hard copies of permanent records shall be treated as obsolete from the date of uploading. The hard copies no longer required specifically in future can be destroyed following the above procedure.
- The General Financial Rules (GFR) shall govern any procedure/period not covered in the above recommendations.
- The decision of the Vice Chancellor, Abhilashi University, Mandi will be final to approve any amendment, exemption or deviation required concerning the periodicity of destruction/retention of records.

Individual segments of the University shall maintain the periodicity of retention of records as defined specifically from Annexure “D” to Annexure “P”. In case no specific schedule has been maintained by any Section, the general schedule will be applicable.

Certificate of Record destruction and retention

A Committee as following was constituted in Section/School/Faculty to verify and recommend the destruction/retention of obsolete records for the year ending 31st December YYYY

.....
.....
.....
.....

On the recommendations of the committee, obsolete records due for destruction have been destroyed as entered in the Register of Destruction. However, the files/registers/records listed in the attached Annexure.... have not been destroyed irrespective of scheduled periodicity and were retained for the purpose as mentioned against each.

Certified that:

1. No action is pending in respect of the records recommended for destruction.
2. No recovery is pending as on date where the destroyed records shall be required in future.
3. No court proceeding/Enquiry is pending or contemplated as on date where the records proposed for destruction shall be required to be produced.

Signature member-1

Signature member-2

Signature member-3

Date.....

Signature of Chairperson/Section Head

Copy to:

1. Registrar Office
2. Section/ School/Faculty records

Format of Register of Records Destruction/Retention

S.No.	Reference Number or record	Nomenclature of record	Date of Last enclosure	Number of last enclosure	Due date of destruction	Date of actual destruction	Method of Destruction	Remarks	Signature

Record Keeping & Destruction of Records in case of section not specifically defined

Sl. No.	Description	Permanent	Periodicity
1.	Policy Files	Yes	Generally not to be destroyed/ may be destroyed following due procedure after digitization of records.
2.	Correspondence files	No	3 years after date of last enclosure and no action pending.
3.	Registers	No	1 year after last day of statutory audit, if there is no pending audit observation.
4.	Receipts & Folders	No	1 year after last day of statutory audit, if there is no pending audit observation.

Records related to Academics section

Sl.No.	Description	Permanent	Periodicity
1	Personal files of the students	Yes	
2	Master Grade Reports	No	10 Years
3	Tabulation Records / Result Sheets	Yes	
4	Semester Grade reports of courses received from the instructors	Yes	
5	Evaluated answer books available with/returned by the Instructors after each Semester- end / Term-end exam	No	1 year after examination
6	Course Evaluation forms (TCF) submitted by the students for the courses of a semester	No	3 Years (Access is with the Director)
7	Minutes of the Senate and Agenda papers and reports of the various committee appointed by the senate	Yes	Maintained at Registrar’s Office also.
8	Admission forms/records of UG/PG/PhD candidates		a) Six months after the closure of process, if applicable (e. g. UG applications and Few PG (GATE, JAM) are accepted/ Rejected by the conducting agency) b) To be treated as Personal File records as serial no. 1
	a) Rejected applications		
	b) Selected ones	Yes	
9	PhD / MS Evaluation / Viva Reports	Yes	
10	Degree certificate register records	Yes	
11	Files related to correspondence with Central/State Govt. regarding award/renewal of Scholarships to UG/PG students		10 years
12	Convocation Registers	Yes	

13	Scroll (Registrar's Office)	Yes	
14	No Dues form	No	06 months after graduation
15	Correspondence files	No	05 years after closure
16	Thesis submitted by students	Yes	A hardcopy and softcopy shall be maintained in the Library.
17	Inward/outward Registers	No	05 years from the date of closing
18	Minutes of Scholarship Committee Meeting	No	Ten Years
19	Attendance Sheet/ Examination sheets	No	After 1 year of Examination
20	Award Lists	No	After 2 year of Examination
21	Examination Forms	No	After 1 year of Examination
22	Admit cards	No	After 1 year of Examination
23	AUCET Examination Form and OMR Sheet	No	After 1 year of Examination

Records related to Establishment & Recruitment Section

Sl.No.	Description	Permanent	Periodicity
1	Service Books	Yes	
2	Personal Files	No	To be destroyed after 05 years of retirement / Resignation
3	Shortlisted Applications	No	To be destroyed after six months of the completion of the process of selection.
4	Not Shortlisted Applications	No	Within three months after completion of the process.
5	Best Papers - *Faculty Rectt.	No	To be destroyed after Interview
6	Reference Letters	No	To be destroyed after Interview
7	Recruitment Correspondence	No	To be destroyed after 06 years of the completion of the process of selection.
8	Earned and other kinds of Leave File	No	To be destroyed after inspection of service book by an officer /official concerned or 01 Year
09	Muster Roll	No	01 year
10	Establishment File	No	05 years
11	Casual Leave Register	No	01 year
12	Inward Register	No	01 year
13	Outward Register	No	01 year
14	Personal files of staff on Contract/ Consolidated salary	No	To be destroyed after 5 years of the date of relieving
15	Digital Records for Recruitment with OAS/ Rectt. Team	No	To be destroyed after 6 months of the completion of the process of selection.

Records related to Directorate

Sl.No.	Description	Permanent	Periodicity
1.	Director's meetings	No	10 years
2.	Council file	No	10 years
3.	Visits file of Director	No	5 years
4.	Director's letters	No	5 years
5.	Director's Notifications file	No	5 years
6.	Schedule file	No	5 years
7.	Vehicle file	No	10 years
8.	Registrar Interview file	No	5 years
9.	MHRD File	No	5 years
10.	Panel for Administration Group “A”	No	5 years
11.	Panel Experts File for each School	No	5 years
12.	New Director's	No	5 years
13.	Faculty Interviews file	No	3 Years
14.	MOU File	No	5 years

Records related to Registrar’s Office

Sl.No.	Description	Permanent	Periodicity
1	Constitution of BOG/ FC/ Senate/ B&WC /ISC/Deans Committee	Yes	
2	Legal Open Court Cases	Yes	
3	Legal Closed Court Cases		2 Years after decision
4	Scrolls	Yes	
5	MoUs	Yes	3 Years after expiry
6	Annual Reports		1 Year
7	Index/Minutes of the Statutory Committee Meetings Like; BOG/ FC/ Senate/ B & WC/ ISC/ Deans Committee	Yes	
8	Creation of Corpus Fund	Yes	
9	Land related documents	Yes	
10	Appointments of Deans/ Associate/ Deans /Chairpersons/ CVO/ Nodal Officers, etc	No	Till Tenure
11	Faculty Roles Responsibilities	Yes	
12	General Notifications/ Office Memorandum/ Office Orders, etc.	Yes	
13	Correspondence with MHRD	Yes	
14	RTI Replies/ Appeals/ Quarterly Reports/ Index Register	No	1 year (after uploading on the website as per RTI Act)
15	Council/ All Directors/ Registrar’s Meeting agenda Minutes	No	5 Years
16	Correspondence with Local Administration / State Authorities/ MHRD, etc	Yes	
17	Inquiry Reports	No	2 Years after the closure of the case
18	Grievances	No	2 Years
19	Policy matters	Yes	
20	Foundation Day/Convocation, etc	No	1 Year
21	Creation of new posts	Yes	
22	Peer Review/ScSc	No	2 Years
23	Appointment of Director/Chairman BoG	No	2 Years after completion of the tenure
24	Handing taking over of Buildings	No	2 Years after completion of the tenure
25	Handing taking over register of Registrar	Yes	
26	Agreements copies	Yes	
27	NIRF	No	1 Year
28	Visitor’s Nominees	No	2 Years after validity
29	General files	No	2 Years
30	Record of Destruction Certificate	Yes	

Records related to
Finance and Accounts/Internal Audit

Finance and Accounts/Internal Audit shall follow the record retention and destruction schedule as mentioned below and is subject to be amended time to time.

Records related to Construction Wing

S.No.	Description	Permanent	Periodicity
1	Files about works which consist of Estimates, NITs, Quotations /tender documents, technical & financial evaluation, award letters and correspondence with the agencies for which final bills are paid	No	1 year of the date of payment
2	Attendance Registrar	No	5 Years
3	Measurement books	No	5 Years
4	Files related to the procurement of Cement or any other material	No	5 Years
5	Working Drawing for the works/built-in drawings	No	1 year after the final bill is paid. Soft copies shall be retained.
6	Circular file	No	1 year
7	Original agreements related to works	No	5 Year after the final bill is paid
8	Files about replies to Statutory Auditors	No	1 month after the audit is closed
10	Files relating to applications for allotment and Minutes of meetings	No	6 months
10	Allotment of accommodation	No	6 months
11	Occupation /Vacation reports File)	No	6 months
12	Electricity -bill generations files	No	6 months

Records related to Library

Sr.No.	Description	Permanent	Periodicity
1	Policy decision files	Yes	
2	Correspondence files	No	3 Years
3	Purchase Orders files	No	5 Years
4	Attendance records	No	1Year
5	Vendor empanelment files	No	3 Years after completion of tenure
6	LAC minutes records	Yes	
7	Recommendation form (Print Books & E-resources)	No	3 Years
8	Orders (Print Books & E-resources)	No	5 Years
9	Bill Entry Registers	No	3 Years
10	Accession Register (Print Books, E-books, Periodical)	Yes	
11	Consumable Registers	No	3 Year
12	Minor/Major Registers	Yes	
13	Invoice Registers (Receive Bills) Record	No	3 Years
14	Users visit entry registers	No	1 Year
15	Circulation Reports	No	1Year
16	Fine Record	No	1 Year
17	TA duty-related registers	No	1 Year
18	Dispatch Register	No	1 Year
19	License Agreements	Yes	

Records related to Medical Unit

Sl. No.	Description	Permanent	Periodicity
1.	ECG & Physiotherapy / X-Ray Register	No	01 year
2.	Indent/medical order Registers (medicine/surgical items consumable).	No	01 year
3.	Blood, Urine, and laboratory /Miscellaneous registers	No	01 year
4.	Indoor paper file/register (for future plan)	No	03 Years
5.	Store’s ledgers for consumables items (medicine)	No	03 years
6.	Ledgers for Tools/Eqp/ F & F items (major items)	Yes	
7.	Imprest cash A/cs	No	01 year
8.	Physical/ Fitness Certificate books	No	01 Year
9.	OPD Register	No	01year
10.	Policy matter files	Yes	
11.	Correspondence Files	No	03 Years
12.	Handing Overtaking Over Book	No	01 year

Records related to Stores and Purchase Section

Sl.No.	Description	Permanent	Periodicity
1.	Purchase Files upto 3 Lakh	No	10 Years
2.	Purchase Files Above 3 Lakh : <ul style="list-style-type: none"> • Machinery, Equipment, Instrument, Server etc. • Computer Desktop, Laptop, Computer Workstation, Software etc. • Furniture • Annual Rate Contract/Empanelment/ Services etc. 	Yes No No No	10 Years 10 Years 5 Years
3.	Stock Registers-Minor & Major	Yes	
4.	Stock Registers-Consumables	No	3 Years
5.	Purchase/Tender file opening Register	Yes	
6.	GST Certificate Issue File	No	3 Years
7.	File/Document/Bill etc. Movement Register Internal	No	5 Years
8.	Bill Register –Finance	No	10 Years
9.	Bill Register –Audit Section	No	10 Years
10.	Dak Received Register-External	No	10 Years
11.	Indent / Requisition Form file	No	2 Years
12.	RTI File, GPC, Dean committee & notifications etc. other correspondence files.	No	3 Years
13.	News Paper Advt. File	No	3 Years
14.	E-Procurement (Digital Signature) & Central Public Procurement Portal File	Yes	
15.	Government e Marketplace (GeM) purchase File	Yes	

Records related to Security section

Sl.No.	Description	Permanent	Periodicity
1	Key In/Out Register	No	3 years
2	Vehicles In/Out Register	No	1 year
3	Visitors detail Register	No	1 year
4	Material/Equipment out Gate Pass Register	No	1 year
5	AMC personnel/Courier/Milkman In/Out Register	No	1 year
6	Night time vehicles crossing South Campus to Navlaya Register	No	1 year
7	Record of FIRs/Police case file	No	3 years after the closing of the case
8	Students Indiscipline cases file	No	1 year after the closing of the case
9	Reports and Returns file	No	1 year after the settlement of audit para if any
10	Security orders by SO file	No	3 years
11	E-Tender for Security Services file	No	5 Years after the closing of the file
12	Correspondence with Security Service Provider	No	5 years after the closing of the file
13	Future Security Deployment Plan Approved by Competent Authority and other ongoing sanctions for the hiring of new Security staff	No	5 years
14	Training program and Physical Test Record file	No	3 years after completion of contract
15	Attendance Register of outsourced Security Staff	No	2 years
16	Handing/Taking over duties by Security Staff Registers	No	1 year
17	Security Checking Registers	No	3 years
18	Weekly Duty deployment Roster file	No	1 year

Records related to Dean (SRIC& IR) Office

Sl.No.	Description	Permanent	Periodicity
1	Projects Files	No	5 years after the closure of the project
2	International students Files	No	08 years from the date of the visit of student
3	MoU Files (IR)	Yes	
4	Temporary appointments files	No	Three years after the closure of the project
5	Rejected Project proposals	No	Six months on receipt of intimation regarding of rejection of the proposal by the PI
6	Project Leave (Staff & faculty)	No	Three years
7	Miscellaneous records	No	Two Years
8	University Policy Approvals, Decisions, Notifications, OM	Yes	

Records related to Dean (Students) Office

S.No.	Description	Permanent	Periodicity	Remarks
1	Mess Bill Files (Hostel Wise)	No	3 years	File with Hostel
2	Voucher Files all hostels	No	1 year	File with Hostel
3	Gymkhana File (papers related to gymkhana members and event reports)	No	5 years	File with Dean (S) Secretariat
4	Canteen File (contract and letters issued and received from vendor)	No	1 year after completion of the contract	File with Dean (S) Secretariat
5	Mess file (contract and letters issued and received from vendor)	No	1 year after completion of the contract	File with Dean (S) Secretariat
6	Disciplinary File (details about SWDC meetings and letters issued to students)	No	3 years after student graduation	File with Dean (S) Secretariat
7	Insurance File (contract and letters issued and received from vendor)	No	1 year after completion of the policy	File with Dean (S) Secretariat
8	Hostel file (hostel occupancy data, wardens' details, request received from students)	No	5 years	File with Dean (S) Secretariat
9	Exodia File	No	3 years	File with Dean (S) Secretariat
10	Alumni File (alumni data)	No	5 years	File with Dean (S) Secretariat
11	Stock Registers	No	10 years	File with Dean (S) Secretariat
12	Sports Section files	No	5 years	File with Sports
13	C&P Cell files	No	5 years after the student graduation	File with CnP

Records related to School/s Office

Sl.No.	Description	Permanent	Periodicity
1	Policy matter files	Yes	
2	Communication and approval with Regulatory Bodies	Yes	
3	Correspondence files with external agencies /invitation letters, etc.	No	3 Years after the date of last enclosure
4	Lab/School Records (Stock Register): Minor Items	Yes	
5	Lab/School Records (Stock Register): Major Items	Yes	
6	Student Lab. records	No	1 Year
7	PG Students admission files/ records (other than selected candidates)	No	1 Year
8	RTI/CAG/Parliamentary replies	No	1 Year
9	Internal notifications on policy decisions	Yes	
10	Internal notifications on routine issues	No	1 Year
11	Temporary Appointment & Invitation Files	No	05 Years
12	Student related personal files (Selection, National Conferences/DC Constitution/ Comprehensive Exam / JRF to SRF /Field Work etc.)	No	05 Years after release
13.	Students feedback form for staff assessment	No	02 Years
14.	Feedback forms (student/parents/ employers/ alumni)	No	02 Years
15.	Other misc. routine communications	No	1 Year

ORDINANCE 19

RESEARCH PROGRAMMES

- 19.1** The procedure for the award of Ph.D. degree is in conformity with the UGC (Minimum Standard and Procedure for the award of Ph.D. degree) Regulation, 2016.
- 19.2** A candidate seeking admission to Ph.D. must have secured at least 55% marks (50% for SC/ST) at Master level in the concerned subject. He / She will pay the required fee.
- 19.3** Admission to Ph.D. programme shall be through Entrance Test except to those who have qualified UGC-NET/ CSIR (JRF,NET)/SLET/GATE/ direct awardees of DST/ ICMR/ INSPIRE /Rajiv Gandhi National fellowship. Candidates who have completed their M.Phil./ M.Tech./ M.Pharma./ LL.M through entrance examination and course work will also be eligible for admission to Ph.D. programme.
- 19.4** All candidates will have to go through an interaction/ interview conducted by the concerned council/standing committee of the school.
- 19.5** Ph.D. programme shall not be conducted through distance education mode.
- 19.6** The supervisor for a selected candidate will be allotted by the Standing Committee according to the research interest of the candidate indicated during interaction and the consent of the supervisor.
- 19.7** The Standing Committee is constituted of:
1. Dean of Faculty – Chairman.
 2. Chairperson of Department.
 3. All Professors in the Department.
 4. One Associate Professor by seniority for 2 years.
 5. One Assistant Professor by seniority for 2 years.
- Standing Committee will permit the enrolment of the candidate for Ph.D.
- 19.8** A teacher of the University holding Ph.D. degree will only be eligible to be Supervisor. A Research Supervisor/Co-Supervisor who is a Professor at any given point of time, cannot guide more than three (3) M.Phil. and Eight (8) Ph.D. scholars. An Associate Professor as Supervisor can guide upto a maximum of two M.Phil. and six Ph.D. scholars and an Assistant Professor as Supervisor can guide upto one M.Phil. and four Ph.D. scholars. For interdisciplinary research there may be Supervisor from the department and Co-Supervisor of the other department of the University in which a part of research work is carried. A teacher up to the age of 70 years can be allotted students for Ph.D. programme.
- 19.9** After joining Ph.D. programme the candidate shall undertake a course work for a minimum period of one semester. The course work will include Three papers, one on research methodology, second in the subject concerned and third in the discipline of concerned research work as also given under 16.4 for M.Phil. Programme.
- 19.10** Students will have to qualify in the course with 55% marks or equivalent in grade point.

- 19.11** The students who have already done equivalent course work during M.Phil./M.Tech./M.Pharma/LL.M. need not do the same again.
- 19.12** The Research Degree Committee (RDC) for each subject shall consist of:
1. Dean of faculty – Chairman.
 2. Chairperson and all Professors of the department.
 3. Up to three subject experts nominated by Vice-Chancellor.
 4. Supervisor of the candidate concerned.
- 19.13** Within one and half years of enrollment the candidate through the Supervisor and Chairperson of the department will submit his/her plan of research work in the form of synopsis to RDC at an open seminar in the department. If synopsis is approved the candidate is registered and the Title of Ph.D. Thesis is approved. If required Research Degree Committee may ask the candidate to submit the revised synopsis with modifications or require another plan to be submitted.
- 19.14** Ph.D. scholar shall submit a six monthly progress report (through Supervisor and Chairperson) to Research Degree Committee. Approval of RDC is required for continued registration of the candidate to Ph.D. programme.
- 19.15** A candidate may submit the Ph.D. Thesis after three years from the date of enrollment (two years in case of scholars who have previously obtained M.Phil./M.Tech./M.Pharma./LL.M.). Maximum time limit will be eight years. After three years extension on year basis will be given by Vice-Chancellor only on the recommendation of Supervisor and Chairperson. Women candidates and PWD candidates may be allowed a relaxation of one year.
- 19.16** Prior to submission of thesis, the candidate shall make a pre-Ph.D. presentation in the department that may be open to all faculty members and students.
- 19.17** Ph.D. candidate shall publish one research paper in the referred journal and make two paper presentations in conferences/seminars before the submission of thesis and produce evidence for the same in the form of reprints or acceptance letter and paper presentation certificate.
- 19.18** A candidate is required to submit four hardcopies of the thesis along with softcopy of the thesis in CD as PDF file to the examination branch (Thesis Section).
- 19.19** Thesis must accompany a certificate from the supervisor that the research work is original and is worthy of consideration for the award of Ph.D. degree of Abhilashi University. The candidate having done dissertation in M.Phil./M.Tech./M.Pharma./LL.M. may extend/continue with the same research problem during Ph.D.
- 19.20** The Thesis submitted by a candidate shall be evaluated by at least two examiners, out of which at least one shall be from outside Himachal Pradesh or country. The panel of at least six examiners of Professor Level is submitted by Research Degree Committee in consultation with the Supervisor of the candidate and the Vice-Chancellor will appoint the two examiners out of the panel submitted.
- 19.21** Each examiner shall separately evaluate the Thesis and recommend that either the thesis be accepted in its present form or candidate required to re-submit his/her thesis in a revised and improved form or thesis be rejected.

- 19.22** The report of the examiner shall be placed before a committee consisting of Vice-Chancellor, Chairperson of the department and Supervisor of the candidate. If it is found that both the examiners have recommended that the thesis be accepted for the award of Ph.D. degree, the candidate shall be called for an oral test (Public Viva-Voce) by two examiners one of whom shall be the supervisor of the candidate and the other the examiner appointed by the Vice-Chancellor to defend the thesis. On satisfactory completion of Viva-Voce the degree may be awarded.
- 19.23** If one of the examiners recommends for re-submission of thesis with necessary changes, then the candidate shall be asked to do the needful and on receiving the corrected thesis the same shall be submitted to the concerned examiner.
- 19.24** If one of the examiners recommends that the thesis be rejected then the thesis shall be referred to the third examiner whose recommendation shall be final and further action be taken accordingly.
- 19.25** A candidate whose thesis is rejected shall not be registered again for the Ph.D. degree with the same research specialization.
- 19.26** The report of the oral examination shall be placed before the Board of Management only when the thesis is recommended for the award of Ph.D. degree.
- 19.27** Controller of Examination shall notify the result after the formal approval of Board of Management.
- 19.28** Every candidate shall give an undertaking that he/she will not, without the permission of the University, publish the thesis except in parts to be published in scholarly journals.
- 19.29** Following the successful completion of evaluation process and before the announcement of award an electronic copy of the thesis be submitted to INFLIBNET for hosting.
- 19.30** Prior to the actual award of degree the University shall issue a provisional certificate to the effect that the degree has been awarded in accordance with the provisions of UGC Regulations, 2016.
- 19.31** All the UGC regulations published in the Gazette of India No. 28 dated July 11 – July 17, 2009, part – III section – 4 and No. 2781 dated July 5, 2016 as amended from time to time shall be applicable for the award of Ph.D. degree after issuing necessary notification by the University in this regard.
- Note: The vacant and left out posts for the Academic year will be re-advertised and filled accordingly within 6 months.*

ORDINANCE 20

CONDITIONS OF SERVICE OF TEACHERS OF THE UNIVERSITY

As stipulated under Statue 31, 35 of the Abhilashi University

20.1 Conditions of service

Teachers of the University means Professors, Associate Professors, Assistant Professors and such other persons as may be appointed for imparting instruction or conducting research in the University or in any College or Institution maintained by the University and are designated as teachers by the Ordinances.

A teacher of the University shall be a whole-time salaried employee of the University and shall devote his/her whole-time to the University and does not include honorary, visiting, part-time and ad-hoc teachers.

Provided that nothing contained in this Ordinance shall apply to the work undertaken in connection with the examination of Universities or learned bodies or Public Service Commissions or to any literary work or publication or radio/television talk or extension lectures or, with the permission of the Vice-Chancellor, to any other academic work.

Provided that the students enrolled in Master's Program and passed first year successfully or students enrolled in Doctoral Program and his/her synopsis got approved by Research Degree Committee (RDC) may be appointed as Teaching Assistant for Bachelor and Master programs respectively. However, students enrolled in Master's Program will only engaged for conducting practicals.

No whole-time salaried teacher of the University shall without the permission of the Board of Management engage directly or indirectly in any trade or business whatsoever or any private tuition or other work to which any emolument or honorarium is attached. However, teachers may engage in consultancy work as per UGC guidelines and with prior approval of the University.

20.2 Nature of Duties

Every teacher shall undertake to take part in such activities of the University and perform such duties in the University as may be required by and in accordance with the Act, the Statutes and Ordinances framed there-under, for the time being in force, whether the same relate to organization of teaching, research, extension, examination of students, their discipline, welfare, and generally to act under the direction of the authorities of the University.

20.3 Period of probation and confirmation

The minimum period of probation shall be one year extendable by a maximum period of one more year in case of unsatisfactory performance.

The confirmation at the end of one year shall be automatic, unless extended for another year by a specific order, before expiry of the first year.

Subject to this Clause, it is obligatory on the part of the university/the concerned institution to issue an order of confirmation to the incumbents within 45 days of completion of probationary period after due process of verification of satisfactory performance.

Probation and confirmation rules are applicable only at the initial stage of recruitment, issued from time to time, by Abhilashi University.

All other Central Government rules on probation and confirmation shall be applicable mutatis mutandis.

20.4 Confirmation

It shall be the duty of the Registrar to place before the Board of Management the case of confirmation of a teacher on probation, not later than forty days before the end of the period of probation.

The Board of Management may then either confirm the teacher or decide not to confirm him, or extend the period of probation so as not to exceed twenty-four months in all.

In case the Board of Management decides not to confirm the teacher, whether before the end of twenty-four months' period of his/her probation, or before the end of the extended period of probation, as the case may be, he shall be informed in writing to that effect, not later than thirty days before the expiration of that period.

Provided that the decision not to confirm a teacher shall require a two-third majority of the members of the Board of Management present and voting.

20.5 Increment

Every teacher shall be entitled to increment in his/her scale of pay, unless the same is withheld or postponed by a resolution of the Governing body and after the teacher has been given due opportunity to make his/her written representation. An appraisal policy for increment should be strictly implemented for the same.

20.6 Age of Retirement

Subject to the provision of Statute 25, every teacher confirmed in the service of the University, shall continue in such service until he/she attains the age of superannuation i.e. 65 years or as prescribed by the UGC and Govt. of India from time to time.

Provided further that if the date of Superannuation of a teacher falls at any time during the Academic Session the Board of Management, may on the recommendation of the Vice-Chancellor re-employ the teacher for any period up to the end of the academic session, with a view not to disturb the teaching work of the Department/Centre.

In special cases, a teacher on his/her attaining the age of superannuation, may be re- employed on a contract in keeping with the regulations in this behalf as issued by the UGC from time to time.

20.7 Variations in Terms and Conditions of Service

Every teacher shall be bound to act in conformity with the Statutes, Ordinances, Regulations and Rules of the University as well as a code of professional ethics as may be formulated by the University.

Provided that no change in the terms and conditions of service of a teacher shall be made after his/her appointment in regard to designation, scale of pay, increment, provident fund, retirement benefits, age of retirement, probation, confirmation, leave; leave salary and removal from service so as to adversely affect him.

20.8 Professional Code of Conduct

Every teacher of the University shall abide by the Code of Conduct framed by the University and the following lapses would constitute misconduct on the part of a University teacher.

- i) Any lapses in performing his / her duties as assigned by the university from time to time.
- ii) Inciting students against other students, colleagues or administration (This does not interfere with the right of a teacher to express his/her difference of opinion on principles in seminars and other places where students are present) or any other such actions which are against the interest of the university.
- iii) Indulging in communal activities, or making inappropriate remarks on caste, creed, religion, race or sex in his/her relationship with his/her colleagues and trying to use the above considerations for improvement of his/her prospects or any other such actions which are against the interest of the university.
- iv) Refusal to carry out the decisions by appropriate administrative and academic bodies and/or functionaries of the University.
- v) Indulging in plagiarism of any sort within the legal meaning, interpretation and expression of the term.

20.9 Resignation

A whole-time salaried teacher may, at any time, terminate his/her contract by giving the University three months' notice in writing or on payment to the University of three months salary in lieu thereof. The notice period shall be one month in case of probationers, contractual, temporary and ad-hoc teachers or salary in lieu thereof.

Provided that the Board of Management may waive the requirement of notice at its discretion.

20.10 Contract

The written contract between a teacher and the University required to be entered into under Section 33 (1) read with statutes 22 (3) of Abhilashi University Act, 2014 shall be in the form prescribed by the Ordinances.

20.11 Fixation of Pay of Re-employed Pensioners

As per the Government of India Rules issued from time to time.

20.12 Teaching Days, Work Load and Leave Rules

The rules and conditions governing number of teaching days, work load and leave rules shall be as prescribed by the Academic regulation from time to time. A leave policy for increment should be strictly implemented for the same.

The other conditions of service for teachers will be as per UGC Regulation 2010 and as amended from time to time.

ORDINANCE 21
PROCEDURE/NORMS FOR APPOINTMENT TO THE POSTS OF
PROFESSOR, ASSOCIATE PROFESSOR, ASSISTANT PROFESSOR AND
ACADEMIC STAFF

As stipulated under Statue 28of the Abhilashi University

21.1 Vacancies

- a. The Registrar shall update the faculty positions in the various Departments in a prescribed proforma with all necessary details.
- b. The Registrar shall also maintain a Register of Roster so as to ensure reservation of posts in accordance with the Reservation Policy of the Government of India.
- c. The Head of the Department will intimate to the Registrar through the Dean of the School, the occurrence of a vacancy in the prescribed proforma along with such other particulars like the specialization, etc., which may be needed for making selections for such positions with reference to the structure of the Department approved by the University.

21.2 Mode of Advertisement

- a) Suitable advertisement shall be prepared from time to time on the basis of the information provided by the Registrar and approved by the Vice Chancellor.
- b) The advertisement shall clearly state the essential and desirable qualifications, requirement of experience, reservation of posts as per Government of India norms, last date of receipt of applications, procedure of short-listing of candidates to be called for interview for a post etc. It shall also clearly state relaxations, if any, in the qualifications or experience in the advertisement. It shall be ensured that advertisement for a post invariably mentions that higher qualification holders shall be given preference. The conditions, if any, under which the essential qualifications are relaxable shall be clearly stated in the advertisement.
- c) Advertisement shall appear in at least two newspapers and in at least one regional newspaper. It shall also appear in the website of the University. On-line applications may also be invited; Provided that if there are some academic positions for which the candidates are likely to be exclusively available in a particular region or regions, the advertisement may be limited to the papers in that region or regions, only after recording the reasons for doing so in writing and with the prior approval of the Vice-Chancellor.
- d) The closing date of receipt of applications shall be at least five weeks from the date of appearance of the advertisement in the newspapers.
Provided that in emergent circumstances the notice may be reduced to three weeks for reasons to be recorded in writing.
- (e) No application will be entertained after the closing date unless the delay is condoned by the Vice Chancellor.

21.3 Personal Contact Candidates

A process of personal contact may also be initiated by the Vice-Chancellor for obtaining particulars of candidates from appropriate authorities in the concerned fields. The particulars so forwarded by the concerned authorities, in response to such a request, may also be considered along with other applications in response to the advertisement. No application fee shall be chargeable in respect of such applications.

21.4 In order to attract best talents, the University may make rolling advertisements whereby eligible candidates can submit their applications for different faculty positions throughout the year.

21.5 Procedure of Scrutiny

- (a) The applications forms received shall be scrutinized as per the norms prescribed by the UGC by a Committee consisting of the following members:
- i) Dean of the School concerned-Chairman
 - ii) Head/Coordinator of the Department concerned-Member provided he/she is Professor, failing which he/she may be involved in the scrutiny for the post of Assistant Professor
 - iii) All Professors of the Department
 - iv) Senior most Associate Professor of the Department concerned (only for scrutiny of assistant professor)
 - v) At least one Professor from another Department in the same School or another School or as decided by the Vice Chancellor.
- (b) The procedure for scrutiny of applications shall be as follows:
- (i) In the first instance, the non-academic particulars of the candidates like age, nationality, date of submission of application, etc. shall be scrutinized. Academic qualifications and experience shall be considered next. Separate merit lists of eligible candidates shall be prepared for reserved and unreserved posts with reference to the area of specializations. In case a candidate is found ineligible, the Remarks column in the list must specify the reason.
 - (ii) Ordinarily, the number of candidates recommended for interview for one post may not exceed twelve and for two posts twenty, and ten per post, if the vacancies are more; A suitable screening criterion, as approved by the Vice Chancellor, may be used by the Committee for short-listing, on the basis of merit, to recommend the required number of candidates for interview.
Provided that the above number may be exceeded by the Committee for reasons to be given in writing;
 - (iii) Ordinarily, for the posts of Assistant Professors or equivalent, a higher weightage will be given for consistently good academic record, the objective being to pick up those who have the best potential for development. Their research work and other experience shall be considered but with a lesser weightage. A short-listing of candidates, in the order of merit, for the post of Assistant Professor shall be prepared by the Committee on the basis of screening criteria.
 - (iv) In the case of the posts of Associate Professor and Professor and their equivalent, the weightate for the teaching, co-curricular and extracurricular activities and research records shall be given as stipulated in the Performance Based Appraisal System (PBAS) based on the Academic Performance Indicator (API) of the UGC Regulations. Merit list of candidates for these posts and their equivalent shall be drawn on the basis of the proforma.
 - (v) Under no circumstances shall the essential qualifications, experience and requirement of API scores as prescribed by the UGC and advertised accordingly, be relaxed.
 - (vi) The Head of the Department or the Dean of the School, as the case may be, will forward the applications with his recommendations to the Vice Chancellor for final selection of candidates for interview for the posts. The Vice Chancellor may vary the list suitably at his discretion to ensure sufficient number of candidates for interview.

21.6 Re-advertisement

If the number of recommended eligible candidates is less than three per vacancy or its multiples for more than one vacancy, the post shall be re-advertised with the stipulation that candidates who may have applied earlier need not apply again. In such cases, the Vice Chancellor shall also initiate personal contact as provided in clause 21.3 above. In case the number of eligible

candidates is still less than three after the process of second advertisement and personal contact, the interviews shall be held in accordance with the provisions of this Ordinance.

21.7 Information to candidates

The candidates will be informed through registered post/speed post and/or email/telephones/telegrams of the venue, date and time of interview at least twenty one (21) days ahead of the scheduled date of interview.

21.8 The Chairman - Convenor shall issue to each member of the Selection Committee a Notice, not less than ten days before the meeting, stating the time and venue of the meeting. Meeting of the Selection Committee shall be fixed after prior consultation with, and subject to the convenience of Visitor's nominee and of the experts nominated by the Board of Management.

21.9 The Chairman - Convenor shall be entitled to vote at the Selection Committee meeting and shall have a casting vote in the case of a tie.

21.10 The recommendations of the Selection Committee shall be submitted to the Governing body and orders of appointment shall be issued after the approval of the Governing body.

21.11 The terms and conditions with regard to the minimum qualifications and other terms and conditions, as prescribed by the UGC from time to time, shall be followed.

- i. In addition to the above, the Vice-Chancellor may prescribe, in consultation with the concerned Dean and Head of the Department, to the Academic Council such specification or any other conditions as required for the post to be filled up.

21.12 The prescribed qualification and experience will be minimum, and the mere fact that a candidate possessing the same will not entitle him/her for being called for interview.

21.13 The University will have the right to restrict the number of candidates to be called for interview, based on the recommendations of the Screening Committee constituted as per the Regulations for this purpose, to a reasonable number on the basis of qualifications and experience higher than the minimum prescribed or by any other condition that it may deem fit.

21.14 It would be open to the Board of Management to offer appointment to suitable persons, who may not have applied, in accordance with the University Act.

21.15 The rules and procedures prescribed by the Govt. of India in respect of the Reserved Categories shall be followed as provided in the University Act.

21.16 The selection procedure shall be as laid down by the UGC Regulations on Minimum Qualifications for Appointment of Teachers and Other Academic staff in Universities and Colleges and Measures for Maintenance of Standards in Higher Education – 2010 and as amended from time to time.

21.17 In case of selection to two or more posts on the same date, the recommendations shall invariably be made in order of merit of the selected candidates for the purpose of determining seniority in service.

21.18 No recommendations should be made with a condition attached to the occurrence of the future events.

- 21.19** The Selection Committee, after considering a candidate for the post of Professor or Associate Professor, may, if it is of the opinion that he or she will be suitable choice for the next lower post, can make such recommendation.
- 21.20** The statutory provision for relaxing of age, minimum qualification, experience etc. prescribed in case of the candidates belonging to SC/ST/OBC/PWD categories will be made applicable to them.
- 21.21** If any candidate is recommended by the Selection Committee for appointment in relaxation of any of the prescribed conditions relating to qualifications, age, experience etc., it shall be so stated and recorded.
- 21.22** When the Selection Committee considers it fit to recommend a higher initial pay or advance increments to be offered to a selected candidate, it shall be as per the UGC Regulation referred to above.
- 21.23** Number of posts advertised may be treated as tentative. The University shall have the right to increase/decrease the number of posts at the time of selection and make appointments accordingly.
- 21.24** The in-service candidates should apply through Proper Channel.
- 21.25** Outstation candidates belonging to SC/ST/PWD categories called for interview will be paid equivalent to return single second class railway fare towards journey, expenses on production of ticket numbers / proof.
- 21.26** Canvassing in any form on behalf of any candidate will disqualify such candidate.
- 21.27** The Chairman - Convenor shall have the power to lay down the procedure in respect of any matter not mentioned in the Act / Statute / Ordinance.
- 21.28** The Selection Committee's recommendations, when approved by the Governing body, shall remain valid for a period of one year from the date of such approval. If in case the Governing body meeting is not held the Chancellor will made the final approval for the same.
- 21.29** The application forms will be sold and registration fee collected at the rates prescribed by the University from time to time. The SC/ST/ Persons with Disabilities/ regular in-service candidates need not pay the Registration Fee.

ORDINANCE 22
**MANNER OF APPOINTMENT AND EMOLUMENTS OF EMPLOYEES OTHER
THAN TEACHERS AND OTHER ACADEMIC STAFF**

As stipulated Statue 30 of the Abhilashi University

The procedure and norms for direct appointment and promotion to the non-teaching posts shall be governed as prescribed by the Cadre Recruitment Rules (Non-teaching Employees), 2014 of the Abhilashi University and as to be amended from time to time.

ORDINANCE 23

FEES PAYABLE BY STUDENTS OF THE UNIVERSITY

As stipulated under Statue 41 of the Abhilashi University Act, 2014

23.1 The fee structure of different courses of the University is as approved by the Himachal Pradesh State Government.

23.2 Due date and mode of payment:

The students shall deposit fees as prescribed by the University from time to time on or before the date fixed by the University.

23.3 Delay or default in payment:

- i) If a student does not pay fee on time, a fine shall a fine of Rs 50 or decided by the Government is imposed on the student per day.
- ii) The Vice Chancellor, or on his/her behalf any other officer to whom this/her power has been delegated may on the recommendations of the Dean of the Faculty/School concerned, relax any of the conditions for payment of fees in special cases provided the student concerned submits a written application stating the reasons for late payment of fee. Such applications should be submitted well ahead of the due dates, so that a decision may be taken.
- iii) Names of the defaulters, which shall be put up on the Notice Board, shall be removed from the rolls of the University with effect from the first day of the following month.
- iv) A student whose name has been struck off from rolls of the University may be re- admitted on the recommendations of the Dean of the School concerned and on payment of arrears of fees in full and other dues, together with a re-admission fee as fixed by the University. However, such re-admission shall be within the same semester and subject to the student fulfilling the minimum attendance criteria.
- v) Whenever a student proposes to withdraw from the University, he shall submit an application to the Dean of the School concerned through the Head of the Department/ Centre/ Centre intimating the date of his/her withdrawal. If he/she fails to do so, his/her name shall continue to be kept on the rolls of the University for maximum period of one month following the month up to which he has paid the fees. He/ She shall also be required to pay all fees/charges that may fall due during his/ her period.

23.4 Refund of fees, security deposit etc.:

The fee, security deposit etc. will be refunded as per the rules of the University/UGC from time to time if applicable.

23.4 Students shall not be issued Hall Tickets or allowed to appear at the Examinations unless they have cleared their dues and paid the examination fee.

23.5 Fees for re-checking / reevaluation Examination results:

The fees for re-checking examination results shall be fixed by the University from time to time. Provided that the fees shall be refunded to the candidate if, on re-checking the results, any error or omission is discovered in the results notified by the University.

23.6 Fees for the supply of Statement of Marks:

- i) Every candidate shall pay along with the examination fee, a fee as fixed by the University for the supply of statement of marks for each examination.
- ii) The statement of marks shall be sent to the candidates through the Head of the Department/Centre concerned.

iii) Duplicate copies of Statement of Marks shall be supplied on payment of a fee as fixed by the University for each statement of marks.

23.7 Fees for issuing transfer, provisional and other certificates:

- i) The fees for issuing the following documents, and for duplicate copies thereof, shall be as prescribed by the University:
 - a) Transfer Certificate. (Duplicate copy of the Transfer Certificate)
 - b) Provisional Certificate of having passed an examination of the University. (Duplicate copy of the above)
 - c) Degree Certificate (In-person) Degree Certificate (In-absentia). Duplicate copy of Degree (on production of FIR)
 - d) Bonafide Certificate
 - e) Any other certificate
 - f) Duplicate copy of any other certificate
- ii) A student or candidate, who wishes to add or to alter his/her name as originally recorded in the University Registers shall pay a fees fixed for the purpose by the University. Such addition or alteration shall be made to his/her original name as alias in the University Enrollment Register after he has fulfilled the necessary formalities.
- iii) A student who applies for alteration of the record of his/her date of birth as entered in the University Registers shall pay fees fixed for the purpose by the University. No change in the date of birth shall be made unless approved by the competent authority.

ORDINANCE 24
NORMS/REGULATIONS FOR PROMOTION THROUGH CAREER
ADVANCEMENT OF ASSISTANT PROFESSORS, ASSOCIATE PROFESSORS,
PROFESSORS AND OTHER ACADEMIC STAFF

The promotion through career advancement of Assistant Professors/Associate Professors/Professors/other Academic Staff in the university shall be governed by the Norms/Regulations prescribed by the University Grants Commission in vogue and as amended from time to time.

ORDINANCE 25

THE CHANCELLOR

As stipulated under Statue 4 of the Abhilashi University

Powers and functions of the Chancellor.-

- (1) In addition to the powers conferred upon him, under sub-section (4) of section 12 of the first statutes, the Chancellor shall exercise the following powers, namely:
 - (a) He shall be the Chairperson of the Governing Body;
 - (b) He shall have the right to conduct an inspection or cause an inspection to be made, by such officer or officers as he may direct, of the University or any Academic Units. Including the buildings, laboratories, records and equipments thereof and also of the examinations, teaching and other work conducted or done by it, or to cause an inquiry to be made in a like manner in respect of any matter connected with the administration and finances of the University, or any Academic Units;
 - (c) In case of its inspection or inquiry relating to any of the affairs of the University or any Academic Units, he shall communicate to the Vice-Chancellor the result of such inspection or inquiry together with his views thereon and advise him with regard to the action to be taken thereon and on receipt of the report made by him. The Vice-Chancellor shall communicate the same forthwith to the Board of Management for consideration and the Board of Management shall communicate through the Vice-chancellor to the Chancellor such action, if any, as it proposes to take or has been taken by it upon the results of such inspection or inquiry;
 - (d) Where the Board of Management or the Management of the Faculty or Academic Units, as the case may be, does not take action to his satisfaction, he may after considering any explanation furnished or representation made by the Board of Management or Management of the Faculty or Academic Units. As the case may be, issue such directions as he may deem fit and the University or the Faculty or Academic Units, as the case may be, shall comply with such directions;
 - (e) Without prejudice to the foregoing provisions, he may, by an order in writing, annul proceedings of the University or any of its authority or the decision of any officer, as the case may be, which is not in conformity with the provisions of the Act or these statutes or the subsequent statutes or ordinances, as the case may be;
Provided that before making such order, he shall call upon the university or faculty or any of its Academic Units, as the case may be, to show cause why such an order should not be made and if any cause is shown within the period specified by it or by him in this behalf, he shall consider the same.
 - (f) All appointments recommended by the selection committee are subject to the approval of Chancellor;
- (2) When the Chancellor is away from the Headquarter or if he is unable to perform his duties due to ill health or for any other reasons, the Pro Chancellor, and if the office of the Pro-Chancellor is also vacant, such officer, as he may appoint, shall perform his duties, and the Vice-Chancellor or as the case may be, the officer appointed by him shall, at the earliest opportunity, report the action taken by him for his confirmation.

Provided that if the action taken is not approved by him, his decision thereon shall be final.

ORDINANCE 26
EMOLUMENTS, TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE AND POWERS
AND FUNCTIONS OF THE VICE CHANCELLOR

As stipulated under Statue 5 of the Abhilashi University

26.1 Salary:

As notified by the University Grants Commission and financial viability of Abhilashi University from time to time and it will be with the mutual consent of incumbent.

26.2 Leave:

As per the Leave Norms policy of the Abhilashi University.

26.3 Amenities

- 1) The Vice Chancellor shall be entitled to have water, power and rent free furnished residential accommodation with such furniture, as may be approved by the University within THE University premises. The premises of his/her lodging, other than the University campus will not be maintained by the University.
- 2) The Vice Chancellor shall be entitled to the facility of a free official car for official residence to home and vice versa and other official purposes only.

26.4 Powers and Functions

As stipulated under Statue and Abhilashi University Act.

ORDINANCE 27
EMOLUMENTS, TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE AND POWERS
AND FUNCTIONS OF THE REGISTRAR

As stipulated under Statue 6 of the Abhilashi University

27.1 Salary:

As notified by the University Grants Commission and financial viability of Abhilashi University from time to time and it will be with the mutual consent of incumbent.

27.2 Leave:

As per the Leave Norms policy of the Abhilashi University.

27.3 Powers and Functions

As stipulated under Statue and Abhilashi University Act.

ORDINANCE 28
EMOLUMENTS, TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE FINANCE OFFICER

As stipulated under Statue 7 of the Abhilashi University

28.1 Salary:

As notified by the University Grants Commission and financial viability of Abhilashi University from time to time and it will be with the mutual consent of incumbent.

28.2 Leave:

As per the Leave Norms policy of the Abhilashi University.

28.3 Powers and Functions

As stipulated under Statue and Abhilashi University Act.

ORDINANCE 29
EMOLUMENTS, TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE
CONTROLLER OF EXAMINATIONS

As stipulated under Statue 14 of the Abhilashi University

29.1 Salary:

As notified by the University Grants Commission and financial viability of Abhilashi University from time to time and it will be with the mutual consent of incumbent.

29.2 Leave:

As per the Leave Norms policy of the Abhilashi University.

29.3 Powers and Functions

As stipulated under Statue and Abhilashi University Act.

ORDINANCE 30
EMOLUMENTS, TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE OF THE
LIBRARIAN

As stipulated under Statue 15 of the Abhilashi University

30.1 Salary:

As notified by the University Grants Commission and financial viability of Abhilashi University from time to time and it will be with the mutual consent of incumbent.

30.2 Leave:

As per the Leave Norms policy of the Abhilashi University.

30.3 Powers and Functions

As stipulated under Statue and Abhilashi University Act.

ORDINANCE 31
CONSTITUTION, TERMS OF OFFICE AND RESPONSIBILITIES OF THE
BOARD OF STUDIES AND TERM OF OFFICE OF ITS MEMBERS

- 1) Each Department shall have a Board of Studies comprising the following members:
 - a) Head of the Department: Chairman & Convener.
 - b) All the Professors of the Department/Centre (ex-officio members).
 - c) The senior most Associate Professor and the senior most Assistant Professor by rotation, to be nominated by the Vice Chancellor.
 - d) Two faculty members nominated by the Vice Chancellor from amongst the faculty members belonging to allied/cognate subjects.
 - e) Two subject experts, not in the service of the university, to be appointed by the Vice chancellor on the recommendation of the Chairman.
 - f) Up to two experts, to be invited by the Chairman, in case need is felt for such persons for inputs in specialized area.
- 2) The appointment of members specified at c, d, and e shall be for a period of three years.
- 3) A teacher of the University Department/Centre shall cease to be a member if he/she ceases to be a teacher of the concerned Department/Centre.
- 4) Any casual vacancy may be filled for the un-expired period following the same procedure as provided for in above sub-clauses.
- 5) The Board of Studies shall ordinarily meet at least once a year and on such occasions as may be determined by the Vice-Chancellor.
- 6) The quorum for the Board of Studies Meetings shall be 50% of the members which shall include at least one outside expert.
- 7) In the absence of the Chairman, the senior-most member present shall act as Chairman for that meeting.
- 8) If in the opinion of the Head of the Department concerned, it is not necessary or expedient to convene a meeting of the Board of Studies to consider any item and if he/she considers that a matter could be disposed off by circulation among the members of Board of Studies, he/she may issue necessary instructions to that effect.

ORDINANCE 32
UNIVERSITY BUILDING COMMITTEE

- 1) There shall be a Building Committee consisting of the following members, namely:
 - a) The Vice Chancellor (Chairperson)
 - b) A Representative not below the rank of Civil Engineer
 - c) A member of Planning Board nominated by Vice Chancellor
 - d) The Finance Officer
 - e) A Representative of User Department
 - f) Two teachers of the University not below the rank of Professor nominated by the Vice Chancellor
 - g) Head, Department of Civil Engineering, (where it exists),
 - h) Head, Department of Electrical Engineering, (where it exists) or
 - i) The University Engineer, or the University Architect or a Government Architect.
 - j) The Registrar – Member Secretary

Note: The Dean of the Faculty/the Head of the Department/the Head of the Institution, who is the main user of the proposed Building, may be invited to attend the meeting in which the said project comes up for consideration.

- 2) The Committee shall...
 - a) be responsible for finalizing the Plans and Estimates of the various Building Projects approved by the UGC, or other funding Agencies, and for proper utilization of the Grants received from the UGC etc;
 - b) be responsible for the maintenance and upkeep of the University Buildings;
 - c) assess the cost of repairs, additions, alteration and demolition of the University Buildings annually and prepare the Budget for the same to be submitted for approval of the Board of Management.
 - d) exercise all such powers, as delegated to it by the Board of Management from time to time, and
 - e) Constitute one or more Sub-Committees to look after any of the functions and responsibilities assigned to it.
- 3) The Committee shall meet at least twice in a year, or as and when necessary.
- 4) One third members shall form the quorum.
- 5) The composition of the Building Committee should be intimated to the University Grants Commission immediately after it is constituted.
- 6) The Building Committee shall be responsible for ensuring the completion of the building in accordance with the approved plans and estimates and proper utilization of the funds received from the University Grants Commission, the Government and from the University's own resources.

Note: The above-mentioned composition and functions shall stand amended as per the notifications/instructions issued by the UGC from time to time.

ORDINANCE 33

PURCHASE COMMITTEE

There shall be a Purchase Committee of the University for the purchase of goods consisting of the following members, namely:

- a) One of the Deans/ Senior most Professor to be nominated by Vice Chancellor (Chairman)
- b) The Registrar or his representative
- c) The Finance Officer or his representative
- d) Head of the Department/Institution concerned;
- e) Officer in charge of Purchase & Procurement- (Secretary).

Power and functions:

- 1) The above Committee shall be responsible for procurement of goods as defined hereunder:
The term “goods” includes all articles, material, commodities, live stock, furniture, fixtures, raw material, spares, instruments, machineries, equipment etc. purchased or otherwise acquired for the use of the University but excludes books, publications, periodicals etc. purchased for a library.
- 2) The procedure to be followed in making procurement for the university Faculty/School/Department/Centre/Division/Sections should conform to the following yardsticks:
 - a) The specifications in terms of quality, type etc., as also quantity of goods to be procured, should be clearly spelt out keeping in view the specific needs of the procuring Faculty/School/Department/Centre/Division/Section.
 - b) The specifications so worked out should meet the basic needs of the Department/Centre/Section without including superfluous and non-essential features, which may result in unwarranted expenditure.
 - c) Care should also be taken to avoid purchasing quantities in excess of requirement to avoid inventory carrying costs;
 - Offers should be invited following a fair, transparent and reasonable procedure;
 - The procuring authority should be satisfied that the selected offer adequately meets the requirement in all respects;
 - The procuring authority should satisfy itself that the price of the selected offer is reasonable and consistent with the quality required;
 - At each stage of procurement the concerned procuring authority must place on record, in precise terms, the considerations which weighed with it while taking the procurement decision.
 - Faculty/School/Department/Centre/Division/Section may, with the approval of competent authority, procure the required goods from firms under DGS&D rates.
 - d) The University may utilize the approved registered suppliers for procurement of goods through Limited Tender Enquiry. A Head of Department may also register suppliers of goods which are specifically required by the Department or Office.
- 3) Purchase of goods can be done by inviting quotations for goods with the discretion and approval of purchase committee with final approval of Chancellor of the University.

ORDINANCE 34 SCHOOL BOARD

The School Board shall consist of:

- (i) Dean of the School;
- (ii) All Professors in the School;
- (iii) Heads of the Departments assigned to the School who are not Professors
- (iv) One Associate Professor and one Assistant Professor from each Department in the School by rotation based on seniority;
- (v) One representative each of the Boards of other Schools, which have inter-disciplinary work with the School, to be-nominated by the Vice - Chancellor on the recommendations of the School Board concerned;
- (vi) Not more than two teachers from Colleges, maintained, (wherever applicable) by the University, nominated by the Vice Chancellor on the recommendations of the Board of Studies; and
- (vii) Not more than five persons, not in the service of the University or of the College, maintained (wherever applicable), nominated by the Academic Council for their special knowledge and expertise in the subject concerned.

Provided that not more than one person per subject shall be nominated.

Provided further that ordinarily at least one person shall be from the State where the University is located.

Terms of Office

The term of office of members, other than that of the Dean and Professors, shall be three years.

Chairman

The Dean of the School shall be the Chairperson of the Board and shall convene and preside over the meetings of the Board.

Powers and Functions

The powers and functions of the Board shall be as follows:

- (a) To prescribe the qualifications for and procedures for admission of candidates to the various study Programmes in the Departments in the School.
- (b) To co-ordinate the teaching, evaluation and research work in the Departments in the School.
- (c) To approve subjects for research for various Degrees.
- (d) To constitute Committees to organise the teaching and research work in subjects or areas, which do not fall within the sphere of any Department in the School and to supervise the work of such Committees.
- (e) To recommend to the Academic Council the creation or abolition of teaching posts, and to consider proposals received from the Departments or Committees mentioned in Clause (d) above.
- (f) To consider Schemes for the advancement of the standards of teaching and research, and to submit proposals in this regard to the Academic Council.
- (g) To formulate arrangements for the School to participate in the work of the different centres of Studies in the University.
- (h) To promote and review research within the School and to submit reports on research to the Academic Council.
- (i) To frame general Rules for continuous internal evaluation and end-semester examinations.

- (j) To recommend to the Academic Council, the panel of examiners for the evaluation of thesis after considering proposals received in this regard from BOS.
- (k) To recommend to the Academic Council, the award of research Degrees to candidates who have been found qualified and fit to receive such Degrees.
- (l) To consider and act on any proposal regarding the welfare of the students of the Schools;
- (m) To perform all other functions which may be prescribed by the Act, Statutes and Ordinances, and to consider all such matters as may be referred to it by the Board of Management, the Academic Council or the Vice Chancellor; and
- (n) To delegate to the Dean, or to any other member of the Board or to a Committee such powers, general or specific, as may be decided upon by the Board from time to time.

Meetings

- (a) The Board shall hold at least two ordinary meetings in an Academic year, one in each semester.
- (b) The Dean may convene special meetings of the Board at his own initiative or at the suggestion of the Vice Chancellor or on a written request from at least one- fifth of the members of the Board.

Quorum

The quorum for the meeting of the Board shall be one-third of its total members.

Notice

Notice for any meeting of the Board shall be issued at least 14 days before the date fixed for the meetings.

The Dean may convene emergency meeting of the Board at short notice.

Rules of Business

Rule of conduct of the meetings shall be as prescribed by the Regulations in this regards.

ORDINANCE 35
RESEARCH ADVISORY COMMITTEE

As stipulated under Section and Statue of the Abhilashi University Act, 2014

1. There shall be constituted a Research Advisory Committee comprising of the following:

(i) Vice Chancellor/PVC – Chairperson	-	Ex-officio
(ii) Deans of Schools of Studies	-	Members - Ex-officio
(iii) Heads of Departments (not exceeding 5 by rotation)	-	Members - Ex-officio
(iv) Professors other than Deans of Schools and Heads of Departments (not exceeding 5 by rotation)	-	Members - Ex-officio
(v) Four Associate Professors to be nominated by the Vice-Chancellor representing different disciplines in the University	-	Members
(vi) Four external experts to be nominated by the Vice-Chancellor representing different disciplines in the University	-	Members
(vii) Registrar	-	Secretary - Ex-officio

2. Subject to the overall guidance of the Academic Council, the Research Advisory Committee shall perform, interalia, the following functions:
 - (i) To prepare a perspective of research and major thrust areas for research, if any, in the disciplines under its purview;
 - (ii) To evaluate institutional research projects for funding by national / international agencies;
 - (iii) To review the current status of research in each department and critically examine the progress thereof from time to time;
 - (iv) To indicate the priority areas of research in the departments particularly with reference to the role and responsibility of the University under Section 6 (1) (i) and
 - (v) of University Act taking into account the facilities available in the University and also create facilities wherever necessary in keeping with the major thrust areas accepted for the concerned Departments and individual interest of the members of the faculty;
 - (v) To evolve norms for consultancy and sharing of revenue between the Principal Investigator and the University for approval of the Board of Management; and
 - (vi) To perform such other functions as may be assigned to it by the Academic Council.

3. The Research Advisory Committee shall meet regularly at least twice a year.
4. The Research Advisory Committee may determine its own procedures for working.
5. The quorum of the Board shall be one-third of the total members;
6. The term of Office of the members other than ex-officio members shall be for a period of three years.

ORDINANCE 36
FUNCTIONS AND DUTIES
OF THE DEPARTMENTS IN THE SCHOOL

Constitution of the Department

Each Department in a School shall consist of the members as given in the Statutes 15(5) (b) and also such other persons as are designated members of the Department by the School Board concerned on the recommendations of the Department concerned.

Duties of the Department

Duties of the Department shall be:

- (a) To admit students to the various courses offered and to suggest the procedure for such admissions;
- (b) To suggest the pattern and the schedule of sessional evaluation for each Course offered by the Department;
- (c) To make proposal to the Academic Council, through the School Board, regarding the creation and abolition of teaching posts;
- (d) To propose research projects to be taken up by the members of the Department individually and in groups;
- (e) To propose and suggest the curriculum and reference and other reading materials for the programmes of study to the BOS.
- (f) To constitute Committees from its members and to assign to these Committees specific functions falling within its competence;
- (g) To appoint from amongst its teachers' advisers to students;
- (h) To propose schemes for and help in the maintenance and improvement of the standards of various Programmes of study and research of the subject in the department; and
- (i) To perform such other functions as may be assigned to it by the concerned School or the Vice-Chancellor.

ORDINANCE 37
DEANS' COMMITTEE

1. The University shall constitute a Committee of Deans of the University, to be known as the Deans' Committee.
2. The Deans' Committee shall comprise the following:
 - (i) The Vice-Chancellor - Chairperson (Ex-Officio)
 - (ii) All Deans of Schools - Members (Ex-Officio)
 - (iii) Registrar - Secretary
3. The functions of this Committee will be as follows:
 - a. To recommend deputation of teachers for International Conferences;
 - b. To consider such matters as may be necessary arising from the conduct of examinations, standard of results, etc;
 - c. To consider general administrative matters relating to functioning of Schools and Departments; and
 - d. To consider such other matters as may be assigned to it by the Board of Management or may be referred to by the Vice-Chancellor.
4. The meetings of the Deans' Committee shall be convened by the Chairperson.
5. The quorum of the Committee shall be 1/3rd of the total number.
6. The rules of conduct of meetings shall be as may be prescribed by Regulations in this regard.

ORDINANCE 38
EMOLUMENTS, TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE AND POWERS
AND FUNCTIONS OF THE DEAN OF STUDIES

As stipulated under Statue 10 of the Abhilashi University

1. Salary:

As notified by the University Grants Commission and financial viability of Abhilashi University from time to time and it will be with the mutual consent of incumbent.

2. Leave:

As per the Leave Norms policy of the Abhilashi University.

3. Powers and Functions

As stipulated under Statue and Abhilashi University Act.

ORDINANCE 39
EMOLUMENTS, TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE AND POWERS
AND FUNCTIONS OF THE DEAN STUDENTS' WELFARE

As stipulated under Statue 11 of the Abhilashi University

1. Salary:

As notified by the University Grants Commission and financial viability of Abhilashi University from time to time and it will be with the mutual consent of incumbent.

2. Leave:

As per the Leave Norms policy of the Abhilashi University.

3. Powers and Functions

As stipulated under Statue and Abhilashi University Act.

ORDINANCE 40
POWERS AND FUNCTIONS OF THE DEANS OF SCHOOLS

The Dean of the School shall:

- (a) Co-ordinate and generally supervise the teaching and research works in the School through the Heads of the Departments;
- (b) Maintain discipline in the classrooms through the Heads of the Departments;
- (c) Keep a record of the evaluation of sessional work and of the attendance of the students at lectures, tutorials or seminars when these are prescribed;
- (d) Arrange for the examinations of the University in respect of the students of the School in accordance with such directions as may be given by the Academic Council;
- (e) Shall be responsible for observance of the provisions of the Act / Statutes / Ordinances and Regulations relating to the Departments and the School;
- (f) Convene and preside over the meetings of the School Board and keep the minutes of the meetings of the Board; and
- (f) Perform such other academic duties as may be assigned to him/her by the Academic Council, the Board of Management or the Vice-Chancellor.

ORDINANCE 41

DUTIES OF HEADS OF DEPARTMENT

The Head of a Department shall convene and preside over meetings of the Department which shall be held at least twice in a semester.

He/she shall, under the general supervision of the Dean, be responsible for the following:-

- 1) To organize and supervise the teaching and research activities in the Department;
- 2) To frame the time table in conformity with the allocation of the teaching work made by the Department;
- 3) To maintain discipline in the class room and laboratories through teachers;
- 4) To assign to the teachers in the Department such duties as may be necessary for the proper functioning of the Department;
- 5) To assign work and exercise control over the non-teaching staff in the Department; and
- 6) To perform such other functions as may be assigned to him/her from time to time by the Dean, the Board of the School concerned, the Academic Council, the Board of Management and the Vice-Chancellor.

ORDINANCE 42
APPOINTMENT OF ADJUNCT FACULTY MEMBERS AND SCHOLARS-IN-RESIDENCE

1. To encourage interdisciplinary collaboration in research and teaching, the Board of Management shall appoint adjunct faculty members, who preferably are relatively younger and mid-career professionals and specialists, from other Universities/reputed research institutions/organisations (AEC, ICSSR, CSIR, ICAR, etc).
2. Such faculty should possess postgraduate or doctoral qualifications and have academic and research credentials; will be eligible for appointment as Adjunct Faculty in a University Department and may also include professionals and specialists from PSUs and business corporations,
3. The adjunct faculty member will be appointed on a tenure appointment for one academic year, or for two semesters.
4. They will be offered a token honorarium of up to Rs.1500/- per teaching hour/session, subject to a maximum of Rs.30,000/- per month.
5. The host University will provide them suitable office-space to facilitate their working and interaction with students and peers.
6. There will not be more than 5 such members at any given time in the University.

Scholars-In-Residence

1. Senior professionals and specialists from research and professional organizations (for example AEC, ICSSR, CSIR, ICAR, etc.) and those with PSUs and business corporations, with postgraduate or doctoral qualifications and with academic and research credentials will be eligible for appointment as Scholar-in-Residence in a University Department.
2. NRI and PIO professionals and specialists, working in overseas organizations, will also be eligible for these positions. Similarly, these positions will be open to those overseas (non- Indian) professionals and specialists who have been dealing with India issues in their work.
3. The Scholar-in-residence will be appointed on a tenure appointment ranging between six and twenty-four months and will be offered a consolidated remuneration of up to Rs.80,000/- a month, and a contingency grant of Rs.1,00,000/- per annum.
4. Besides, the host University will provide them suitable office-space and residential accommodation.
5. There will not be more than 2 such members at any given time in the University.
6. The Vice-Chancellor after consulting the person concerned and the Heads of two concerned Department/Centre/Institute shall make his recommendation to the Board of Management for appointment as an adjunct faculty member / scholar in residence.

ORDINANCE 43

FLOATING POSTS

1. There shall be a few floating posts of Professors as approved by the Board of Management/ Board of Management of the University.
2. These posts shall not be assigned to any particular Department but shall be made available to certain Departments which may be finding it difficult to fill up certain vacancies by the normal procedure.
3. Persons appointed against these posts will be eminent scholars including those who may have retired as Professors from this University or any other University or similar institutions of higher learning in India or abroad.
4. All appointments under floating posts will initially be made ordinarily for one year and efforts shall be continued for filling these posts in the normal course.
Provided that no floating appointment shall be renewed at the end of the year if the vacant post in the Department is filled up.
5. No appointment letters to persons appointed under the floating posts shall be issued unless the appointee enters into a contract with the University as per Proforma prescribed for 'Contract Appointment'.
6. Persons appointed under these posts shall be eligible to draw the pay last drawn or as fixed by the Board of Management/Board of Management in accordance with the U.G.C. guidelines in this regard.

ORDINANCE 44
RESERVATION OF SEATS AND OTHER SPECIAL
PROVISIONS FOR ADMISSION

1. Reservation of Seats

- 1.1 Reservation of seats shall be in accordance with the provisions of the Abhilashi University act and state government policy.
- 1.2 The Application Form of a candidate in the reserved category must be submitted alongwith a Certificate of Verification issued by a competent authority.
- 1.3 The vacant seats of reserve category, which could not be filled, due to non-availability of candidates belonging to respective category shall be filled as per Abhilashi University act.
- 1.4 The special provisions for admission to outstanding players/ NCC/ NSS will as per Abhilashi University act.
- 1.5 Foreign and NRI Students
 - (a) The admission of foreign nationality/international students be admitted as per the Abhilashi University norms.
 - (b) Every foreign student shall have to undergo a medical test for fitness (including test for AIDS) within a week from the date of admission.
 - (c) Foreign students admitted to a programme shall produce student visa within one month after completion of the admission. In case of failure to produce such certificate within the stipulated period the admission shall stand cancelled.

Application for admission should be submitted to the Dean/Head of the Department concerned.

ORDINANCE 45

VISITING PROFESSORS

1. A Visiting Professor should be an eminent scholar in his/her field. Generally a person who has held or is holding the post of Professor or a person who has achieved distinction outside the University sector, should be considered for appointment as Visiting Professor.
2. The maximum tenure of appointment of a Visiting Professor shall be two years and the minimum – not less than three months.
3. The University may appoint a person up to the age of 70 years as a Visiting Professor.
4. A Professor should not be appointed as a Visiting Professor in the same University in which he/she holds a post immediately before or after superannuation.
5. If a superannuated person is appointed as a Visiting Professor or a person from outside the country is appointed as a Visiting Professor, the honorarium shall be payable as per UGC norms as issued and amended from time to time.
6. In case a person serving in an Indian University is appointed as Visiting Professor, the honorarium payable should be determined on the basis of salary plus 10% of the basic pay plus dearness allowance, and other allowances, if any admissible (except conveyance allowance, if any) as per the rates of the parent University. The receiving University would also contribute towards pensionary benefits or CPF/GPF as per usual Rules.
7. It is expected that when a serving person is appointed as Visiting Professor, the parent University would give him/her duty leave without pay.
8. If a person working abroad on a permanent basis is invited as a Visiting Professor, the University may meet the cost of international air travel from its own resources. Visiting Professor appointed may be paid travel expenses within India in accordance with the Rules of the University.
9. Guest House accommodation will be provided free of charge by the host University, but food charges would be paid by the Visiting Professor.

ORDINANCE 46
GAMES AND SPORTS COMMITTEE

1. (a) There shall be a Games and Sports Committee consisting of the following members, namely:
 - (1) Chairman, appointed by the Vice-Chancellor
 - (2) Dean Students' welfare
 - (3) Presidents of various Games and Sports Clubs
 - (4) One Outstanding Sportsman from among the students on rolls, nominated by the Chairman for a period of one year
 - (5) Director of Physical Education, who shall be the Ex-Officio Secretary of the Games and Sports Committee
- (b) The Chairman of the Committee shall hold office for a term of two years.
2. The Committee shall :
 - (1) make arrangements and supervise the games and sports of the University and frame Regulations in this regard;
 - (2) frame the budget for games and sports;
 - (3) allocate finances to the various Clubs;
 - (4) maintain the play-grounds, gymnasias, swimming pools of the University;
 - (5) hold contests, competitions, tournaments, athletic meets, etc.;
 - (6) recommend to the Vice-Chancellor the names of outstanding players and sportsmen to be nominated for admission.
 - (7) perform such other functions, as may be assigned to it by the Academic Council from time to time; and
 - (8) take measures to attract the sports talent available in the University.

The Chairman Sports Committee will operate the budget under the supervision of DSW.

The Committee shall hold its meetings at least once in two months under the supervision of the DSW.

One-third of the total members shall form the quorum for a meeting of the Committee.